https://sarkarinaukrihelp.com/

YUKTI

उत्तर प्रदेश लेखपाल, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी एवं समाज कल्याण पर्यवेक्षक

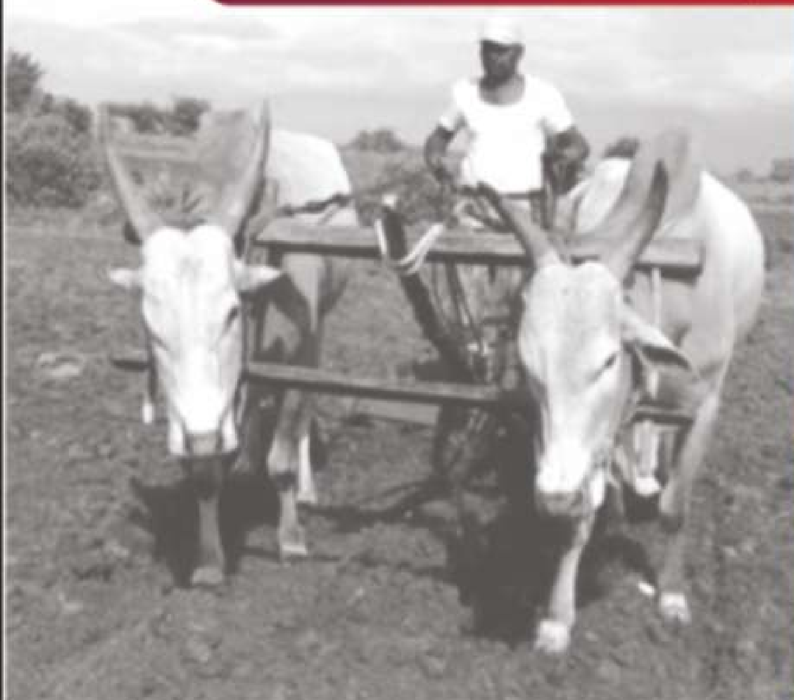
भर्ती परीक्षा 2018 हेतु

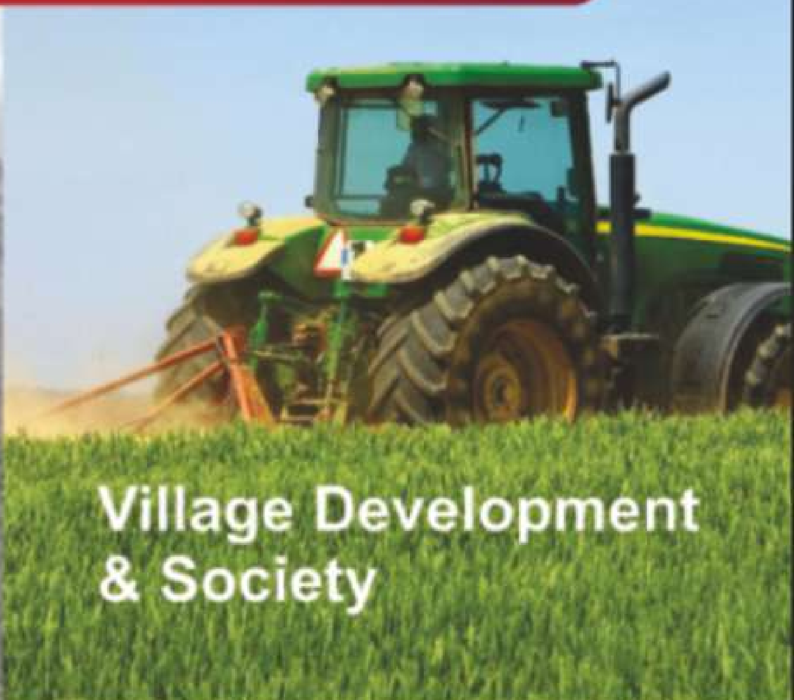
फास्ट-ट्रैक

ग्रामीण समाज एवं विकास व कृषि विज्ञान

QUICK REVISION + SELF CRASH COURSE SERIES

- उत्तर प्रदेश लेखपाल व अन्य राज्यों की लेखपाल व कृषि संबन्धित परीक्षाओं के हल प्रश्न-पत्र
- लेखपाल व चकबंदी लेखपाल का पद, कार्य, कर्तव्य, भू-धारण पद्धितियाँ
- कृषि, कृषि का महत्व, कृषि नीति, कृषि क्रान्तियाँ, पशुपालन, खाद्यान व्यवस्था, कृषि शब्दावली व केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा ग्राम विकास के लिए चलाई जा रही योजनाएँ
- आगामी लेखपाल व सम्मिलित ग्राम विकास अधिकारी (VDO) भर्ती परीक्षा की दृष्टि से 360+ महत्वपूर्ण संभावित प्रश्न





Village Development & Society

YUKTI ®

उत्तर प्रदेश लेखपाल, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी एवं समाज कल्याण पर्यवेक्षक

भर्ती परीक्षा 2018 हेतु

फास्ट-ट्रैक

ग्राम समाज

एवं विकास व कृषि विज्ञान

लेखन एवं सम्पादन

युक्ति पब्लिकेशन्स सम्पादन यूनिट





YUKTI PUBLICATIONS



विषय सूची

First Edition : 2018

YUKTI®

YUKTI PUBLICATIONS

Head Office : 14/132, First Floor
Garhaiya Hakiman Lane,
Hospital Road, Agra - 282003
Ph. : +91 7500029885, 9837259933
0562-2263135
e-mail : yuktipublication@gmail.com
website : www.yuktipublication.com

Rajasthan Branch Office :
Shop No. 40, Bhagwandas Market,
Chaura Rasta, Jaipur (Rajasthan)
Ph. : 0141-4033992, 8890353523
e-mail : mbhjaipur@gmail.com

₹99/-



पुस्तक के बारे में दो शब्द

YUKTI पब्लिकेशन्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक **'ग्राम समाज एवं विकास व कृषि विज्ञान'** हमारी अत्यन्त लोकप्रिय *फास्ट ट्रैक* शृंखला की एक और कड़ी है। यह पुस्तक सम्मिलित ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी, उत्तर प्रदेश लेखपाल, समाज कल्याण पर्यवेक्षक एवं सभी कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी परीक्षाओं के लिए समान रूप से उपयोगी है। जैसा कि हमारे जागरूक पाठक जानते हैं, कि *फास्ट-ट्रैक* शृंखला की पुस्तकें कम से कम समय में परीक्षा की तैयारी करने के लिए उत्कृष्ट पुस्तकें हैं क्योंकि ये पुस्तकें पाठ्यक्रमानुसार तथा पिछली परीक्षाओं से पूछे गए प्रश्नों की प्रकृति को ध्यान में रखकर लिखी जाती हैं। अतः ये परीक्षार्थियों के लिए अधिक उपयोगी बन जाती हैं।

पुस्तक के महत्वपूर्ण बिन्दु इस प्रकार हैं—

- पुस्तक पूर्णतः पाठ्यक्रमानुसार लिखी गई है।
- पुस्तक में तथ्यपरक विषय वस्तु का समावेश किया गया है।
- पुस्तक में कठिन प्रश्नों को समझाने के लिए YUKTI *ज्ञान* का सहारा लिया गया है।
- विषय वस्तु को सरल और सहज बनाने के लिए चित्रों का समुचित प्रयोग किया गया है।
- पुस्तक को लिखते समय पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों की प्रकृति को ध्यान में रखा गया है।
- पुस्तक में 6 साल्वड पेपर तथा प्रैक्टिस के लिए 340+ प्रश्न दिए गए हैं।

हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तक परीक्षार्थियों के सफल भविष्य के लिए सारथी सिद्ध होगी।

सम्पादक मण्डल व प्रकाशक

YUKTI

युक्ति का प्रण और लक्ष्य...

युक्ति मात्र एक प्रकाशन संस्थान ही नहीं, एक सोच है। वह सोच जो आपके लक्ष्य की प्राप्ति में उतनी ही सहायक है जितने आपके शिक्षक और माता–पिता। हमारा अस्तित्व ही आप और आपकी सफलता है एवं यही हमारा एकमात्र और अन्तिम लक्ष्य भी। हम आपको बताना चाहते हैं कि हर समय इसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु हम अनवरत जी–तोड़ मेहनत करते रहते हैं।

नित नये पैटर्न, नित नयी सोच, नित नये कलेवर। सबके पीछे उद्देश्य वही– कैसे भी आप बस सफल हो जायें। हमारी हर पुस्तक का केन्द्र केवल आपकी सफलता है।

धनोपार्जन आवश्यकता भर है, उद्देश्य नहीं।

कैसे कम–से–कम शब्दों में अपनी बात आप तक पहुँचायें, कैसे किसी टॉपिक को सरल से सरल ढंग से प्रस्तुत करें। कैसे 800 पेज का निचोड़ मात्र 80 पेज में दे दें। विश्वास कीजिये युक्ति के हर प्रयास का लक्ष्य, आप और आपकी सफलता ही है।

आपका समय चाहे वह दिन हों या रातें हमारे लिए अनमोल हैं, हमें विश्वास है कि हमारी बात भविष्य के किसी IAS ऑफिसर, बैंक मैनेजर, रेलवे अधिकारी या देश के लिए मर मिटने वाले किसी जांबाज नौजवान से हो रही है। आप से ही यह देश है। आप ही इसका आज और आप ही इसका कल हैं। आपकी सफलता की चमक हमारी आँखों में है और हमारी आँखों की चमक हमारी हर पुस्तक में आपको स्पष्ट दिखेगी।

हमारे बहुत–से पाठकों व पुस्तक विक्रेताओं की यह शिकायत रहती है कि युक्ति की पुस्तकें होती तो बहुत अच्छी हैं, पर देर से आती हैं। हम आपको बताना चाहते हैं कि युक्ति की हर पुस्तक गहन शोध, जाँच के बाद ही प्रकाशित होती है। हमारा प्रयास रहता है कि एक–एक अक्षर, शब्द और वाक्य पूर्णतः सही हो। जब तक हम संतुष्ट नहीं होते, पुस्तक प्रकाशित नहीं करते हैं। पुस्तक भले ही देरी से आये, पर वह शुद्धता और श्रेष्ठता में सर्वश्रेष्ठ हो, इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु हम प्रयासरत रहते हैं।

यही प्रयास और समर्पण युक्ति पब्लिकेशन्स की रीढ़ है।

प्रकाशन एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर देश के भावी कलाम, बोस व टैगोर बनाने का दायित्व है, हम अपना दायित्व जानते हैं। इसीलिए हम प्रतिबद्ध हैं उत्कृष्ट पुस्तकों के प्रकाशन हेतु, जो न केवल परीक्षा में आपकी सहायक बनें बल्कि भविष्य का रास्ता भी कदम–कदम पर प्रकाशित करती रहें।

असीमित प्रेम और स्नेह के साथ

युक्ति परिवार

डॉ. वर्गीज कुरियन
श्वेत क्रान्ति के जनक

सफलता एक ऐसी उपलब्धि है जो हर व्यक्ति पाना तो चाहता है। पर उसके लिये जरूरी चीजों को पहचानना तथा करना नहीं। यह ऐसा ही हुआ जैसे कि स्वर्ग तो हर कोई जाना चाहता है पर मरना कोई नहीं। अक्सर अपने इस छोटे से जीवन में कुछ अलग और नया करने के बजाय हम पहले से ही सुरक्षित तथा आजमाए तरीकों पर चलना ज्यादा पसन्द करते हैं। बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि हमें दूसरों की गलतियों से सबक लेना चाहिए। सत्य है ! पर वही बुजुर्ग आपको यह भी बताएंगे कि जब तक आप खुद गलती न करें तब तक आप बेहतर नहीं हो सकते। गलतियाँ आपको अधिक परिपक्व बनाती हैं। इमर्सन ने भी लिखा है, "हर व्यक्ति को अपने जीवन में अपने द्वारा की गई गलतियों को धन्यवाद देना चाहिये।" सिने स्टार आमिर खान का वह मशहूर टाइटन का विज्ञापन तो आपने देखा ही होगा—**"दूसरों की गलतियों से क्या सीखना, Make your own mistakes."**

दूसरों के तरीकों से नहीं, आगे बढ़ें अपनी युक्ति से....

हम सब जानते हैं कि महान एलेक्जेंडर ग्राहमबेल ने टेलीफोन का आविष्कार किया है। सोचिए इसके लिए उन्होंने कितनी ही बार गलत तार जोड़े होंगे। कितने असफल प्रयोग किए होंगे। कितनी ही बार मन ही मन हार मान ली होगी पर अंततः उन्हें जीत मिली। स्वयं से यह प्रश्न कीजिये क्या यह जीत उन्हें किसी दूसरे के लिखे या बताए हुए तरीके से मिली या अपने खुद के एक बिल्कुल अलग तरीके से ? उत्तर आपके पास है।

एक साधारण जीवन तो हम सब व्यतीत करते हैं। पर इतिहास के पन्नों में कुछ विरले ही जगह बना पाते हैं। दुनिया उन्हें मार्क जुकरबर्ग (Facebook के संस्थापक), स्टीव जाब्स (Apple के संस्थापक) और लॉरी पेज (Google के संस्थापक) जैसे नामों से पहचानती है।

हम सब में कुछ अलग, कुछ विलक्षण है जिससे हम इस दुनिया को बदलने की क्षमता रखते हैं। बस जरूरत है उसे पहचानने और निखारने की। रटे-रटाए, सुने-सुनाये या किसी के दिखाये रास्ते को चुनने से कहीं ज्यादा सार्थक है अपना रास्ता खुद बनाना। **इसीलिये दूसरों के तरीकों से नहीं, आगे बढ़ें अपनी युक्ति से।**



1. ग्रामीण क्षेत्रों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विभाग

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए राज्य सरकार तथा केन्द्र सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाओं का निर्माण किया जाता है। इन योजनाओं का कार्यान्वयन ग्रामीण क्षेत्रों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विभागों से सम्बन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों के माध्यम से किया जाता है जिसका विवरण निम्न प्रकार है–

1.1 खण्ड विकास अधिकारी
(Block Development Officer)

✦ विकास खण्ड का मुख्य कार्यपालन अधिकारी कौन होता है?
—खण्ड विकास अधिकारी

✦ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित खण्ड विकास अधिकारी का प्रशिक्षण कहाँ होता है? **—'ग्रामीण विकास संस्थान' में**

✦ एक विकास खण्ड के ग्रामों के विकास की जिम्मेदारी किस पर निर्भर करती है? **—खण्ड विकास अधिकारी पर**

1.1.1 खण्ड विकास अधिकारी के कार्य

खण्ड विकास अधिकारी के प्रमुख कार्य निम्न प्रकार हैं–

- खण्ड विकास अधिकारी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करता है।
- वह उच्चाधिकारियों के निर्देशों के अनुसार कार्य करता है।
- वह अपने विकास खण्ड में कार्य प्रसार अधिकारियों की सहायता से पंचायत समिति द्वारा निर्धारित निर्णयों का कार्यान्वयन करता है।
- वह विभिन्न एकीकृत योजनाएँ तैयार करता है तथा उनका क्रियान्वयन करता है। वह इन योजनाओं का हिसाब–किताब तथा लेखा तैयार करता है।
- खण्ड विकास अधिकारी ग्रामीण जनता के लिए सरकार के रूप में भूमिका निभाते हैं तथा ग्रामीणों के प्रत्यक्ष नियंत्रण में रहते हैं।
- वह अपने विकास खण्ड के समस्त कार्यों, प्रगति आदि से समय–समय पर अपने उच्चाधिकारियों को अवगत कराता है।
- खण्ड विकास अधिकारी खण्ड के विकास से सम्बन्धित प्रशासनिक स्टाफ की कार्य कुशलता में वृद्धि के लिए अनेक कदम उठाता है।
- वह जन शिकायतें सुनता है तथा उनके निराकरण की उचित योजना बनाता है।
- एक विकास खण्ड के ग्रामों का विकास खण्ड विकास अधिकारी पर निर्भर करता है।

1.2 लेखपाल
(Lekhpal)

✦ लेखपाल कौन होता है?
—लेखपाल गाँव स्तर का सरकारी कर्मचारी होता है।

YUKTI ***ज्ञान***—*लेखपाल गाँव स्तर पर सरकार का प्रतिनिधि होता है। 1906 तक इसके कार्यों का भुगतान गाँव द्वारा स्वयं किया जाता था लेकिन अब इसको सरकार द्वारा वेतन दिया जाता है। इसके अधिकार में एक या दो गाँव होते हैं।*

1.2.1 लेखपाल के कर्तव्य

लेखपाल के कर्तव्य निम्नलिखित होते हैं–

- लेखपाल के पास उसके अधिकार क्षेत्र के गाँव/गाँवों के खेती सम्बन्धी सभी कागजात रहते हैं जिन्हें भू–अभिलेख (Land Record) कहते हैं। यदि कोई किसान अपनी जमीन के सन्दर्भ में कोई जानकारी चाहता है तो लेखपाल सरकारी शुल्क लेकर उसको जानकारी उपलब्ध कराता है।
- लेखपाल अपने कागजात में खेत का नाम, लगान, उसका मालिक, उसका नम्बर आदि नोट करता है।
- वह खेतों में होने वाले परिवर्तन के अनुसार कागजों में परिवर्तन करता है।
- अनावृष्टि, सूखा/अकाल, बाढ़ आदि की जानकारी से अपने उच्चाधिकारियों को अवगत कराता है। इसके आधार पर ही सरकार मुआवजे का निर्धारण करती है।
- लेखपाल के पास प्रत्येक गाँव का नक्शा होता है। इस नक्शे में गाँव के खेत, रास्ते, सड़कें, नदी, तालाब, बाजार, मकान आदि अंकित होते हैं।
- इस नक्शे में खेत का क्षेत्रफल दिया होता है, उसी में उसका नम्बर भी लिखा रहता है। खेत के नम्बर की मदद से खेत को पहचानने में आसानी रहती है। लेखपाल का कर्तव्य है कि वह प्रत्येक वर्ष खेतों की नाप करे तथा कमी–वेशी को नक्शे में अंकित करे।
- किसान के स्वामित्व की समस्त कृषि भूमि का विवरण एक रजिस्टर में एक ही स्थान पर खाते के रूप में लिखा जाता है, इसे जमाबन्दी कहते हैं। इसकी दो प्रतियाँ तैयार की जाती हैं जिसकी एक प्रति तहसील कार्यालय में तथा दूसरी प्रति सम्बन्धित लेखपाल के पास रहती है।
- प्रत्येक चार वर्ष में जमाबन्दी का नवीनीकरण किया जाता है। इन चार वर्षों में किन्हीं कारणों से किसान के स्वामित्व की भूमि में कोई परिवर्तन हुआ है, तो उसे लेखपाल द्वारा जमाबन्दी रजिस्टर में लिख लिया जाता है।
- आजकल जमाबन्दी का कार्य कम्प्यूटर से भी किया जाने लगा है। इससे कम समय में ही किसान अपनी भूमि सम्बन्धी आंकड़ों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।



जब कृषि भूमि का आवासीय या व्यावसायिक प्रयोग होता है, तो उस भूमि का रूपान्तरण कराना आवश्यक होता है। कृषि भूमि के गैर कृषि भूमि में बदलाव को भूमि रूपान्तरण कहते हैं। भूमि रूपान्तरण सम्बन्धी रिपोर्ट लेखपाल अपने उच्च अधिकारियों को प्रेषित करता है।

- लेखपाल तहसील से आदेश का कागज प्राप्त होने पर अभिलेखों की प्रतियाँ प्रमाणित करेगा। डाक तहसील को भेजेगा।
- लेखपाल भूमापक नक्शों का निरीक्षण तथा संशोधन, खेत का निरीक्षण फसलों का निरीक्षण, अभिलेख लगान या भू-राजस्व की स्थिति का प्रतिवेदन अधिकारी के आदेशानुसार तैयार करेगा।
- गाँव के नक्शे में प्रत्येक खेत के लिए एक क्रमांक अंकित होता है। इस क्रमांक को खसरे के नाम से जाना जाता है। लेखपाल प्रत्येक वर्ष बोई गई फसलों की जानकारी को इस खसरा में दर्ज करता है। इसी आधार पर सरकार प्रत्येक फसल के अन्तर्गत बोए गए क्षेत्र का पता लगाती है।
- अपने हल्के के ग्रामों के लिए खतौनी मौजावार (बीट) तैयार करता है।

1.3 अन्य तथ्य

- लेखपाल का उल्लेख किस अधिनियम की धारा में है?
  —उत्तर प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम 1901 की धारा 23 में
- लेखपाल अपने हल्के में कार्य करता है उसका ट्रान्सफर किसके द्वारा किया जाता है? **—परगना अधिकारी/सहायक कलक्टर द्वारा**
- लेखपाल के कार्यों का विवरण किसमें वर्णित है?
  —'लैण्ड रिकार्ड मैन्युअल' में
- उत्तर प्रदेश में लेखपाल सेवा नियमावली कब बनी? **—वर्ष 2006 में**

YUKTI ज्ञान—*उत्तर प्रदेश लेखपाल सेवा नियमावली 2006 में लेखपाल का पद राजस्व परिषद के अधीन 'समूह ग' का पद बताया गया है। इस नियमावली में लेखपाल की भर्ती और चयन प्रक्रिया व प्रशिक्षण का उल्लेख है।*

- लेखपाल अपने हल्के के गाँव/गाँवों का प्रत्येक वर्ष खेत पर आकर निरीक्षण करता है। इस निरीक्षण को क्या कहते हैं? **—पड़ताल**

YUKTI ज्ञान—*लेखपाल एक वर्ष में तीन बार पड़ताल करता है— पहली पड़ताल 'खरीफ पड़ताल' (खरीफ की फसल की) दूसरी पड़ताल 'रबी पड़ताल' (रबी की फसल की) और तीसरी पड़ताल 'जायद पड़ताल' (जायद की फसल की)।*

- खसरा क्या होता है? **—खसरा एक कानूनी दस्तावेज होता है जिसमें किसी गाँव के जमीन के टुकड़े और उस पर उगाई जा रही फसलों का विवरण लिखा होता है।**
- लेखपाल द्वारा 'खसरे' में कृषि आँकड़े और खतौनी के लिए आवश्यक तथ्यों का उल्लेख किया जाता है।
- खसरे में कुल कितने खाने (Columns) होते हैं? **—22 खाने**
- खतौनी में कुल कितने खाने होते हैं? **—13 खाने**
- पटवारी शब्द का प्रारम्भ सर्वप्रथम किसने किया था?
  —शेरशाह सूरी ने
- किसके समय में पटवारी का नाम बदलकर लेखपाल कर दिया गया था?
  —चौधरी चरण सिंह की सरकार के समय में
- उत्तर प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम की धारा 33 में वर्णित 'वार्षिक रजिस्टर' को किस नाम से जाना जाता है? **—खतौनी**
- दाखिला खारिज (Mutation) की प्रक्रिया कब होती है?
  —जब कभी भूमि के कब्जे में परिवर्तन होता है। इसके अन्तर्गत खतौनी में जोतदार के नाम का परिवर्तन किया जाता है।
- कृषि वर्ष कब से कब तक चलता है?
  —1 जुलाई से प्रारम्भ होकर 30 जून तक चलता है।

YUKTI ज्ञान—*'कृषि वर्ष' को 'फसली वर्ष' भी कहते हैं।*

- खसरा एवं खतौनी को सम्मिलित रूप से क्या कहते हैं?
  —अधिकार अभिलेख
- भू-लेख निरीक्षक कौन होता है? **—कानूनगो या राजस्व निरीक्षक**

YUKTI ज्ञान—*भू-लेख निरीक्षक का काम लेखपाल के खसरे और खतौनी की जाँच करना होता है।*

- तहसील स्तर पर राजस्व प्रशासनिक अधिकारी कौन होता है?
  —तहसीलदार
- अमीन कौन होता है? **—भू-राजस्व की वसूली करने वाला**
- तहसील दिवस का आयोजन कब होता है?
  —प्रत्येक माह के प्रथम व तृतीय मंगलवार को

YUKTI ज्ञान—*तहसील दिवस का आयोजन माह के प्रथम और तृतीय मंगलवार को प्रत्येक तहसील में प्राप्तः 10 बजे से किया जाता है जिसमें जनता की शिकायतों को सुना जाता है तथा उनके निराकरण के लिए सम्बन्धित विभागों को आदेश दिया जाता है। तहसील दिवस पर जिले के बड़े अधिकारी एक जगह पर उपस्थित रहते हैं।*

1.4 चकबन्दी



उत्तर प्रदेश में चकबन्दी योजना का प्रारम्भ सन् 1954 में मुजफ्फरनगर जिले की कैराना तहसील व सुल्तानपुर जिले की मुसाफिरखाना तहसील से हुआ था। इसमें सफलता मिलने के पश्चात् चकबन्दी योजना को सन् 1958 से सम्पूर्ण प्रदेश में लागू किया गया। चकबन्दी योजना के संचालन हेतु चकबन्दी आयुक्त के अधीन चकबन्दी विभाग का गठन किया गया। चकबन्दी विभाग, राजस्व विभाग के अन्तर्गत आता है।

जनपद स्तर पर चकबंदी प्रक्रिया के सुचारु रूप से संचालन हेतु जिला उप-संचालक चकबन्दी, उप-संचालक चकबन्दी, सहायक संचालक चकबंदी, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, सहायक बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, चकबंदी अधिकारी एवं सहायक चकबंदी अधिकारियों, कानूनगो चकबन्दी तथा लेखपाल चकबन्दी की नियुक्ति कार्य के सापेक्ष किये जाने का प्रावधान किया गया है।

1.4.1 चकबन्दी लेखपाल

जब किसी क्षेत्र में चकबन्दी की प्रक्रिया चलती है तब चकबन्दी लेखपाल का काम सबसे महत्वपूर्ण होता है। चकबन्दी के माध्यम से ही गाँवों के लिए आबादी भूमि निकाली जाती है। इसके माध्यम से किसानों की छोटे-छोटे चकों में बंटी हुई भूमि को एक जगह पर इकट्ठा किया जाता है जिससे किसानों को कृषि कार्य करने में सुविधा हो और वे अधिक गहनता से कृषि कर सकें।

- चकबन्दी विभाग क्या कार्य करता है? **—किसानों की बिखरी जोतों को इकट्ठा करता है।**
- चकबन्दी विभाग का प्रमुख कौन होता है? **—चकबन्दी आयुक्त**
- जिला स्तर पर सर्वोच्च चकबन्दी अधिकारी कौन होता है? **—जिला उप-संचालक चकबन्दी**
- चकबन्दी लेखपाल 'चकबन्दी आयुक्त' के अधीन होते हैं जबकि राजस्व लेखपाल किसके अधीन होते हैं? **—जिला अधिकारी (DM)**
- चकबन्दी का वास्तविक कार्य कौन करता है? **—चकबन्दी लेखपाल**
- चकबन्दी प्रक्रिया राज्य सरकार की होती है**—एक कल्याणकारी योजना**
- उत्तर प्रदेश में जोत चकबन्दी अधिनियम कब बना? **—1953 में**
- उत्तर प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम 1901 की धारा 23 में किसके सम्बन्ध में उल्लेख है? **—लेखपाल के सम्बन्ध में**

1.4.2 भू-मापन सर्वेक्षण

लेखपाल और चकबन्दी लेखपाल को भू-मापन सर्वेक्षण का ज्ञान होना आवश्यक होता है। इसके लिए उनको भू-मापन में प्रयोग आने वाले प्रमुख यंत्रों तथा मापन की इकाइयों का ज्ञान होना आवश्यक होता है जिनका विवरण इस प्रकार है—

- किसी भू-भाग के सर्वेक्षण के लिए भू-मापन हेतु आवश्यक प्रमुख यंत्रों में किसका सर्वप्रमुख स्थान है? **—जरीब का**





'छल्ला' जरीब की कड़ियों को एक दूसरे से जोड़ने के अतिरिक्त, जरीब की लम्बाई को घटाने बढ़ाने में प्रयुक्त होता है।

- 'गट्ठा' से तात्पर्य क्या है? **—जरीब में इसके कुल नाप के दसवें अंश के बराबर की नाप का एक गट्ठा भी लगा होता है जो छोटी लम्बाई नापने के काम आता है।**
- 'गट्ठा' किसका बना होता है? **—बाँस का**
- भू-मापन के लिए जरीब एक उपयुक्त यंत्र होने के कारण इसका दीर्घकाल से प्रयोग किया जा रहा है। जरीब' कई प्रकार की होती हैं लेकिन इनमें से 'शाहजहाँनी जरीब' तथा 'गंटरी जरीब' का प्रचलन सबसे अधिक रहा है।

- 'शाहजहाँनी जरीब' की कुल लम्बाई कितनी होती है? **—165 फीट**

> YUKTI **ज्ञान**—*165 फीट लम्बी 'शाहजहाँनी जरीब' में 9.9 इंच लम्बी कुल 200 कड़ियाँ होती हैं। इसके द्वारा किया गया भू-मापन 'थाकवास्ट सर्वेक्षण' के नाम से भी जाना जाता है।*

- 'गंटरी जरीब' की लम्बाई कितनी होती है? **—132 फीट**

> YUKTI **ज्ञान**—*गंटरी जरीब का आविष्कार ब्रिटिश काल में एक ब्रिटिश अधिकारी गंटर ने किया था। इसलिए इसका नाम 'गंटरी जरीब' है। 132 फीट लम्बी गंटरी जरीब में 7.92 इंच लम्बी कुल 200 कड़ियाँ होती हैं।*

- गंटरी जरीब द्वारा किया गया भू-मापन क्या कहलाता है? **—कैडस्ट्रल सर्वेक्षण**

उत्तर प्रदेश में भूमि नापने का पैमाना

उत्तर प्रदेश में भूमि नापने के निम्नलिखित पैमाने हैं—

1 लाठा	=	99 इंच या 8 फीट 3 इंच
20 उनवांसी	=	1 कचवांसी
20 कचवांसी	=	1 बिस्वांसी 1 वर्ग लाठा
20 बिस्वांसी या 20 वर्ग लाठा	=	1 बिस्वा
20 बिस्वा	=	1 बीघा या 3025 वर्ग गज
1 गज इलाही	=	33 इंच
66 गज इलाही	=	55 गज इलाही
1 बीघा	=	55 × 55 वर्ग गज
8 बीघा = 5 एकड़	=	4,840×5 = 24,200 वर्गगज

महत्वपूर्ण मापक (इकाइयाँ)

1 मिलीमीटर	=	0.039 इंच
1 सेन्टीमीटर	=	10 मिलीमीटर = 0.394 इंच
1 डेसीमीटर	=	10 सेन्टीमीटर = 3.94 इंच
10 डेसीमीटर	=	1 मीटर = 100 सेन्टीमीटर = 1.094 गज
10 मीटर	=	1 डेकामीटर
10 डेकामीटर	=	हेक्टोमीटर = 10,000 सेमी
10 हेक्टोमीटर	=	1 किमी = 1000 मीटर
1 मीटर	=	1.094 गज
1 एकड़	=	4840 वर्गगज
1 एकड़	=	0.40467 हेक्टेयर
100 हेक्टेयर	=	1 वर्ग किमी
8 फर्लांग	=	1 मील
1 मील	=	1.609 किमी
1 एकड़	=	10 वर्गगज जरीब (गंटर्स)
1 हेक्टेयर	=	100 एअर

1.5 राजस्व विभाग

उत्तर प्रदेश राजस्व विभाग में राजस्व सचिव शाखा के तहत पाँच विभागाध्यक्ष कार्य करते हैं।

1. राजस्व परिषद, 2. चकबन्दी आयुक्त 3. राहत आयुक्त 4. निदेशक भूमि अध्याप्ति, उत्तर प्रदेश 5. प्रमुख सम्पादक, जिला गजेटियर।

सभी विभागाध्यक्षों का मुख्यालय लखनऊ में है।

1.5.1 राजस्व परिषद्

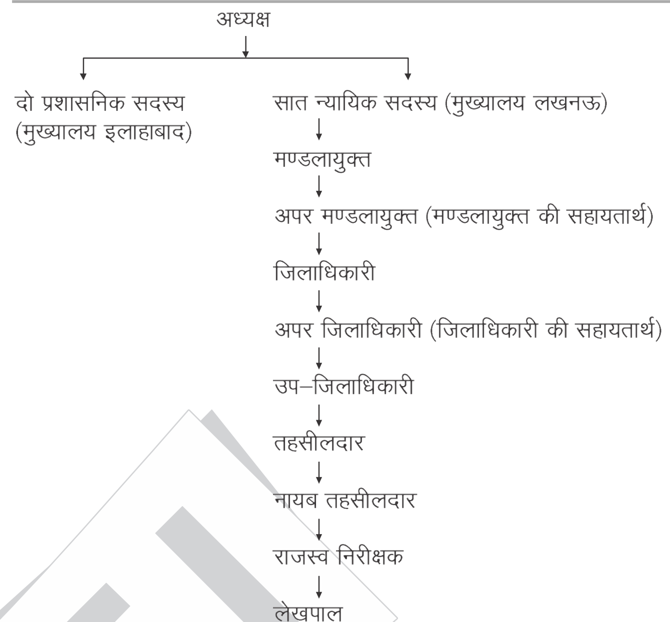
उत्तर प्रदेश में राजस्व परिषद् की स्थापना सन् 1831 में इलाहाबाद में तत्समय विद्यमान एवं प्रचलित पूर्व व्यवस्थाओं को समाप्त करके की गई थी, तब से यह परिषद् शासन में महत्वपूर्ण इकाई के रूप में क्रियाशील है।

- सन् 1932 में परिषद् को नायब तहसीलदारों, तहसीलदारों की नियुक्ति तथा स्थानान्तरण करने तथा जिलाधिकारियों एवं मण्डलायुक्तों के कार्य पर नियंत्रण के अधिकार प्रदान किए गए।
- 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद न्यायिक तथा प्रशासनिक व्यवस्था को अलग कर दिया गया। न्यायिक कार्यों का मुख्यालय इलाहाबाद तथा प्रशासनिक कार्यों का मुख्यालय लखनऊ रखा गया।
- न्यायिक कार्य के सदस्य न्यायिक तथा प्रशासनिक कार्य के लिए आई.सी. एस. संवर्ग के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ सदस्य नियुक्त किए गए।
- 1947 से 1955 - 56 तक भूमि व्यवस्था आयुक्त का पद सृजित था जिसे समाप्त करके वर्ष 1956-57 में प्रशासनिक सदस्य के रूप में सदस्य (कर) तथा सदस्य (भूमि व्यवस्था) की नियुक्ति परिषद् मुख्यालय में की गई।
- वर्तमान समय में राजस्व परिषद् द्वारा भूमि सुधार कार्यक्रमों के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के द्वारा भूमिहीन, आवासीय, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को कृषक भूमि तथा आवास स्थलों का आबंटन तथा पट्टाधारकों की भूमि पर दबंग व्यक्तियों द्वारा किए गए अवैध कब्जों को हटाकर वास्तविक पट्टाधारकों को कब्जा दिलाने आदि की कार्यवाही त्वरित गति से चलाई जा रही है।
- राजस्व विभाग द्वारा किए जाने वाले कार्यकलाप यथा—भूमि सुधार कार्य, राजकीय देयों की वसूली, राजस्व वादों की स्थिति, सर्वेक्षण एवं अभिलेख प्रक्रिया की प्रगति, राजस्व भवनों का निर्माण भू–अभिलेखों की कम्प्यूटरीकरण योजना एवं प्रशासन के सुदृढ़ीकरण सम्बन्धी कार्य तथा तहसील दिवस से सम्बन्धित कार्य सम्पन्न कराए जा रहे हैं।

1.5.2 राजस्व परिषद् का संगठन

- राजस्व परिषद् में एक अध्यक्ष, दो प्रशासनिक सदस्य तथा सात न्यायिक सदस्य होते हैं। इस परिषद् के अन्तर्गत मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी तथा समस्त राजस्व प्राधिकारी आते हैं।
- मण्डलायुक्त के सहायतार्थ अपर मण्डलायुक्त तथा जिलाधिकारी के सहायतार्थ अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और लेखपाल आते हैं।

1.5.3 राजस्व परिषद् की संरचना



1.5.4 राजस्व विभाग द्वारा किए जाने वाले मुख्य क्रिया कलाप

1.5.4.1 भूमि सुधार कार्यक्रम

- उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 में कृषि योग्य भूमि पट्टे पर आबंटित करने के लिए संघ के सशस्त्र बल में सक्रिय सेवा में रहते हुए जिनकी मृत्यु हुई हो, ऐसे व्यक्ति के परिवारजन को प्रथम वरीयता एवं संघ के सशस्त्र बल में सक्रिय सेवा में रहते हुए पूर्णतः विकलांग व्यक्ति को द्वितीय वरीयता प्रदान की गई है।

✦ **अनुसूचित जाति तथा जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के सदस्यों तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले सामान्य श्रेणी के व्यक्तियों एवं ग्रामीण कारीगरों के परिवारों को जिनके पास पर्याप्त आवास उपलब्ध नहीं है उनको किसके अन्तर्गत आवास स्थल उपलब्ध कराय जाने का प्रावधान किया गया है ?** **—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 64 के अन्तर्गत**

1.5.4.2 तहसील दिवस

- जन समस्याओं के निस्तारण, प्रमाण पत्रों/चेकों व अन्य सुविधाओं के वितरण केन्द्र के रूप में प्रत्येक तहसील में प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को प्रदेश के सभी जनपदों में तहसील दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

1.5.4.3 खतौनी का कम्प्यूटरीकरण

- उत्तर प्रदेश के समस्त कृषकों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से भारत सरकार की शतप्रतिशत वित्त पोषित योजना के अन्तर्गत प्रदेश की तहसीलों के चकबन्दी से बाहर 99949 ग्रामों की खतौनियों के अभिलेखों को कम्प्यूटरीकृत कर लिया गया है।
- अब किसानों को तहसील से कम्प्यूटरीकृत खतौनी के उद्धरण की प्रतिलिपि ₹15/- शुल्क देकर उपलब्ध कराई जा रही है।
- किसानों के हित में कम्प्यूटरीकृत खतौनी को इण्टरनेट पर भी उपलब्ध करा दिया गया है।

2. केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा गाँवों के विकास के लिए चलाई जा रही योजनाएँ

2.1 केन्द्र सरकार की योजनाएँ

उत्तर प्रदेश को एक विकसित राज्य बनाने के लिए ग्राम्य विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के सुनियोजित आर्थिक विकास, अवस्थापना–संसाधनों के सतत् निर्माण, रोजगार के सतत् अवसर सृजित करने को प्रमुखता दी गई है। ग्राम्य विकास विभाग द्वारा केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित विभिन्न योजनाएँ/कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। योजनाओं का प्रत्येक स्तर पर प्रत्यक्ष लाभ जन सामान्य को मिल सके, इसके लिए ग्रामीण विकास योजनाओं में पंचायती राज संस्थाओं की भी भागीदारी प्राप्त की जा रही है।

ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी नियोजन, कार्यान्वयन, अनुश्रवण एवं अनुसरण तथा समन्वय के दृष्टिगत वर्ष 1985 में आयुक्त ग्राम्य विकास का पद सृजित किया गया। आयुक्त के माध्यम से राज्य स्तर से लेकर मण्डल, जनपद, विकास–खण्ड एवं ग्राम सभा इकाई तक विकास हेतु सघन प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए राज्य सरकार केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ चलाई जा रही हैं जिनका विवरण इस प्रकार है–

2.1.1 महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम (मनरेगा) (MNREGA)

✦ उत्तर प्रदेश में मनरेगा का कार्यान्वयन कितने चरणों में सम्पन्न हुआ? **—तीन चरणों में**

> YUKTI ***ज्ञान***—*योजना का प्रारम्भ–प्रथम चरण 2 फरवरी 2006 से – 22 जनपदों में, दूसरा चरण 15 मई, 2007 से 17 अतिरिक्त जनपदों में तथा तीसरा चरण 1 अप्रैल 2008 से सभी जनपदों में।*



✦ इस योजना का उद्देश्य क्या है? **—एक वित्त वर्ष में कम से कम 100 दिनों का गारण्टी युक्त मजदूरी रोजगार उपलब्ध कराना है**

✦ इस योजना के अन्तर्गत केन्द्र और राज्य सरकारों का अंश कितना है? **—75 : 25 का**

> YUKTI ***ज्ञान***—*इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अकुशल मजदूरी पर शत–प्रतिशत अंश। सामग्री अंश पर भारत सरकार का 75 प्रतिशत अंश एवं राज्य सरकार का 25 प्रतिशत अंश।*

2.1.2 राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM)

✦ ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता निवारण के लिए एक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की शुरुआत केन्द्र सरकार ने कब की? **—3 जून, 2011 को**



✦ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की शुरुआत केन्द्र सरकार ने कहाँ से की? **—राजस्थान के बाँसवाड़ा जिले से**

✦ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का उद्देश्य क्या है **—इस मिशन का उद्देश्य 2024-25 तक सभी ग्रामीण परिवारों को संगठित करना और उन्हें तब तक सम्पोषित करना और सहायता देना है, जब तक वे दयनीय गरीबी स्तर से ऊपर नहीं उठ जाते**

2.1.3 प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

✦ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का क्रियान्वयन पूर्णत: केन्द्र पोषित योजना के रूप में प्रदेश में कब से किया गया है? **—25 दिसम्बर, 2012 से**



✦ 2001 की जनगणना के आधार पर कितनी जनसंख्या तक के गाँवों को पक्की सड़क से जोड़ना था? **—मैदानी क्षेत्रों में 500 अथवा इससे अधिक जनसंख्या व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 250 तक की आबादी वाले गाँव**

> YUKTI ***ज्ञान***—*2001 की जनगणना के आधार पर चिन्हित 500 या उससे अधिक की आबादी वाले गावों तथा नक्सल प्रभावित जनपदों में 250 या उससे अधिक आबादी की ग्रामीण बसावटों को योजनान्तर्गत आच्छादित किए जाने का लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है।*

✦ वित्तीय वर्ष 2015-16 में भारत सरकार द्वारा फण्डिंग पैटर्न में क्या बदलाव किया गया है? **—प्रधानमंत्री सड़क योजना में केन्द्रांश 60 प्रतिशत तथा राज्यांश 40 प्रतिशत कर दिया गया है।**

2.1.4 प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना

✦ प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना का प्रारम्भ कब से किया गया? **—2015-16 से**

✦ प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना किसके द्वारा वित्त पोषित है? **—शत-प्रतिशत केन्द्र द्वारा**

2.1.5 स्वजलधारा कार्यक्रम

✦ स्वजलधारा कार्यक्रम की शुरुआत केन्द्र सरकार ने कब से की? **—दिसम्बर 2002 से**

✦ ग्राम पंचायतों के माध्यम से लागू किए जाने वाले इस कार्यक्रम के तहत गाँववासियों को कुएँ, बावड़ी बनाने व हैण्डपम्प लगाने की सुविधा प्रदान की गई है। इस योजना के लागत का कितने प्रतिशत गाँव वालों को वहन करना होता है? **—10%**

2.1.6 जवाहर ग्राम समृद्धि योजना

• जवाहर ग्राम समृद्धि योजना, पूर्व में चल रही जवाहर रोजगार योजना का पुनर्गठित सुव्यवस्ति और व्यापक रूप है।

✦ यह योजना कब प्रारम्भ की गई? **—1 अप्रैल 1999 को**

> YUKTI ***ज्ञान***—*सितम्बर 2001 से इसे सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना में मिला दिया गया है।*

✦ इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य क्या था? **—इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगार एवं अल्प बेरोजगार व्यक्तियों के लिए लाभकारी रोजगार अवसरों का सृजन करना था**

2.1.7 प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना

✦ प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की शुरुआत कब की गई? **—21 मार्च, 2015 को**

✦ इस योजना के तहत कितने युवाओं को कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण प्रदान कराना है? **—1.4 मिलियन युवाओं को**

✦ प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना पर कितने रुपए खर्च होंगे? **—1120 करोड़**

2.1.8 प्रधानमंत्री जन-धन योजना

✦ प्रधानमंत्री जन-धन योजना का शुभारम्भ कब हुआ था? **—28 अगस्त, 2014 को**



✦ प्रधानमंत्री जन-धन योजना का उद्देश्य क्या था? **—बैंकिंग सेवाओं की पहुँच से दूर 7.5 करोड़ परिवारों को बैंक खातों की सुविधा उपलब्ध कराना**

> YUKTI ***ज्ञान***—*प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत बैंक खाता खोलने वालों को स्वदेशी रुपे डेबिट कार्ड के साथ ₹1 लाख की दुर्घटना बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। खाता खुलने के छः माह के पश्चात् ₹2500 तक की ओवर ड्राफ्ट सुविधा आधार सम्बद्ध खाते में उपलब्ध होगी जिसे 6 माह के पश्चात् ₹5000 तक बढ़ाया जा सकेगा।*

2.1.9 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना

✦ प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत कितनी उम्र के लोग अपना बीमा करा सकते हैं? **—18-50 वर्ष की उम्र के**

✦ प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत कितने रुपए तक का बीमा किया जाता है? **₹ 2 लाख तक का**



2.1.10 सन् 2022 तक सबके लिए आवास शहरी आवास हेतु राष्ट्रीय मिशन

✦ संघीय मंत्रिमण्डल द्वारा सन् 2022 तक सब के लिए आवास मिशन प्रारम्भ करने की अनुमति कब प्रदान की? **—17 जून, 2015 को**

✦ साख सम्बद्ध सब्सिडी के माध्यम से कमजोर वर्ग के लिए मकान बनाने के लिए दिए गए ऋण पर किस दर से सब्सिडी प्राप्त होगी? **—6.5 प्रतिशत**

2.1.11 सूखा आशंकित क्षेत्र कार्यक्रम

✦ सूखा आशंकित क्षेत्र कार्यक्रम का प्रारम्भ कब किया गया था? **—1973 में**

YUKTI ज्ञान—*कार्यक्रम का उद्देश्य सूखे की सम्भावना वाले चुनिंदा क्षेत्रों में भूमि, जल एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों का अनुकूलतम विकास करके पर्यावरण संतुलन को बहाल करना। 1 अप्रैल, 1995 से यह कार्यक्रम जलसंभर विकास के लिए तय किए गए साझा दिशा–निर्देशों के तहत, क्रियान्वित किया जा रहा है।*

2.1.12 मरुभूमि विकास कार्यक्रम

- मरुभूमि विकास कार्यक्रम कबसे प्रारम्भ किया था? **—1977-78 से**
- यह कार्यक्रम शत–प्रतिशत केन्द्रीय सहायता के आधार पर कार्यान्वित किया जा रहा है।
- मरुभूमि विकास कार्यक्रम किस उद्देश्य से शुरू किया गया? **—मरुभूमि को बढ़ने से रोकने, मरुभूमि में सूखे के प्रभावों को समाप्त करने प्रभावित क्षेत्रों में परिस्थितिकीय सन्तुलन बहाल करने व इन क्षेत्रों में भूमि की उत्पादकता तथा जल संसाधनों को बढ़ाने के उद्देश्य से**

2.1.13 सांसद आदर्श ग्राम योजना

- गाँवों के समग्र विकास के लिए एक नई सांसद आदर्श ग्राम योजना कब से शुरू की गई? **—11 अक्टूबर, 2014 से**

YUKTI ज्ञान—*गाँवों के समग्र विकास की इस योजना के तहत प्रत्येक सांसद से वर्ष 2016 तक 1-1 तथा वर्ष 2019 तक 3-3 गाँवों में बुनियादी एवं संस्थागत ढाँचा विकसित करने का आग्रह किया गया है।*



2.1.14 सुकन्या समृद्धि योजना

- सुकन्या समृद्धि योजना का शुभारम्भ कब किया गया? **—22 जनवरी, 2015 को**
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुकन्या समृद्धि योजना का शुभारम्भ किस शहर से किया? **—पानीपत (हरियाणा) से**



- सुकन्या समृद्धि खाता किसी भी डाकघर अथवा अधिकृत बैंक शाखा में कितनी आयु पर खुलवाया जाता है? **—जन्म के समय या 10 वर्ष की आयु तक**

2.1.15 राष्ट्रीय पेयजल मिशन

- भारत सरकार ने राष्ट्रीय पेयजल मिशन की स्थापना कब की थी? **—1986 में**
- राष्ट्रीय पेयजल मिशन का नाम बदलकर राजीव गाँधी पेयजल मिशन किस वर्ष किया गया? **—1991 में**

2.1.16 राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना की शुरुआत किस वर्ष की गई? **—2013 में**
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत निर्गम मूल्य क्या है? **—चावल ₹ 3 प्रतिकिलो, गेहूँ ₹ 2 प्रति किलो तथा मोटा अनाज ₹ 1 प्रति किलो**
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत चिन्हित प्राथमिकता वाले परिवारों के प्रत्येक व्यक्ति को कितना अनाज मिलता है? **—5 किलो प्रति व्यक्ति**
- इस योजना के अन्तर्गत खाद्यान्न कौन उपलब्ध कराता है? **—केन्द्र सरकार**

2.1.17 ग्रामीण क्षेत्रों में आवास निर्माण हेतु ऋणों पर 3% बिन्दु की सब्सिडी

- ग्रामीण क्षेत्रों में नई आवासीय इकाइयों के निर्माण तथा पहले से मजबूत पक्की आवासीय इकाइयों के प्रोन्नयन के लिए कितने रुपए तक के ऋणों पर 3 प्रतिशत बिन्दु की रियायत प्रदान की जाती है? **—₹ 2 लाख तक**
- इस योजना का संचालन किसके माध्यम से किया जा रहा है? **—राष्ट्रीय आवास बैंक के माध्यम से**

2.1.18 स्वच्छ भारत मिशन

- स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत कब की गई? **—2 अक्टूबर, 2014 को**
- स्वच्छ भारत मिशन का उद्देश्य क्या है? **—2 अक्टूबर, 2019 तक भारत को खुले में शौच से मुक्त कराना**
- स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत व्यष्टि परिवार शौचालयों के लिए प्रोत्साहन राशि को बढ़ाकर ₹ 10,000 से कितना कर दिया गया है? **—₹ 12,000**



2.1.19 नमामि गंगे

✦ नमामि गंगे क्या है? **—यह गंगा की सफाई और संरक्षण से जुड़ा कार्यक्रम है**

2.1.20 अटल पेंशन योजना

✦ अटल पेंशन योजना का फोकस किस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों पर है? **—असंगठित क्षेत्र में**

✦ अटल पेंशन योजना के लिए कौन पात्र है? **—18 से 40 वर्ष की उम्र के ऐसे बैंक खाताधारक जिनकी आय कर योग्य नहीं है और जो किसी अन्य वैधानिक, सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ नहीं उठा रहे हैं।**

✦ 31 दिसम्बर, 2015 से पहले योजना में शामिल होने वालों के लिए सरकार पाँच वर्ष तक प्रतिवर्ष अधिकतम कितने रुपये का योगदान देगी? **—₹ 1000 का**

✦ अटल पेंशन योजना के तहत कितनी उम्र से पेंशन मिलना शुरू होगी? **—60 वर्ष की**

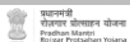
2.1.21 प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम

✦ प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की शुरुआत कब की गई? **—15 अगस्त, 2008 से**

✦ प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में पूर्ववर्ती किन दो योजनाओं का विलय किया गया है? **—प्रधानमंत्री की रोजगार योजना व ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम का**

> YUKTI ***ज्ञान****—इस कार्यक्रम के तहत माइक्रो एंटरप्राइज स्थापित करने के लिए ऋण लाभार्थी को उपलब्ध कराए जाएंगे, जिसमें कुछ अंश सब्सिडी का होगा। विनिर्माणी क्षेत्र में ₹25 लाख तक व सेवा/व्यापार के क्षेत्र में ₹10 लाख तक की परियोजनाएं इस कार्यक्रम के तहत स्थापित की जा सकेंगी। इसके लिए आयु सीमा का कोई बन्धन नहीं है, किन्तु विनिर्माणी क्षेत्र में ₹10 लाख एवं व्यापार/सेवा क्षेत्र में ₹5 लाख से अधिक की परियोजनाओं के लिए लाभार्थी को कक्षा VIII उत्तीर्ण होना चाहिए।*





प्रधानमंत्री रोजगार योजना

✦ इस योजना का कार्यान्वयन केवीआईसी एक्ट के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में किसके द्वारा किया जाता है? **—खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा**

✦ शहरी क्षेत्रों में इस योजना का कार्यान्वयन किसके द्वारा किया जाता है? **—इण्डस्ट्रीज सेंटर द्वारा**

✦ राष्ट्रीय स्तर पर इस योजना के कार्यान्वयन हेतु सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के अधीन वैधानिक निकाय–खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग एक मात्र नोडल एजेंसी निर्धारित की गई है।

2.1.22 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना

✦ प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना कितनी आयु वर्ग के लोगों के लिए है? **—18-70 वर्ष की आयुवर्ग के हर बैंक खाता धारक इसके लिए पात्र हैं।**

✦ इस योजना में शामिल होने के इच्छुक लोगों को प्रतिवर्ष कितना प्रीमियम चुकाना होगा? **—₹ 12 प्रतिवर्ष**

- इस योजना के तहत दुर्घटना के कारण मृत्यु पर बीमा राशि ₹ 2 लाख तथा पूर्ण अपंगता की स्थिति में भी बीमा राशि ₹ 2 लाख मिलेगी।



Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana

2.1.23 राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम

✦ राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम का उद्देश्य क्या है? **—राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि 2022 तक देश में प्रत्येक ग्रामीण व्यक्ति को उसके घर के दायरे में या फिर अधिकतम 50 मीटर की दूरी में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 70 लिटर पानी उपलब्ध हो।**

2.1.24 एलपीजी सब्सिडी सीधे ही उपभोक्ताओं के बैंक खाते में जमा करने की पहल योजना पूरे देश में लागू

✦ एलपीजी पर दी जाने वाली सब्सिडी को 1 जनवरी, 2015 से पूरे देश में किसके तहत लाया गया है? **—डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT)**



PAHAL SCHEME (पहल योजना)
(DIRECT BENEFIT TRANSFER FOR LPG)

- डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर फॉर एलपीजी (DBTL) की इस योजना को पहल (PAHAL) नाम अब दिया गया है।

> YUKTI ***ज्ञान****—डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर फॉर एलपीजी (DBTL) की यह पहल योजना डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के तहत विश्व की सबसे बड़ी योजना है।*

भारत में विकास, रोजगार कार्यक्रम

कार्यक्रम/योजना/संस्थान	प्रारम्भ वर्ष	उद्देश्य/विवरण
प्रथम वित्त आयोग का गठन	1951	संघ और राज्य सरकारों के बीच विभाजन योग्य करों के शुद्ध आगमों का वितरण
सामुदायिक विकास कार्यक्रम (CDP)	1952	समाज का सर्वांगीण विकास
सघन कृषि जिला कार्यक्रम (IADP)	1960-61	किसानों को ऋण, बीज, खाद और औजार आदि उपलब्ध कराना
राष्ट्रीय सुरक्षा कोष (NDF)	1962	नकद, स्वर्ण आभूषण तथा चाँदी एवं, अन्य मूल्यवान वस्तुओं का योगदान प्राप्त करना
गहन कृषि क्षेत्रीय कार्यक्रम (IAAP)	1964-65	विशिष्ट फसलों का विकास करना
साख अधिकरण योजना (CAS)	1965	रिजर्व बैंक की चयनात्मक साख नियंत्रण की एक योजना
भारत पर्यटन विकास निगम (ITDC)	1966	देश में विभिन्न स्थानों पर पर्यटकों के लिए होटलों एवं यात्री–गृहों के निर्माण की व्यवस्था करना
अधिक उपज देने वाली किस्मों का कार्यक्रम (HYVP)	1966-67	विभिन्न फसलों की नवीन प्रजाति अपनाकर खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाना
हरित क्रान्ति (GR)	1966-67	कृषि उत्पादन में वृद्धि करना
बहुफसली कार्यक्रम (MCP)	1966-67	कृषि उत्पादन में वृद्धि करना
14 बैंकों का राष्ट्रीकरण	1969	कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु ऋण उपलब्ध कराना
ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (REC)	1969	ग्रामीण क्षेत्रों में प्रकाश एवं कृषि तथा उद्योग हेतु विद्युतीकरण
विभेदी ब्याज दर की योजना	1972	समाज के कमजोर वर्गों को 4% की रियायती ब्याज दर पर उधार देना
महाराष्ट्र की रोजगार गारण्टी	1972-73	ग्रामीण समाज के आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों की सहायता करना।
त्वरित ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम (ARWSP)	1972-73	गाँवों में पीने का पानी उपलब्ध कराने हेतु
सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम (DPAP)	1973	सूखाग्रस्त क्षेत्रों में पर्यावरण सन्तुलन, भूमिजल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों को विकसित करके सूखे से बचाव के उपाय एवं जीवन बीमा की सुविधा उपलब्ध कराना ,
सीमान्त कृषक एवं कृषि श्रमिक एजेन्सी	1973-74	तकनीकी एवं वित्तीय सहायता हेतु
स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया (SFDAA)	1974	इस्पात उद्योग का विकास करना
लघु कृषक विकास कार्यक्रम (SFDAA)	1974-75	तकनीकी एवं वित्तीय सहायता हेतु
कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम (CADP)	1974-75	बड़ी और मझोली परियोजनाओं की सिंचाई क्षमता का तेजी से बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना
बीस सूत्री कार्यक्रम	1975	गरीबी निवारण एवं रहन–सहन के स्तर को उच्च बनाना
ग्रामीण विकास का राष्ट्रीय संस्थान	1977	ग्रामीण विकास हेतु प्रशिक्षण, शोध तथा सलाहकारी संस्था
मरुभूमि विकास कार्यक्रम (DDP)	1977-78	मरुभूमि विस्तार प्रक्रिया पर्यावरण सन्तुलन बनाये रखने
काम के बदले अनाज कार्यक्रम	1977-78	विकास प्रक्रियाओं के काम हेतु खाद्यान्न देना
अन्त्योदय योजना	1977-78	गाँव के सबसे गरीब परिवारों को आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाना
ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण (TRYSEM)	1979	ग्रामीण युवा वर्ग की बेरोजगारी को दूर करने हेतु प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम
समन्वित ग्रामीण विकास योजना (IRDP)	1980	ग्रामीण गरीब परिवारों को स्वरोजगार हेतु ऋण की व्यवस्था करना
राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (NREP)	1980	ग्रामीण गरीबों को लाभकारी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना
ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम (DWCRA)	1982	गरीबी की रेखा से नीचे गुजारा कर रहे ग्रामीण परिवारों की महिलाओं को स्वरोजगार के उपयुक्त अवसर प्रदान करना
ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारण्टी कार्यक्रम (RLEGP)	1983	भूमिहीन कृषकों एवं श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु

योजना	वर्ष	उद्देश्य
• शिक्षित बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार प्रदान करने की योजना	1983-84	स्वरोजगार हेतु वित्तीय व तकनीकी सहयोग प्रदान करना
• किसानों के लिए कृषि सेवा केन्द्र (FASCs)	1983-84	सुधरे हुए कृषि उपकरणों तथा औजारों को लोकप्रिय बनाना
• राष्ट्रीय ग्रामीण विकास कोष (NFRD)	1984	दानकर्ता के कर में 100% की छूट तथा ग्रामीण विकास की परियोजना के लिए दान प्राप्त करना।
• भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक (IRBI)	1985	रुग्ण तथा बन्द औद्योगिक एककों के पुनर्निर्माण के लिए सहायता देना
• व्यापक फसल बीमा योजना	1985	विभिन्न कृषि फसलों का बीमा करने हेतु
• लोक कार्यक्रम एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास परिषद (CAPART)	1986	ग्रामीण समृद्धि के लिए सहायता करना
• ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम	1986	गाँवो में पेयजल व्यवस्था हेतु स्वरोजगार वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग
• शहरी निर्धनों हेतु स्वरोजगार कार्यक्रम सेवा क्षेत्र पद्धति (SEPUP)	1988	ग्रामीण उद्धार की एक नई ऋण नीति
• भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI)	1988	प्रतिभूमि बाजार में निवेशकों के हितों की रक्षा करना तथा शेयर बाजारों का नियमन करना
• प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम (AEP)	1988	ग्रामीण और शहरी अशिक्षित लोगों को शिक्षित करने हेतु
• भारतीय पर्यटन वित्त निगम (TFCI)	1989	पर्यटन से सम्बन्धित योजनाओं के लिए वित्त की व्यवस्था करना
• जवाहर रोजगार योजना (JRY)	1989	ग्रामीण बेराजगारों को रोजगार देने हेतु
• नेहरू रोजगार योजना (NRY)	1989	नगरीय क्षेत्रों के बेरोगजारों को रोजगार देने हेतु
• कृषि और ग्रामीण ऋण राहत योजना	1990	ग्रामीण कारीगरों, बुनकरों आदि का 10 हजार रुपये तक का बैंक ऋण मुक्त करना
• शहरी सवेतन रोजगार योजना (SUWE)	1990	एक लाख से कम जनसंख्या वाली शहरी बस्तियों में गरीब व्यक्तियों के लिए मूल सुविधाओं की व्यवस्था करके मजदूरी रोजगार प्रदान करना
• शहरी सूक्ष्म उद्यम स्कीम (SUME)	1990	लघु उद्यम के लिये शहरी गरीब व्यक्तियों की सहायता करना
• शहरी आवास और आश्रय सुधार स्कीम (SHASU)	1990	1 लाख से 20 लाख की जनसंख्या वाली शहरी बस्तियों में आश्रय उन्नयन के माध्यम से रोजगार प्रदान करना
• राष्ट्रीय आवास बैंक स्वैच्छिक निक्षेप योजना (NRF)	1991	गरीबों के लिए कम लागत के आवास हेतु काले धन का उपयोग करना
• ग्रामीण कारीगरों को सुधरे औजारों की आपूर्ति योजना	1992	निर्धनता रेखा से नीचे रहे बुनकरों दर्जियों, कशीदाकारों तथा बीड़ी बनाने वालों के अतिरिक्त ग्रामीण कारीगरों को आधुनिक औजारों की आपूर्ति
• राष्ट्रीय नवीकरण निधि	1992	सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों के हितों को संरक्षित करना
• सांसदों की स्थानीय विकास योजना	1993	संसद सदस्यों को अपने क्षेत्र में प्रति वर्ष ₹ 5 करोड़ के विकासात्मक कार्य कराने हेतु
• महिला समृद्धि योजना (MSY)	1993	ग्रामीण महिलाओं को डाकघर बचत खाते में धन जमा करने को प्रोत्साहित करना
• जिला ग्रामीण विकास एजेन्सी (DRDA)	1993	ग्रामीण विकास हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना
• बाल श्रम उन्मूलन योजना	1994	खतरनाक उद्योगों में लगे बाल श्रमिकों को इन कार्यों से हटाकर स्कूल भेजना एवं वहीं रोजगार सम्बन्धी प्रशिक्षण देना
• प्रधानमन्त्री का समन्वित शहरी निर्धनता निवारण कार्यक्रम	1995	50 हजार से 1 लाख तक जनसंख्या वाले 345 छोटे शहरों में निर्धनता निवारण हेतु तथा मूल नागरिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु
• उत्तर–पूर्व विकास बैंक (NEDB)	1995	पूर्वोत्तर राज्यों में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देना
• राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम	1995	निर्धनता रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालों को सहायता
• ग्रामीण क्षेत्रों में सामूहित जीवन बीमा योजना	1995-96	ग्रामीण क्षेत्रों के व्यक्तियों को कम लागत पर जीवन बीमा की सुविधा उपलब्ध कराना

योजना	वर्ष	उद्देश्य
स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना	1997	शहरी क्षेत्रों में निर्धनरता निवारण की योजना
कस्तूरबा गांधी शिक्षा योजना	1997	निम्न महिला साक्षरता दर वाले जिलों में बालिका विद्यालयों की स्थापना
गंगा कल्याण योजना	1997-98	भूमिगत तथा भूतल जल की निकासी एवं रख–रखाव हेतु कृषकों को वित्तीय सहायता प्रदान करना
जवाहर ग्राम समृद्धि योजना (JGSY)	1999	गाँवों में माँग आधारित सामुदायिक अवसंरचना का सृजन करना
स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना (SGSY)	1999	गरीबी उन्मूलन एवं रोजगार सृजन
अन्नपूर्णा योजना	2000	वृद्ध नागरिकों को निःशुल्क अनाज प्रदान करना
अंत्योदय अन्न योजना	2000	निर्धनों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराना
प्रधानमन्त्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)	2000	ग्रामीण सड़कों द्वारा गाँवों को जोड़ना व ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन
जनश्री बीमा योजना (JBY)	2000	गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले लोगों को बीमा सहायता
स्वजलधारा कार्यक्रम	2000	ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल समस्या का समाधान
प्रधानमन्त्री ग्रामोदय योजना (PMGY)	2000-01	आर्थिक सुधारों का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुँचाना
सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना (SGRY)	2001	ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अतिरिक्त एवं सुनिश्चित अवसर उपलब्ध कराने के साथ–साथ खाद्यान्न उपलब्ध कराना
काम के बदले अनाज	2001	सूखा प्रभावित राज्यों के ग्रामीण इलाकों में रोजगार गारन्टी
शैक्षणिक ऋण योजना	2001	देश एवं विदेश में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को रियायती शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराना
महिला स्वयं सिद्ध योजना	2001	महिलाओं को सामाजिक–आर्थिक संशक्तिकरण करना
महिला स्वाधार योजना	2001	महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाना
महिला उद्यमियों के लिए बैंक ऋणों में आरक्षण की योजना	2001	महिला उद्यमियों को सार्वजनिक बैंकों द्वारा अधिक मात्रा में एवं आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराना
राष्ट्रीय राजमार्ग योजना	2001	देश में समुचित गुणवत्ता वाले राष्ट्रीय राजमार्गों को विकसित करने के साथ–साथ बड़ी मात्रा में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना
राष्ट्रीय पोषाहार मिशन योजना	2001	गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवारों की किशोरियों, गर्भवती तथा नवजात शिशुओं का पोषण करने वाली महिलाओं को रियायती दर पर नियमित रूप से खाद्यान्न उपलब्ध कराना।
अम्बेडकर बाल्मिकी मलिन बस्ती आवास योजना	2001	शहरी क्षेत्रों की मलिन बस्तियों में रहने वाले गरीब और निर्बल वर्गों के लोगों को आवासीय इकाइयों की व्यवस्था करना
संकटहरण बीमा योजना	2001	कृषकों के लिए सामूहिक सुरक्षा प्रदान करना
आश्रय बीमा योजना	2001	काम/नौकरी छूट जाने के कारण प्रभावित कर्मचारियों को सुरक्षा प्रदान करना
किसान ऋण कार्ड धारकों के लिए व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा	2001	किसान ऋण कार्ड धारकों के लिए मृत्यु या अपंगता की स्थिति में बीमा सुरक्षा प्रदान करना
जयप्रकाश नारायण रोजगार गारण्टी योजना	2002	देश के पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों और जरूरतमंदों को रोजगार उपलब्ध कराना
सहयोग योजना	2001-02	गरीबी की रेखा के नीचे जीवन–यापन कर रहे परिवारों के बच्चों को आठवीं कक्षा के बाद अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए अधिक सहायता प्रदान करना।
जनरक्षा बीमा योजना	2002	जरूरतमंदों को बीमा सुरक्षा प्रदान करना
बन्धक ऋण गारण्टी योजना	2002	ग्रामीण क्षेत्रों में आवासों की उपलब्धता को बढ़ाना

• ग्रामीण अन्न भंडारण	2002	गाँवों में उत्पादित अनाज को सुरक्षित रखने हेतु गोदामों का निर्माण एवं पुराने गोदामों का जीर्णोद्धार करना
• ऑन फार्म जल प्रबन्धन योजना	2002	उत्तरी पूर्वी भारत के पिछड़े हुए चयनित क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार कर फसलों के उत्पाद को बढ़ाना
• स्वर्णिम योजना	2002	पिछड़े वर्ग की गरीबी रेखा के नीचे के परिवारों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना
• स्वास्थ्य घर योजना	2002	शहरी मलिन बस्तियों के सभी निवासियों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना
• लघु उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना	2002	लघु उद्यमियों को अपने व्यवसाय को उन्नत करने तथा आवश्यक संसाधन जुटाने हेतु सार्वजनिक बैंकिंग संस्थानों से आसानी से निर्धारित सीमा तक ऋण उपलब्ध कराना
• खाद्यान्न बैंक योजना	2002	पंचायत स्तर पर खाद्यान्न बैंक की स्थापना करना
• बीमा ग्राम योजना	2002	पिछड़े गाँवों को विकसति करना
• किशोर शक्ति योजना	2002	बालिकाओं के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यवस्था सुव्यवस्थित करना।
• पॉपुलेशन फर्स्ट योजना	2002	सरकार द्वारा घोषित वर्ष 2045 तक जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग करना
• निर्मल भारत अभियान योजना	2002	गन्दी बस्तियों में सामुदायिक शौचालयों की सुविधा को विस्तारित करना
• अंशदायी बीमा योजना	2002	विशेष रूप से बुनकरों और दस्तकारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना
• विकलांगों हेतु राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना	2002	विकलांगों को उच्च तकनीकी शिक्षा की सुलभता सुनिश्चित करना
• स्वजलधारा कार्यक्रम	2002	ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या का समाधान करना

• अन्न आधारित सामाजिक सुरक्षा	2002	समाज के सर्वाधिक कमजोर वर्गों, जैसे–वृद्धों, विधवाओं और अशक्त व्यक्तियों तथा निराश्रितों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना।
• सामाजिक सुरक्षा की सहभागी योजना	2002	गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना
• देवीरूपक योजना	2002	हरियाणा राज्य में जनसंख्या नियंत्रण के साथ–साथ लिंगानुपात में आ रही गिरावट को रोकना।
• हरियाली योजना	2003	जल संग्रहण, वृक्षारोपण, वर्षा जल का संचयन, पेयजल समस्या का समाधान, सिंचाई हेतु जल उपलब्ध करना, मत्स्य पालन आदि
• सामाजिक सुरक्षा पायलट योजना	2004	असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को पारिवारिक पेंशन, बीमा व चिकित्सा जैसे सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
• राजीव गांधी श्रमिक कल्याण योजना	2005	कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत बीमित 80 लाख कर्मचारियों व उनके परिवारों की सामाजिक सुरक्षा
• जननी सुरक्षा योजना	2005	निर्धनता रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की महिलाओं के लिए पूर्णतः केन्द्र प्रायोजित योजना।
• राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन	2005	चिकित्सा स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण, अधिक दवाएँ उपलब्ध कराना एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की व्यवस्था को मजबूत करना।
• महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना (MNREGA)	2006	एक वित्त वर्ष में गाँव के प्रत्येक घर के स्वस्थ व्यक्ति को कम–से–कम 100 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराना।
• पशुधन बीमा योजना	2006	पशुपालकों को सरकारी सहायता द्वारा उनके पशुओं का बीमा कराकर उन्हें बीमा सुरक्षा प्रदान करना

योजना	वर्ष	उद्देश्य
• भारत निर्माण योजना	2005	गाँवों में आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु
• आम आदमी बीमा योजना (AABY)	2007	निर्धनता रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना
• राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना	2007	निर्धनता रेखा से नीचे असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना
• राजीव गाँधी शिल्पी स्वास्थ्य बीमा योजना	2007	हस्तशिल्प क्षेत्र के कारीगरों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना
• प्रधानमन्त्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP)	2008	सब्सिडी युक्त साख द्वारा स्वरोजगार के अवसर सृजित करना
• धन लक्ष्मी योजना	2008	महिला शिशुओं को समाज में उचित स्थान दिलाने के उद्देश्य से शिशु के जन्म से लेकर उसके विवाह तक विभिन्न अवसरों पर निश्चित राशि का हस्तान्तरण करना।
• उज्ज्वला योजना	2007	महिलाओं की खरीद-फरोख्त की रोकथाम तथा व्यावसायिक यौन शोषण की शिकार महिलाओं के उद्धार, पुनर्वास के लिए।
• राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क	2009	देश के विभिन्न ज्ञान एवं शोध संस्थानो को आपस में जोड़कर शिक्षा, स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृषि और शासन से जुड़ी सूचनाएँ प्राप्त करना।
• इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांगता पेंशन योजना	2009	40 प्रतिशत या अधिक विकलांगता वाले बीपीएल विकलांगों को पेंशन की सुविधा प्रदान करना।
• राजीव गांधी किशोरी अधिकारिता योजना (सबला)	2010	11 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के सही मानसिक व शारीरिक विकास में मदद करना।
• इन्दिरा गाँधी मातृत्व सहयोग योजना	2010	देश के दूर–दराज इलाकों में जच्चा–बच्चा की ठीक ढंग से देखभाल करना।
• साक्षर भारत मिशन	2009	देश में साक्षरता की स्थिति में प्रभावी सुधार करना।
• राजीव आवास योजना (RAY)	2011	शहरों में मलिन बस्तियों में रह रहे निर्धनों के लिए सम्पत्ति के अधिकार के साथ आवास उपलब्ध कराने के इच्छुक राज्यों को केन्द्र द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना।
• राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन	2011	ग्रामीण क्षेत्रों मे निर्धनता निवारण ग्राम स्तर पर स्वयं सहायता समूहों को फेडरेशन के रूप में गठित कर उनके माध्यम से लाभप्रद स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें बेहतर जीवन यापन का स्थायी आधार प्रदान करना।

कृषि सम्बन्धी प्रमुख संस्थान

संस्थान	स्थान
• केन्द्रीय गेहूँ अनुसन्धानशाला	पूसा
• केन्द्रीय इन्जीनियरिंग संस्थान	भोपाल
• केन्द्रीय पक्षी अनुसन्धान संस्थान	इज्जतनगर
• केन्द्रीय भैंस अनुसन्धान संस्थान	हिसार
• केन्द्रीय बकरी अनुसन्धान संस्थान	मखदूम
• केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान	आम्बिकानगर
• केन्द्रीय खारा जल मत्स्य पालन संस्थान	चेन्नई
• केन्द्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसन्धान संस्थान	हैदराबाद
• केन्द्रीय बागानी फसल अनुसन्धान संस्थान	कोसरगोड
• केन्द्रीय ताजा जल मत्स्य पालन संस्थान	भुवनेश्वर
• मखना विकास एवं शोध संस्थान	दरभंगा
• केन्द्रीय आम शोध संस्थान	लखनऊ
• केन्द्रीय औषधि एवं सुगन्धित पादप संस्थान	लखनऊ
• केन्द्रीय जूट तकनीकी शोध संस्थान	कोलकाता
• केन्द्रीय नारियल शोध संस्थान	कोसरगोड
• केन्द्रीय तम्बाकू शोध संस्थान	राजमुंदरी
• केन्द्रीय चावल शोध संस्थान	कटक
• केन्द्रीय गन्ना प्रजनन संस्थान	कोयम्बटूर
• केन्द्रीय शाक–भाजी प्रजनन केन्द्र	कुल्लू
• केन्द्रीय शुष्क प्रदेश शोध संस्थान	जोधपुर
• केन्द्रीय कन्दीय फसल शोध संस्थान	तिरुवनंतपुरम
• केन्द्रीय राष्ट्रीय पादप संग्रहालय	शिवपुर (कोलकाता)

- केन्द्रीय आलू शोध संस्थान — शिमला
- केन्द्रीय औषधि शोध संस्थान — लखनऊ
- केन्द्रीय खाद्य तकनीकी शोध संस्थान — मैसूर
- केन्द्रीय सागरीय मत्स्य अनुसन्धान — कोच्चि
- राष्ट्रीय नारियल अनुसन्धान केन्द्र — जूनागढ़
- राष्ट्रीय काजू अनुसन्धान केन्द्र — पत्तूर
- राष्ट्रीय याक अनुसन्धान केन्द्र — ढीरांग
- राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसन्धान केन्द्र — बीकानेर
- राष्ट्रीय अश्व अनुसन्धान केन्द्र — हिसार
- राष्ट्रीय मांस अनुसन्धान केन्द्र — इज्जतनगर
- राष्ट्रीय डेयरी अनुसन्धान संस्थान — करनाल
- राष्ट्रीय शर्करा अनुसन्धान संस्थान — कानपुर
- सेन्ट्रल स्टेट फार्म — सूरतगढ़
- राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान केन्द्र — इन्दौर
- राष्ट्रीय सोरगम अनुसन्धान केन्द्र — हैदराबाद
- वन शोध संस्थान — देहरादून
- फल शोध संस्थान — सबौर
- विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसन्धानशाला — अल्मोड़ा
- राष्ट्रीय शीतकाल मत्स्य अनुसन्धान केन्द्र — हल्द्वानी
- बीरबल साहनी जीवाश्म विज्ञान संस्थान — लखनऊ
- राष्ट्रीय जैविक प्रयोगशाला — पालमपुर
- कपास तकनीकी शोध प्रयोगशाला — मांटुगा (मुम्बई)
- आलू विकास एवं शोध संस्थान — बिहार शरीफ
- चावल विकास एवं शोध संस्थान — आरा
- भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान — नई दिल्ली
- भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् — नई दिल्ली
- भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण संस्थान — कोलकाता
- भारतीय वानस्पतिक शोध संस्थान — लखनऊ
- भारतीय गन्ना शोध संस्थान — लखनऊ
- भारतीय शर्करा तकनीकी संस्थान — कानपुर
- भारतीय कृषि सांख्यिकी संस्थान — नई दिल्ली
- भारतीय किसान उर्वरक को–ऑपरेटिव (इफ्को) — नई दिल्ली
- भारतीय जूट निगम — कोलकाता
- भारतीय डेयरी निगम — आनन्द
- भारतीय दलहन अनुसन्धान संस्थान — कानपुर
- भारतीय घास क्षेत्र एवं चारा अनुसन्धान केन्द्र — झाँसी
- भारतीय पशुचिकित्सा अनुसन्धान संस्थान — इज्जतनगर
- लीची विकास एवं शोध संस्थान — मुजफ्फरपुर
- मक्का विकास एवं शोध संस्थान — बेगूसराय
- टसर सिल्क विकास केन्द्र — भागलपुर
- रबड़ अनुसन्धान संस्थान — कोट्टायम
- चाय अनुसन्धान संस्थान — जोरहाट
- चमड़ा अनुसन्धान संस्थान — चेन्नई
- कॉफी अनुसन्धान संस्थान — चिकमंगलूर
- रेशम अनुसन्धान संस्थान — मैसूर
- मुर्गीपालन प्रशिक्षण संस्थान — बंगलूरु
- मधुमक्खी अनुसन्धान संस्थान — पुणे
- जूट कृषि अनुसन्धान संस्थान — बैरकपुर
- ग्रामीण प्रबन्ध संस्थान — आनन्द
- कृषक भारतीय को–ऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) — फरीदाबाद
- कपास अनुसन्धान संस्थान — मुम्बई
- राजकीय मृदा संरक्षण एवं भूमि उपयोग ब्यूरो — नई दिल्ली

ग्रामीण विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रारम्भ होने का वर्ष	प्रारम्भ करने वाली संस्था
इटावा अग्रगामी योजना	1948	भारत सरकार
सामुदायिक विकास परियोजना (CDP)	1952	भारत सरकार
राष्ट्रीय विस्तार सेवा (NES)	1953	भारत सरकार
सघन कृषि जिला कार्यक्रम (IADP)	1960-61	भारत सरकार
सघन कृषि क्षेत्र कार्यक्रम (IAAP)	1664-65	भारत सरकार
अधिक उपज प्रजाति कार्यक्रम (HYVP)	1965-66	भारत सरकार
राष्ट्रीय प्रदर्शन योजना (NDP)	1965	ICAR
कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम (CADP)	1974-75	भारत
सूखा आशंकित क्षेत्र कार्यक्रम	1973	भारत सरकार
मरुभूमि विकास कार्यक्रम (DDP)	1977-78	भारत सरकार
तकनीकी स्थानान्तरण कार्यक्रम	1985	ICAR
केन्द्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम	1986	भारत सरकार
राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परियोजना	1988	ICAR
जवाहर रोजगार योजना	1989-90	भारत सरकार
सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम	1993	भारत सरकार
प्रधानमंत्री रोजगार योजना	1993	भारत सरकार
रोजगार आश्वासन योजना	1993	भारत सरकार
वाटर शेड विकास कार्यक्रम	1994-95	भारत सरकार
राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम	1995	भारत सरकार
ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम	1995	खादी एवं ग्रामोद्योग

योजना	वर्ष	सरकार
• जवाहर ग्राम समृद्धि योजना	1999	भारत सरकार
• स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना	1999	केन्द्र एवं राज्य सरकार
• अन्नपूर्णा योजना	2000	भारत सरकार
• अंत्योदय अन्न योजना	2000	भारत सरकार
• सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना	2001	केन्द्र तथा राज्य सरकार
• प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना	2000-01	भारत सरकार
• खाद्यान्न बैंक योजना	2001-02	भारत सरकार
• ग्रामीण भण्डारण योजना	2002	भारत सरकार
• राष्ट्रीय सम–विकास योजना	2003-04	योजना आयोग
• हरियाली परियोजना	2003	भारत सरकार
• पुरा (PURA)	2003	भारत सरकार
• विशेष कृषि उपज योजना	2004	भारत सरकार
• काम के बदले अनाज का राष्ट्रीय कार्यक्रम	2004	भारत सरकार
• गाँव चलो योजना	2005	
• त्वरित ग्रामीण जल आपूर्ति कार्यक्रम	1972-73	भारत सरकार
• राष्ट्रीय पेय जल मिशन	1986	भारत सरकार
• राजीव गाँधी राष्ट्रीय पेयजल मिशन	1991	भारत सरकार
• स्वजल धारा कार्यक्रम	2002	भारत सरकार
• भारत निर्माण कार्यक्रम	2005	भारत सरकार
• राजीव गाँधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना	2005	भारत सरकार
• ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम	2005	भारत सरकार
• राष्ट्रीय कृषि विकास योजना	अगस्त, 2007	भारत सरकार
• राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन	2007-08	भारत सरकार
• राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन	जून, 2011	भारत सरकार
• राष्ट्रीय विकास फ्लेक्सी कोष	अक्टूबर, 2012	भारत सरकार

2.2 केन्द्र सरकार की नवीनतम योजनाएँ

2.2.1 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अब 'रफ्तार' के रूप में

• भारत सरकार ने मूल्य शृंखला, कताई पश्च अधोरचना एवं कृषि उद्यमिता विकास पर ध्यान केन्द्रित करते हुए वर्तमान में चल रही केन्द्र प्रायोजित योजना–राष्ट्रीय कृषि विकास योजना को रेम्यूनरेटिव एप्रोचेजेज फॉर एग्रीकल्चर एण्ड एलाइड सेक्टर रिजुवेनेशन (RAFTAAR) के रूप में 2017-18, 2018-19, एवं 2019-20 की अवधि में चलाए जाने का निर्णय लिया है।

✦ इसके लिए कितने रुपए का बजटीय प्रावधान आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति ने लिया है? **—₹ 15,722 का**

✦ इस योजना के अन्तर्गत राज्यों को निधियाँ किस अनुपात में प्रदान की जाएंगी? **—60:40 के अनुपात में (विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों को 90 : 10 के अनुपात में)**

• यह योजना कृषि उद्यमिता को प्रोत्साहन और कारोबारी मॉडलों का समर्थन करेगी, जिससे किसानों की आय को अधिकतम करने में मदद मिलेगी।

2.2.2 'भारतनेट' योजना (चरण-II)

✦ केन्द्र सरकार ने भारतनेट योजना किस उद्देश्य से शुरू की है? **—यह योजना दूरदराज के क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड सेवाएं मुहैया कराने के लिए शुरू की है।**

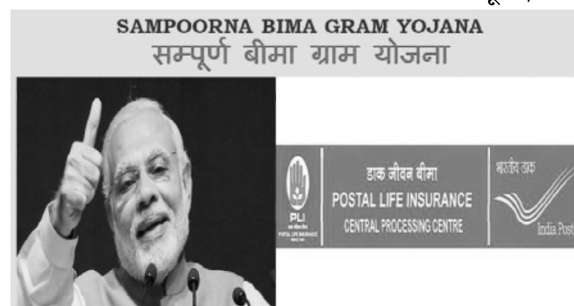


• केन्द्र सरकार द्वारा देश की सभी ग्राम पंचायतों हाई–स्पीड ब्रॉडबैंड सेवा को मार्च 2019 तक उपलब्ध कराने के लिए 13 नवम्बर, 2017 को भारतनेट परियोजना का दूसरा और अंतिम चरण आरम्भ किया गया।

2.2.3 सम्पूर्ण बीमा ग्राम योजना

✦ इस योजना का उद्देश्य क्या है? **—इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य सम्पूर्ण बीमा ग्राम के लिए चिन्हित गाँव के सभी आवासों को कवर करना है।**

✦ सम्पूर्ण बीमा ग्राम योजना का शुभारम्भ कब हुआ? **—13 अक्टूबर, 2017 को**



2.2.4 सौभाग्य योजना

✦ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना', जिसे 'सौभाग्य योजना' का नाम दिया गया है, की घोषणा कब की? **—25 सितम्बर, 2017 को**

✦ इस योजना का उद्देश्य क्या है?

—इस योजना के तहत देश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के सभी निर्धन परिवारों को नि:शुल्क तथा अन्य परिवारों को ₹ 500 के भुगतान पर बिजली कनेक्शन मिलेगा

YUKTI ज्ञान—*इस योजना में केन्द्र सरकार 60% की मदद करेगी। विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों के लिए केन्द्र से 85% मदद दी जाएगी। इस योजना में 10% योगदान राज्य सरकारों को होगा। बाकी 30% वित्तपोषण वित्तीय संस्थाओं और बैंकों से कर्ज लेकर होगा।*

2.2.5 भारत माला : राजमार्ग विकास की एक मेगा परियोजना

- आर्थिक विकास तथा रोजगार सृजन को गति प्रदान करने के उद्देश्य से संघीय मंत्रिमण्डल ने 24 अक्टूबर, 2017 को राजमार्ग विकास की मेगा परियोजना भारतमाला को अनुमोदन प्रदान किया।
- यह परियोजना गुजरात राज्य से प्रारम्भ होकर राजस्थान, पंजाब, जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम, असम, अरूणाचल प्रदेश होती हुई मणिपुर, मिजोरम में भारत–म्यांमार सीमा तक जाएगी।

✦ भारतमाला देश के 50 राष्ट्रीय गलियारों का निर्माण करेगी वर्तमान में इनकी संख्या कितनी है? **—6**

2.2.6 प्रधानमंत्री वय वंदना योजना

✦ प्रधानमंत्री वय वंदना योजना क्या है?

—यह वरिष्ठ नागरिकों के लिए पेंशन योजना है।

YUKTI ज्ञान—*यह योजना मार्च 2020 तक खुली रहेगी और इसे जीएसटी से मुक्त रखा गया है। इस योजना में कम से कम 1.50 लाख और अधिकतम 7.50 लाख का निवेश किया जा सकता है। इसके तहत पेंशन मासिक, त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक या वार्षिक प्राप्त की जा सकेगी। 1.50 लाख के निवेश पर मासिक पेंशन ₹ 1000 होगी।*



2.2.7 एग्री उड़ान

- किसानों को बिजनेस स्किल्स से लैस करने और खेती बाड़ी में नए प्रयोगों और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के मकसद से सरकार ने 'एग्री उड़ान' नामक एक नई पहल हैदराबाद स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की कृषि अनुसंधान प्रबन्धक अकादमी द्वारा प्रारम्भ की गई।

✦ एग्री उड़ान के तहत किसानों को किसकी ट्रेनिंग दी जाएगी?

—खेती और पशुपालन की

2.2.8 सम्पदा योजना

✦ सम्पदा–योजना का उद्देश्य क्या है? **—खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देना**

✦ सम्पदा योजना को स्वीकृति कब प्रदान की गई? **—3 मई, 2017 को**

YUKTI ज्ञान—*इस योजना से देश में न केवल खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की वृद्धि को गति प्राप्त होगी, बल्कि यह किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने तथा किसानों की आय को दोगुना करने, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के भारी अवसरों का सृजन करने, कृषि उपज की बर्बादी में कमी लाने असंस्करण तथा प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थो के निर्यात के स्तर को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।*

2.2.9 प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान

✦ प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान को मंजूरी कब दी गई?

—8 फरवरी, 2017 को

✦ इस अभियान का उद्देश्य क्या है? **—इस अभियान का उद्देश्य मार्च, 2019 तक 6 करोड़ ग्रामीण परिवारों को डिजिटल रूप से साक्षर बनाना है।**

YUKTI ज्ञान—*यह विश्व का सबसे बड़ा डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम होगा।*



2.2.10 कुसुम योजना (किसान ऊर्जा सुरक्षा व उत्थान महा–अभियान)

✦ कुसुम योजना का उद्देश्य क्या है?

—इस योजना के तहत देश में सिंचाई के लिए इस्तेमाल होने वाले सभी पम्पों को सोलर आधारित बनाया जाएगा। योजना के तहत 2022 तक देश में तीन करोड़ पम्पों को बिजली या डीजल की जगह सौर ऊर्जा से चलाया जाएगा।



✦ कुसुम योजना के तहत पहले चरण में किस प्रकार के पम्पसेटों को शामिल किया जाएगा? **—डीजल से चलने वालों को**

मोदी सरकार की प्रमुख योजनाएँ एवं कार्यक्रम एक दृष्टि में

योजना / कार्यक्रम	प्रारम्भ तिथि / कार्यान्वयन अवधि	उद्देश्य / फोकस
• प्रत्यक्ष हस्तान्तरण योजना (Direct Benifit Transfer-DBT)	1 जनवरी, 2013 से पहले चरण की शुरुआत	सरकारी योजनाओं पर देय सब्सिडी का सीधे ही लाभार्थी के खाते में ट्रांसफर
• जन–धन योजना	28 अगस्त, 2014	सभी परिवारों की बैंक खातों तक पहुँच
• मेक इन इण्डिया	27 सितम्बर, 2014	देश में मेन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा
• स्वच्छ भारत मिशन	2 अक्टूबर, 2014	2 अक्टूबर, 2019 तक देश को एक स्वच्छ भारत के रूप में प्रस्तुत करना
• सांसद आदर्श गाँव योजना	11 अक्टूबर, 2014	प्रत्येक सांसद द्वारा 2016 तक 1-1 तथा बाद में 2019 तक दो–दो अन्य गाँवों का विकास करना
• दीनदयाल उपाध्याय श्रमेव जयते	16 अक्टूबर, 2014	श्रमिकों के लिए विभिन्न पहलें
• फास्टैग	31 अक्टूबर, 2014	राष्ट्रीय राजमार्गों पर इलेक्ट्रॉनिक टॉल कलेक्शन (ETC) की व्यवस्था, ताकि टॉल अदायगी के लिए वाहनों को बार–बार रुकना न पड़े।
• पहल	1 जनवरी, 2015 से राष्ट्रव्यापी स्तर पर लागू	एलपीजी सब्सिडी का सीधे ही लाभार्थी के खाते में हस्तान्तरण
• हृदय (HRIDAY-Heritage City Development and Augmentation Yojana)	21जनवरी, 2015	विरासत शहरों में स्थित ऐतिहासिक इमारतों की बेहतरी तथा इन शहरों की आर्थिक गतिविधियों का विकास
• प्रधानमन्त्री मुद्रा योजना	8 अप्रैल, 2015	छोटे कारोबारियों को शिशु ऋण, किशोर ऋण व तरुण ऋण योजना के तहत ₹10 लाख तक के ऋण
• उजाला	1 मई, 2015	बिजली की खपत पर अंकुश हेतु एलईडी बल्बों का रियायती मूल्यों पर वितरण
• अटल पेंशन योजना	9 मई, 2015	असंगठित क्षेत्र के लोगों के लिए मासिक पेंशन
• प्रधानमन्त्री जीवन ज्योति बीमा योजना	9 मई, 2015	18-50 वर्ष के लोगों के लिए ₹ 2 लाख का जीवन बीमा
• प्रधानमन्त्री सुरक्षा बीमा योजना	9 मई, 2015	18-70 वर्ष आयु वर्ग के लोगों के लिए साधारण बीमा/दुर्घटना बीमा ₹ 2 लाख तक
• स्मार्ट सिटी परियोजना	25 जून, 2015	2015-16 से 2019-20 के दौरान देशभर में 100 चुनिंदा शहरों का स्मार्ट सिटी के रूप में विकास
• अमृत (AMRUT-Atal Mission for Rejuvenation and Uraban Transformation)	25 जून, 2015	एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले 500 से अधिक शहरों में आधारिक संरचना व अन्य सुविधाओं का विकास
• स्किल इण्डिया मिशन	15 जुलाई, 2015	युवाओं में कौशल विकास
• इन्द्रधनुष	अगस्त 2015	सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सुदृढ़ता के लिए सात सूत्रीय मिशन
• डिजिटल इण्डिया मिशन	2 जुलाई, 2015	सरकारी कामकाज का डिजिटलीकरण करना, ताकि सभी सरकारी सेवाएँ इलेक्ट्रॉनिक तरीके से जनता को उपलब्ध हो सकें
• स्वर्ण मौद्रीकरण योजना	5 नवम्बर, 2015	घरों व अन्य संस्थानों में निष्क्रिय पड़े सोने का उत्पादक कार्यों में इस्तेमाल, स्वर्ण जमा करने वालों को जमा स्वर्ण पर ब्याज मिलनी है
• स्वर्ण बॉण्ड योजना	5 नवम्बर, 2015	निवेश के लिए सोना खरीदने वालों को स्वर्ण की फिजीकल डिलीवरी के स्थान पर स्वर्ण मूल्य में अंकित बॉण्ड की बिक्री
• स्वर्ण बुलियन योजना	5 नवम्बर, 2015	10 ग्राम व 20 ग्राम वजन में सोने के सिक्कों की बिक्री
• उदय (UDAY- Ujwal Discom Yojna)	2015	सार्वजनिक क्षेत्र की विद्युत वितरण कंपनियों (DISCOMs) को घाटों से उबारना
• स्टार्ट अप इण्डिया	16 जनवरी, 2016	नये उद्यमों को बढ़ाबा
• श्यामा प्रसाद मुखर्जी नेशनल रूर्बन मिशन	21 फरबरी, 2016	गाँवों का क्लस्टर आधारित विकास

• सेतु भारतम् योजना	4 मार्च, 2016	राष्ट्रीय राजमार्गों को रेलवे क्रॉसिंग रहित बनाने के लिए ओवर/अण्डर ब्रिजों का निर्माण
• स्टैण्ड अप इण्डिया	5 अप्रैल, 2016	अनु. जाति/जनजाति तथा महिला उद्यमियों की इकाइयों की स्थापना हेतु ₹ 1 करोड़ तक के ऋण
• ग्रामोदय से भारत उदय	14-24 अप्रैल, 2016	देश के विकास हेतु गाँवों के विकास पर बल देना
• प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना	1 मई, 2016	गरीबी की रेखा से नीचे के परिवारों के लिए रियायती मूल्य पर एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराना
• नमामि गंगे	7 जुलाई, 2016	गंगा नदी की स्वच्छता
• सौभाग्य योजना	25 सितम्बर, 2017	ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के सभी निर्धन परिवारों को निःशुल्क तथा अन्य परिवारों को ₹ 500 के भुगतान पर बिजली कनेक्शन प्रदान करना।
• सम्पूर्ण बीमा ग्राम योजना	13 अक्टूबर, 2017	सम्पूर्ण बीमा ग्राम के लिए चिह्नित गाँव के सभी आवासों को कवर करना।

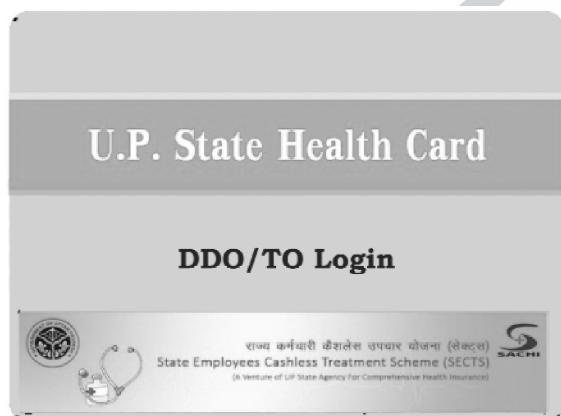
2.3 उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाएँ

2.3.1 निःशुल्क हैल्थ कार्ड योजना

✦ निःशुल्क हैल्थ कार्ड योजना को कब शुरू किया गया? **—जुलाई 2005 में**

✦ निःशुल्क हैल्थ कार्ड योजना का उद्देश्य क्या है?

—इस योजना का उद्देश्य मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करना



2.3.2 निःशुल्क स्कूली ड्रैस योजना

✦ निःशुल्क स्कूली ड्रैस योजना कब शुरू की गई थी **—सितम्बर, 2005 में**

✦ निःशुल्क स्कूली ड्रैस योजना का उद्देश्य क्या है?

—कक्षा एक से 5 तक की सभी ग्रामीण व नगरीय मलिन बस्तियों की छात्राओं को निःशुल्क यूनीफार्म उपलब्ध कराकर सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत लड़कियों की शिक्षा का स्तर उच्च करने हेतु।

2.3.3 बालिका श्री योजना

✦ बालिका श्री योजना की शुरुआत कब की गई थी? **—वर्ष 2006 में**

✦ बालिका श्री योजना का उद्देश्य क्या था?

—अनुसूचित जाति की बालिकाओं को बीमा सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से

2.3.4 यूनीफार्म एवं बाइसिकिल अनुदान योजना

✦ यूनीफार्म एवं बाइसिकिल अनुदान योजना की शुरूआत कब की गई?

—वित्तीय वर्ष 2003–04



✦ यूनीफार्म एवं बाइसिकिल अनुदान योजना की शुरुआत किस उद्देश्य से की गई? **—अनुसूचित जनजाति के कक्षा 6-12 तक की उन गरीब छात्राओं के लिए जो विभाग द्वारा संचालित आश्रम पद्धति विद्यालयों में नहीं पढ़ती हैं।**

2.3.5 कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना

✦ कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना की शुरुआत कब की गई थी?

—अगस्त 2004 में

✦ कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना का उद्देश्य क्या है?

—इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से पिछड़े हुए ब्लाकों के अनुसूचित जाति, अनुसूचित, जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों तथा अल्पसंख्यकों की बहुलता वाले क्षेत्रों में बालिकाओं के लिए आवासीय विद्यालयों की स्थापना करना।

✦ कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना की शुरुआत कब की गई थी?

—2008 में

2.3.6 अस्वच्छ पेशा छात्रवृत्ति योजना

✦ भारत सरकार द्वारा पोषित इस योजना की शुरुआत कब की गई थी? **—2008 में**

✦ इस योजना का उद्देश्य क्या है? **—इस योजना के अन्तर्गत अस्वच्छ पेशे में लगे बस्तियों के बच्चों को कक्षा 1-10 तक छात्रवृत्ति व तदर्थ वार्षिक अनुदान दिया जाता है।**

2.3.7 मौलाना मोहम्मद अली जौहर छात्रवृत्ति योजना

✦ इस योजना की शुरुआत कब की गई? **—2005 में**

✦ इस योजना का उद्देश्य क्या है? **—यह योजना पिछड़े वर्ग के छात्रों को नियमित छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई।**

2.3.8 शादी एवं बीमारी योजना

✦ यह योजना कब से संचालित है? **—2007-08 से**

✦ इस योजना का उद्देश्य क्या है? **—इस योजना का उद्देश्य निः सहाय पिछड़े वर्ग के लोगों को लड़की की शादी हेतु ₹ 20 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान करना।**

2.3.9 लोहिया ग्रामीण आवास योजना

✦ लोहिया ग्रामीण आवास योजना का प्रारम्भ कब हुआ? **—20 फरवरी, 2013 से**

✦ लोहिया ग्रामीण आवास योजना के लिए वित्तीय संसाधन की व्यवस्था किसके द्वारा की जाती है? **—शत प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा**

> ***YUKTI ज्ञान**—सर्वप्रथम बी.पी.एल. सर्वे 2002 तथा बी.पी.एल. (Blow Poverty Level) सूची 2002 के आधार पर तैयार की गई स्थायी प्रतीक्षा सूची से वंचित रह गए ऐसे परिवारों को लाभान्वित किया जाएगा, जिनकी वार्षिक आय रु. 36,000 तक है तथा जो राज्य सरकार की योजनाओं के अन्तर्गत जाएगा आवास विहीन हों अथवा पूर्णतः कच्चे मकान में रहते हों।*

योजनाएँ	उद्देश्य
• बालिका श्री योजना	अनुसूचित जाति की बालिकाओं को बीमा सुरक्षा प्रदान करने के लिए।
• छत्रपति शाहूजी छात्रवृत्ति योजना	पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए चलायी जा रही है।
• किशोरी शक्ति योजना	किशोरियों को प्रजनन, स्वास्थ्य समस्याओं एवं अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा रोजगार के अवसर प्रदान करना।
• वन्देमातरम् योजना (2004)	गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने हेतु।
• बालिका समृद्धि योजना (1997)	गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों में जन्म लेने वाली अधिकतम दो बालिकाओं के जन्म पर ₹ 500 दिया जाता है।
• स्वावलम्बन (नोराड) योजना (1996)	आर्थिक रूप से निर्बल ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की महिलाओं को विभिन्न प्रकार के पारम्परिक व गैर पारम्परिक ट्रेड्स में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कराने हेतु स्वैच्छिक संगठनों को धन उपलब्ध कराया जाएगा।
• स्वाधार योजना (2001—2002)	निराश्रित, जेल से अवमुक्त, वेश्यावृत्ति से अवमुक्त महिलाओं को गृह आश्रय उपलब्ध कराकर उन्हें चिकित्सा, परामर्श, विधिक सहायता, प्रशिक्षण एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करना।
• स्वयं सिद्ध परियोजना (2002–2003)	समान स्तर की महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों का गठन कर उनमें अल्प बचत एवं आन्तरिक ऋण के अभ्यास विकसित करने हेतु।
• जननी सुरक्षा योजना (2005)	निर्धनता रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली महिलाओं के लिए। मातृत्व मृत्युदर तथा शिशु मृत्यु दर पर अंकुश लगाकर गर्भवती महिलाओं के हितार्थ।
• मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना	राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को ₹ 35000 तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उपहार में एक मोबाइल व अन्य घरेलू समान।
• प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना	गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार करना और अच्छे स्वास्थ्य के साथ बच्चे का सुरक्षित प्रसव कराना है।

योजना	उद्देश्य
• मुख्यमंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना	प्रदेश के किसानों और कमजोर वर्ग के लोगों को धन और सामाजिक सम्बन्धी सहायता प्रदान करना है।
• उत्तर प्रदेश फसल ऋण मोचन योजना (2017)	किसान कृषि लोन में छूट का लाभ उठाने के लिए खुद को योजना की आधिकारिक वेबसाइट upkisankarjrahat.upsdc.gov.in पर रजिस्टर करा सकते हैं।
• भाग्य लक्ष्मी योजना	नवजात शिशु की माँ को ₹ 50000 का बांड मिलेगा और ₹ 5100 नकद मिलेंगे जो कि उसके बैंक खाते में जमा कराये जायेंगे।
• मुक्त लैपटॉप योजना	राज्य सरकार द्वारा 2 GB डेटा के साथ 12वीं पास छात्रों को जो उच्च विद्यालयों में प्रवेश लेते हैं उन्हें मुफ्त लैपटॉप उपलब्ध कराया जाएगा।
• अन्नपूर्णा भोजनालय योजना	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों और गरीब मजदूरों को इस योजना के तहत नाश्ते, दोपहर और रात का भोजन बहुत कम कीमत पर उपलब्ध कराया जाएगा।
• सुगम संयोजन योजना	बीपीएल कार्ड धारकों को मुफ्त बिजली कनेक्शन देने हेतु।

अन्य प्रमुख योजनाएँ

योजनाएँ	उद्देश्य
• शगुन योजना	निवविवाहित जोड़े के लिए स्वास्थ्य सुविधा हेतु
• प्रभु रसोई योजना	गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए।
• देवी अहिल्याबाई योजना (2017)	लड़कियों को स्नातक तक मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु
• अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना	अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता।
• सचल पालना गृह योजना	मजदूरों के बच्चों की देखभाल व शिक्षा के लिए सुविधाएँ
• आवासीय स्कूल योजना	अनुसूचित जाति वर्ग की छात्राओं के लिए
• डायल 181 योजना	महिलाओं की सुरक्षा के लिए
• महिला कौशल विकास केन्द्र	तलाकशुदा महिलाओं को साक्षर व आत्मनिर्भर बनाना
• फूड बैंक योजना	शादियों में बचने वाला खाना गरीबों में वितरण
• गुलाबी बस योजना	परिवहन विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए
• फ्री वाई-फाई योजना	बसों और बस स्टैंडों पर वाई-फाई सुविधा।
• फर्स्ट एड योजना	सुदूर ग्रामीण इलाकों में सुविधा उपलब्ध
• एंटी-रोमियो स्क्वॉड योजना	राज्य की महिलाओं और बहनों की सुरक्षा के लिए।
• कर्ज माफी योजना	छोटे किसानों के एक लाख तक के फसली कर्ज को माफ करने हेतु
• गोपालक योजना	डेयरी के द्वारा अपना रोजगार उपलब्ध करना
• मुख्यमंत्री मेधावी बालिका शिक्षा संवर्द्धन योजना	10वीं कक्षा पास होने वाली छात्राओं को
• कोगारू मदर केयर योजना	मातृ एवं शिशु मृत्युदर कम करने के लिए

2.3.10 ग्रामीण जल आपूर्ति कार्यक्रम

✦ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी किस की है? **—राज्यों की**

✦ ग्रामीण जल आपूर्ति क्षेत्र में अधिक से अधिक वैज्ञानिक तथा तकनीकी जानकारी पहुँचाने के लिए कार्यक्रम को एक मिशन का रूप दिया जिसके लिए 1986 में भारत सरकार ने किसकी स्थापना की? **—राष्ट्रीय पेयजल मिशन की**

✦ पेयजल आपूर्ति की गति में तेजी लाने के लिए राज्यों तथा संघशासित प्रदेशों को मदद पहुँचाने के लिए केन्द्र सरकार ने वर्ष 1972-73 में कौन सा कार्यक्रम आरम्भ किया था? **—त्वरित जल आपूर्ति कार्यक्रम**

✦ ग्रामीण जल आपूर्ति कार्यक्रम का उद्देश्य क्या है? **—इसका उद्देश्य राज्य क्षेत्र के न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अधीन राज्य सरकार के प्रयासों में सहायता देकर ग्रामीण लोगों को स्वच्छ तथा पर्याप्त पेयजल सुविधाएँ प्रदान करना है।**

✦ राष्ट्रीय पेयजल मिशन का नाम बदलकर वर्ष 1991 में क्या कर दिया गया? **—राजीव गाँधी राष्ट्रीय पेयजल मिशन**

> YUKTI **ज्ञान**—*भारत सरकार ने वर्ष 2000-01 से प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना के पाँच घटकों (प्राथमिक शिक्षा, प्राथमिक स्वास्थ्य, ग्रामीण आवास, पोषाहार और ग्रामीण पेयजल) में से पेयजल घटक को महत्वपूर्ण स्थान दिया है। कुल केन्द्रीय सहायता का न्यूनतम 15 प्रतिशत प्रत्येक घटक के लिए निश्चित कर दिया गया है और 25 प्रतिशत के सम्बन्ध में राज्यों को स्वतंत्र निर्णय लेने की स्वतंत्रता है।*

2.3.11 एकीकृत बंजर भूमि विकास कार्यक्रम

✦ एकीकृत बंजर भूमि विकास कार्यक्रम का शुभारम्भ कब से हो रहा है? **—1989-90 से**

✦ इस योजना का संचालन किन क्षेत्रों में किया जा रहा है? **—इस योजना का संचालन उन क्षेत्रों में किया जा रहा है जो क्षेत्र मरुभूमि विकास कार्यक्रम एवं सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम के अन्तर्गत नहीं आते हैं।**

✦ एकीकृत बंजरभूमि विकास कार्यक्रम में केन्द्र व राज्य सरकारों के बीच में लागत का बटवारा किस अनुपात में किया जाता है? **—1 : 1 के अनुपात में**

> YUKTI **ज्ञान**—*1 अप्रैल 1995 से यह कार्यक्रम मरुभूमि विकास कार्यक्रम एवं सूखा प्रवध क्षेत्र के साथ–साथ जलसम्भर विकास के लिए निर्धारित किए गए साझा निर्देशों के तहत कार्यान्वित किया जा रहा है।*

2.3.12 राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परियोजना

✦ राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परियोजना किस वर्ष लागू की गई थी? **—1988 में**

✦ यह परियोजना किस उद्देश्य के लिए चालू की गई? **—राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परियोजना, आसीएआर नई दिल्ली द्वारा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के**

2.3.13 जवाहर रोजगार योजना

✦ जवाहर रोजगार योजना को कब लागू किया गया था? **—स्व. प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की जन्म शताब्दी वर्ष 1989–90 में**

✦ जवाहर रोजगार योजना को जवाहर ग्राम समृद्धि योजना में कब समाहित कर दिया गया? **—1 अप्रैल 1999 को**

2.3.14 जवाहर ग्राम समृद्धि योजना

✦ 'जवाहर ग्राम समृद्धि योजना' को किस योजना में मिला दिया गया? **—'सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना' 2001 में**

✦ जवाहर ग्राम समृद्धि योजना, पूर्व में चल रही जवाहर रोजगार योजना का पुनर्गठित सुव्यवस्थित और व्यापाक स्वरूप था। यह योजना कब शुरू की गई थी? **—1 अप्रैल, 1999 को**

2.3.15 स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना

✦ स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना कब शुरू की गई? **— 1 अप्रैल, 1999 को**

✦ स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना किस उद्देश्य के लिए शुरू की गई? **—यह योजना गाँवों में रहने वाले गरीबों हेतु स्वरोजगार के लिए**

✦ स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना का नाम बदलकर वर्ष 2009 में क्या कर दिया गया? **—राष्ट्रीय ग्रामीण जीविका मिशन**

✦ इस योजना के लिए दी जाने वाली धन राशि में केन्द्र ओर राज्य सरकारों की हिस्सेदारी का अनुपात क्या है? **—75 : 25**



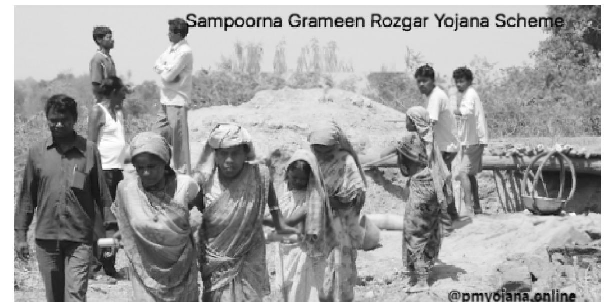
2.3.16 सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना

✦ सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना का शुभारम्भ कब किया गया? **—25 सितम्बर, 2001 में**

> YUKTI **ज्ञान**—*सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना रोजगार आश्वासन, जवाहर ग्राम समृद्धि एवं काम के बदले अनाज कार्यक्रम योजनाओं का विलय करके प्रारम्भ की गई।*

✦ सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना का उद्देश्य क्या है? **—इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अतिरिक्त सुनिश्चित अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ खाद्यान्न उपलब्ध कराना भी है।**

✦ इस योजना का नकद खर्च केन्द्र और राज्यों में किस अनुपात में बाँटा जाता है? **—75 : 25 के अनुपात में बाँटा जाता है, जब कि खाद्यान्न घटक की सम्पूर्ण लागत केन्द्र सरकार वहन करती है**



2.3.17 खाद्यान्न बैंक योजना

✦ केन्द्र सरकार द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर 'खाद्यान्न बैंकों' को स्थापित करने की योजना कब शुरू की गई? **—2002 में**

• इस योजना के अन्तर्गत देश भर में 1.14 लाख गाँवों में ₹ 1100 करोड़ से इन खाद्यान्न बैंकों को स्थापित करने का निर्णय लिया गया।

2.3.18 राजीव गाँधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना

✦ राजीव गाँधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना की शुरुआत कब की गई? **—4 अप्रैल, 2005 को**

✦ इस योजना का उद्देश्य क्या था? **—इस योजना का उद्देश्य अगले पाँच वर्षों में देश के सभी गाँवों और वास स्थलों का विद्युतीकरण करने, सभी आवासों को विद्युत उपलब्ध कराने तथा निर्धनता रेखा से नीचे (BPL) के परिवारों को नि:शुल्क विद्युत कनैक्शन उपलब्ध कराना था**

2.3.19 किसान ऋण कार्ड धारक बीमा योजना

✦ किसान ऋण कार्ड धारक बीमा योजना कब शुरू की गई? **—10 अक्टूबर, 2001**

✦ इस योजना का उद्देश्य क्या था? **—इस योजना का उद्देश्य किसान ऋण कार्ड धारकों के लिए मृत्यु या अपंगता की स्थिति में बीमा सुरक्षा प्रदान करना**

> YUKTI **ज्ञान**—*इस योजना के तहत किसान ऋण कार्ड धारकों को दुर्घटना, दुर्घटना में मृत्यु या स्थायी विकलांगता की स्थित में ₹50,000 तथा आंशिक विकलांग के लिए ₹25,000 की प्रतिपूर्ति की जाएगी। यह पालिसी 70 वर्ष तक की आयु वाले किसान ऋण धारकों के लिए है।*

2.3.20 संकट हरण बीमा योजना

✦ संकट हरण बीमा योजना की शुरुआत कब की गई? **—30 सितम्बर, 2001 में**

✦ संकट हरण बीमा योजना किस उद्देश्य के लिए शुरू की गई? **—यह योजना कृषकों के लिए सामूहिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए शुरू की गई**

2.3.21 राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना

✦ राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरुआत कब की गई? **—1 अक्टूबर, 2007 को**

✦ राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना का उद्देश्य क्या है? **—इस योजना का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले कामगार व उनके परिवार के सदस्यों को स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा कवर उपलब्ध कराना**

✦ इस योजना में केन्द्र व राज्य सरकार का हिस्सा कितना होता है? **—75% और 25%**

2.3.22 बन्धक ऋण गारण्टी योजना

✦ बन्धक ऋण गारण्टी योजना की घोषणा सरकार ने किस वर्ष की? **—2002-03 में**

✦ बन्धक ऋण गारण्टी योजना का उद्देश्य क्या था? **—इस योजना का उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में आवासों की उपलब्धता बढ़ाना था।**

2.3.23 हरियाली परियोजना

✦ हरियाली परियोजना की शुरुआत कब की गई थी? **—27 जनवरी, 2003 को**

• ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधीन इस परियोजना को देश की 2.32 लाख पंचायतों के जरिए चलाया जा रहा है।

2.3.24 काम के बदले अनाज का राष्ट्रीय कार्यक्रम

✦ काम के बदले अनाज का राष्ट्रीय कार्यक्रम का शुभारम्भ कब किया गया? **—14 नवम्बर, 2004 को**

• यह कार्यक्रम 100% केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित किया जाता है और राज्यों को खाद्यान्न मुफ्त मुहैया कराया जाता है।

2.3.25 असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा निधि

✦ असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा निधि की मंजूरी कब प्रदान की गई? **—जुलाई 2011 में**

✦ इस निधि से लाभान्वित होने वालों में कौन होंगे? **—इसके अन्तर्गत लाभान्वित होने वालों में बुनकर, ताड़ी विक्रेता, रिग्सा चालक और बीड़ी मजदूर आदि होंगे।**

2.3.26 राजीव आवास योजना

✦ राजीव आवस योजना की शुरुआत कब की गई? **—2009 में**

✦ राजीव आवास योजना का उद्देश्य क्या था? **—इस योजना का उद्देश्य राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में स्लम की समस्या से उचित ढंग से निपटना और देश को स्लम मुक्त बनाना।**

2.3.27 प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना

✦ प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अन्तर्गत किन गाँवों को सम्मिलित किया जाता है? **—इस योजना के तहत उन गाँवों को शामिल किया जाता है जिनकी 50% आबादी अनुसूचित जनजाति की है।**

> YUKTI **ज्ञान**—*इन गाँवों को ग्रामीण विकास एवं निर्धनता निवारण योजनाओं के तहत जारी की जाने वाली राशि के अतिरिक्त ₹10 लाख दिए जाते हैं।*

✦ प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना की घोषणा कब की गई?

—2009-10 के बजट में

2.4 ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ

स्वस्थ नागरिक राष्ट्र की समृद्धि के आधार स्तम्भ होते हैं। किसी देश या प्रदेश की प्रगति का मापदण्ड उस देश अथवा प्रदेश में निवास करने वाले नागरिकों के स्वास्थ्य की स्थिति से ही जाना जाता है। अपने प्रदेश के नागरिकों को स्वस्थ्य रखने एवं जीवन स्तर सुधारने हेतु स्वास्थ्य विभाग उत्तम सेवाएँ प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है।

उत्तर प्रदेश सरकार की विकास नीति ग्रामोन्मुखी है। ग्रामीण क्षेत्रों में घर के निकट ही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाऐं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला सेक्टर योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण स्वास्थ्य इकाइयों की व्यापक व्यवस्था की गई है। इस कड़ी में सबसे निचले स्तर पर परिवार कल्याण उपकेन्द्र स्थापित हैं, जो स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करते हैं।

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के अन्तर्गत मैदानी क्षेत्रों में प्रति 30,000 ग्रामीण जनसंख्या तथा जनजाति क्षेत्रों में 20,000 ग्रामीण जनसंख्या पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करने का लक्ष्य है।
- प्रत्येक विकास खण्ड में 30 शैय्या युक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित किया जाना है, जिसमें आवश्यक विशिष्ट चिकित्सा सुविधाएँ जैसे मेडिसन, सर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बालरोग, दन्त पैथालॉजी, एक्स रे आदि की व्यवस्था की जा रही है।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा उपचारात्मक एवं निरोगात्मक सेवाओं के साथ–साथ विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जाता है।

2.4.1 राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

✦ राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की शुरुआत कब की गई?

—12 अप्रैल, 2005

✦ राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का उद्देश्य क्या है?

—इस मिशन का उद्देश्य राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति दोनों के लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का कार्यान्वयन सम्पूर्ण देश में किया जा रहा है लेकिन 18 राज्यों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है।
- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का मुख्य उद्देश्य पूर्णतया कार्य कर रही, सामुदायिक स्वायित्व की विकेन्द्रित स्वास्थ्य प्रदान करने वाली प्रणाली विकसित करना है।

2.4.2 जनश्री बीमा योजना

✦ जनश्री बीमा योजना की शुरुआत कब की गई? **—10 अगस्त, 2000 को**

✦ जनश्री बीमा योजना के अन्तर्गत प्रति व्यक्ति प्रीमियम कितना है?

—₹ 200

✦ जनश्री बीमा योजना किस योजना के स्थान पर शुरू की गई?

—सामाजिक सुरक्षा सामूहिक योजना और ग्रामीण सामूहिक जीवन बीमा योजना के स्थान पर



2.4.3 जननी सुरक्षा योजना

✦ जननी सुरक्षा योजना कब शुरू की गई? **—1 अप्रैल, 2005 को**

> **YUKTI ज्ञान**—*जननी सुरक्षा योजना पूर्व में संचालित राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना के ही स्थान पर शुरू की गई। यह योजना गरीबी की रेखा से नीचे जीवन–यापन करने वाले परिवारों की महिलाओं के लिए है।*

✦ जननी सुरक्षा योजना किसके द्वारा प्रायोजित है?

—100% केन्द्र सरकार द्वारा



2.4.4 जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम

✦ जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम कब शुरू किया गया? **—2011 में**

- जननी सुरक्षा कार्यक्रम गर्भवती महिला, बीमार नवजात तथा शिशुओं को स्वास्थ्य संस्थानों में ऑपरेशन एवं निशुल्क इलाज की सेवा गारण्टी प्रदान करता है।
- जननी सुरक्षा कार्यक्रम के तहत घर से स्वास्थ्य संस्थान तक आना जाना भोजन, उपचार, दवा तथा अन्य उपयोग की सामग्री तथा आवश्यकता पड़ने पर खून चढ़ाना शामिल है।

2.4.5 परिवार नियोजन कार्यक्रम

✦ परिवार नियोजन कार्यक्रम की शुरुआत कब की गई? **—1952 में**

- यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उप केन्द्रों, शहरी परिवार कल्याण केन्द्रों तक पहुँच गया है।

3. कृषि का महत्व

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान काफी अधिक है, किन्तु यह धीरे–धीरे कम हो रहा है। 1950-51 में यह 55.40% था, जो 2013-14 में औसत आधार पर घटकर 13.9% रह गया। भारत में कृषि क्षेत्र के GDP का 0.3% भाग कृषि शोध पर व्यय किया जाता है जब कि अमेरिका में यह 4% है।

✦ रोजगार की दृष्टि से कृषि का महत्व क्या है?
—देश की कुल श्रम शक्ति का लगभग 48.9% भाग कृषि एवं इससे सम्बन्धित उद्योग धन्धों से अपनी आजीविका कमाता है।

• निजी क्षेत्र का यह सबसे बड़ा अकेला व्यवसाय है।

✦ औद्योगिक विकास में कृषि का क्या महत्व है?
—देश के प्रमुख उद्योगों को कच्चा माल कृषि से ही प्राप्त होता है। अतः देश के औद्योगिक विकास के लिए कृषि महत्वपूर्ण है।

> YUKTI **ज्ञान**—*विभिन्न उद्योगों जैसे सूतीवस्त्र उद्योग, जूट उद्योग, चीनी उद्योग, वनस्पति उद्योग तथा हथकरधा, बुनाई, तेल निकालना, चावल कूटना आदि बहुत से लघु और कुटीर उद्योगों को भी कृषि से ही कच्चा माल प्राप्त होता है।*

✦ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में कृषि का महत्व क्या है?
—भारत के विदेशी व्यापार का अधिकांश भाग कृषि से ही जुड़ा है। 2014-15 में देश के निर्यात में कृषि एवं सम्बन्धित वस्तुओं का अनुपात 12.1 प्रतिशत था।

3.1 उत्तर प्रदेश में कृषि

✦ कृषि विभाग की स्थापना कब की गई थी? **—1875 में**

✦ प्रारम्भ में कृषि विभाग का कार्य क्या था?
—कृषि विभाग का कार्य कृषि सम्बन्धी आकड़ों के संकलन तथा आदर्श प्रक्षेत्रों की स्थापना तक ही सीमित था।

✦ कृषि विभाग को भू-अभिलेख विभाग से कब सम्बद्ध किया गया?
—वर्ष 1880 में

✦ गवर्नमेन्ट ऑफ इण्डिया एक्ट—1919 के पारित होने के उपरान्त कृषि क्षेत्र राज्य सरकार के अधीन हो जाने के परिणामस्वरूप कृषिविभाग को एक स्वतंत्र विभाग कब बनाया गया? **—1 दिसम्बर, 1919 को**

✦ उत्तर प्रदेश में कृषि विभाग की स्थापना कब की गई? **—1 मई, 1920 को**

> YUKTI **ज्ञान**—*कृषि विभाग के तत्कालीन क्रियाकलापों में कृषि क्षेत्र यथा—उपज पालन, भूमि संरक्षण, गन्ना उत्पादन, उद्यान एवं कोलोनाइजेशन सम्बन्धी गतिविधियों का समावेश था।*

✦ कोलोनाइजेशन योजना कब समाप्त हुई? **—1964 में**

✦ औद्योगिकी को पृथक विभाग उद्यान के रूप में कब सृजित किया गया
—1974 में

> YUKTI **ज्ञान**—*उत्तर प्रदेश में कृषि विभाग अपने वर्तमान स्वरूप में विविध संस्थाओं यथा—उ.प्र. बीज विकास निगम, राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था, यू.पी. एग्रो, राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान—रहमान खेड़ा, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसन्धान परिषद आदि के सम्मिलित प्रयास से कृषि उत्पादन सम्बन्धी क्रियाकलापों को गति प्रदान करने में प्रयासरत है।*

✦ कृषि विभाग का उत्तर दायित्व क्या है?
—कृषि विभाग का उत्तर दायित्व, क्षेत्र विशेष की परिस्थितियों के अनुसार तकनीकी प्रसार एवं कृषि निवेश प्रबन्धन के माध्यम से विभिन्न फसलों की उत्पादकता एवं उत्पादन में वृद्धि करने तथा प्रदेश में कृषि विकास की दर को तीव्रगति प्रदान करना है।

3.2 वर्ष 2016-17 में कृषि विभाग द्वारा क्रियान्वित प्रमुख योजनाएँ

3.2.1 नेशनल मिशन ऑन ऑयल सीड्स एवं ऑयल पॉम योजना

✦ इस योजना का प्रमुख उद्देश्य क्या है?
—इस योजना का प्रमुख उद्देश्य एग्रोक्लाइमेटिक जोन के आधार पर कार्ययोजना तैयार कर तिलहन उत्पादन एवं उत्पादकता में अधिक से अधिक वृद्धि कर तिलहन में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है।

✦ यह योजना प्रदेश के समस्त जनपदों में क्रियान्वित की जा रही है। योजना के अन्तर्गत विभिन्न कृषि निवेशों पर कितने प्रतिशत तक का अनुदान अनुमन्य है? **—50% तक का**

3.2.2 नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एण्ड टेक्नोलॉजी

• सब–मिशन ऑन सीड एण्ड प्लान्टिंग मैटेरियल के अन्तर्गत उच्च गुणवत्ता के बीजों का प्रयोग, कृषि उत्पादकता एवं उत्पादन कर बढ़ाने का सबसे प्रभावी साधन है।

- सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन के अन्तर्गत प्रमुख कार्य के रूप में ब्लाक/ग्राम स्तर पर कस्टम हायरिंग सेन्टरों की स्थापना तथा फार्म मशीनरी बैंकों की स्थापना का कार्य कृषकों को अनुदान उपलब्ध कराकर किया जा रहा है।
- सब मिशन ऑन प्लान्ट प्रोटेक्शन के कार्यक्रम फसलों को वैज्ञानिक एवं पर्यावरण मित्रवत तकनीकों को आई.पी.एम. के माध्यम से रोग/कीटमुक्त रखकर कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए रखा जाता है।

3.2.3 नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर

- रेनफेड एरिया डेवलपमेंट कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वर्षा आधारित क्षेत्रों में उपयुक्त कृषि पद्धतियाँ अपनाकर टिकाऊ उत्पादकता प्राप्त कर इन क्षेत्रों के कृषकों की आर्थिक स्थिति में सुधार करना है।

✦ सॉयल हेल्थ मैनेजमैंट का उद्देश्य क्या है?

—इस योजना का उद्देश्य पूर्व में स्थापित मृदा परीक्षण, प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण, नवीन प्रयोगशालाओं की स्थापना, जैविक/जैव ग्रामों की स्थापना, पोर्टेबल मृदा परीक्षण किट का वितरण तथा मृदा नमूनों के विश्लेषण, परिणामों के आधार पर मानचित्रीकरण करना है।

✦ परम्परागत कृषि विकास योजना का उद्देश्य क्या है?

—इस योजना का उद्देश्य रसायन एवं पेस्टीसाइड मुक्त कृषि उत्पादों का उत्पादन करना तथा कृषकों के आर्थिक स्तर में सुधार लाना है।

3.2.4 नेशनल फूड सिक्योरिटी मिशन

✦ नेशनल फूड सिक्योरिटी मिशन का उद्देश्य क्या है?

—इस मिशन का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश में खाद्य सुरक्षा के दृष्टिगत क्षेत्रफल तथा उत्पादकता वृद्धि को टिकाऊ बनाते हुए खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि करना, भूमि की उर्वरता तथा उत्पादकता को बढ़ाना तथा कृषि प्रक्षेत्रों के स्तर पर लाभकारी परिदृश्य स्थापित करना है।

3.2.5 नेशनल क्रॉप इन्श्योरेन्स प्रोग्राम

नेशनल क्रॉप इन्श्योरेन्स प्रोग्राम के अन्तर्गत वर्ष 2016-17 से दो योजनाएँ संचालित की जा रही हैं जो इस प्रकार हैं—

✦ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का उद्देश्य क्या है?

—प्रतिकूल मौसमीय स्थिति में फसल की बुबाई न कर पाने, प्राकृतिक आपदाओं, रोगों, कृमियों से फसल नष्ट होने से कृषकों को बीमा कवर के रूप में सहायता देना है।

✦ पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना क्या है?

—प्रतिकूल मौसम की परिस्थितियों से फसल नष्ट होने के आधार पर कृषकों को बीमा कवर के रूप में वित्तीय सहायता देय होती है।

3.2.6 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

- राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत कृषि सेक्टर के विभिन्न विभागों द्वारा राज्य एवं जनपद स्तर पर योजनाएँ तैयार कर क्रियान्वित की जा रही हैं।

✦ भारत सरकार की फ्लैगशिप योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है?

—इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं संवर्गीय क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधन के आधार पर जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर कृषि विकास की योजनाएँ तैयार कर महत्वपूर्ण फसलों की उत्पादन क्षमता एवं उसकी वास्तविक उपज के अन्तर को कम करके किसानों की आय में वृद्धि करना है।

✦ राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत कृषि विभाग द्वारा पूर्वी उत्तर प्रदेश में कौन-कौन सी योजनाएँ चलाई जा रही हैं?

—इसके अन्तर्गत हरित क्रान्ति योजना, एकीकृत धान्य विकास कार्यक्रम तथा त्वरित चारा विकास कार्यक्रम जैसी योजनाएँ चलाई जा रही हैं।

✦ पूर्वी उत्तर प्रदेश में हरित क्रान्ति योजना का उद्देश्य क्या है?

—इस योजना का प्रमुख उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश में धान्य फसलों की व्यापक वृद्धि की सम्भावनाओं के दृष्टिगत धान एवं गेहूँ का उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने, भूमि की दशा सुधारने, सिंचाई क्षमता में वृद्धि करने, कृषि यंत्रीकरण तथा कृषि उत्पादन की भण्डारण क्षमता को बढ़ाना एवं विपणन सहायता है।

3.2.7 मृदा में सूक्ष्म तत्वों की कमी को दूर करने एवं भूमि सुधार हेतु जिप्सम वितरण की योजना

- इस योजना का उद्देश्य क्षारीय एवं ऊसर भूमि को सुधारकर पुनः खेती योग्य बनाने तथा मृदा में सूक्ष्म तत्वों की कमी दूर कर भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाकर कृषि उत्पादन में वृद्धि करना है।

3.3 किसान क्रेडिट कार्ड योजना

किसान क्रेडिट कार्ड योजना अगस्त 1998 में वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों तथा सहकारी बैंकों द्वारा प्रदान किए गए ऋण को सुसाध्य बनाने के लिए की गई थी। इस योजना के महत्वपूर्ण बिन्दु इस प्रकार हैं—

- किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अन्तर्गत कौन से किसान इसके लाभ हेतु हकदार हैं? **—₹ 5000 अथवा अधिक के उत्पादन ऋण के लिए पात्र किसान**
- किसान क्रेडिट कार्ड किसानों को किस आधार पर दिए जाते हैं? **—किसानों की भूमि के अधार पर**
- पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड और पासबुक उपलब्ध कराई जाती है।
- किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग किसान किसके लिए करते हैं? **—खेती के लिए बीज, उर्वरक, और कीटनाशक आदि जरूरतों की वस्तुओं के लिए करते हैं।**



- किसान क्रेडिट कार्ड कितने वर्ष के लिए वैध होता है? **—वार्षिक समीक्षा की शर्त पर 3 वर्ष के लिए**
- क्या ऋण की सीमा को बढ़ाया जा सकता है? **—लागत वृद्धि तथा फसल प्रारूप आदि में परिवर्तन होने पर ऋण की सीमा को बढ़ाया जा सकता है।**
- किसान क्रेडिट कार्ड से निकाली गई धन राशि का भुगतान कितने समय में करना होता है? **—12 महीने में**
- बैंकों के विवेक पर उपसीमाएँ निर्धारित की जाती हैं।
- ऋण के बदलने व पुनर्निर्धारण की अनुमति कब होती है? **—प्राकृतिक आपदाओं के कारण खराब हुई फसलों के मामले में**
- ऋण जारी करने वाली शाखाओं अथवा बैंक के विवेक पर उसकी अन्य नामित शाखाओं के माध्यम से प्रचालन किया जाता है।
- कार्ड और पास बुक साथ होने पर स्लिप/चैक के माध्यम से आहरण किया जाता है।
- प्रचलात्मक जोत, फसल पैटर्न और वित्त श्रेणी के आधार पर सीमा निर्धारित की जाती है।
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना का कार्यान्वयन किनके द्वारा किया जा रहा है? **—वाणिज्यिक बैंकों, केन्द्रीय सहकारी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के माध्यम से किया जा रहा है।**
- इस योजना को दीर्घावधि सहकारी क्रेडिट संरचना के उधारकर्त्ताओं तक विस्तारित किया गया है जिससे राज्य सहकारी कृषि ग्रामीण विकास बैंकों के उधारकर्त्ताओं की ऋण सम्बन्धी सभी जरूरतों को इस योजना के तहत पूरा किया जा सके।
- सरकार ने वर्ष 2002-03 से किसान कार्ड धारक को बैंकों द्वारा व्यक्तिगत बीमा पैकेज की सुविधा भी लागू कर दी है, जो कि अन्य क्रेडिट कार्ड धारकों को दी जाती है।
- व्यक्तिगत बीमा योजना के अन्तर्गत दुर्घटना से मृत्यु होने पर कितने रुपए की राशि दी जाती है? **—₹ 50,000**
- व्यक्तिगत बीमा योजना के अन्तर्गत स्थायी रूप से अपंग होने पर व्यक्ति को कितने रुपए की धनराशि प्रदान की जाती है? **—₹ 25,000**
- इस बीमा की प्रीमियम राशि का भुगतान किसको करना होता है? **—कार्ड निर्गत करने वाली संस्था को**
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अन्तर्गत कृषक धन निकासी के लिए किस माध्यम को चुन सकते हैं? **—शाखा से परिचालन या चेक सुविधा या एटीएम/डेबिट कार्ड से आहरण या व्यवसाय प्रतिनिधियों के माध्यम से या आगत डीलरों पर चल अन्तरण लेन-देन द्वारा**

4. भू-धारण पद्धतियाँ

भारत में भूमि सुधार कार्यक्रम प्रारम्भ होने से पहले भू–धारण की तीन पद्धतियाँ–जमींदारी, महालवाड़ी और रैयतवाड़ी प्रचलित थीं।

4.0.1 जमींदारी प्रथा

✦ जमींदारी प्रथा का आरम्भ किसने किया था? **—लॉर्ड कार्नवालिस ने**

> **YUKTI ज्ञान**—*जमींदारी प्रथा का आरम्भ लार्ड कार्नवालिस ने बंगाल में सन् 1793 ई. में किया था। जमींदारी के अन्तर्गत जमींदार कृषकों को कृषि करने के लिए लगान पर जमीन देते थे।*

✦ जमींदारी बन्दोबस्त कितने रूपों में थी?

—दो रूपों में—स्थायी बन्दोबस्त और अस्थायी बन्दोबस्त

> **YUKTI ज्ञान**—*स्थायी बन्दोबस्त के अन्तर्गत लगान हमेशा के लिए नियत कर दिया जाता था और अस्थायी बन्दोबस्त के अन्तर्गत विभिन्न राज्यों में 20 से 40 वर्ष की अवधि तक के लिए लगान निश्चित किया जाता था।*

4.0.2 महालवाड़ी व्यवस्था

✦ महालवाड़ी व्यवस्था किसके समय में लागू की गई?

—लार्ड विलियम बैंटिंक

✦ महालवाड़ी व्यवस्था विलियम बैंटिंक के समय में कहाँ लागू की गई?

—आगरा और अवध में

> **YUKTI ज्ञान**—*महालवाड़ी व्यवस्था को आगरा और अवध में लागू करने के बाद मध्य प्रदेश और पंजाब में लागू किया गया।*

✦ महालवाड़ी व्यवस्था के अन्तर्गत भूमि पर किसका अधिकार होता था?

—ग्राम समुदाय का संयुक्त स्वामित्व

✦ सभी भू-धारियों से लगान वसूल कर निर्धारित मालगुजारी को राजकोष में कौन जमा करता था? **—गाँव का मुखिया**

4.0.3 रैयतवाड़ी प्रथा

✦ पहला रैयतवाड़ी बन्दोबस्त कहाँ लागू हुआ? **—1972 ई. में मद्रास में**

✦ रैयतवाड़ी प्रथा कहाँ प्रचलित थी?

—बम्बई, बरार और मध्य भारत में प्रचलित थी।

✦ रैयतवाड़ी प्रथा के अन्तर्गत भूमि का मालिक कौन होता था?

—काश्तकार

> **YUKTI ज्ञान**—*रैयतवाड़ी प्रथा के अन्तर्गत राज्य को भू राजस्व अदा करने की जिम्मेदारी भू–धारियों पर सीधे और वैयक्तिक रूप में होती थी।*

4.1 भूमि सुधार कार्यक्रम

भूमि सुधार से तात्पर्य ऐसे संस्थागत परिवर्तनों से है, जिसमें भूमिगत संसाधनों का वितरण किसानों के पक्ष में होता है। भूमि सुधार कार्यक्रम का उद्देश्य उत्पादन के सामाजिक सम्बन्धों को ऐसा स्वरूप प्रदान करना है, जिसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादकता अधिकतम की जा सके। भारत में भूमि सुधार कार्यक्रम के प्रमुख अंग निम्नलिखित हैं—

- मध्यस्थों की समाप्ति
- काश्तकारी सुधार
- प्रति परिवार भूमि की अधिकतम सीमा निर्धारित करके वेशी भूमि तथा ग्राम समाज की वेशी भूमि को भूमिहीनों में वितरित करना
- जोतों की चकबन्दी करना

4.1.1 मध्यस्थों की समाप्ति

- भूमि सुधार कार्यक्रमों के अन्तर्गत कुछेक इलाकों को छोड़कर बिचौलिया काश्तकारी प्रथा समाप्त कर दी गई है।
- स्वतत्रंता के समय देश का 57% क्षेत्र जमींदारी प्रथा के अधीन था।
- पहली योजना के अन्त में सरकार द्वारा यह दावा किया गया था कि कुछ छोटे–छोटे क्षेत्रों को छोड़कर, बिचौलियों का पूरी तरह उन्मूलन किया जा चुका है।
- सरकार का एक और महत्वपूर्ण कार्य बेनामी भूमि का पता लगाकर उसे भूमिहीन किसानों में बाँटा गया है।
- उन्मूलन से सम्बन्धित कार्यों को पूरी तरह लागू करने में बहुत लम्बा समय लगा।
- 1967 ई. में 23.8 लाख एकड़ बेनामी भूमि भूमिहीन किसानों में बाँटी गई।

4.1.2 काश्तकारी सुधार

✦ काश्तकारी व्यवस्था का अर्थ क्या होता है?

—काश्तकारी व्यवस्था का अर्थ कृषि सम्बन्धों की उस प्रणाली से होता है, जिसमें भूमि का मालिक स्वयं खेती नहीं करता है, बल्कि जमीन काश्तकारों को पट्टे पर देता है।

✦ बड़े पैमाने पर पट्टेदारी व्यवस्था किन क्षेत्रों में थी?

—जमींदारी या रैयतवाड़ी क्षेत्रों में

YUKTI ***ज्ञान***—*सामान्यतया पट्टेदार किसानों के तीन वर्ग थे स्थायी काश्तकार, इच्छाहीन काश्तकार और उपकाश्तकार। स्थायी काश्तकार के पट्टेदारी हक स्थायी थे परन्तु ऐच्छिक काश्तकारों और उपकाश्तकारों की स्थिति दयनीय थी।*

✦ नेशनल सेम्पल सर्वे ने 1953-54 ई. में ऐच्छिक काश्तकारी व उपकाश्तकारी के अनुमान प्रस्तुत किए थे। इन अनुमानों के अनुसार सम्पूर्ण भारत में कितने प्रतिशत भूमि पट्टे पर दी गई थी? **—25 प्रतिशत**

✦ स्वतंत्रता से पूर्व कितना लगान लिया जाता था? **—34 से 75 प्रतिशत**

✦ प्रथम और द्वितीय योजना में लगान के लिए क्या सिफारिश की गई?

—लगान सकल उपज का 1/4 अथवा 1/5 से अधिक नहीं होना चाहिए

• भूमि सुधार का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण लक्षण काश्तकारों के लिए स्वामित्व अधिकार की व्यवस्था करना है।

4.1.3 प्रति परिवार भूमि की अधिकतम सीमा निर्धारित करके वेशी भूमि तथा ग्राम समाज की वेशी भूमि को भूमिहीनों में वितरित करना

• पचास व साठ के दशकों में अधिकांश राज्यों में भूमि हदबन्दी कानून बनाए गए जिन्हें 1972 में केन्द्र द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप संशोधित किया गया।

✦ विभिन्न परिसीमन कानूनों के अन्तर्गत सितम्बर 2001 तक देश में कितनी भूमि अतिरिक्त घोषित की गई? **—73.66 लाख एकड़ भूमि**

YUKTI ***ज्ञान***—*73.66 लाख एकड़ भूमि में से 64.95 लाख एकड़ भूमि को अधिगृहित किया गया, जिनमें से अनुसूचित जाति से सम्बन्धित 36% लोग थे व 15% अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित थे।*

✦ विभिन्न राज्यों के कानूनों में एकरूपता लाने के लिए जुलाई 1972 में मुख्यमंत्रियों की एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में क्या निर्णय लिए गए थे? **—(i) जोतों की उच्चतम सीमा को असिंचित क्षेत्रों में 54 एकड़, तक तथा सिंचित क्षेत्रों में 18 एकड़ तक सीमित कर दिया (ii) व्यक्ति को छोड़कर परिवार को इकाई माना गया (iii) उच्चतम सीमा कानूनों से रियायतों व छूटों को कम किया गया (iv) बेनामी हस्तान्तरणों को रोकने के दृष्टिकोण से कानून को पहले की किसी अवधि से लागू माना जाए जिससे उस समय के बाद के सभी हस्तान्तरण गैर कानूनी करार दिए जा सकेंगे।**

4.1.4 जोतों की चकबन्दी करना

✦ चकबन्दी क्या है? **—चकबन्दी वह व्यवस्था है जिसमें किसानों के गाँव के विभिन्न भागों में बिखरे हुए खेतों को एक ही स्थान पर इकट्ठा कर दिया जाता है।**

✦ सबसे पहले चकबन्दी अधिनियम कहाँ पास किया गया था?

—बड़ौदा में 1920 में

✦ पहली पंचवर्षीय योजना प्रारम्भ होने से पहले किन राज्यों में चकबन्दी कानून बनाए जा चुके थे? **—उत्तर प्रदेश, पंजाब, तत्कालीन बम्बई राज्य और हैदराबाद में**

• इस समय लगभग सभी राज्यों में चकबन्दी कानून बनाए जा चुके हैं।

• शुरुआत में ऐच्छिक चकबन्दी की व्यवस्था की गई थी, परन्तु जब कुछ समय के भीतर उसकी असफलता स्पष्ट हो गई तो अनेक राज्यों ने चकबन्दी सम्बन्धी ऐसे कानून बनाए, जिससे सरकार को चकबन्दी सम्बन्धी योजना बनाकर उसे कार्यान्वित करने के लिए व्यापक अधिकार मिले।

• इस समय स्थित यह है कि यदि किसी गाँव के आधे भू–स्वामी जिनके पास सम्पूर्ण गाँव की 2/3 कृषि भूमि है और वे सरकार के पास चकबन्दी के लिए प्रतिवेदन भेजें तो सरकार चकबन्दी अधिकारी नियुक्त करती है।

✦ दूसरी योजना के समाप्त होने तक कितने हेक्टेयर भूमि पर चकबन्दी हो सकी थी? **—1 करोड़ 21 लाख हेक्टेयर भूमि पर**

✦ तीसरी योजनावधि में अतिरिक्त कितनी भूमि का चकबन्दी का कार्य पूर्ण हो सका है? **—1 करोड़ 20 लाख हेक्टेयर भूमि का**

✦ ग्राम विकास मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट (2001-02) के अनुसार 30 सितम्बर 2001 तक कितनी भूमि की चकबन्दी हो चुकी थी?

—1633 लाख एकड़ भूमि की

YUKTI ***ज्ञान***—*1633 लाख एकड़ भूमि की चकबन्दी में से महाराष्ट्र द्वारा 527 लाख एकड़ और उत्तर प्रदेश द्वारा 482 लाख एकड़ भूमि की चकबन्दी की गई।*

• पश्चिम बंगाल और असम में चकबन्दी प्रक्रिया को कार्यान्वित नहीं किया गया है।

✦ पूरे देश के सन्दर्भ में अभी कृषि अधीन क्षेत्रफल का कितने प्रतिशत चकबन्दी के अधीन लाया गया है? **—49%**

• चकबन्दी हरित क्रांति के क्षेत्र में ही सफल रही (जैसे हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश) तथा इसमें कई कमियाँ थी यह कदम भ्रष्टाचार का भी शिकार है।

• सहकारी खेती का सामाजिक, आर्थिक तथा नैतिक आधार था तथा इसका उपयोग बड़े किसानों द्वारा हदबंदी कानून से अपनी भूमि को बचाने के लिए किया गया।

भूमि सुधारों को विशेषज्ञों द्वारा एक असफल कोशिश मानी जाती है इसे विशेषज्ञों द्वारा मानव इतिहास की सबसे जटिल सामाजिक–आर्थिक समस्या माना जाता है। भूमि सुधार के आँकड़े उत्साहजनक नहीं हैं।

• भूमि सुधार द्वारा देश के किसानों को काश्त अधिकार सुनिश्चित किया गया, लेकिन यह भारत की सकल परिचालित भूमि के मात्र 4 प्रतिशत हिस्से पर ही लागू किया जा सका (वर्ष 1992 तक 11 मिलियन काश्तकारों के लिए 14.4 मिलियन हेक्टेयर परिचालित भूमि)।

• इसी तरह इस दौरान देश के कुल परिचालित भूमि के मात्र 2 प्रतिशत का ही स्वामित्व पुनर्वितरण किया जा सका (वर्ष 1992 तक 4.76 मिलियन लोगों के बीच 2 मिलियन हेक्टेयर से भी कम क्षेत्र का)

- इस प्रकार भूमि सुधार का लाभ देश की मात्र 6 प्रतिशत भूमि तक ही पहुँच सका तथा इसका सकारात्मक सामाजिक–आर्थिक प्रभाव भी नगण्य था।

4.1.5 भूमि सुधारों की विफलता के कारण

- विभिन्न राज्यों में कानूनों में खुद काश्त की परिभाषा दोषपूर्ण थी, जिससे जमींदारी प्रथा का केवल नाम बदला गया और वह पूर्ववत् बनी रही।
- भारत में भूमि सामाजिक प्रतिष्ठा तथा पहिचान का प्रतीक है, जबकि अन्य देशों में जहाँ भूमि सुधार सफल रहा है, यह आय अर्जित करने के लिए एक आर्थिक सम्पत्ति मात्र है।
- सीमाबन्दी कानूनों से बचने के लिए जमींदारों ने काफी बड़ी भूमि अपने परिवार के सदस्यों के नाम हस्तान्तरित कर दी।
- राजनीतिक इच्छाशक्ति कमी के कारण भी भूमि सुधार एक सफल कार्यक्रम में परिवर्तित नहीं हो सका।
- भारतीय प्रजातांत्रिक व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं नेतृत्व की कमी के कारण भी भूमि सुधार विफल रहा।
- यह सर्वविदित है कि प्रशासनिक तंत्र की उदासीनता का एक मात्र कारण राजनीतिक इच्छा शक्ति का अभाव है। अतः जब तक राजनीतिक इच्छा शक्ति में दृढ़ता नहीं आ जाती तब तक प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार भाई–भतीजावाद आदि को समाप्त नहीं किया जा सकता है।

4.1.6 भारत में कृषि जोतों का आकार

आकार के आधार पर जोतों को 5 वर्गों में रखा जा सकता है जिनका विवरण निम्न प्रकार है–

भारत में कृषि जोतों एवं कृषि योग्य भूमि का वितरण, 2010-11

क्र.	कृषि जोतों का आकार	कृषि जोतें	कृषि योग्य भूमि		प्रति कृषि	
		संख्या (मिलियन में)	कुल जोतों से प्रतिशत	कुल क्षेत्रफल मिलियन (हेक्टेयर में)	कुल कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल से प्रतिशत	जोत औसत क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
1.	सीमान्त जोतें (1.0 हेक्टेयर से कम)	92.8	67.10	35.9	22.50	0.39
2.	लघु जोतें (1.00-2.00 हेक्टेयर)	24.8	17.91	35.2	22.08	1.42
3.	अर्द्ध–मध्यम जोतें (2.00-4.00 हेक्टेयर)	13.9	10.04	37.7	23.62	2.71
4.	मध्यम आकार की जोतें (4.00–10.00 हेक्टेयर)	5.9	4.25	33.8	21.9	5.76
5.	बड़ी जोतें (10.00 हेक्टेयर से अधिक)	0.97	0.70	16.9	10.59	17.38
	सभी जोतें	138.35	100.00	159.6	100.00	1.15

4.1.7 भूमि सुधार एवं हरित क्रांति

सरकार ने जैसे ही हरित क्रान्ति की शुरुआत की भूमि सुधार मुद्दा हाशिए पर आ गया। इसके निम्नलिखित कारण थे–

- भूमि सुधार और हरित क्रांति एक दूसरे के विपरीत हैं, जहाँ हरित क्रांति बड़ी जोत क्षेत्रों के अनुकूल थी वही भूमि सुधार का उद्देश्य बड़ी जोत क्षेत्रों को विभाजित कर भूमिहीनों के बीच बाँटना था।
- उच्च वर्ग के भूपतियों द्वारा भूमि सुधार का विरोध किया गया, जबकि हरित क्रान्ति के लिए ऐसा नहीं था।
- भूमि सुधार का देश पर कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा जबकि हरित क्रांति में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने की क्षमता थी।
- अन्तर्राष्ट्रीय दबाव तथा विश्व बैंक के सुझाव तथा अन्य देशों में हरित क्रांति की सफलता के कारण भी भूमि सुधार कार्यक्रम दरकिनार हो गया।

4.1.8 भूमि सुधार का दूसरा चरण

भूमि सुधार के दूसरे चरण की जड़े आर्थिक सुधारों में ढूंढी जा सकती हैं। भारत सरकार के भूमि सुधार मुद्दे पर विचार में हमें बदलाव नजर आता है (आर्थिक सर्वेक्षण 2012-13), एक स्पष्ट तीन चरणों वाली नीति उभरती दिखाई देती है–

- भूमि का सावधानी से मानचित्रण और निर्णायक शीर्षक देना।
- भूमि अधिग्रहण की एक न्यायसंगत, लेकिन तेज प्रक्रिया तैयार करना।
- जमीन के पट्टे की एक पारदर्शी और प्रभावी नीति लागू करना।

4.1.9 राष्ट्रीय भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम

✦ राष्ट्रीय भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम की शुरुआत कब हुई थी?

—2008 में

✦ राष्ट्रीय भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य क्या है?

—इस कार्यक्रम का उद्देश्य 12वीं योजना के अन्त तक जमीन के रिकार्डों का नवीनीकरण और डिजिटलीकरण करना है।

- डिजिटलीकरण से जमीन के सौदों की लागत में भारी कमी आ सकती है।
- पट्टेदारों और जमीन मालिकों का अनिवार्य पंजीकरण पट्टेदारों और

जमीन मालिकों को सुरक्षा प्रदान करेगा। इस तरह के पट्टा बाजार की सफलता के लिए मालिकों को यह विश्वास होना चाहिए कि लंबे समय तक पट्टेदारी से उनका मालिकाना हक छिन नहीं जाएगा।

4.1.10 भूमि अधिग्रहण विधेयक

- भूमि अधिग्रहण विधेयक भारत सरकार ने कब पास किया? **—2013 में**
- भूमि अधिग्रहण पुनर्वास और पुनर्स्थापना कानून 2011 में संशोधन के अलावा इस विधेयक में पट्टे और अधिग्रहण से जुड़े भूमि सुधारों की आवश्यकता पर पारदर्शी, प्रभावी और तेज कानून बनाने का प्रस्ताव था।
- वर्ष 2015 में नई केन्द्र सरकार ने एक नया भूमि विधेयक (भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुर्नस्थापना में पारदर्शिता और न्यायसंगत क्षतिपूर्ति का अधिकार कानून, 2015) प्रस्तावित किया, जिसका लक्ष्य 2013 के भूमि कानूनों की कमियों को दूर करना था।

4.2 सहकारी खेती

- सहकारी खेती से क्या आशय है?
  —सहकारी खेती से आशय उस कृषि प्रणाली से है, जिसके अन्तर्गत कृषि क्षेत्र के भूमिधर किसान अपनी सहमति से अपनी जमीनें एक साथ मिलाकर संयुक्त रूप से कृषि कार्य करते हैं। वे अपनी जमीनों के अलग-अलग मालिक बने रहते हैं।



4.2.1 सहकारी खेती के प्रकार

सहकारी खेती मुख्यतः चार प्रकार की होती है—

- सहकारी काश्तकारी खेती
- सहकारी सामूहिक खेती
- सहकारी बेहतर खेती
- सहकारी संयुक्त खेती

- सहकारी काश्तकारी खेती किस प्रकार होती है?
  —इसके अन्तर्गत किसान मिलकर एक सहकारी समिति का गठन करते हैं। सहकारी समिति ही कृषि के लिए खाद बीज की व्यवस्था करती है तथा उपज का विक्रय करती है।
- सहकारी सामूहिक खेती किस प्रकार होती है?
  —इस प्रणाली के अन्तर्गत सदस्यों को अपनी भूमि का समर्पण करना पड़ता है। कृषि के प्रबन्धक का कार्य निर्वाचित परिषदें करती हैं।
- सहकारी बेहतर खेती किस प्रकार होती है?
  —इस प्रणाली के अन्तर्गत किसान खेती की उन्नत तकनीक का प्रयोग करने के लिए आपस में मिलकर सहकारिता का निर्माण करते हैं। इस प्रणाली में प्रत्येक किसान स्वतंत्र रहता है। इस प्रकार की सहकारी समितियों को सेवा सहकारी समितियाँ भी कहा जाता है।
- सहकारी संयुक्त खेती किस प्रकार होती है?
  —इसके अन्तर्गत छोटे-छोटे किसान अपनी जमीनों को इकट्ठा करके संयुक्त रूप से खेती करते हैं, किन्तु प्रत्येक किसान का अपनी भूमि पर स्वामित्व बना रहता है।

> YUKTI ***ज्ञान***—*मार्च 1969 तक सहकारी खेती सम्बन्धी कार्यक्रम केन्द्रीय सरकार द्वारा संचालित था। इसके बाद यह राज्य सरकारों को दिया गया।*

4.2.2 सहकारी खेती के लाभ

- सहकारी खेती से ग्रामीण समाज में समानता को बढ़ावा देने तथा शोषण को रोकने में सहायता मिलती है।
- सहकारी खेती से कुछ महत्वपूर्ण कार्य जैसे–सिंचाई के लिए समुचित प्रबन्ध करना, भू संरक्षण के लिए कार्यक्रम अपनाना, बहुफसली कृषि करना, माल संग्रह के लिए गोदाम बनाना तथा कृषि से सम्बन्धित उद्योगों को चलाना आदि किए जा सकते हैं।

5. पशुपालन

भारत में कृषि क्षेत्र मुख्यतः फसल और पालतू पशुओं के मिश्रण वाली कृषि प्रणाली का प्रभुत्व है। पशुपालन राष्ट्रीय आय और सामाजिक आर्थिक विकास में सीधे योगदान देने के अतिरिक्त निम्न भूमिकाएँ निभाता है

- पशुपालन विशेष रूप से भूमिहीन श्रमिकों, छोटे व वंचित किसानों और महिलाओं के लिए आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होता है।
- पशुपालन चिरस्थायी कृषि के सिद्धान्त को बल देता है। इसके महत्व को निम्न तथ्यों से समझा जा सकता है—
- भारत में पशुधन की आबादी लगभग 53 करोड़ है। यह पूरे कृषि मत्स्य और वन क्षेत्र के 26 प्रतिशत के बराबर है।
- पशुधन क्षेत्र ने कुल मिलाकर 11वीं योजना के दौरान 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है, जो कृषि क्षेत्र और खाद्य उत्पादन से ऊँची है।

दूध की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए भारत सरकार की कुछ महत्वपूर्ण योजनाएँ निम्न प्रकार हैं—

- सघन दुग्ध विकास योजना
- दुग्ध उद्यमशीलता विकास योजना
- साफ और गुणवत्ता वाले दूध के उत्पादन के लिए आधारभूत ढांचा उपलब्ध करवाना, सहकारी समितियों को सहयोग
- गोधन और भैंस प्रजनन के लिए राष्ट्रीय परियोजना

मार्च 2012 में एक नई योजना, राष्ट्रीय दुग्ध योजना का पहला चरण, शुरू किया गया इसके उद्देश्य निम्न हैं—

- दूध देने वाले जानवरों की उत्पादकता बढ़ाना
- दुग्ध क्षेत्र में उत्पादकों की बाजार तक पहुँच बढ़ाना
- गाँवों के स्तर पर दूध खरीद के ढ़ांचे को मजबूत करके इसका विस्तार करना।
- राज्य सरकार द्वारा 1944 में स्थापित पशुपालन विभाग पशुधन विभाग के चारों आयामों (उन्नत पशु, प्रजनन, पशु स्वास्थ्य, पशु प्रबन्धक तथा पशु पोषण) के लिए प्रयासरत है।

✦ पशु गणना 2012 के अनुसार प्रदेश में पशुओं की कुल संख्या कितनी है? **—687.15 लाख**

✦ उत्तर प्रदेश में सम्पूर्ण देश के कितने प्रतिशत पशु हैं? **—13.41 प्रतिशत**

YUKTI ज्ञान—*उत्तर प्रदेश में पशुओं की संख्या सम्पूर्ण भारत में सर्वाधिक है। राज्य के कुल पशुधन में लगभग 195 लाख गोवंशीय पशु व लगभग 306 लाख महिषवंशीय पशु हैं। शेष में भेड़, बकरी, सुअर, कुत्ते, कुक्कुट तथा अन्य पशु सम्मिलित हैं।*

✦ वर्तमान में उत्तर प्रदेश में कुल कितने पशु चिकित्सालय हैं? **—2200**

✦ पशु टीकों का उत्पादन कहाँ किया जाता है? **—पशु जैविक औषधि संस्थान लखनऊ द्वारा**



✦ उत्तर प्रदेश में गोवध निवारण अधिनियम कब लागू किया गया? **—1955 में**

✦ उत्तर प्रदेश में पशुधन के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने हेतु राज्य सरकार द्वारा पशुपालन विभाग की स्थापना कब की गई? **—1984 में**

✦ उत्तर प्रदेश में पशुधन की विशेष चिकित्सा हेतु पशु चिकित्सा पॉलीक्लीनिकों की स्थापना किन स्थानों पर की गई है? **—गोरखपुर, मुजफ्फरनगर और लखनऊ में**

✦ देश में सर्वाधिक भैंसों की संख्या कहाँ पाई जाती है? **—उत्तर प्रदेश में**



✦ दुग्ध उत्पादन में देश में उत्तर प्रदेश का कौन सा स्थान है? **—प्रथम स्थान**

- ✦ राज्य में गोपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश गो–सेवा आयोग की स्थापना कब की गई थी? **—1999 में**
- पशु विकास कार्यक्रम मूल रूप से उन्नत प्रजनन पर आधारित है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा उन्नत सांड, उन्नत वीर्य, तरल नत्रजन एवं कृत्रित गर्भाधान केन्द्रों की व्यवस्था की गई है।
- ✦ वर्तमान में उत्तर प्रदेश में कितने राजकीय गोसदन हैं? **—8**
- ✦ गोवंशीय पशुओं को बध से संरक्षण कौन–सा अधिनियम प्रदान करता है? **—उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम, 1955**

5.1 दुग्ध विकास एवं सम्बन्धित योजनाएँ/कार्यक्रम

- उत्तर प्रदेश में दुग्ध संघों को आर्थिक एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने, मूल्य का निर्धारण करके तथा दुग्ध–उत्पादक विनिमय आदेश को लागू करने के उद्देश्य से सन् 1976 में दुग्ध विकास विभाग तथा राज्य दुग्ध परिषद की स्थापना की गई थी।
- ✦ 1970 – 71 में केन्द्र सरकार द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन फ्लड के तहत 1973 में उत्तर प्रदेश के किन जिलों में ऑपरेशन फ्लड-I शुरू किया गया? **—वाराणसी मेरठ और बलिया में**
- ✦ ऑपरेशन फ्लड-II और ऑपरेशन फ्लड-III क्रमश: कब तक चला ? **—1982-83 से 1987 तथा 1987 से 1996 - 97 तक**
- ✦ उत्तर प्रदेश और देश में प्रथम नियमित दुग्ध संघ की स्थापना कब और कहाँ की गई थी ? **—1938 में लखनऊ में**
- ✦ एकीकृत दुग्धशाला विकास परियोजना किसके द्वारा प्रायोजित है ? **—शतप्रतिशत केन्द्र सरकार द्वारा**
- ✦ एकीकृत दुग्धशाला विकास परियोजना को उत्तर प्रदेश में कब लागू किया गया ? **—1993 - 94 में**
- ✦ एकीकृत दुग्धशाला विकास परियोजना का उद्देश्य क्या है ? **—इसका उद्देश्य राज्य के पिछड़े क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन, उपार्जन, विपणन तथा रोजगार का सृजन करना है।**
- ✦ एकीकृत दुग्धशाला विकास परियोजना का उद्देश्य क्या है ? **—इसका उद्देश्य राज्य के पिछड़े क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन, उपार्जन, विपणन तथा रोजगार का सृजन करना है**
- ✦ महिला डेरी योजना कब से लागू की गई ? **—1996 - 97 से**



- ✦ दुग्ध विकास विभाग द्वारा लागू इस योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है? **—इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर गठित दुग्ध समितियों से सम्बद्ध महिला दुग्ध उत्पादक सदस्यों को उनकी आय में वृद्धि हेतु दुग्ध विकास की विभिन्न गतिविधियों हेतु प्रशिक्षण दिलाया जाना तथा इसमें अतिरिक्त रोजगार की रुचि जगाना।**
- ✦ अम्बेडकर डेयरी डेवलपमेण्ट प्रोजेक्ट का उद्देश्य क्या है ? **—इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के चयनित अम्बेडकर गाँवों में अनुसूचित जातियों/जनजातियों के लाभार्थियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दृष्टि से दुग्ध विकास विभाग द्वारा दुग्ध समतियों का गठन करना**



- ✦ गोकुल पुरस्कार योजना का उद्देश्य क्या है ? **—इस योजना के अन्तर्गत सहकारी दुग्ध उत्पादकों को उनके बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है।**

> **YUKTI ज्ञान**—*इस योजना के अन्तर्गत सहकारी दुग्ध उत्पादकों को अच्छी नस्ल के दुधारू पशु रखने के लिए प्रेरित किया जाता है तथा राज्य के प्रत्येक दुग्ध संघ के सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले दुग्ध उत्पादकों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार पाने वाले को क्रमशः 1.50 लाख, 1 लाख व 50 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है।*

- ✦ प्रादेशिक को–ऑपरेटिव डेरी फेडरेशन का गठन कब किया गया था ? **—1962 में**
- ✦ प्रादेशिक को–ऑपरेटिव डेरी फेडरेशन के मुख्य कार्य क्या हैं ? **—इस फेडरेशन के प्रमुख कार्यों में ग्रामीण स्तर पर सहकारी दुग्ध समितियों का गठन व उनके माध्यम से दुग्ध उपार्जन, संग्रहण, प्रसंस्करण, दुग्ध उत्पाद निर्माण एवं वितरण आदि शामिल हैं।**
- ✦ राज्य दुग्ध परिषद् का मुख्य कार्य क्या है ? **—इस परिषद का मुख्य कार्य, लाइसेंसिंग, क्षेत्र आरक्षण, दुग्ध मूल्य निर्धारण एवं उत्पादक विनिमय आदेश लागू करना है।**

6. उत्तर प्रदेश की कृषि नीति एवं योजनाएँ

✦ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नई कृषि नीति की घोषणा कब की गई ?

—28 फरवरी, 2013

✦ नई कृषि नीति का उद्देश्य क्या है ?

—कृषि क्षेत्र, 5.1% की उच्च वृद्धि दर प्राप्त करना

✦ नई कृषि नीति में कितने क्षेत्रों पर बल दिया गया है ? **—7 क्षेत्रों पर**

> YUKTI ***ज्ञान***—*इन सात क्षेत्रों को सप्तक्रान्ति की संज्ञा दी गई है ये सात क्षेत्र हैं—प्रसार, सिंचाई एवं जल प्रबन्धन, मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता, बीज प्रबन्धन, विपणन, शोध तथा कृषि विविधीकरण।*

✦ कृषि सूचना केन्द्रों की स्थापना किस उद्देश्य से की गई है ?

—कृषकों की समस्याओं के समाधान हेतु

✦ कृषि सूचना केन्द्रों की स्थापना किस स्तर पर की गई है ?

—समस्त उप-सम्भागीय प्रसार अधिकारी व समस्त उप-कृषि निदेशक स्तर पर

✦ किसान कॉल सेण्टर योजना क्या है ?

—यह योजना किसानों की तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए चलाई जा रही है। इसके तहत किसान कहीं से भी कृषि विभाग द्वारा आबंटित टोल फ्री नम्बर पर डायल कर टेलीफोन से अपनी समस्या का समाधान कर सकता है।

✦ किसान मित्र योजना कब से शुरू की गई है ? **—18 जून, 2001 से**

> YUKTI ***ज्ञान***—*किसान मित्र योजना के उत्तर प्रदेश में किसानों को सभी तरह की जानकारियाँ उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक पंचायत में एक किसान मित्र की नियुक्ति की जा सकती है। इसके लिए व्यक्ति को कृषि स्नातक/इण्टर होना चाहिए।*

✦ राष्ट्रीय कृषि व मौसम आधारित फसल बीमा योजना क्या है ?

—यह योजना कृषि उत्पादन में शामिल जोखिमों से किसानों की रक्षा हेतु है।

> YUKTI ***ज्ञान***—*यह योजना केन्द्र के सहयोग से 1999-2000 में शुरू की गई। इसके बाद इसमें 2010-11 में संशोधन किया गया। संशोधन किया गया। इसके बाद 2014 में इसे संशोधित किए जाने के बाद अब यह राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना व मौसम आधारित फसल बीमा योजना के नाम से संचालित की जा रही है।*

✦ उत्तर प्रदेश भूमि विकास एवं जल संसाधन विकास प्रशिक्षण संस्थान कहाँ पर स्थित है ? **—लखनऊ में**

✦ उत्तर प्रदेश भूमि विकास एवं जल संसाधन विकास प्रशिक्षण संस्थान का गठन कब किया गया था ? **—1998 में**

> YUKTI ***ज्ञान***—*इस संस्थान के नियंत्रण में 47 जिलों में बंजर भूमि विकास कार्यक्रम, 38 जिलों में समादेश विकास एवं जल प्रबंधन कार्यक्रम तथा 15 जिलों में सूखा बहुल क्षेत्र कार्यक्रम चल रहा है।*

✦ उत्तर प्रदेश भूमि सुधार निगम की स्थापना कब की गई थी ? **—1978 में**

✦ समेकित बंजर भूमि विकास कार्यक्रम कब से चलाया जा रहा है ?

—1991-92 से केन्द्र व राज्य सरकार के सहयोग से

✦ किसानों को उनके उत्पादों का उचित दाम दिलाने के लिए सरकार द्वारा कृषि पार्क की स्थापना किन-किन स्थानों पर की गई है ?

—हापुड़ लखनऊ, वाराणसी तथा सहारनपुर में

✦ सेडिक लैण्ड रिक्लेमेशन परियोजना III क्या है ?

—2010-11 में शुरू की गई इस परियोजना के अन्तर्गत 6 वर्षों में जनपदों की 1.3 लाख हेक्टेयर ऊसर एवं 2 जनपदों की 5,000 हेक्टेयर बीहड़ भूमि को कृषि योग्य बनाना है।

कृषि निर्यात जोन

निर्यात जोन	उत्पाद	शामिल जनपद
• आगरा	आलू	आगरा, हाथरस, मेरठ, फर्रुखाबाद एवं कन्नौज।
• लखनऊ	आम	लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, हरदोई एवं उन्नाव।
• सहारनपुर	आम	सहारनपुर, बुलन्दशहर, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर और बिजनौर

6.0.1 भारतीय कृषि की विशेषताएँ

आदिकाल से कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है। भारत की अधिकांश जनसंख्या की आजीविका का साधन कृषि है। देश की कार्यशील जनसंख्या का लगभग 54.6% भाग कृषि से आजीविका प्राप्त करता है तथा कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद का 17.4% भाग प्रदान करती है। इससे देश का 12.7% निर्यात होता है। भारतीय कृषि की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

✦ भारतीय कृषि को मानसून का जुआ क्यों कहा जाता है ?

—19वीं कृषि संगणना के अनुसार आज तक कुल बुआई क्षेत्रफल का 54.3% भाग सिंचाई के लिए मानसून पर निर्भर है तथा 45.7% भाग ही सिंचित है।

✦ सर्वाधिक सिंचित फसल कौन-सी है ? **—गन्ना**

✦ राष्ट्रीय लघु सिंचाई मिशन क्या है ? **—यह मिशन कृषि में जल उपयोग की दक्षता को बढ़ाने के लिए है।**

> YUKTI **ज्ञान**—*लघु सिंचाई पर गठित कार्य बल द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर केन्द्र सरकार द्वारा 2006 में शुरू की गई, जिसको 2010 में 'राष्ट्रीय लघु सिंचाई मिशन' कर दिया गया।*

✦ 19वीं कृषि संगणना के अनुसार वर्ष 2010-11 में सर्वाधिक सिंचित क्षेत्रफल वाला राज्य कौन-सा है ? **—उत्तर प्रदेश**

✦ कुल क्षेत्रफल के प्रतिशत की दृष्टि से सर्वाधिक सिंचित राज्य कौन-सा है ? **—पंजाब (99.60%)**

✦ क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से सर्वाधिक असिंचित राज्य कौन-सा है ? **—महाराष्ट्र**

✦ देश में सबसे कम सिंचित क्षेत्रफल प्रतिशत के दृष्टिकोण से किस राज्य में हैं ? **—असम में**

✦ देश में सर्वाधिक सिंचाई किस माध्यम से की जाती है ? **—नलकूप**

✦ कृषि वर्ष की अवधि कब से कब तक होती है ? **—जुलाई से जून तक**

✦ भारतीय कृषि में किसकी प्रचुरता है ? **—खाद्यान्न फसलों की**

✦ कितने प्रतिशत भूमि पर खाद्यान्न फसलें उगाई जाती हैं ? **—64.18%**

✦ देश के कुल श्रमिकों की संख्या का कितने प्रतिशत आज भी कृषि क्षेत्र से जीविकोपार्जन करता है। ? **—लगभग 48.9%**

✦ देश की कितने प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है ? **—68.84%**

✦ समस्त कामगारों में से कितने प्रतिशत किसान कामगार हैं ? **—31.7%**

✦ कृषि में बेरोजगारी का अधिक्य है और रोजगार मौसमी होता है। **—लगभग 31.7% कृषि में बेरोजगारी का आधिक्य है और रोजगार मौसमी होता है।**

✦ कृषि संगणना 2010-11 के अनुसार भारत में औसत कृषि जोत का आकार कितना है ? **—0.15 हेक्टेयर**

✦ कृषि संगणना 2010-11 के अनुसार प्रति व्यक्ति भूमि की उपलब्धता कितनी है ? **—0.10 हेक्टेयर**

- भारतीय कृषि की उत्पादकता बहुत कम है जो कि प्रति हेक्टेयर एवं प्रति श्रमिक दोनों ही दृष्टि से बहुत कम है। भारत में एक हेक्टेयर भूमि में 2755 किलोग्राम गेहूँ पैदा होता है, जबकि ब्रिटेन में 7178 किग्रा.।
- आधुनिक तकनीक के उपलब्ध होने के बावजूद यहाँ पर अधिकांश उत्पादन पुरानी परम्परागत तकनीक से होता है।
- भारतीय किसान ऋण में जन्म लेता है और ऋण में ही मर जाता है। देश में आधे से अधिक किसान कर्जदार हैं।

✦ ऋणग्रस्तता शीर्षक वाली एक रिपोर्ट जो NSSO ने जारी की के अनुसार किस राज्य का किसान सर्वाधिक कर्जदार है ? **—आन्ध्र प्रदेश का**

✦ देश में सबसे कम कर्जदार किसान किस राज्य में हैं ? **—असम में**

- भारत में किसान अपने परिवार की आवश्यकताओं के आधार पर उत्पादन की योजना बनाता है अपनी अधिकांश आवश्यकताओं को अपने उत्पाद से पूरा करना चाहता है।

6.1 सहकारी आन्दोलन

- **कोलबर्ट** ने सहकारिता की परिभाषा देते हुए लिखा है कि *'सहकारिता ऐसा संगठन है जिसमें मानव व्यक्ति के रूप में समानता के आधार पर अपने आर्थिक हितों की पूर्ति के लिए स्वेच्छा से सहयोग करता है।'*
- समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर जब अनेक व्यक्ति स्वेच्छा से मिलकर अपने आर्थिक हित की पूर्ति के लिए संगठन बनाते हैं तो उसका स्वरूप सहकारी होता है।
- इस प्रकार के संगठन में ऐसे लोग शामिल होते हैं जिनके पास व्यक्तिगत तौर पर आवश्यक मात्रा में संसाधन नहीं होते हैं। संगठित होने से इनकी शक्ति और संसाधन बहुत बढ़ जाते हैं।

6.1.1 भारत में सहकारी आन्दोलन

✦ वर्ष 1901 में भारत सरकार ने किसकी अध्यक्षता में सहकारी समितियों के संगठन की सम्भावना और सफलता पर रिपोर्ट देने के लिए एक समिति की स्थापना की है ? **—एडवर्ड लॉ की अध्यक्षता में**

✦ एडवर्ड लॉ की सिफारिशों के आधार पर सहकारी साख अधिनियम कब पास किया गया ? **—1904 में**

✦ 1904 में बने अधिनियम की कमियों को दूर करने के लिए दूसरा अधिनियम कब पास किया गया ? **—1912 में**

✦ सहकारिता को केन्द्रीय सूची से हटाकर प्रान्तीय सूची में कब रखा गया ? **—1919 में**

> YUKTI **ज्ञान**—*1919 में सहकारिता को केन्द्रीय सूची से हटाकर प्रान्तीय सूची में रखने के बाद विभिन्न प्रान्तीय सरकारों ने अपने-अपने प्रान्तों में सहकारिता की सफलता और उसकी प्रगति की सम्भावनाओं की जाँच करने के निमित्त समितियाँ नियुक्ति की।*

✦ सहकारिता आन्दोलन को 1935 में किसकी स्थापना से बल मिला ? **—रिजर्व बैंक की**

- वर्ष 1947 में भारत के विभाजन का प्रभाव पंजाब, बंगाल तथा असम के सहकारी आन्दोलन पर अच्छा नहीं पड़ा।

6.1.2 सहकारी साख

✦ भारत के सहकारी आन्दोलन में किसकी भूमिका महत्वपूर्ण है ? **—साख समितियों और सहकारी बैंकों की**

- सहकारिता विभाग के संगठन का उद्देश्य न केवल कृषिकों को सस्ते ऋण की सुविधा उपलब्ध कराना है वरन प्रदेश के विभिन्न अंचलों में निर्बल और निर्धन वर्ग को समृद्धिशाली बनाते हुए उनके स्तर को ऊँचा उठाना है।

> YUKTI **ज्ञान**—*इन उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विभाग द्वारा विभिन्न योजनाएँ यथा—क्रय-विक्रय कृषि निवेश, श्रम, एकीकृत सहकारी विकास, उपभोक्ता सहकारी ऋण एवं अधिकोषण आदि कार्यान्वित कर सहकारी समितियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।*

✦ भारत में सहकारी साख संस्थाओं के कितने स्तर हैं ? **—तीन (सबसे निचले स्तर पर कृषि व कृषि संस्थाएँ हैं उनके ऊपर जिला स्तर पर केन्द्रीय सहकारी बैंक हैं और सबसे ऊपर राज्य स्तर पर राज्य सहकारी बैंक हैं।)**

✦ शीर्ष संस्था के रूप में भारतीय राष्ट्रीय सहकारी बैंक की स्थापना की जानी चाहिए, यह सिफारिश किस समिति ने की थी ? **—खुसरो समिति ने**

6.1.3 बहुउद्देशीय सहकारी समितियाँ

✦ बहुउद्देशीय सहकारी समिति को और किस अन्य नाम से जाना जाता है? **—सेवा सहकारी समिति**

✦ बहुउद्देशीय समतियों की स्थापना के सम्बन्ध में सर्वप्रथम सुझाव किसके द्वारा कब दिया गया? **—रिजर्व बैंक में कृषि विभाग के द्वारा**

✦ बहुउद्देशीय समितियों की स्थापना के सम्बन्ध में सर्वप्रथम सुझाव रिजर्व बैंक के कृषि विभाग द्वारा कब दिया गया ? **—1937 में**

> YUKTI **ज्ञान**—*अखिल भारतीय ग्रामीण साख सर्वेक्षण रिपोर्ट में छोटी–छोटी सहकारी साख समितियों के गठन का सुझाव दिया गया था।*

✦ वर्ष 1959 में अखिल भारतीय कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में समितियों के सन्दर्भ में किस प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया ?

—सहकारिता से सम्बद्ध एक विशेष प्रस्ताव में सेवा समितियों की स्थापना की वांछनीयता को स्वीकार किया गया।

✦ वर्तमान में उत्तर प्रदेश में कुल कितने जिला सहकारी बैंक स्थापित हैं ? —50

> YUKTI **ज्ञान**—*50 सहकारी बैंकों में से 34 जिला सहकारी बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक के मानकों के पूर्ण करने के फलस्वरूप लाइसेन्स प्राप्त हैं। शेष 16 जिला सहकारी बैंक गैर लाइसेंस प्राप्त बैंकों की श्रेणी में सम्मिलित हैं।*

6.1.4 सहकारी विपणन

- विपणन उत्पादन का एक अभिन्न अंग है। समुचित विपणन व्यवस्था के बिना उत्पादन क्रिया पूर्ण नहीं मानी जाती है। कृषिकों को उनकी उपज का समुचित मूल्य देकर उनको प्रोत्साहित किया जाए, इसी अवधारणा के परिप्रेक्ष्य में सहकारी विपणन अपना स्वरूप ग्रहण कर सका। अखिल भारतीय ग्रामीण साख सर्वेक्षण रिपोर्ट में सहकारी विपणन की एक एकीकृत योजना प्रस्तुत की गई थी, जिसके आधार पर दूसरी पंचवर्षीय योजना में कार्य किया गया।
- सहकारी विपणन व्यवस्था एक ऐसी पद्धति है, जिसके अन्तर्गत कृषकों और उत्पादकों का वर्ग अपनी वस्तुओं को उपभोक्ताओं तक पहुँचाने सम्बन्धित अथवा सभी प्रविधियों या कार्यों को पूरा करने के उद्देश्य से एक साथ संगठित हो जाता है।

✦ विपणन का उद्देश्य क्या है ?

—विपणन का उद्देश्य कृषकों की सौदा करने की शक्ति को मजबूत करना है, अनावश्यक मध्यस्थों को हटाना, सदस्यों को उपज का उचित मूल्य दिलाना, मूल्यों में स्थिरता लाना आदि।

✦ राज्य सहकारी विपणन समितियाँ किस स्तर पर कार्य करती हैं ? **—राज्य स्तर पर**

✦ नेफेड (NAFED) क्या है ?

—कृषि उपजों के विपणन कार्य हेतु सहकारी क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय कृषि सहाकारी विपणन संघ की स्थापना की गई थी।

✦ नेफेड की स्थापना कब की गई थी ? **—1974 में**

✦ केन्द्रीय विपणन समितियों का कार्य क्या होता है ?

—इनका कार्य क्षेत्र जिला तथा अन्तर जिला व्यापार होता है।

✦ प्राथमिक विपणन समितियाँ किस स्तर पर कार्य करती हैं ?

—ये मण्डियों अथवा थोक संग्रह केन्द्रों पर कार्य करती हैं।

✦ ट्राइफेड की स्थापना कब की गई थी ? **—अगस्त 1987 में**

✦ ट्राइफेड की स्थापना किस उद्देश्य से की गई थी ?

—इसकी स्थापना जनजातीय लोगों का शोषण करने वाले निजी व्यापारियों से छुटकारा दिलाने और उनके द्वारा तैयार की गई वस्तुओं का अच्छा मूल्य दिलाने के उद्देश्य से की गई।

- भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास परिसंघ को पेड़ों तथा वनों के उत्पादों के एकत्रीकरण, प्रसंस्करण, भण्डारण और विकास की प्रमुख एजेन्सी भी घोषित किया गया।
- गेहूँ और धान की सरकारी खरीद के लिए ट्राइफेड भारतीय खाद्य निगम के एजेन्ट और मोटे अनाजों, दालों और तिलहनों की सरकारी खरीद में कृषि एवं सहकारिता विभाग के एजेन्ट के रूप में काम करती है।

✦ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल मार्केटिंग कहाँ स्थित है ? **—जयपुर में**

✦ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग की स्थापना कब की गई थी? **—1988 में**

- वर्तमान समय में सहकारी विपणन संरचना के अन्तर्गत देश में मण्डी स्तर पर 2,636 सामान्य उद्देशीय प्राथमिक विपणन समितियाँ, तिलहनों इत्यादि के लिए 3,290 विशिष्ट प्राथमिक सहकारी विपणन समितियाँ, 157 जिला/केन्द्रीय समितियाँ, 29 सामान्य उद्देश्य राज्य सहकारी विपणन फेडरेशन, 16 राज्य स्तर पर विशेष वस्तु विपणन तथा राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन फेडरेशन हैं।

✦ भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी संस्था (IFFCO) का कार्य क्या है ? **—उर्वरक का उत्पादन व वितरण**

> YUKTI **ज्ञान**—*16 राज्यों तथा 3 केन्द्रशासित प्रदेशों की ग्रामीण स्तर की सहकारी संस्थाओं से लेकर राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्थाएँ और फेडरेशन इफको की सदस्य हैं। इफको और इन सहकारी संस्थाओं की सदस्य संख्या लगभग 26,000 है।*

- सहकारी संसाधन इकाइयों में चीनी मिलें, कपास ओटाई, ओटाई व संसाधन इकाइयाँ, सूती कताई मिलें, धान संसाधन इकाइयाँ, तेल मिलें, फल व सब्जी संसाधन इकाइयाँ शामिल हैं।

7. भारतीय कृषि व्यवस्था

7.1 भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्व

भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान महत्वपूर्ण है। यदि हम स्वतंत्रता से पूर्व की अवधि को देखें या उसके बाद के समय को तो पाएँगे कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। यह तथ्य लोगों की उस बड़ी संख्या से प्रमाणित होता है, जो अपनी आजीविका के लिए इस क्षेत्र पर निर्भर है यहाँ के जीवन और अर्थव्यवस्था में कृषि का स्थान हर दृष्टि से सर्वोच्च है।

- मौद्रिक दृष्टि से देखें तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 17.4 प्रतिशत है, जब कि 1950 – 51 में यह हिस्सा 55.4 प्रतिशत था।
- वर्तमान में कृषि का योगदान राष्ट्रीय आय में कम हो रहा है, वहीं औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन आजीविका के लिए देश की 48.9 प्रतिशत जनसंख्या कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। इसलिए यह औद्योगिक क्षेत्रों एवं सेवा क्षेत्रों से अधिक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।
- इसका अर्थ है कि भारत की 48.9 प्रतिशत जनसंख्या देश की सकल आय के मात्र 17.4 प्रतिशत से अपना गुजारा कर रही है।
- यह भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा असंगठित क्षेत्र है।
- कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का न केवल सबसे बड़ा क्षेत्र है बल्कि सबसे मुक्त निजी क्षेत्र भी है।
- भारत के विदेशी व्यापार का अधिकांश भाग कृषि से ही जुड़ा हुआ है। भारत कुछ उत्पादनों के मामले में महत्वपूर्ण कृषि-निर्यातक देश के तौर पर उभरा है जिनमें कपास, चावल, गिरी, तेल, मसाला, चीनी आदि शामिल हैं।
- वर्ष 2014-15 में कृषि निर्यात सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 12.08 प्रतिशत था। इसी समय में कृषि आयात की कृषि जीडीपी का 4.90 से बढ़कर 5.82 प्रतिशत हो गया।
- विशेषज्ञों के अनुसार कृषि का भारत के औद्योगिक विकास तथा राष्ट्रीय आय से गहरा सम्बन्ध है। यदि कृषि उत्पादन में 1 प्रतिशत की वृद्धि होती है तो परिणामस्वरूप औद्योगिक उत्पादन में 0.5 प्रतिशत तथा राष्ट्रीय आय में 0.7 प्रतिशत की वृद्धि होगी।







- 1940 के दशक के अन्त में औद्योगिक क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था प्रमुख प्रेरक शक्ति के रूप में चुना गया था, लेकिन यह अर्थव्यवस्था को पर्याप्त संवेग नहीं दे पाया। औद्योगिक क्षेत्र की इस विफलता को देखते हुए भारत सरकार ने वर्ष 2002 में कृषि क्षेत्र को अर्थव्यवस्था की प्रमुख प्रेरक शक्ति के रूप में चुना।

7.2 कृषि में निम्न उत्पादकता के कारण

- भारत के लोगों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति, राष्ट्रीय राजनीति और लोगों का पूर्ण जीवन कृषि से प्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित होता है। वस्तुतः भारतीय कृषि की कई महत्वपूर्ण समस्याएँ हैं जिनके कारण कृषि में निम्न उत्पादकता है, इनका वर्णन निम्न प्रकार है–

7.2.1 जनसंख्या का उच्च दबाव

- गैर–कृषि उद्यमों के अभाव एवं तेजी के साथ बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण भारतीय कृषि पर जनसंख्या का अत्यधिक दबाव है। वर्तमान में प्रति व्यक्ति कृषि भूमि मात्र 0.10 हेक्टेयर है, जब कि यह 1951 में 0.30 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति थी। इसके कारण खेतों का आकार बहुत छोटा और प्रति कृषक द्वारा कृषि उपयोग में लाई गई भूमि का क्षेत्रफल घटता गया।

7.2.2 सीमित गहन खेती

- भारत में कुल शस्य भूमि क्षेत्र के केवल एक तिहाई भाग पर द्विफसली या बहुफसली खेती की जाती है। इसमें द्विफसली क्षेत्र को बढ़ाना मुश्किल है। जब तक कि नहर और पम्प को बढ़ावा देने के लिए भारी निवेश नहीं किया जाता।

7.2.3 जोत का छोटा आकार और विखण्डन

- कृषि जोत क्षेत्र के 70 प्रतिशत से भी अधिक भाग या तो छोटे और सीमांत आकार के हैं अर्थात् एक हेक्टेयर से कम है। छोटी जोत के लिए जिम्मेदार मुख्यतः जोत के नियम हैं। छोटे आकार की जोत तथा विखंडित जोत आधुनिक कृषि के लिए उपयुक्त नहीं है।

7.2.4 श्रम गहन कृषि

- भारत में कृषि मुख्यतः मजदूरों पर आश्रित है, जिसमें कृषि के अधिकांश कार्य जैसे कि जुताई भूमि का समतल करना, बुआई–कटाई आदि कार्य मनुष्य के हाथों द्वारा पूरा किया जाता है। जिसके कारण निम्न उत्पादकता है।

7.2.5 अतार्किक भूधारण

- भारतीय कृषि की निम्न उत्पादकता और उत्पादन के लिए इसकी अतार्किक भू–धारण प्रणाली भी जिम्मेदार है। चूँकि कृषि कार्य में संलग्न किसान वास्तविक भू–स्वामी नहीं है। अतः वह उचित कृषि प्रबंधन और आधुनिकीकरण इत्यादि पहलुओं पर ध्यान नहीं देता। भूमि पर कृषि कार्य करने वाले किसान का कृषि भूमि पर मालिकाना अधिकार नहीं होना निम्न उत्पादकता का प्रमुख कारण है।

7.2.6 भण्डारण एवं विपणन सुविधाओं का अभाव

- कृषिगत उत्पादों के उचित भण्डारण एवं विपणन सुविधाओं के नहीं होने से किसान अपने उत्पादों को लाभकारी मूल्यों पर बेचने से वंचित रह जाता है।

7.2.7 किसानों में गरीबी और ऋणग्रस्तता

- जीवन निर्वाहक कृषि व्यवस्था में ऋणग्रस्तता एक आम समस्या है। देश के 85 प्रतिशत किसान ऋणों के बोझ तले दबे हैं, जिसके कारण वह कृषि कार्य को अच्छी तरह से नहीं कर पाते हैं। यह भी निम्न उत्पादकता का कारण है।

7.2.8 पारंपरिक कृषि

- भारतीय कृषि अब भी बड़े अर्थों में परम्परावादी है। इसकी स्थापना शताब्दियों पूर्व एक आत्म–निर्भर अर्थव्यवस्था के रूप में हुई थी जो न सिर्फ जातिगत व्यवसायिक ढांचों में गढ़ा था बल्कि इसमें अनुपस्थित एवं परजीवी भू–स्वामियों का बोलबाला रहा था। इन संस्थानिक कारकों एवं परम्परागत कृषि स्वरूप के कारणों से भारतीय कृषि में आधुनिकीकरण का कार्य काफी दुरुह और मंद रहा है।

7.2.9 वर्षा सिंचित कृषि

- देश का एक बहुत बड़ा भाग कृषि के लिए मानसून पर आधारित है। मानसून की अनिश्चितता और इसकी विषमता भारतीय कृषि की उत्पादकता और उत्पादन दोनों ही पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

8. भारत के सन्दर्भ में गाँवों का विकास

8.0.1 रूरल नॉलेज सेण्टर

- केन्द्र सरकार ग्रामीण विकास बैंक 'नाबार्ड' के जरिए देश के ग्रामीण क्षेत्रों में किसकी स्थापना कर रही है ? **—रूरल नॉलेज सेण्टर्स की**
- रूरल नॉलेज सेन्टर्स की स्थापना का उद्देश्य क्या है ?
—इन केन्द्रों में आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी व दूर संचार तकनीक का उपयोग किसानों को वांछित जानकारियाँ उपलब्ध कराने के लिए किया जा रहा है।
- राष्ट्रीय किसान आयोग की संस्तुति के आधार पर गठित किए जाने वाले इन केन्द्रों की स्थापना का उल्लेख किसने किया था ?
—2005-06 के बजट में पी. चिदम्बरम् ने

8.0.2 स्थायी कृषि विकास

- स्थायी कृषि विकास से क्या अभिप्राय है ?
—स्थायी कृषि विकास का अभिप्राय कृषि रसायनों पर न्यूनतम सीमा तक आश्रित रहकर कृषि के ऐसे स्वरूप से है, जिसमें जीवांशमय खादों, न्यूनतम भू-परिष्करण, सस्य चक्र जैव उर्वरक तथा जैविक पौध संरक्षण की विधियाँ उपयोग में लाई जाएँ।
- रक्षणीय कृषि परिस्थितिकीय कृषि, जीवांश कृषि, प्राकृतिक कृषि या परमाकल्चर आदि अनेक नामों से किसे जाना जाता है ?
—स्थायी कृषि विकास को
- स्थायी कृषि विकास के प्रमुख घटक क्या हैं ?
—इसके प्रमुख घटक हैं—पोषक तत्वों का एकीकृत प्रबन्ध, समन्वित कीट प्रबन्ध स्थायी जल प्रबन्ध, फसल कटाई परवर्ती प्रौद्योगिकी आनुवंशिकी विविधता एवं खरपतवार प्रबन्धन।

8.0.3 प्रौद्योगिकी का हस्तान्तरण

- कृषि की नई-नई विधियों एवं ग्रामीण विकास से सम्बन्धित विकास प्रौद्योगिकी को ग्रामीण एवं किसानों तक हस्तान्तरित करने के उद्देश्य से समय-समय पर किन योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया ?
—कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना, राष्ट्रीय प्रदर्शन कार्यक्रम
- कृषि प्रसार शिक्षा का मुख्य कार्य, कृषि विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान केन्द्रों से निर्गत अद्यतन कृषि प्रौद्योगिकी को कृषकों तक पहुँचाना।

8.0.4 पराजीनी कृषि

- जैव-प्रौद्योगिकी के उपयोग से कृषि उत्पादन में वृद्धि के व्यापक प्रयासों में पराजीनी कृषि आधुनिकतम है, जिससे कि कृषि में काफी प्रगति की सम्भावना है।
- पराजीनी कृषि क्या होती है ?
—पराजीनी पौधों की प्रजातियों के विकास में प्राकृतिक जीन में क्रत्रिम उपायों द्वारा किसी दूसरे पौधे के जीन का भाग जोड़ दिया जाता है।

8.0.5 क्रॉप एग्रीकल्चर प्रोड्यूज लोन स्कीम

- क्रॉप एग्रीकल्चर प्रोड्यूस लोन योजना क्या है?
—किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होने तक उपज को रोकने में सक्षम बनाने के लिए शुरू की गई एक योजना है।
- यह योजना कब शुरू की गई ? **—अप्रैल 2005 में**
- यह योजना किस बैंक द्वारा शुरू की गई ? **—कार्पोरेशन बैंक द्वारा**
- क्रॉप एग्रीकल्चर प्रोड्यूस लोन योजना किसके सहयोग से प्रारम्भ की गई ?
—कोमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इण्डिया के सहयोग से

8.1 राष्ट्रीय कृषक आयोग एवं नई राष्ट्रीय कृषि नीति

- किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए कार्य योजना का सुझाव देने के लिए 2004 में किसकी अध्यक्षता में राष्ट्रीय कृषक आयोग गठित किया गया ?
—डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन की
- नई कृषि नीति में किन बिन्दुओं पर जोर दिया गया ?
—नई कृषि नीति में जिन बिन्दुओं पर जोर दिया गया वे इस प्रकार हैं—सभी कृषिगत उपजों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य, मूल्यों में उतार-चढ़ाव से किसानों की सुरक्षा हेतु मार्केट रिस्क स्टेबलाइजेशन फण्ड का सुझाव, सभी राज्यों में राज्यस्तरीय किसान आयोग के गठन का सुझाव सूखे एवं वर्षा

सम्बन्धी जोखिमों से बचाव हेतु एग्रीकल्चर रिस्क फण्ड का सुझाव, किसानों के लिए बीमा योजनाओं का विस्तार, कृषि सम्बन्धी मामलों में स्थानीय पंचायतों के अधिकारों में वृद्धि राज्य सरकारों द्वारा कृषि मंत्रालयों का नाम बदलकर कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय करने का सुझाव।

8.1.1 राष्ट्रीय कृषि नीति 2007

भारत सरकार ने राज्य सरकारों से परामर्श के उपरान्त राष्ट्रीय कृषि आयोग की सिफारिशों को मानते हुए राष्ट्रीय कृषि नीति को मंजूरी दी है, जिसके उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

- किसानों को उचित ब्याज दरों पर वित्तीय सेवाएँ समय पर उनकी आवश्यकतानुसार मुहैया कराना।
- कृषकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना को समुचित महत्व प्रदान करने हेतु आवश्यक उपाय करना।
- उत्पादन और उत्पादकता के आधार पर ही किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार करने पर ध्यान केन्द्रित करना।
- कुशलतापूर्वक जल का उपयोग करके प्रति यूनिट अधिकतम पैदावार प्राप्त करना।
- समन्वित कृषि जैव–सुरक्षा कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय कृषि जैव सुरक्षा प्रणाली स्थापित करना।
- कृषि नीति के कार्यान्वयन को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए एक उत्तर मंत्रालयी समिति का गठन किया गया है।

8.1.2 भूमि सुधार कार्यक्रम

✦ भारत में भूमि सुधार कार्यक्रम के प्रमुख अंग कौन–से हैं ?

—भारत में भूमि सुधार कार्यक्रम के प्रमुख अंग हैं— मध्यस्थों की समाप्ति, काश्तकारी सुधार, प्रति परिवार भूमि की अधिकतम सीमा निर्धारित करके अतिरिक्त भूमि को भूमिहीनों में वितरित करना और जोतों की चकबन्दी करना।

✦ भूमि हदबन्दी कानून कब बनाए गए ? **—पचास-साठ के दशक में**

8.1.3 नई यूरिया नीति 2015

✦ केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने नई यूरिया नीति 2015 को मंजूरी कब दी ?

—13 मई, 2015 को

✦ नई यूरिया नीत का उद्देश्य क्या है ?

—इसका उद्देश्य यूरिया उत्पादन को बढ़ाना और उत्पादक संयंत्रों में ऊर्जा बचत को प्रोत्साहित करना है।

> YUKTI ***ज्ञान***—*नई यूरिया नीति 2015 का लक्ष्य देश में यूरिया के उत्पादन में लगभग 20 लाख टन प्रति वर्ष वृद्धि करना और सब्सिडी पर होने वाले खर्च में 4,800 करोड़ रुपए की वार्षिक कटौती करना है।*

8.1.4 वर्मी कम्पोस्ट

✦ वर्मी कम्पोस्ट और किस नाम से जाना जाता है ? **—केंचुआ पालन**

✦ वर्मी कम्पोस्ट किस प्रकार तैयार होती है ?

—यह गोबर सूखे एवं हरे पत्ते घास-फूस, धान का पुआल, खेतों के अवशेष, डेयरी कुक्कुट वेस्ट तथा केंचुओं के मल से तैयार होती है।

> YUKTI ***ज्ञान***—*वर्मी कम्पोस्ट में बेरोजगार युवकों, गृहणियों एवं भावी पीढ़ी को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सकते हैं। इससे पर्यावरण प्रदूषण की समस्या कुछ हद तक सुलझ सकती है।*



8.1.5 मशरूम की खेती

✦ मशरूम क्या है ? **—मशरूम एक कवक है।**



✦ मशरूम का उपयोग क्या है ?

—मशरूम स्वादिष्ट एवं पौष्टिक सब्जी के रूप में प्रयुक्त होता है।

- मशरूम को बिना मृदा के धान के पुआल एवं गेहूँ के भूसे आदि पर सुगमता से उगाया जा सकता है।

8.1.6 ड्रिप सिंचाई

✦ ड्रिप सिंचाई विधि क्या है ?

—ड्रिप सिंचाई, सिंचाई की वह विधि है जिसमें सिंचाई के जल को पौधों के जड़ क्षेत्र में बूँद-बूँद करके पहुँचाया जाता है।

✦ ड्रिप सिंचाई विधि का विकास कहाँ हुआ था ? **—इजराइल में**



• इस विधि से सिंचाई करने में 35 - 75% पानी की बचत होती है।

8.1.7 ग्रामीण साझा केन्द्र

✦ केन्द्र सरकार ने कितने गाँवों में ग्रामीण साझा सेवा केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया है ? **—एक लाख गाँवों में**

• सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी से इन केन्द्रों के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेस के द्वारा ग्रामीणों को कई तरह की सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

8.1.8 भारत में नए कृषि प्रतिरूप

✦ स्वतंत्रता के पश्चात् बढ़ती हुई जनसंख्या को खाद्य आपूर्ति हेतु कृषि के क्षेत्र में नए प्रयास किए गए जिसमें विशेष योगदान रहा।

—भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद तथा भारतीय मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का

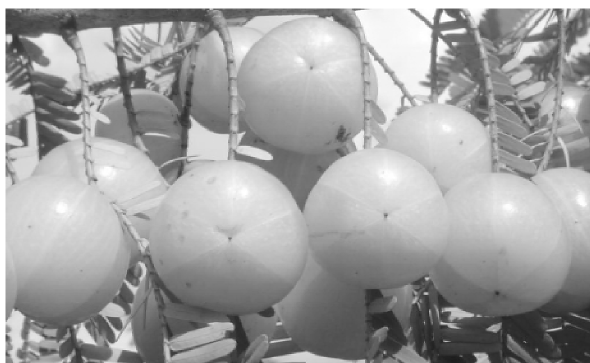
✦ भारतीय कृषि किस प्रकार की रही है ? **—परम्परागत प्रकार की**

✦ विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों तथा कृषि प्रौद्योगिकी अनुसन्धान केन्द्रों के योगदान के परिणामस्वरूप देश में नए बीज, उर्वरक तथा सिंचाई के साधनों का विकास किया गया।

—भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद तथा भारतीय मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का

✦ कृषि के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकी के कारण कृषि क्षेत्रीय, भौतिक, मृदा तथा जलवायु विशेषताओं के कारण देश में कृषि के नए प्रतिरूप उभरकर आ रहे हैं। जिनका विवरण निम्न प्रकार है—

—उत्तर प्रदेश और बिहार में आँवला तथा लीची का उत्पादन



—हिमाचल प्रदेश में फलोद्यान कृषि



—पूर्वी हिमालय व पश्चिमी हिमालय में आलू का उत्पादन



—पंजाब में गेहूँ, धान एवं कपास का उत्पादन

—राजस्थान में इन्दिरा गाँधी नहर के आस-पास गेहूँ का उत्पादन



—मध्य प्रदेश में सोयाबीन और मसाला उत्पादन



—महाराष्ट्र में गन्ना एवं फलों का उत्पादन



—गुजरात में चारा उत्पादन

—कर्नाटक एवं तमिलनाडु की पहाड़ियों पर चाय, कहवा, इलायची तथा बागवानी फसलों का उत्पादन



—मैसूर पठार पर नारियल, गन्ना एवं धान का उत्पादन



—त्रिपुरा में रबर की खेती



—देश के बड़े नगरों के चारों ओर पुष्पोत्पादन, सब्जियों का उत्पादन हिमाचल प्रदेश तथा पूर्वी हिमालय में चाय बागान



8.1.9 प्रौद्योगिकी का हस्तान्तरण

✦ कृषि की नई-नई विधियों एवं ग्रामीण विकास से सम्बन्धित विकास प्रौद्योगिकी के ग्रामीण एवं किसानों तक हस्तान्तरित करने के उद्देश्य से समय-समय पर किन योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया है ?

—प्रयोगशाला से खेतों तक का कार्यक्रम, कृषि केन्द्रों की स्थापना, राष्ट्रीय प्रदर्शन कार्यक्रम आदि

8.1.10 समन्वित पादप पोषण प्रबन्ध

✦ समन्वित पादप पोषण प्रबन्ध क्या है ?

—यह एक व्यापक अवधारणा है जिसमें मृदा के पोषक तत्वों के चक्र, उर्वरकों का संतुलित प्रयोग, कार्बनिक तथा रासायनिक उर्वरकों का संयुक्त प्रयोग एवं फसल चक्र के प्रति व्यापक दृष्टिकोण सम्मिलित हैं

✦ कृषि विशेषज्ञों के अनुसार कृषि में विभिन्न प्रकार के उर्वरकों (NPK) का प्रयोग एक सन्तुलित अनुपात में करना चाहिए। भारत के लिए यह मानक कितना माना जाता है। **—4 : 2 : 1**

8.1.11 परा-फसल कटाई तकनीक

✦ फसल की कटाई के बाद कृषि क्रियाओं में वे समस्त कार्य सम्मिलित किए जाते हैं, जिससे उत्पादित पदार्थ की गुणवत्ता में वृद्धि कर उसे अच्छा मूल्य प्राप्त करने योग्य बनाया जाता है। इन क्रियाओं को क्या कहा जाता है ?

—फसलों का संसाधन

✦ संसाधन क्या है ? **—फसल उत्पादन की एक प्रमुख प्रक्रिया है।**

✦ फसलों के संसाधन के क्या उद्देश्य होते हैं ?

—उपज की गुणवत्ता में वृद्धि करना व बाजार की मांग के अनुसार पदार्थ तैयार करना, जिससे उत्पादक को बाजार में अच्छा मूल्य मिल सके

8.1.12 कृषि निर्यात क्षेत्रों की स्थापना

- कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के कार्यक्रम के तहत केन्द्र सरकार ने सात राज्यों में आठ नए कृषि निर्यात क्षेत्रों की स्थापना को मंजूरी कब दी ? **—2001 - 02 में**
- वर्तमान में देश के कितने राज्यों में कृषि जोन हैं ? **—19 राज्यों में**
- वर्तमान में कृषि निर्यात क्षेत्रों की संख्या कितनी है ? **—46**

> YUKTI **ज्ञान**—*जिन नए 8 निर्यात क्षेत्रों को स्वीकृति दी गई है उनमें उत्तराखण्ड में बासमती चावल, मध्य प्रदेश में मसाले, झारखण्ड में सब्जी, उड़ीसा में अदरक व हल्दी, महाराष्ट्र में प्याज, प. बंगाल में आम और तमिलनाडु में आम के लिए निर्यात क्षेत्र शामिल हैं।*

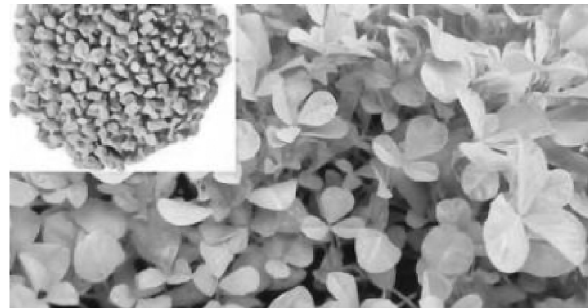
- बासमती चावल के लिए उत्तराखण्ड में दूसरा निर्यात क्षेत्र स्थापित किया गया है पहला निर्यात क्षेत्र कहाँ स्थित है। **—पंजाब में**



- मध्य प्रदेश में पहला निर्यात जोन किसके लिए स्वीकृत किया जा चुका है? **—आलू, प्याज और अदरक के लिए**



- मध्य प्रदेश में स्थापित किया जाने वाला बीज मसाला निर्यात क्षेत्र अपनी तरह का देश में पहला निर्यात क्षेत्र है। यह किस पर केन्द्रित होगा ? **—मैथी और धनियाँ पर**



8.1.13 जटरोफा ऑयल के उपयोग की योजना

- पेट्रोलियम आयातों के भार में कमी लाने के लिए जटरोफा के बीजों के तेल को डीजल के विकल्प के रूप में उपयोग में लाने की सरकार की योजना है।
- 1430 करोड़ रुपए की इस योजना के अन्तर्गत कितने राज्य शामिल हैं ? **—आठ**

> YUKTI **ज्ञान**—*इस योजना के अन्तर्गत सम्मिलित आठ राज्य हैं— उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और आन्ध्र प्रदेश।*



- बायोडीजल एवं बायो–पेट्रोल न केवल पुनः प्रयोजनीय ऊर्जा स्रोत हैं, वरन् ये पर्यावरण मित्रवत भी हैं।

9. आधारभूत संरचना तथा कृषि आगत

कृषि की पूरी क्षमता के उपयोग के लिए बेहतर एवं सक्षम आधारभूत संरचना आवश्यक है। दूसरे शब्दों में आधारभूत संरचना का विकास किसी भी क्षेत्र या देश के कृषि विकास के लिए आवश्यक है। आधारिक संरचना के अन्तर्गत बीज, सिंचाई की सुविधा, उर्वरक, कृषि यंत्र, बाजार साख की सुविधा तथा फसल बीमा को सम्मिलित किया जाता है।

9.1 बीज

✦ बीज क्या है ?

—फसल उगाने के लिए किसी भी स्पेसीज का जो भाग प्रवर्ध्य (Propagule) के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, उसे बीज कहते हैं



✦ उत्तम बीज कृषि उत्पादन के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथा आधारभूत निविष्ट है और उत्पादन की वृद्धि में इसका योगदान 20 से 25 प्रतिशत है।

✦ 1950 के पहले भारतवर्ष में बीज उत्पादन लगभग असंगठित था। किसानों के लिए अच्छे बीज उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार ने राज्य बीज फार्म परियोजना कब शुरू की ? **—1956-57 में**

✦ राष्ट्रीय बीज निगम की स्थापना कब की गई ? **—1963 में**

✦ बीज विकास, उत्पादन एवं वितरण से सम्बन्धित कार्यों को प्राविधानित करने के लिए भारतीय बीज अधिनियम कब पारित किया गया ? **—1966 में**

✦ बीज बैंक कब स्थापित किया गया ? **—1999-2000 में**

✦ शुद्धता के आधार पर बीजों को कितने भागों में बाँटा जा सकता है ? **—चार भागों में**

YUKTI ज्ञान—*शुद्धता के आधार पर बीज के चार प्रकार इस प्रकार हैं—प्रजनक बीज (Breeder Seeds) आधार बीज (Faundation seeds) पंजीकृत बीज (Registered Seeds) और प्रमाणित बीज (Certified seed)।*

9.2 सिंचाई

• कृत्रिम विधियों जैसे—नहर, नलकूप, तालाब आदि द्वारा पौधों को जल उपलब्ध कराने को सिंचाई कहते हैं।



• भारत के वृहद् भाग में कृषि वर्षा पर आधारित है। मानसून के असफल होने पर फसल अच्छी नहीं होती है। भारतीय मानसून का व्यवहार बहुत ही अनिश्चित है।

• देश की सकल सृजित सिंचाई क्षमता वर्तमान में 102.77 मिलियन हेक्टेयर है। जबकि इसकी निष्पादित मात्रा 87.23 मिलियन हेक्टेयर है।

• देश के कुल जल संसाधनों का 84 प्रतिशत फसलों की सिंचाई के लिए किया जाता है।

• पंजाब और हरियाणा में सर्वाधिक सिंचित भूमि है। इसके बाद उत्तर प्रदेश तथा तमिलनाडु का स्थान है। बाकी बचे राज्यों में सिंचित भूमि 50 प्रतिशत से कम है।

• 1950 - 51 में सिंचाई के मुख्य स्रोत के रूप में नहर का उपयोग होता था। कुल सिंचित क्षेत्र का लगभग 50 प्रतिशत नहरों द्वारा सिंचित था, लेकिन तीसरी और चौथी पंचवर्षीय योजनाओं में नलकूप द्वारा सिंचित क्षेत्र में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप नहर द्वारा सिंचित क्षेत्र घटकर 40 प्रतिशत से भी कम हो गया।

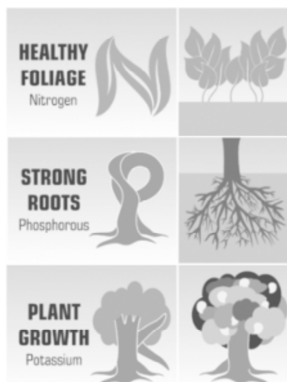
• 2000-01 में नलकूप सिंचाई एक वृद्ध स्रोत के रूप में उभरा और

इसका कुल सिंचित क्षेत्र में हिस्सा 54 प्रतिशत से भी अधिक हो गया तथा नहर से सिंचित क्षेत्र 29 प्रतिशत से कम हो गया।

- 2000-01 में 3,090 हजार हेक्टेयर नहर सिंचाई क्षेत्र के साथ उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है।
- बहुउद्देशीय परियोजनाओं के निर्माण के बाद दामोदर, महानदी, गोदावरी, कृष्णा कावेरी, नर्मदा, ताप्ती तथा उनकी सहायक नदियों के क्षेत्र में कई नहरों का विकास किया गया।
- आठवीं योजना के अन्त तक बड़ी एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं की सिंचाई क्षमता 32.83 मिलियन हेक्टेयर थी तथा लघु सिंचाई परियोजनाओं की सिंचाई क्षमता 56.61 मिलियन हेक्टेयर थी।

9.3 उर्वरक

- समय के साथ मृदा की प्राकृतिक उर्वरता घट जाती है। मृदा की उर्वरता को पुनः प्राप्त करने के लिए पुनः पड़ती छोड़ना आवश्यक है या फिर इसमें खाद का प्रयोग कर इसकी उर्वरता को पुनः वापस किया जा सकता है।
- कृषि विशेषज्ञों के अनुसार देश में विभिन्न रासायनिक उर्वरकों (नाइट्रोजन, फॉस्फेट तथा पोटाश) का सन्तुलित मानक प्रयोग अनुपात 4 : 2 : 1 होना चाहिए।



- भारत नाइट्रोजन उर्वरक की कुल घरेलू माँग का 80% तथा फार्स्फेटी उर्वरक की कुल माँग का केवल 70% ही घरेलू आपूर्ति द्वारा पूरा कर पाता है तथा शेष भाग उसे आयात करना पड़ता है।
- उर्वरक उत्पादन में भारत का विश्व में चीन एवं अमेरिका के बाद तीसरा स्थान है।



- कृषि विशेषज्ञों के अनुसार उर्वरता को पुनः वापस किया जा सकता है।

✦ विश्व उर्वरक उपभोग में भारत का हिस्सा (2013 में) कितना है ?

—14.84%

✦ विश्व उर्वरक उपभोग के मामले में भारत का विश्व में कौन-सा स्थान है ?

—दूसरा (प्रथम स्थान पर चीन है)

✦ पोटाशी उर्वरकों के मामले में भारत की स्थिति क्या है ?

—पूर्ण रूप से आयात पर निर्भर

✦ उर्वरकों की खपत में भारत में प्रथम स्थान किसका है ? **—पुडुचेरी**

> **YUKTI ज्ञान**—*पुडुचेरी में वर्ष 2013-14 में यह खपत 583.3 किग्रा. प्रति हेक्टेयर थी जबकि 226.7 किग्रा. प्रति हेक्टेयर के साथ आन्ध्र प्रदेश दूसरे स्थान पर था।*

- किसान फॉस्फेटिक और पोटैशिक उर्वरकों की वितरित लागत का केवल 50 प्रतिशत चुकाते हैं, शेष भारत सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में बहन किया जाता है ?

✦ भारत सरकार ने किन उर्वरकों के लिए 1 अप्रैल 2010 से पोषक तत्व आधारित सब्सिडी नीति को लागू किया है ?

—फॉस्फेटिक और पोटेशिक उर्वरकों के लिए

✦ केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने नई यूरिया नीति को मंजूरी कब दी ?

—13 मई, 2015 को

> **YUKTI ज्ञान**—*इस नई नीति का उद्देश्य यूरिया उत्पादन को बढ़ाना और यूरिया उत्पादक संयंत्रों में ऊर्जा बचत को प्रोत्साहित करना है।*

✦ विगत कई वर्षों से देश का यूरिया उत्पादन 220 लाख टन वार्षिक पर स्थिर है और घरेलू माँग पूरी करने के लिए कितने यूरिया का आयात करना पड़ता है ? **—लगभग, 80 लाखटन**

✦ भारत सरकार ने उर्वरक कम्पनियों को 100 प्रतिशत नीमलेपित यूरिया का उत्पादन करने की अनुमति कब दी ? **—7 जनवरी 2015 को**

> **YUKTI ज्ञान**—*नीमलेपित यूरिया को उत्पादन का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने में मदद करना और सब्सिडी व्यय में वार्षिक 6500 करोड़ रुपये की कमी लाना है।*

9.4 कृषि यंत्र

- भारत में कृषि कार्य में पहले देशी हल-बैल का ही उपयोग होता था लेकिन धीरे-धीरे इसके उपयोग में कमी हो रही है और उसका स्थान मीशनें लेती जा रही हैं।
- आधुनिक खेती में यंत्र तथा तकनीक, जैसे ट्रेक्टर, थ्रेसर तथा छिड़काव की मशीन भी उच्च उत्पादक फसल जातियों की सफल खेती के लिए आवश्यक हैं।
- किसानों के लिए एक ही खेत पर दो या तीन फसल पैदा करना सम्भव हो सकता है, यदि उन्हें आधुनिक तकनीक उपलब्ध हो तो।
- संपूरक निवेश जैसे रासायनिक खाद, कीटनाशक तथा पीड़कनाशी के निवेचित उपयोग में भी कृषि का यंत्रीकरण मदद करता है।

- कृषि के यंत्रीकरण में खेत में हल चलाने से लेकर फसल की बिक्री तक के सभी कार्य विभिन्न प्रकार के यंत्रों, उपकरणों एवं मशीनों की सहायता से संचालित होते हैं।



- कुछ यंत्र। मशीनरी जो किसानों की कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं, वे हैं—खादों और बीजों के लिए ड्रिल, फसलों की सुरक्षा के उपकरण, थ्रेसर, ट्राली, छिड़काव की मशीन तथा ट्रैक्टर।





- विद्युत की उपलब्धता जो सभी प्रौद्योगिकी विकास का केन्द्र बिन्दु है और बहुफसल तथा कृषि के तीव्रीकरण के लिए आवश्यक है। वास्तव में विद्युत ऊर्जा उच्च उत्पादक फसल जातियों के विकास एवं विसरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नलकूल, पम्पिंग सेट, थ्रेसर, क्रेसर इत्यादि विद्युत पर निर्भर हैं।





- कृषि यंत्रीकरण की सहायता से बंजर, पथरीले, ऊँचे–नीचे टीलों वाले भू–खण्डों को कृषि योग्य बनाना सम्भव हो पाया है।



- कृषि यंत्रीकरण से कृषि क्षेत्र में गहन खेती सम्भव हो पाती है, जिससे प्रति हेक्टेयर उत्पादन में वृद्धि होती है।
- कृषि का यंत्रीकरण करके व्यापारिक फसलों के उत्पादन में भी वृद्धि सम्भव हो पाती है, जिससे अनेक सहायक उद्योगों का संचालन होता है।

10. उत्तर प्रदेश में कृषि

✦ कृषि विभाग की स्थापना किस वर्ष की गई है ? **—1875 में**

✦ प्रारम्भ में कृषि विभाग का कार्य क्या था ?

—कृषि सम्बन्धी आंकड़ों के संकलन तथा आदर्श प्रक्षेत्रों की स्थापना तक ही सीमित था ?

✦ कृषि विभाग को भू-अभिलेख विभाग से कब सम्बद्ध किया गया। **—1880 में**

✦ कृषि विभाग की विधिवत् स्थापना कब हुई ? **—1 मई, 1920**

> **YUKTI ज्ञान**—*गवर्नमेण्ट ऑफ इण्डिया एक्ट 1919 के पारित होने के उपरान्त कृषि क्षेत्र राज्य सरकार के अधीन एक स्वतंत्र विभाग बनाया गया था और 1 मई ,1920 को कृषि विभाग की विधिवत् स्थापना हुई थी।*

✦ कृषि विभाग के तत्कालीन क्रिया कलापों में क्या शामिल था ?

—उपज पालन भूमि संरक्षण, गन्ना उत्पादन, उद्यान एवं कोलोनाइजेशन सम्बन्धी गतिविधियों का समावेश था।

✦ कोलोनाइजेशन योजना कब समाप्त हुई ? **—1964 में**

✦ गन्ना विभाग का गठन कब किया गया ? **—स्वतन्त्रता के पश्चात्**

> **YUKTI ज्ञान**—*उत्तर प्रदेश कृषि विभाग अपने वर्तमान स्वरूप में विविध संस्थाओं यथा उ. प्र. बीज विकास निगम, राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था, यू. पी. एग्रो., राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान रहमान खेड़ा उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद आदि के सम्मिलित प्रयास से कृषि उत्पादन सम्बन्धी क्रिया-कलापों को गति प्रदान करने में प्रयासरत है।*

✦ कृषि विभाग का उत्तरदायित्व क्या है ?

—कृषि विभाग का उत्तरदायित्व क्षेत्र विशेष की परिस्थितियों के अनुसार तकनीकी प्रसार एवं कृषि एवं निवेश प्रबन्ध के माध्यम से विभिन्न फसलों की उत्पादकता एवं उत्पादन में वृद्धि करने तथा प्रदेश में कृषि विकास की दर को तीव्र गति प्रदान करना है।

> **YUKTI ज्ञान**—*इस हेतु राज्य सरकार, भारत सरकार, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से उपर्युक्त कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का दायित्व कृषि विभाग पर है।*

✦ कृषि विभाग का मूल उद्देश्य क्या है ?

—कृषि विभाग का मूल उद्देश्य कृषि विकास की दर को गति प्रदान करने के साथ-साथ फसलोत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि करना है जिससे प्रदेश के कृषकों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़कर उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाया जा सके।

10.1 उद्देश्यों की पूर्ति हेतु किए जा रहे प्रयास

- कृषि उत्पादन की विकास दर प्रतिवर्ष 5.1 प्रतिशत बनाए रखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रदान करने हेतु कृषि की नवीन तकनीकी का प्रचार-प्रसार तथा कृषकों की कृषि से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान।
- कृषि उत्पादन के लिए वांछित विभिन्न कृषि निवेशों की गुणवत्ता नियंत्रण पर बल देना।
- दैवी आपदाओं यथा-बाढ़, सूखे की स्थिति आदि में उन परिस्थितियों के अनुसार आकस्मिक योजना का निर्माण कर कृषकों को सही समय पर उचित फसल चक्रों की जानकारी देना एवं उसी के अनुरूप कृषि निवेशों की व्यवस्था करना।
- कृषि नीति 2013 के सफल क्रियान्वयन का सतत अनुश्रवण पर निर्धारित प्रतिमानों को साकार करना।
- विभिन्न फसलों उत्पादकता एवं उत्पादन में वृद्धि हेतु विभाग द्वारा विभिन्न उपज पालन योजनाओं एवं कार्यक्रमों का क्रियान्वयन।
- कृषि उत्पादन में प्राकृतिक आपदाओं, कीट/रोग आदि जोखिम के कारण होने वाली क्षति की पूर्ति एवं कृषि में प्रगतिशील तरीकों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश में संचालित कृषि बीमा योजनाओं को व्यापकता प्रदान करना।
- प्रदेश में स्थित समस्याग्रस्त भूमि यथा-जलमग्न, ऊसर, बंजर, बीहड़, आदि भूमि को उपचारित करके कृषि क्षेत्रफल में वृद्धि करते हुए उपजाऊ बनाना।
- कृषकों को विभिन्न परिस्थितियों में अधिक उत्पादन लेने हेतु विभिन्न योजनाओं के माध्यम से तकनीकी प्रदर्शनों का आयोजन एवं उनके परिणामों से कृषकों को परिचित कराना।

10.2 कृषि विभाग के कार्यक्रम

✦ विभाग द्वारा कार्यक्रमों के नियमित संचालन के लिए क्षेत्रीय भू-जलवायु परिस्थितियों के अनुसार खरीफ, रबी, एवं जायद में कार्यक्रमों का निरूपण, नियोजन एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए रणनीति तैयार करने एवं इसे निर्धारित समय सीमा में क्रियान्वित करने की कार्यवाही की जाती है।

—वर्ष 2016 - 17 में कृषि विभाग द्वारा क्रियान्वित प्रमुख योजनाएँ

वर्ष 2016-17 में कृषि विभाग द्वारा क्रियान्वित प्रमुख योजनाएँ

10.2.1 नेशनल मिशन ऑन ऑयल सीड्स एवं ऑयल पाम

- योजना (नीति आयोग) भारत सरकार के निर्देशानुसार वर्ष 2014 -15 से यह योजना पूर्व संचालित आइसोपॉम योजना को पुनर्गठित करते हुए मिशन के रूप में संचालित की जा रही है।
- कार्य योजना तैयार कर तिलहन उत्पादन एवं उत्पादकता में अधिक से अधिक वृद्धि कर तिलहन में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है।

✦ यह योजना कितने जनपदों में क्रियान्वित की जा रही है ?

—समस्त जनपदों में

✦ इस योजना के अन्तर्गत विभिन्न कृषि निवेषों पर कितने प्रतिशत तक अनुदान देय है ? **—50% तक**

10.2.2 नेशनल मिशन ऑन एग्रीकच्लर एक्सटेंशन एण्ड टेक्नोलॉजी

- योजना आयोग, भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप कृषि प्रसार सुदृढ़ीकरण हेतु वर्ष 2013 - 14 तक आत्मा मॉडल का क्रियान्वयन किया जा रहा था। वर्ष 2014 - 15 से आत्मा योजना को नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी में संविलीन कर दिया गया है। नवीन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित चार सब मिशन संचालित हैं तथा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना भी संचालित हैं—
- सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन जागरूकता पैदा करने तथा उपयुक्त प्रौद्योगिकी के कृषि एवं एलाइड सेक्टर में अधिकाधिक उपयोग पर केन्द्रित हैं। योजनान्तर्गत वर्ष 2016 - 17 में कृषक प्रशिक्षण एक्सपोजर विजिट, किसान मेला, किसान गोष्ठी, कृषक वैज्ञानिक संवाद, प्रदर्शनों का आयोजन, कृषक समूहों की कैपेसिटी बिल्डिंग, फार्म स्कूल का आयोजन आदि कार्य निःशुल्क कराए गए।
- उच्च गुणवत्ता के बीजों का प्रयोग, कृषि उत्पादकता एवं उत्पादन बढ़ाने का सबसे प्रभावी साधन है। इस उप मिशन में आधारीय प्रमाणित बीज से किसानों को गुणवत्तायुक्त प्रमाणित बीज उत्पादन की तकनीक सिखाने एवं बीजोत्पादन कराया जाएगा। इस उप मिशन के अन्तर्गत चयनित किसानों को प्रति एकड़ में लगने वाले बीज पर 50% का अनुदान अनुमन्य है।
- इस मिशन के अन्तर्गत प्रमुख कार्य के रूप में ब्लाक/गाँव स्तर पर कस्टम हायरिंग सेण्टरों की स्थापना तथा फार्म मशीनरी बैंकों की स्थापना का कार्य कृषिकों को अनुदान उपलब्ध कराकर किया जा रहा है।
- सब मिशन ऑन प्लाण्ट प्रोटेक्शन कार्यक्रम फसलों को वैज्ञानिक एवं पर्यावरण मित्रवत् तकनीकों को आई.वी.एम. के माध्यम से रोग/कीट मुक्त रखकर कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए रखा गया है।

10.2.3 नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर

✦ वर्ष 2016 - 17 में आर. ए. डी. के अन्तर्गत कितने हेक्टेयर भूमि का सुधार कर आय वर्धक कृषि पद्धतियों का कार्यक्रम चलाया गया ?

—5,846 हेक्टेयर भूमि का

✦ रेनफेड एरिया डेवलपमेण्ट कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

—इसका मुख्य उद्देश्य वर्षा आधारित क्षेत्रों में उपयुक्त कृषि पद्धतियाँ अपना कर टिकाऊ उत्पादकता प्राप्त कर इन क्षेत्रों के कृषकों की आर्थिक स्थिति में सुधार करना है।

✦ मृदा स्वास्थ्य कार्ड क्या है ? **—मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अन्तर्गत चयनित क्षेत्र ग्राम/पंचायत/राजस्व ग्रामों से ग्रिड के आधार पर नमूने प्राप्त कर निःशुल्क मृदा परीक्षण कराकर क्षेत्र के समस्त कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराया जाता है।**

✦ परम्परागत कृषि विकास योजना का उद्देश्य क्या है ? **—इस योजना का उद्देश्य रसायन और पेस्टीसाइड युक्त कृषि उत्पादों का उत्पादन करना तथा कृषकों के आर्थिक स्तर में सुधार लाना है।**

> **YUKTI** ***ज्ञान***—*इस योजना के अन्तर्गत 50 - 50 एकड़ के क्लस्टर गठित किए जाते हैं। प्रत्येक क्लस्टर में 50 किसान होते हैं तथा प्रत्येक किसान की एक एकड़ भूमि सम्मिलित होती है। क्लस्टर की अवधि 3 वर्ष है।*

10.2.4 नेशनल फूड सेक्योरिटी मिशन

✦ नेशनल फूड सेक्योरिटी मिशन का उद्देश्य क्या है ?

—इस मिशन का उद्देश्य प्रदेश में खाद्य सुरक्षा के दृष्टिगत क्षेत्रफल तथा उत्पादकता वृद्धि को टिकाऊ बनाते हुए खाद्यान्नत उत्पादन में वृद्धि करना, भूमि की उर्वरता तथा उत्पादकता को बढ़ाना तथा कृषि प्रक्षेत्रों के स्तर पर लाभकारी परिदृश्य स्थापित करना।

10.2.5 नेशनल क्रॉप इन्श्योरेन्स प्रोग्राम

- योजना आयोग, भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप राष्ट्रीय कृषि की बीमा योजना एवं मौसम आधारित फसल बीमा योजना को वर्ष 2014 - 15 में एकीकृत कर नेशनल क्रॉप इन्श्योरेन्स प्रोग्राम का संचालन किया जा रहा है।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत प्रतिकूल मौसमीय स्थिति में फसल की बुबाई न कर पाने फसल की बुबाई से कटाई की अवधि में प्राकृतिक आपदाओं, रोगों, कृमियों से फसल नष्ट होने तथा फसल कटाई के बाद आगामी 14 दिन की अवधि में खेत में खड़ी हुई फसल की छतियों में कृषकों को बीमा कवर के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना प्रतिकूल मौसम की परिस्थितियों यथा कम व अधिक तापमान, वर्षा, आर्द्रता, तेज हवा आदि से फसल नष्ट होने के आधार पर कृषकों को बीमा कवर के रूप में वित्तीय सहायता देय होती है।

10.2.6 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

✦ राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है? **—इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं संवर्गीय क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधन के आधार पर जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर कृषि विकास की योजनाएँ तैयार कर महत्वपूर्ण फसलों की उत्पादन क्षमता एवं उसकी वास्तविक उपज के अन्तर को कम करके किसानों की आय में वृद्धि करना है।**

10.2.7 प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन योजना

✦ कृषि उद्यमता को विकसित करने की दिशा में क्रियान्वित की जा रही यह योजना कब प्रारम्भ की गई? **—2015 - 16 में**

> **YUKTI ज्ञान**—*इस योजना के अन्तर्गत प्रति केन्द्र लागत रुपये चार लाख है जिसमें रुपये 3.50 लाख बैंक से लोन स्वीकृत कराया जाता है तथा ₹ 60,000 का अनुदान अनुमन्य है। योजना में कृषि स्नातक अथवा समकक्ष योग्यता वाले युवा बेरोजगारों का चयन किया जाता है।*

10.2.8 वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए प्रस्तावित योजना

- लघु एवं सीमान्त किसानों को मृदा के सूक्ष्म पोषक तत्वों को अनुदान पर उपलब्ध कराने की योजना
- इस योजना के अन्तर्गत लघु एवं सीमान्त कृषकों को अनुदान पर जिंक सल्फेट व अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व उपलब्ध कराए जाएँगे।

10.2.9 वर्मी कम्पोस्ट यूनिट की स्थापना

- मृदा में जीवांश तत्वों की वृद्धि हेतु प्रदेश के प्रत्येक राजस्व ग्राम में एक वर्मी कम्पोस्ट यूनिट की स्थापना की जाएगी।

10.2.10 बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सिंचाई जल उपयोग की क्षमता को बढ़ाने की योजना

- योजना के अन्तर्गत बुन्देलखण्ड क्षेत्र के जनपदों में सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देने हेतु अधिकतम अनुदान पर स्प्रिंकलर। ड्रिप सिंचाई प्रणाली की स्थापना कृषकों के खेतों पर कराई जाएगी।

10.2.11 पण्डित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना

- भूमि सेना योजना के स्थान पर यह योजना वर्ष 2017 - 18 में समस्याग्रस्त भूमि के सुधार हेतु क्रियान्वित की जाएगी।

10.2.12 जनपद–बुन्देलखण्ड हेतु फसल अवशेष प्रबन्धन के प्रोत्साहन की योजना

- इस योजना के अन्तर्गत फसल अवशेष के प्रबन्धन हेतु प्रचार–प्रसार तथा कृषकों को अनुदान पर कृषि यंत्र वितरित किया जाना।

10.3 कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान

उत्तर प्रदेश में कृषि के महत्व को देखते हुए शिक्षा, शोध एवं प्रसार कार्यों में गतिशीलता बनाए रखने तथा प्रभाव परिणामी कृषकों को उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रदेश के विभिन्न कृषि जलवायवीय परिस्थितियों में निम्न चार कृषि विश्वविद्यालय तथा एक डीम्ड कृषि विश्वविद्यालय स्थापित हैं—

1. चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर।
2. नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, फैजाबाद।
3. सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मोदीपुरम, मेरठ
4. कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बाँदा
5. सैम हिगेनबॉटम इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एण्ड टेक्नोलॉजी, इलाहाबाद (डीम्ड कृषि विश्वविद्यालय)

इस विभाग के नियंत्राणाधीन उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद् लखनऊ की स्थापना प्रदेश में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों तथा सम्बन्धित विभागों के साथ तकनीकी समन्वय तथा कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित किए जा रहे कार्यों की समीक्षा एवं सुझाव देने के उद्देश्य से की गई है।

✦ उत्तर प्रदेश में कार्यशील जनसंख्या के कितने प्रतिशत लोग कृषि क्षेत्र में लगे हैं? **—59.3%**

✦ उत्तर प्रदेश को कितने कृषि जलवायु प्रदेशों/क्षेत्रों में बांटा गया है? **—9**

✦ उत्तर प्रदेश में चावल की अपेक्षा किस अनाज की खेती अधिक क्षेत्रों पर होती है? **—गेहूँ**

✦ फसल चक्र अपनाने से क्या लाभ है? **—उर्वरा शक्ति की कम से कम हानि**

✦ उत्तर प्रदेश की प्रमुख फसल है **—गेहूँ**

✦ कौन–सा फसल चक्र पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है? **—धान, मक्का, गेहूँ**

✦ उत्तर प्रदेश अग्रणी उत्पादक है **—गेहूँ, गन्ना, आलू का**

✦ भारत में उत्तर प्रदेश जिनके उत्पादन में प्रथम स्थान रखता है, वे हैं? **—गेहूँ, गन्ना**

✦ उत्तर प्रदेश में प्रथम दुग्ध सहकारी समिति की स्थापना हुई **—लखनऊ में**

✦ राज्य में पान उत्पादन के लिए कौन सा जिला विशेष रूप से प्रसिद्ध है? **—महोबा**

✦ उत्तर प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण नकदी फसल है **—गन्ना**

✦ उत्तर प्रदेश में खरीफ फसल की बुआई होती है **—जून–जुलाई के दौरान**

✦ आंवले का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला जिला है **—प्रतापगढ़**

✦ उत्तर प्रदेश में 'किसान मित्र योजना' कब शुरू की गई? **—18 जून, 2001 से**

✦ कृषक वृद्धावस्था पेंशन योजना कब शुरू की गई? **—2 अक्टूबर, 1998**

✦ उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद् स्थित है **—लखनऊ में**

✦ उत्तर प्रदेश का मलीहाबाद प्रसिद्ध है **—दशहरी आम के लिए**

✦ उत्तर प्रदेश में प्रमुख रूप से आम की किस किस्म का उत्पादन होता है?
—दशहरी और चौसा

YUKTI **ज्ञान**—*उत्तर प्रदेश में राजकीय फल संरक्षण एवं डिब्बाबन्दी संस्थान लखनऊ में स्थित है।*

✦ उत्तर प्रदेश में दलहन शोध संस्थान स्थित है **—कानपुर में**

✦ उत्तर प्रदेश में गन्ना का उत्पादन किन क्षेत्रों में होता है?
—तराई क्षेत्र व गंगा यमुना दोआब क्षेत्र

✦ उत्तर प्रदेश में किसान बही योजना लागू कब हुई? **—वर्ष 1992 में**

✦ अफीम की खेती के लिए प्रसिद्ध है **—बाराबंकी**

✦ चने का सर्वाधिक उत्पादन होता है **—बुन्देलखण्ड क्षेत्र में**

✦ अमरूद के लिए प्रशिक्षण एवं प्रयोग केन्द्र कहाँ है? **—इलाहाबाद**

राज्य के फल पट्टी क्षेत्र

जनपद	फल पट्टी क्षेत्र	फल पट्टी का नाम
• लखनऊ	माल, मलीहाबाद, काकोरी बख्शी का तालाब	आम
• सहारनपुर	बेहट	आम
• बागपत	खेकड़ा, जानी, पिलाना	आम
• मेरठ	शाहजहाँपुर, माछरा	आम
• बुलन्दशहर	स्याना, ऊँचा गाँव	आम
• मुरादाबाद	गजरौला, हसनपुर	आम
• वाराणसी/चन्दौली	चिरई गाँव	आम
• प्रतापगढ़	कुण्डा, कालाकांकर	आम
	सदर मंगरौरा	आँवला
• उन्नाव	सफीपुर, हसनगंज, औरास, मियागंज, फतेहपुर चौरासी	आम
• बदायूँ	ककराला	अमरूद
• सीतापुर	महमूदाबाद	आम
• हरदोई	शाहाबाद	आम
• फैजाबाद	मसौधा, सुहावल	आम
• इलाहाबाद/कौशाम्बी	चायल, मूरतगंज	अमरूद
• बाराबंकी	देवा, बंकी	आम
• ज्योतिबाफुले नगर	अमरोहा, जोया	आम



प्रमुख फसलें

फसलें	उत्पादक जिले
• गेहूँ	गंगा-यमुना एवं गंगा-घाघरा दोआब क्षेत्र, सर्वाधिक गोरखपुर
• जौ	वाराणसी, आजमगढ़, जौनपुर, बलिया, मऊ, गाजीपुर, गोरखपुर, इलाहाबाद एवं प्रतापगढ़
• चना	बाँदा, हमीरपुर, झाँसी, ललितपुर, जालौन, मिर्जापुर, सोनभद्र, कानपुर, फतेहपुर, सीतापुर, बाराबंकी, इलाहाबाद एवं आगरा
• अरहर	वाराणसी, झाँसी, ललिपुर, इलाहाबाद, लखनऊ
• सरसों	गोण्डा, बहराइच, मिर्जापुर, सोनभद्र, कानपुर, सीतापुर सहारनपुर, एटा, मेरठ, फैजाबाद, इटावा, सुल्तानपुर, मथुरा, अलीगढ़ एवं बुलन्दशहर
• तम्बाकू	वाराणसी, मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, मैनपुरी, सहारनपुर एवं फर्रुखाबाद आदि जिलों में की जाती है।
• चावल	पीलीभीत, सहारनपुर, देवरिया, महाराजगंज, गौंडा, बहराइच, बस्ती, गोरखपुर, वाराणसी, इलाहाबाद
• बाजरा	आगरा, मथुरा, बदायूँ, अलीगढ़, मुरादाबाद, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, शाहजहाँपुर, प्रतापगढ़, गाजीपुर, फर्रुखाबाद एवं कानपुर
• मक्का	मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, फर्रुखाबाद, बहराइच, गोण्डा जौनपुर, एटा, फिरोजाबाद एवं मैनपुरी
• गन्ना	रामपुर, बरेली, पीलीभीत, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, गोण्डा, फैजाबाद, आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, बस्ती, बलिया, महाराजगंज, देवरिया एवं गोरखपुर मेरठ, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बुलन्दशहर, अलीगढ़ एवं मुरादाबाद
• मूँगफली	सीतापुर, हरदोई, एटा, बदायूँ एवं मुरादाबाद



• कपास	सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर अलीगढ़, आगरा फिरोजाबाद, इटावा, कानपुर, रामपुर, बरेली, मुरादाबाद, मथुरा, मैनपुरी एवं फर्रुखाबाद

11. कृषि विज्ञान की क्रान्तियाँ

- विश्व के प्रत्येक देश में अनुसंधान से ही वहाँ की परम्परागत खेती में सुधार हुआ है। भारत में हरित क्रांति के फलस्वरूप फसलों की उत्पादकता में काफी वृद्धि हुई और अभी भी नई तकनीकों से गेहूँ में 2.5 गुनी, धान में 3 गुनी, मक्का में 3.5 गुनी, ज्वार में 5.5 गुनी उत्पादकता में वृद्धि की सम्भावना है।
- इस प्रकार भारत के सन्दर्भ में हरित क्रान्ति का तात्पर्य छठे दशक के मध्य में कृषि उत्पादन में उस तीव्र वृद्धि से, जो ऊँची उपज वाले बीजों एवं रासायनिक खादों व नई तकनीक के प्रयोग के फलस्वरूप हुई।

11.1 हरित क्रान्ति

✦ सन् 1958 में जब भारत में पहली बार 120 लाख टन गेहूँ से 50 लाख टन की बढ़त से 170 लाख टन गेहूँ पैदा हुआ तब किस अमेरिकी वैज्ञानिक ने इसे हरित क्रान्ति की संज्ञा प्रदान की ? **— डॉ. विलियन गॉड ने**

✦ भारत हरित क्रान्ति के फलस्वरूप खाद्यान्न में आत्म निर्भर हो गया। हरित क्रान्ति भारत में कब आई ? **— 1970 के दशक में**

✦ हरित क्रान्ति का श्रेय किस वैज्ञानिक को जाता है ?
—डॉ. नोरमान बोरलाग को तथा भारतीय परिप्रेक्ष्य में डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन को



✦ भारत के सन्दर्भ में हरित क्रान्ति का तात्पर्य क्या था ?
—1966–67 की नई कृषि नीति में अपनाए गए अधिक उपज वाले बीजों एवं बहुफसली कार्यक्रम के फलस्वरूप उत्पादन में तीव्र वृद्धि से था।

✦ हरित क्रान्ति का प्रभाव किन फसलों पर दिखाई पड़ता है ?
—मुख्यतः गेहूँ और कुछ सीमा तक धान की फसल पर दिखाई पड़ता है।

✦ हरित क्रान्ति का प्रभाव मुख्यतः किन क्षेत्रों में हुआ ?
—पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, गंगानगर, आदि तक ही सीमित रहा

✦ हरित क्रान्ति की सफलता का मुख्य कारण क्या था ?
—अधिक उपज देने वाली किस्मों का प्रयोग

✦ भारत में हरित क्रान्ति शब्द के संज्ञा प्रदायक कौन थे ?
—डॉ. विलियम गॉड (अमेरिका)

11.2 श्वेत क्रान्ति

✦ श्वेत क्रान्ति क्या है ?
—सघन पशु विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत दूध के क्षेत्र में क्रान्ति उत्पन्न करके उत्पादकता बढ़ाना।

✦ श्वेत क्रान्ति की शुरुआत भारत में कब की गई थी ? **— 1964-65 में**

✦ श्वेत क्रान्ति की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से 1970 में ऑपरेशन फ्लड चलाया गया था। ऑपरेशन फ्लड के सूत्रधार कौन थे?
—डॉ. वर्गीज कूरियन

YUKTI ज्ञान—*'ऑपरेशन फ्लड' तीन चरणों में चलाया गया था। इसका पहला चरण 1970 से 1978 तक, दूसरा चरण 1978 से 1985 तक तीसरा चरण 1985 से 1995 तक चला था।*



✦ ऑपरेशन फ्लड के उपरान्त भारत में दूध के क्षेत्र में क्या प्रगति हुई ?
—भारत आज विश्व का सर्वाधिक दूध उत्पादक राष्ट्र हो गया।

✦ भारत विश्व उत्पादन का कितना दूध उत्पादित करता है ? **—18.5%**

✦ भारत में प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता कितनी है ? **—322 ग्राम प्रतिदिन**

YUKTI ज्ञान—*दूध की न्यूनतम आवश्यकता 220 ग्राम/प्रति व्यक्ति/दिन होनी चाहिए। भारत में यह न्यूनतम मात्रा (322 ग्राम) से अधिक है।*

✦ देश के सकल राष्ट्रीय उत्पाद में डेयरी क्षेत्र का योगदान कितना है ?
—3.9%

✦ नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट करनाल (हरियाणा) की स्थापना कब की गई थी ? **— 1955 में**

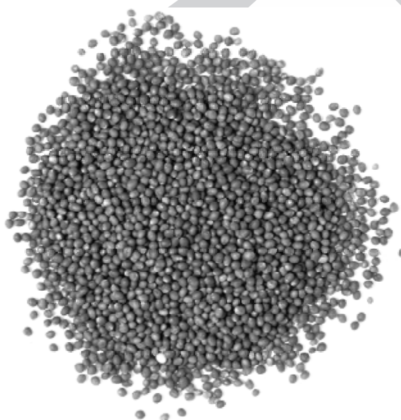


- भारत में श्वेत क्रान्ति को सफल बनाने में इण्डो–स्विश, इण्डो जर्मन, इण्डो डेनिस एवं इण्डो आस्ट्रेलियन पशु विकास कार्यक्रमों का जो कि विदेशी सहायता से संचालित हैं, अमिट योगदान रहा है।

✦ दूध के उत्पादन में विश्व में दूसरा स्थान किस देश का है ? **—अमेरिका का**

11.3 पीली क्रान्ति

✦ पीली क्रान्ति से तात्पर्य क्या है ? **—खाद्य तेलों तथा तिलहन फसलों के उत्पादन हेतु अनुसंधान तथा विकास की रणनीति को पीली क्रान्ति की संज्ञा दी गई है।**



✦ तिलहन उत्पादन में आत्म निर्भरता प्राप्त करने की दृष्टि से उत्पादन, प्रसंस्करण और प्रबन्ध प्रौद्योगिकी का सर्वोत्तम उपयोग करने के उद्देश्य से तिहलन प्रौद्योगिकी मिशन की शुरुआत कब की गई है ? **—1986 में**

✦ पीली क्रान्ति मिशन के अन्तर्गत कितने जिले शामिल हैं ? **—23 राज्यों के 337 जिले**

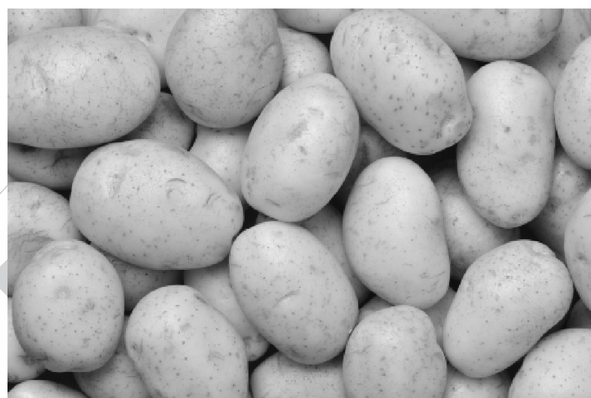
11.4 गोल क्रान्ति

✦ भारत में आलू की फसल को कहाँ से लाया गया था ? **—पुर्तगाल से**

✦ पुर्तगाल में आलू ग्रीष्मकालीन फसल के रूप में उगाया जाता है, किन्तु भारत में यह सर्दियों में उगाया जाता है। यह बदलाव किसके प्रयासों से आया है ? **—केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (शिमला)**

✦ भारत का आलू के उत्पादन में विश्व में कौन-सा स्थान है ? **—दूसरा (पहला चीन का)**

✦ उत्तर प्रदेश का आलू उत्पादन में देश में कौन सा स्थान है ? **—प्रथम**



✦ केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा विकसित आलू की किस्में कौन-सी हैं ? **—कुफरी बादशाह, कुफरी चिपसोना, कुफरी लवकार, कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी ज्योति, कुफरी स्वर्ण, कुफरी लालिमा**

11.5 सुनहरी क्रान्ति

✦ सुनहरी क्रान्ति का सम्बन्ध किससे है ? **—बागवानी से**

✦ भारत का सब्जी तथा फल के उत्पादन में विश्व में कौन-सा स्थान ? **—दूसरा**

11.6 इन्द्रधनुषी क्रान्ति

- जुलाई 2000 में नई राष्ट्रीय कृषि नीति की घोषणा की गई। नई कृषि नीति का वर्णन इन्द्रधनुषी क्रान्ति के रूप में किया गया है।
- हरित क्रान्ति, पीली क्रान्ति, श्वेत क्रान्ति, नीली क्रान्ति रजत क्रान्ति, गुलाबी क्रान्ति, भूरी क्रान्ति, धूसर क्रान्ति, लाल क्रान्ति आदि को एक साथ लेकर चलने को ही इन्द्रधनुषी क्रान्ति कहा गया है।

12. उत्तर प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन

- उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार क्या है ? **—कृषि**
- उत्तर प्रदेश में देश का कितने प्रतिशत खाद्यान्न उत्पन्न होता है ? **—19.87%**
- उत्तर प्रदेश की प्रमुख नगदी फसलें कौन-सी हैं ? **—आलू, गन्ना, कपास, अलसी, तिल, सरसों और तम्बाकू यहाँ की प्रमुख नकदी फसलें हैं।**
- उत्तर प्रदेश में मुख्यत: कितनी प्रकार की फसलों की खेती की जाती है। **—तीन (रबी, खरीफ और जायद)**
- रबी की फसल कब बोई जाती है ? **—अक्टूबर-नवम्बर में**
- रबी की फसल कब काटी जाती है ? **—मार्च-अप्रैल में**
- रबी की मुख्य फसलें कौन-सी हैं ? **—गेहूँ, जौ, चना, मटर, सरसों, तम्बाकू, आलू आदि।**
- उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक क्षेत्रफल पर कौन-सी फसल होती है ? **—गेहूँ की**
- उत्तर प्रदेश में गेहूँ का उत्पादन मुख्यत: किन जिलों में होता है ? **—सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बुलन्दशहर, अलीगढ़, मुरादाबाद, इटावा, कानपुर, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, फिरोजाबाद, आदि जिलों का एक तिहाई क्षेत्र गेहूँ का उत्पादन करता है।**
- उत्तर प्रदेश में कुल कृषि क्षेत्र के कितने प्रतिशत भाग पर चावल की खेती होती है ? **—18%**
- उत्तर प्रदेश में चावल उत्पादक जिले हैं **—पीलीभीत, सहारनपुर, महाराजगंज, देवरिया, गोण्डा, बहराइच, बस्ती, रायबरेली, मऊ, बलिया, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, आदि।**
- उत्तर प्रदेश के कितने प्रतिशत क्षेत्र पर गन्ना उगाया जाता है ? **—13%**
- उत्तर प्रदेश का गन्ने के उत्पादन में देश में कौन-सा स्थान है ? **—प्रथम**
- उत्तर प्रदेश में गन्ना उत्पादक जिले हैं। **—मेरठ, गोरखपरु, कुशीनगर, देवरिया, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर।**
- उत्तर प्रदेश में बाजरा उत्पादित करने वाले प्रमुख जिले हैं। **—आगरा, मथुरा, बदायूँ, अलीगढ़, मुरादाबाद, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा तथा शहाजहाँपुर।**
- उत्तर प्रदेश में मक्का उत्पादित प्रमुख जिले हैं **—मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, फर्रुखाबाद, बहराइच, गोण्डा, जौनपुर, मैनपुरी, एटा, फिरोजाबाद आदि।**
- जौ की खेती उत्तर प्रदेश में किन क्षेत्रों में होती है? **—शुष्क एवं कॉप मिट्टी वाले क्षेत्रों में**
- जौ उत्पादित करने वाले जिलों में **—वाराणसी, आजमगढ़, जौनपुर, बलिया, मऊ, गाजीपुर, गोरखपुर, इलाहाबाद, प्रतापगढ़ मुख्य हैं।**
- चने की खेती उत्तर प्रदेश के किन क्षेत्रों में की जाती है ? **—जहाँ शुष्क एवं हल्की मिट्टी पाई जाती है।**
- चने की खेती बाँदा, हमीरपुर, बाराबंकी, सोनभद्र, कानपुर, फतेहपुर, जालौन, ललितपुर, झाँसी, तथा इलाहाबाद आदि जिलों में की जाती है।
- सरसों की खेती स्वतंत्र रूप से या गेहूँ, मटर एवं जौ के साथ मिश्रित रूप में की जाती है।
- उत्तर प्रदेश में प्रायः सभी भागों में सरसों की खेती की जाती है, लेकिन मध्य एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विशेष तौर पर।
- तम्बाकू उत्तर प्रदेश में मुख्य रूप से किन जिलों में उगाई जाती है ? **—वाराणसी मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, मैनपुरी, एटा, सहारनपुर और फर्रुखाबाद जिलों में उगाई जाती है।**
- मूंगफली मुख्यत: किस सीजन की फसल है ? **—खरीफ की**
- मूंगफली कब बोई जाती है ? **—जून-जुलाई में**
- मूंगफली की फसल तैयार कब होती है ? **—नवम्बर-दिसम्बर में**
- मूंगफली के लिए किस प्रकार की मिट्टी उपयुक्त है ? **—बलुई मिट्टी**
- उत्तर प्रदेश में मूंगफली उत्पादित करने वाले जिले मुख्यत: कौन-से हैं ? **—सीतापुर, हरदोई, एटा, बदायूँ, मैनपुरी, मुरादाबाद आदि।**
- अफीम का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला जिला कौन-सा है ? **—बाराबंकी**
- बाराबंकी के अतिरिक्त और किस जिले में अफीम की खेती होती है ? **—गाजीपुर में**
- पटसन की कृषि उत्तर प्रदेश में किस क्षेत्र में होती है ? **—सरयू और घाघरा नदियों के दोआब में**
- पटसन को जूट भी कहते हैं।
- उत्तर प्रदेश में जूट उत्पादक जिले हैं। **—बहराइच, महाराजगंज, देवरिया, गोंड़ा सीतापुर और लखीमपुर खीरी।**

13. पंचायती राज

भारत ग्रामों का देश है। यहाँ की जनसंख्या का 72% भाग ग्रामों में निवास करता है। महात्मा गाँधी का विचार था कि असली भारत या भारत की आत्मा गाँवों में रहती है। महात्मा गाँधी के समूचे चिंतन एवं दर्शन के केन्द्र गाँव ही रहे हैं।

- विकास की समस्त योजनाएँ ग्रामों से केन्द्र की ओर बनना अति आवश्यक है। पंचायत राज प्रजातंत्र और विकास में गाँवों की सहभागिता और सक्रियता की सर्वाधिक ताकतवर अभिव्यक्ति है। एक दम गाँव से जुड़े जनप्रतिनिधि अब अपने क्षेत्र की विकास योजनाओं और कार्यक्रमों में प्रभावशाली भूमिका निभा सकेंगे।

13.1 पंचायती राज की संकल्पना

✦ पंचायती राज की संकल्पना से तात्पर्य क्या है ?

—सत्ता का विकेन्द्रीकरण

✦ पंचायती राज की स्थापना किस उद्देश्य से की गई ?

—इसकी स्थापना कृषि विकास, गौवंश संवर्द्धन, बागवानी, खादी ग्रामोद्योग व कुटीर उद्योगों के माध्यम से ग्रामीण समुदाय को पूर्ण स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से की गई।



✦ पंचायती राजव्यवस्था में वास्तविक स्वराज के लिए किसको प्रमुख अंग माना गया ? **—ग्राम स्वराज को**

YUKTI ***ज्ञान****—पंचायती राज व्यवस्था ग्राम स्वराज की दिशा में एक ऐसी राजनीतिक संरचना की संकल्पना करती है जिसमें राज शक्ति और सरकार पर व्यक्ति की निर्भरता गौण हो जाती है व जनमानस के सक्रिय सहयोग से प्रत्येक गाँव अपनी बुनियादी आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह से आत्म निर्भर हो जाते हैं।*

13.2 पंचायती राज के सम्बन्ध में संवैधानिक प्रावधान

✦ भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में राज्यों को पंचायतों के गठन का निर्देश दिया गया है ? **— अनुच्छेद 40 में**

YUKTI ***ज्ञान****—इसके साथ ही संविधान की सातवी अनुसूची राज्य सूची की विशिष्ट संख्या 5 में ग्राम पंचायतों को सम्मिलित करके इसके सम्बन्ध में कानून बनाने का अधिकार राज्यों को दिया गया है।*

✦ पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक मान्यता कब दी गई ?

— 1993 में संविधान में 73वाँ संशोधन करके और संविधान में भाग 9 को पुन: जोड़कर तथा इस भाग में 16 नए अनुच्छेदों और संविधान में 11वीं अनुसूची जोड़कर पंचायत के गठन, पंचायत के सदस्यों के चुनाव, सदस्यों के लिए आरक्षण व पंचायत के कार्यों के सम्बन्ध में व्यापक प्रावधान किया गया है।

13.3 स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् पंचायती राज व्यवस्था का प्रारम्भ

- स्वतंत्र भारत में महात्मा गाँधी के विचारों से प्रेरणा लेकर पंचायती राज व्यवस्था का शुभारम्भ किया गया।

✦ पंचायती राज व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु केन्द्र में अलग से मंत्रालय की स्थापना की गई उसका नाम था।

—पंचायती राज एवं सामुदायिक विकास मंत्रालय।

✦ सामुदायिक विकास कार्यक्रम कब प्रारम्भ किया गया ?

— 2 अक्टूबर, 1952 को

देश में सामुदायिक विकास कार्यक्रम व राष्ट्रीय स्तर सेवा के असफल होने के पश्चात् पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से निम्नलिखित समितियों का गठन किया गया—

क्र.सं.	समिति	गठन	सिफारिश
1.	बलवन्त राय मेहता	1957	समिति ने भारत में त्रिस्तरीय पंचायती व्यवस्था क्रमशः (i) ग्राम या नगर पंचायत (ii) तहसील पंचायत (iii) जिला पंचायत को स्थापित करने की सिफारिश की।
2.	अशोक मेहता	1977	इसकी सिफारिशें इस प्रकार हैं—(i) राज्य में विकेन्द्रीकरण का प्रथम स्तर जिला हो (ii) जिला स्तर के नीचे मण्डल पंचायत का गठन किया जाए। (iii) ग्राम पंचायत समितियों को समाप्त कर दिया जाए। (iv) मण्डल अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष व जिला परिषद् के अध्यक्ष का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से होना चाहिए। (v) मण्डल पंचायत तथा जिला परिषद् का कार्यकाल 4 वर्ष हो (vi) विकास योजनाओं को जिला परिषद् द्वारा तैयार किया जाए।
3.	वी. पी. के. राव समिति	1985	इस समिति ने राज्य स्तर पर राज्य विकास परिषद्, जिला स्तर पर जिला परिषद् मण्डल स्तर पर मण्डल पंचायत तथा गाँव स्तर पर गाँव सभा के गठन की सिफारिश की।
4.	एल. एम. सिंघवी	1986	इस समिति ने गाँव पंचायतों को अधिक सक्षम व प्रभावशाली बनाने के लिए गाँवों के पुनर्गठन की सिफारिश की तथा गाँवों को अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ।
5.	पी. के. थुंगन	1989	इस समिति की सिफारिशों में यह महत्वपूर्ण था कि पंचायती राज संस्थाओं को संविधान में स्थान दिया जाए। अतः इनकी सिफारिश के आधार पर पंचायती राज को संवैधानिक मान्यता प्रदान करने के लिए 1989 में 64 वाँ संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित होने के बाद राज्य सभा में पारित नहीं हो सका और कानून बनने से रह गया। इसके बाद 73वाँ संविधान संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया गया जो लोकसभा व राज्यसभा द्वारा पारित कर दिया। महामहिम राष्ट्रपति ने 20 अप्रैल, 1993 को इस पर अपनी सहमति दे दी और यह 24 अप्रैल, 1993 से देश में पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक अधिकार प्राप्त हो गया था।

प्रदेश के सर्वांगीण विकास और प्रदेश की पंचायतों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सबल बनाने के लिए उन्हें सुदृढ़ करना शासन की प्राथमिकता है। पंचायती राज विभाग द्वारा वर्तमान में निम्नलिखित कार्यक्रमों को क्रियान्वित किया जा रहा है—

- ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम (स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण)
- क्लीन एण्ड ग्रीन यू. पी. के अन्तर्गत राज्य स्तर पर मिशन का गठन
- डॉ. राम मनोहर लोहिया पंचायत सशक्तीकरण योजना।
- बहुउद्देशीय पंचायत भवनों का निर्माण।
- डॉ. राम मनोहर लोहिया समग्र ग्रामीण विकास योजनान्तर्गत आन्तरिक गलियों में सी. सी. रोड एवं के. सी. ड्रेन तथा इण्टर लॉकिंग टाइल्स की व्यवस्था।
- पंचायती राज पदाधिकारियों एवं कर्मियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर दो चन्द्रशेखर आजाद सचिवालय की स्थापना।
- राज्य वित्त आयोग एवं चौदहवां वित्त आयोग की संस्तुतियों के आधार पर ग्रामीण स्थानीय निकायों को अनुदान।
- प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अंत्येष्टि स्थलों का विकास।
- भूख मुक्ति व जीवन रक्षा गारण्टी योजना के अन्तर्गत बी. पी. एल. परिवारों की महिलाओं को साड़ी एवं वृद्धजन को कम्बल।
- मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना।

14. कृषि शब्दावली

- **निरपेक्ष खरपतवार**—वे खरपतवार जो फसलों की उपज कम करते हैं और फसल को लाभ के बजाय हानि ही पहुँचाते हैं; जैसे— कांस।
- **अम्लकारी उर्वरक**—वे उर्वरक, जो मृदा में अम्लता पैदा करें जैसे— यूरिया।
- **अम्लीय मृदाएँ**—एक मृदा जो अम्ल प्रतिक्रिया दे एवं पीएच. मान 7.0 से कम हो।
- **एकड़ फुट**—कृषि में उपयोग जल के आयतन की एक आधारीय माप, जो एकड़ भूमि क्षेत्र के ऊपर हो, जिसकी तुल्य मात्रा 3,25,851 गैलन जल की हो।
- **एकड़ इंच**—यह पानी की वह मात्रा है जो एक एकड़ क्षेत्र पर एक इंच ऊँची हो।
- **मिलान**—एक पदार्थ जो उर्वरक में मिलाया जाता है ताकि उसकी भौतिक दशा सुधर जाए।
- **अड़साली फसल**—ऐसी फसल जिसकी अवधि लगभग 18 माह की हो जैसे— गन्ना दक्षिण भारत में जो सामान्यतः जून–जुलाई में बोई जाती है।
- **हवायीय पौधे**—पौधों का हवा में उगना।
- **एगमार्क**—एक राष्ट्रीय तमका, जो कृषि एवं पशु उत्पादों की गुणवत्ता एवं शुद्धता दर्शाए।



- **एग्री—सिल्वीकल्चर**—वृक्ष फसलों को कृषित फसलों के साथ उगाना।
- **कृषि जैविकी**—पौधों की पोषण एवं वृद्धि सम्बन्धी वह विज्ञान, जिसमें फसलोउत्पादन एवं मृदा प्रबन्ध का भी अंशतः समावेश हो, कृषि जैविकी कहलाता है।
- **कृषि पारिस्थितिकी**—कृषित फसलों और उनके वायुमण्डलीय एवं पारिस्थितिक सम्बन्धों का अध्ययन करने वाला विज्ञान 'कृषि पारिस्थितिकी' कहलाती है।
- **कृषि जैव तकनीकी**—विज्ञान एवं तकनीकी से जुड़े क्षेत्रों में एक संयुक्त तकनीकी, विशेषकर कृषि (शस्य) आधारित जैव तकनीकी, जिसमें भूख दूर करने, गरीबी घटाने एवं पर्यावरणीय संरक्षण दक्षता हो।
- **कृषि वानिकी**—'कृषि वानिकी' भूमि उपयोग की एक ऐसी पद्धति है, जिसमें बहुवर्षीय वृक्षों की स्पीशीज को कृषित भूमि में विचारपूर्वक उगाया जाता है।
- **मृदा**—एक क्षारीय भूमि जिसकी क्षारीयता उच्च डिग्री की हो पीएच. 8.5 या अधिक) या विनिमय सोडियम की प्रतिशतता उच्च (पर्याप्त) हो 15% या अधिक) अथवा दोनों, कि अधिकांश फसल पौधों की वृद्धि घट जाए।
- **गली खेती**—भूमि की उर्वरता एवं उत्पादकता को बढ़ाने के लिए कृषित फसलों को जब गलियारे अर्थात रास्तों के बीच उगाया जाए।
- **अमन चावल**— धान की फसल जिसकी रोपाई जुलाई–अगस्त में हो तथा कटाई जाड़ों (नवम्बर–दिसम्बर) में हो।
- **जुताई–बुबाई फसलें**—वे फसलें जो निकाई–गुड़ाई चाहती हैं; जैसे– चावल गेहूँ, ज्वार, मक्का, गन्ना, कपास, मूँगफली, सोयाबीन आदि
- **औसतधान (चावल)**—धान की फसल जिसकी रोपाई ग्रीष्म माहों (अप्रैल–जून) में हो और कटाई (अगस्त–सितम्बर) शरद में हो।
- **उपलब्ध नत्रजन**—जल घुलनशील नत्रजन एवं वह भाग जिसे घुलनशील बनाया जा सके अथवा स्वतंत्र अमोनिया में बदला जा सके।
- **भूमि में उपलब्ध तत्व**—भूमि में पादप पोषक तत्वों का एक भाग, जो बढ़ते हुए पौधों द्वारा तुरन्त ग्रहण कर लिया जाए।
- **उपलब्ध फॉस्फोरस**—फॉस्फोरस का वह भाग जो जल में घुलनशील हो अथवा एक कमजोर अम्ल में, जैसे– 2% साइट्रिक अम्ल।
- **उपलब्ध जल**—पौधों के उपयोग हेतु, सामान्यतया जल की वह मात्रा, जो क्षेत्र 'धारिता' एवं 'स्थायी मुरझान बिन्दु' के मध्य होती है।
- **बी.एच.सी.**—बी.एच.सी. (बैन्जीन हैक्सा क्लोराइड) एक घातक एवं पाउडर कीटनाशी है जिसके खेती में प्रयोग पर प्रतिबन्ध है।
- **पिछलाअंत**—किसी ऋतु का अन्तिम भाग अर्थात देर पतझड़ समय।
- **पिछला/अंतिम कूंड**— खेत की जुताई करते समय 2 हलाइयों के बीच नई बनी मेंड़ (बगैर जुती) 'पिछला कूँड' कही जाती है।
- **बैच बीज**— फसल की कटाई के बाद, अनाज (बीज) को सुखाकर कुठलों में पुनरावृत्ति के साथ रखना।
- **उल्टी कटाई–छंटाई**—गन्ने की कटाई में वानस्पतिक वृद्धि हेतु एक या दो कालिका स्तर छोड़ना।
- **बैक–वुड**—बगैर–साफ जंगल (वन) भूमि।
- **बैक्टीरिया**—सूक्ष्म एक कोशीय जीव (जीवाणु) जो नंगी आँखों से न दिखे।
- **जीवाणुनाशक**—एक पदार्थ, जो जीवाणुओं को मारने की क्षमता रखे।
- **बैग**—गाय का अयन
- **बैगासी (खोई)**—गन्नामिलों में, गन्ना पिराई के बाद बचा तने का अवशेष।
- **बैण्ड प्लेसमेण्ट**—उर्वरक को पौधों की कतार के एक तरफ अथवा दोनों तरफ पट्टियों में अथवा प्रत्येक पौधे के चारों तरफ, 4.5 सेमी नीचे देना।
- **पट्टी बीज बुवाई**—बीजों की कतारों में सीधी बुवाई करना।

- **जौ–जल**–छिल्का रहित एवं पॉलिस्ट पर्ली जो (माल्टी जौ) से निकाला गया पेयजल।
- **बार्न**–एक भवन जिसमें अनाज, सूखा चारा, कृषि यंत्र आदि का भण्डारण किया जाता है।
- **द्विवर्षीय–एक पौधा, जो अपना जीवन चक्र** दो वृद्धि कालों में पूर्ण करता है, जैसे– गाजर।
- **बिग (बीयर)**– चार–पंक्ति जौ
- **कुठिला (बुखारी)**–एक गोल संरचना जो बीजों को भण्डारित करने में प्रयोग हो।
- **जैव–उर्वरक**–सूक्ष्म जीवों की सक्रिय प्रजातियों की जीवित अथवा छिपी कोशिकाओं के सन्दर्भ में जिसमें वायुमण्डलीय नत्रजन को स्थिर करने की क्षमता हो, इन्हें माइक्रो बियल इनोकुलेन्टस भी कहा जाता है।
- **बायोमास**–पौधे/फसल द्वारा उत्पादित कुल शुष्क पदार्थ मात्रा प्रति इकाई क्षेत्र में, जैसे– गेहूँ में दाना + भूसा = कुल बायोमास
- **जैव तत्व**–प्रकृति में पौधे एवं जीव जंतु जैव तत्व कहे जाते हैं।
- **काली मृदाएँ**–कनाडा में भूमि के लिए एक शब्द प्रयोगित है, जिसकी काली (चर्नोजम) क्षेत्र गहरी (काली) रंगीन सतह हो, सम्मिलित है– काली मृदा या चर्नोजम, वीसनवोडन, सोलनेज, इत्यादि।
- **अन्धी गुड़ाई**–एक फसल की बुवाई के बाद, लेकिन अंकुरण से पूर्व उसमें कर्षण क्रिया (निकाई–गुड़ाई) की जाए, जैसे गन्ने में।
- **बोग मृदा**–इन्ट्राजोनल वर्ग का एक बड़ा मृदा समूह एवं हाइड्रोमोर्फिक उपवर्ग; मक एवं पीट सहित।
- **बोरोधान**–धान की फसल जिसकी रोपाई दिसम्बर–जनवरी में एवं कटाई मई–जून में हो।
- **स्थूल घनत्व**–मृदा की प्रत्येक स्थल आयतन इकाई का द्रव्यमान, जो 105ºC पर स्थिर भार तक लाने हेतु सुखाई गई हो।
- **मेंड़**–ढाल के आर–पार बनाई गई मिट्टी की मेंड़ ताकि जल प्रवाह एवं भू–क्षरण को कम करने में मदद मिले।
- **गाड़ी मृदा**–काफी गहरी एवं सोलम की मोटाई से अधिक, मोटे निक्षेप से ढकी मृदा।
- **चूनादार मृदा**–एक मृदा, जिसे ठंडे 0.1 N हाइड्रोक्लोरिक अम्ल से उपचारित करने पर, प्रत्यक्ष बुदबुदाने के लिए प्रचुर कैल्सियम कार्बोनेट से युक्त हो।
- **कैल्सीफ्यूज**–अम्लीय मृदाओं में उगने हेतु उपयुक्त पौधे।
- **कैल्सीफाइट्स**–पौधे, जिन्हें पर्याप्त मात्रा में कैल्सियम चाहिए।
- **कपार्ट**–ग्रामीण तकनीक के लिए स्वैच्छिक कार्यो को सहयोग, प्रोत्साहन और बढ़ावा देने हेतु एक स्वायत्त संस्थान।
- **केशीय जल**–यह वह जल है जो मृदा कणों के चारों तरफ गुरुत्वाकर्षण शक्ति के विरुद्ध पतली झिल्ली के रूप में पृष्ठीय तनाव द्वारा अधिशोषित रहता है। यह जल पौधे भूमि से ग्रहण करते हैं।
- **केन्द्रीय बीज कमैटी**–इसका कार्य केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारों का बीज एक्ट 1966 के प्रशासन में उपजे मामलों में सलाह देना और अन्य कार्यो को भी करना जो बीज एक्ट 1966 के अन्तर्गत हों।
- **केन्द्रीय बीज प्रयोगशाला**–बीज परीखण प्रयोगशाला, आई.ए.आर.आई. नई दिल्ली, घोषित–केन्द्रीय बीज परीक्षण प्रयोगशाला।
- **उद्गम केन्द्र**–वे क्षेत्र, जहाँ विभिन्न फसलों का उद्गम या उत्पत्ति होना, प्रस्तावित किए गए हों।
- **विविधता केन्द्र**–वे क्षेत्र जिनमें, फसलों तथा उनकी सम्बन्धी प्रजातियों में अन्य क्षेत्र की अपेक्षा काफी अधिक विविधता पाई जाती है।
- **धान्य**–एक घासीय कुल की अनाज फसल जैसे– गेहूँ, चावल, जई, मक्का, जौ एवं मिलैट।
- **प्रमाणित बीज**–प्रमाणित बीज–ब्रीडर, फाउन्डेशन अथवा रजिस्टर्ड बीज की संतान होती है, जो राज्य बीज फार्म्स या प्रभावित कृषकों द्वारा पैदा किया जाता है, जिसे आवश्यक आनुवांशिक शुद्धता हेतु रखा जाता है और प्रमाणीकरण संस्था को स्वीकार हो।
- **प्रमाणीकृत एजेन्सी**–किसी बीज किस्म या नोटीफाइड प्रकार के बीजों को प्रमाणित करने वाली संस्था।
- **चिकनी मृद्राएं**–मृदाएं–जिनमें चिकने मृदा कण, लघुवायु छिद्र, उच्च जल रोकने की क्षमता एवं कमजोर बहने की दशाएं हों।
- **क्लाइमोसीक्वेन्स**–मृदाओं का क्रम जिनके गुणों का क्रियात्मक सम्बन्ध जलवायु से है मुद्रा निर्माण कारक की तरह।
- **क्लोरोसिसि**–पौधों में क्लोरोफिल की कमी से पीला रंग उत्पन्न होना, कारण–तत्वों का बिगड़ना।
- **कौब्ली**– मृदाएँ, जो चट्टान के गोलीय अथवा अर्द्धगोलीय टुकड़ों सहित हों, जिनका ब्यास 3 से 10 इंच हो।
- **शीत परीक्षण**– बीज परीक्षण एक ऐसा अंकुरण परीक्षण है जिसमें मृदा में ठण्डी, नम अवस्था में बीज होते हैं और ओज परीक्षण के बाद स्थानान्तरित कर देते हैं।
- **सहचर शस्यन (खेती)**–सह–फसली पद्धति का एक रूप जिसमें एक फसल की उपज पर दूसरी फसल का कोई विपरीत प्रभाव न पड़े, बल्कि दोनों फसलों की उपज का योग, शुद्ध फसल के बराबर अथवा अधिक मिले। जैसे–गन्ने के साथ गेहूँ।
- **सहचर फसल**–अधिक उपज/लाभ प्राप्त करने के लिए किसी अन्य फसल अथवा फसल वृक्ष के साथ उगाई गई फसल।
- **कोनोवीडर**–धान में हस्तचालित, 2 हैण्डल्स का खरपतवार नियंत्रण हेतु यंत्र।
- **सहकारी सामूहिक खेती**–वह सहकारी खेती, जिमें भूमि पर स्वामित्व एवं खेती का प्रबन्ध संयुक्त रूप में हो।
- **सहकारी उन्नत खेती**–वह सहकारी खेती, जिसमें भू–स्वामित्व एवं खेती का प्रबन्ध वैयक्तिक हो।
- **सहकारी संयुक्त खेती**–ऐसी सहकारी खेती, भू–स्वामित्व वैयक्तिक हो, लेकिन प्रबन्ध संयुक्त हो।
- **सहकारी काश्तकारी खेती**–ऐसी खेती की प्रणाली जिसमें भूमि सहकारी समिति की सम्पत्ति हो, भूमि को उचित आकार में बाँटकर, प्रत्येक काश्तकार को लगान पर एक–एक चक देकर, जिस पर वह अपनी इच्छानुसार स्वतंत्ररूप में खेती करे।
- **कूपिस खेती**–भूमि दक्षता का सघन दोहन का एक तरीका, जिसमें वृक्षों की नियमित कटाई की जाती हो जो जड़ के पास कटे भाग से असंख्य तने पैदा करें।
- **फसल पारिस्थितिकी**–फसल पौधों एवं उनके पर्यावरण के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन, जिसमें जलवायु, मृदा, जैविक एवं सामाजिक कारक सम्मिलित हैं, सभी का अध्ययन पारिस्थितिकीय फसल भूगोल कहलाता है।
- **फसल सूचकांक**–एक वर्ष में, एक ही खेत पर उगाई जाने वाली फसलों को 'फसल सूचकांक' से दर्शाया जाता है।

- **शस्यप्रणाली**—फसल उगाने के सभी अवयव, उनका आपसी सम्बन्ध एवं उन अवयवों तथा वातावरण का आपस में समाविष्ट होना, शस्य प्रणाली कहलाता है।
- **फसल चक्र**—किसी निश्चित अवधि में फसलों को क्रमबद्ध उगाना जैसे 'बाजरा, गेहू, मूँग' फसल चक्र, जिसे शस्यन क्रम भी कहते हैं।
- **फसल आँकड़े**—विभिन्न फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं प्रति हेक्टेयर उपज सम्बन्धी आँकड़े, जो भारत सरकार/राज्य सरकारें पत्रिकाओं, बुलेटिन, ईयर बुक आदि में प्रतिवर्ष प्रकाशित करती हैं।
- **शस्यन सूचकांक**—किसी दिए गए भूमि के क्षेत्र पर प्रतिवर्ष उगाई जाने वाली फसलों की संख्या।
- **फसल पद्धति**—निश्चित क्षेत्र पर, निश्चित समय में जो शस्य क्रम विभिन्न प्रक्षेत्र स्रोतों, प्रक्षेत्र धन्धों व उपलब्ध तकनीक के बीच अपनाया जाता हो, उसे फसल पद्धति कहते हैं।
- **संकर**—दो या अधिक भिन्न जीन स्वरूप वाले व्यष्टियों या विभेदों में संकरण से प्राप्ति संतति।
- **क्यूसेक**—बहने वाले पानी की वह मात्रा, जो घनफुट प्रति सेकण्ड के हिसाब से बहती हो।
- **डेअर**—आई.सी.ए.आर. के अन्तर्गत कृषि अनुसन्धान एवं शिक्षा विभाग दिसम्बर 1973 में स्थापित, कार्य करता है।
- **डी.डी.टी.**—एक कीटनाशी जो मानव पर बुरे प्रभाव पड़ने के कारण अब प्रतिबन्धित है।
- **मृत बीज**—बीज जो, परीक्षण अवधि के अन्त में, न तो कठोर हो और न ही ताजे और अंकुरित न हों या पौध न तैयार करें।
- **द्विबीज पत्री (बीज)**—ऐसे पौधे जिनके बीजों में दो बीज पत्र पाए जाते हैं।
- **विविधीकृत खेती**—एक फार्म जिस पर कोई भी अकेला उत्पाद अथवा आय का स्रोत कुल आमद का 50% तक योगदान न दे पावे।
- **दुहरी सुषुप्तावस्ता**—बीज सुषुप्तावस्था, जिसमें दोनों बीज कवच एवं सुषुप्त भ्रूण।
- **ड्रेज कोर्न**—धान्यों (अन्नों) का मिश्रण, जैसे—जई और जौ साथ—साथ बोना।
- **ड्रिल**—एक यंत्र जो बीजों को कतार में बोने के काम आए।



- **ड्रिप सिंचाई**—यह पौधों में जल्दी—जल्दी सिंचाई जल देने की विधि है और जल का आयतन पौधे के CU के बराबर हो।
- **सूखा**—एक ऐसी अवधि जिसमें सम्भावित वाष्पीकृत नमी, अघःपतन के द्वारा जल सप्लाई से ऊपर हो जाए।
- **सूखा बचाव**—भूमि बीमार होने एवं पौधों के लिए जल की कमी के विकसित होने से पूर्व, पौधों को अपना जीवन चक्र पूरा करने के लिए पौधे की योग्यता।
- **सूखा प्रतिरोध**—ऐसे क्षेत्रों में, जिनमें जल की कमी आ गई हो, और फसल की क्षमता संतुष्टपूर्वक उगने में बाधक हो।
- **सूखा वर्ष**—जब किसी वर्ष में उस स्थान की सामान्य वर्षा में सम्भावित विचलन के दुगने से भी कमी आ जाए, जैसे—यदि सामान्य वर्षा 800 mm, विचलन— 100mm वास्तविक वर्षा 590mm या कम हो।
- **शुष्क खेती**— बगैर सिंचाई के जहाँ वर्षा कम हो, फसलोत्पादन का एक तरीका है, अर्थात् वर्षात पर सम्पूर्ण खेती करना अथवा 500mm से कम वर्षा वाला क्षेत्र/अथवा लेकिन अब परिभाषित है— PET क्षेत्र की वार्षिक वर्षा = अन्तर को कृत्रिम रूप से फसल सिंचित करना ही शुष्क खेती है।
- **सूखा मौसम**—एक अवधि जिसमें पानी की न्यूनता हो जाए, संचित जल का उपयोग वाष्पोत्सर्जन में हो, और वास्तविक वाष्पोत्सर्जन, विभव वाष्पोत्सर्जन से नीचे चला जाए।
- **शुष्क बुवाई**—वर्षा से पूर्व, फसलों के बीजों की बुवाई, जैसे गुजरात, राजस्थान में मूँगफली की बुवाई।
- **ड्यूरम गेहूँ**—टेट्राप्लॉइड गेहूँ स्पीशीज, जो सेंमइया, सूजी, ब्रैड आदि के लिए उपयुक्त।
- **ईसीए**—कृषि में उर्वरकों के नियमित बिक्री, मूल्य एवं गुणता के नियंत्रण हेतु उर्वरक नियंत्रण आदेश—आवश्यक वस्तु अधिनियम के अधीन रखा गया है।
- **एक साली फसल**—ऐसी फसल, जो 12 माह की हो, जैसे गन्ना की फसल।
- **अंकुरण**—वह समय, जब भूमि से फसल पौधों की पहली पत्तियाँ निकलें।



- **ऐपीनेस्टी**—कोशाओं की अनियमित वृद्धि के कारण पत्तियों एवं तने की ऐंठन।
- **क्षरण**—भूमि की सतह/कणों का बहते जल, हवा या अन्य भूगर्भिक वाहकों द्वारा कटान।
- **उन्मूलन (खरपतवार)**—खरपतवारों का सम्पूर्ण नाश, इस प्रकार करना ताकि वे पुनः न उगें।
- **ईटियोलॉजी**—पशु, पौधे, मानव में रोग के कारणों का अध्ययन करना।
- **इयूट्रोफिकेशन**—एक विधि, जिसके द्वारा जल या भूमि, खनिजों से भरपूर हो जाए, जैसे नत्रजन एवं फास्फोरस में।
- **वाष्पन हानि**—नहर या जल स्रोत की जल सतह से वाष्पन के कारण होने वाली जल की क्षति।
- **फैकल्टेटिव खरपतवार**—एक खरपतवार, जो दोनों, जंगली एवं फसलों के साथ उगे।
- **अकाल**—एक भयंकर भोजन की कमी, जो सूखा, बाढ़, युद्ध का परिणाम हो, जीव जन्तु/मनुष्यों की मृत्यु का हो जाना, फसलों का नष्ट होना।

- **उर्वरक**—पादप तत्वों को प्रदान करने हेतु, किसी भूमि में कार्बनिक अथवा अकार्बनिक पदार्थों, चाहे वे प्राकृतिक हों अथवा कृत्रिम उत्पत्ति के हो, को देना।
- **उर्वरक सूत्र**—एक मिश्रित उर्वरक के बनाने में उर्वरक पदार्थों की प्रयुक्त मात्रा एवं ग्रेड।
- **उर्वरक अनुपात**—उर्वरक अनुपात में तीन मुख्य पादप तत्वों के आपसी अनुपात को प्रदर्शित करना जिसमें नत्रजन का % अनुपात में एक रखी जाती है। इस प्रकार 5–10–5 उर्वरक मिश्रण 1 : 2 : 1 तत्वों को क्रमशः रखता है।
- **फ्लैक्स**—एक फसल, जो मुख्य रूप से रेशे और साथ–साथ तेल एवं बीज के लिए भी उगाई जाए जैसे अलसी।
- **पर्णीय सक्रिय शाकनाशी**—वे रसायन, जिन्हे भूमि से खरपतवारों के अंकुरण निकलने के बाद प्रयोग किया जाए, पत्तियों द्वारा अवशोषित हो जाए।
- **विदेशी बीज**—खरपतवारों एवं फसलों/किस्म के बीच जो परीक्षण करने के अलावा हों।
- **आधारीय बीज**—यह बीज, प्रमाणित बीज श्रृंखला में द्वितीय–जोड़ पर ब्रोडर सीड से पैदा एवं इस प्रकार से संचालित किया जाता है। ताकि आनुवांशिक पहचान एवं बीज शुद्धता की सुनिश्चितता रहे, जो रजिस्टर्ड स्पीड एवं प्रमाणित बीज के स्रोत हैं।
- **हरीखाद**—भूमि की भौतिक दशा सुधारने अथवा भूमि में नत्रजन जोड़ने हेतु पौधे (दलहनी) के बगैर खड़े हुए हरे भाग को भूमि में हल द्वारा पलटना।
- **ग्रीन मेन्योरिंग इन सिट्यू**—वह विधि जिसमें बगैर सड़ी हरी फसल (पलहमी) को उसी खेत में (हल द्वारा पलटकर) मिलाना जिसमें वह उगाई गई हो जैसे–सनई, ढेंचा, ग्वार आदि।
- **हरित क्रान्ति**—खाद्यान्न उत्पादन (गेहूँ–धान) में उल्लेखनीय वृद्धि, जो देश में 1966-67 में गेहूँ की उन्नत किस्मों से देश में हुई जिसके पिता या जन्मदाता नोवेलेरेट एन. ई. बोरलॉग हैं।
- **भूरी क्रान्ति**—उर्वरकों के उत्पादन में वृद्धि, भूरी क्रान्ति कही गई।
- **रक्षक फसलें**— मुख्य फसल के चारों ओर रक्षार्थ गौड़ फसल लेना, जैसे गन्ने के चारों ओर ढेंचा लेना।
- **लवण मृदोद्भिद पौधे**—लवणीय मृदा में उगने की क्षमता रखने वाले पौधे।
- **शाकनाशी**—उच्च पौधों को मारने अथवा उनकी वृद्धि रोकने के लिए रसायन।
- **बागवानी**—कृषि की वह शाखा जो फल, सब्जियों एवं फूलों के उत्पादन एवं कटाई बाद प्रबन्धन को दर्शाए।
- **ह्यूमस**—मृदा में पाई जाने वाली वनस्पति एवं जन्तु उद्भव के विघटित एवं अंशतः विचरित जैव पदार्थ।
- **नमीधारणता (उर्वरक पदार्थ)**—कुछ उर्वरक पदार्थ हवा से नमी ग्रहण कर लेते हैं जिससे वे चिपकनीय हो जाते हैं जैसे सी.ए.एन. (केन) अमोनिया/सोडियम नाइट्रेट, यूरिया, अमोनियम क्लोराइड आदि।
- **उन्नत बीज**—किसी किस्म का ऐसा बीज, जोकि भौतिक एवं आनुवंशिक शुद्धता एवं अंकुरण परीक्षणों में निश्चित मापदण्डों के अनुरूप हो।
- **सूचक पौधा**—एक पौधा, जो विशेष वृद्धि दशा में पादप तत्वों की कमी, जल अभाव आदि को दर्शाए, जैसे–मक्का, सूरजमुखी।
- **एकीकृत खेती पद्धति**– एकीकृत खेती पद्धति में मृदा, पौधों, पशुओं, यंत्रों मजदूर पूँजी/शक्ति एवं अन्य अपादानों को मिश्रित कर खेती करना अर्थात फसलों, बागवानी, पशुपालन, आदि को मिलाकर खेती करना।
- **एकीकृत खेती प्रणाली**—यह एक कम लागत जीवांश खेती है जिसमें स्थानीय संसाधनों एवं पारिस्थितिकी विधियों, पुनर्चक्रीय कृषि अवयवों एवं फसल अवशेषों पर निर्भरता हो।
- **एकीकृत हरित क्रान्ति खेती**—जीवांश तकनीको का विकास एवं उच्च लागत तकनीक से 'संयोग करना, ताकि एकीकृत प्रणाली विकसित हो जैसे एकीकृत पोषण प्रबन्ध, एकीकृत नाशीकीट प्रबन्धन आदि एकीकृत हरित क्रांति खेती कहलाती है।
- **सघन खेती**—खेती की एक विधि जिसमें भूमि पर धन, उर्वरक, सिंचाई एवं श्रम अधिक लगाकर अधिक फसलें उगाना, ताकि सभी को भोजन प्राप्त हो।
- **जवानिका (नीले) धान**—सटाइवा धान की इण्डोनेशिया में उगाई जाने वाली विशेष किस्म।
- **जर्सी**—गाय की एक नस्ल, अपेक्षाकृत छोटी एवं शीघ्र परिपक्व होने वाली, जर्सी से आयातित।



- **झूम खेती**—प्राकृतिक वनस्पति को साफ करके उस भूमि पर खेती तब तक करना जब तक वह पूर्ण रूप से थक न जाए, फिर उसे छोड़कर दूसरे स्थान पर इसी प्रकार खेती करना, झूम खेती कहलाता है। इसे स्थानान्तरित खेती कहते हैं।
- **ज्वाइन्टर**—कृषि यंत्रों का एक भाग।
- **जुवेनेलाइज फेज**—किसी पौधे की वानस्पतिक वृद्धि की वह अवस्था, कि उससे पूर्व वह फूल पैदा नहीं कर सकती। यह अवधि पौधे से पौधों में भिन्न हो सकती है, जैसे–धान के पौधे में एक माह की जुवेनेलाइज अवस्था होती है।
- **खरीफ फसलें**—वे फसले जो मानसून या बरसात के मौसम (जून–अक्टूबर) में पैदा की जाएं। जिसकी बुवाई सामान्यतः जून–जुलाई में और कटाई अक्टूबर नवम्बर में हो।
- **भूमितुल्य अनुपात**—शुद्ध फसल की तुलना में, अन्तराशस्यन के अन्तर्गत बढ़े अप्रत्यक्ष क्षेत्र के अनुपात को भूमि तुल्य अनुपात कहते हैं।
- **लीचिंग**—भूमि से जल के माध्यम से घुलनशील पदार्थ को हराने की प्रक्रिया।
- **लीचिंग आवश्यकता**—पानी का वह भाग जो भूमि में प्रवेश करें, लेकिन लड़ क्षेत्र से होकर गुजरे, ताकि किसी निश्चित मान से ऊपर मृदा लवणता को बढ़ने से रोके।

- **ले फार्मिंग**—कृषित फसलों के फसल चक्र में दो वर्ष या उससे अधिक समय तक चरागाह रखना।
- **हल्की मृदाएँ**—एक शब्द, जो बलुई या मोटे कणों वाली मृदा के लिए प्रयोग हो। ऐसी मृदा में तत्वों का निच्छालन अधिक होता है अतः नत्रजन उर्वरक को थोड़ी मात्राओं में विभिन्न समयों पर देना।
- **मार्श (दल–दली) भूमि**—अवधीय नम या लगातार बाढ़ ग्रसित क्षेत्र जिसकी सतह अधिक गहरी न हो और घासों अन्य जलीय पौधों आदि से घिरी हो उपवर्ग ताजा एवं लवण जल दलदलीय सम्मिलित हों।
- **चरागाह**—एक खेत, जो पशुओं के लिए चरने हेतु हो, जो नम क्षेत्र में हो।
- **मीलो**—एक बहुत नरम एवं बहुत भुरभुरी, सरंध्र भूमि जिसका स्वभाव कठोरपन का न हो।
- **मिश्रित खेती**—फसल उत्पादन के साथ–साथ पशुपालन अपनाना।
- **नमी रोकने वाली मृदा**—एक भूमि, जो जल की उच्च प्रतिशतता रोक सके, जो क्ले कोलॉइड तत्व पर सीधी निर्भर है। चिकनी मृदाएं, बलुई की तुलना में अधिक नमी रोकती हैं।
- **अवरोध परत खेती**—खेती की वह प्रणाली, जिसमें खेत जीवांश अवशेषों को भूमि सतह पर ही छोड़ दिया जाए तथा जुताई द्वारा जीवांश पदार्थों को भूमि में नहीं मिलाते, ताकि वाष्पीकरण कम हो।
- **प्राकृतिक खेती**—प्रकृति में खेती जिसे जापान के वैज्ञानिक मेसोनोबु फुकाओ ने 1930 में शुरू किया।
- **प्राकृतिक भूमि**—एक भूमि, जिसमें ऊपरी भाग न तो अम्लीय हो और न क्षारीय हो।
- **शुद्ध सिंचाई आवश्यकता**—फसलों की जड़ क्षेत्र गहराई में मृदा नमी तत्व लाने के लिए सिंचाई जल की मात्रा।
- **खुटाई**—चने की फसल में फूल आने से पूर्व तक शाखाओं एवं उपज में वृद्धि हेतु पौधे की शीर्ष की तुड़ाई/खुटाई करते हैं, जिसे सब्जी में प्रयोग कर लेते हैं, इस तुड़ाई को निपिंग कहा जाता है।
- **अलवणीय क्षारीय मृदाएँ**—एक भूमि जिसमें विनिमय सोडियम प्रतिशत 15 से अधिक और 4 मिलीम्होज/से.मी. से कम संतृप्त–निष्कर्ष की विद्युत चालकता हो।
- **नॉक्सिटास खरपतवार**—एक खरपतवार, जिसकी व्याख्या नियम से हो, मुख्यरूप से अनैच्छिक, कृषि के लिए कष्ट दायी, नुकसानदायी एवं नियंत्रण में कठिन हो।
- **आब्लीगेट (खरपतवार)**—एक खरपतवार जो जंगली अवस्था में कभी नहीं पाया जाए, बल्कि मनुष्य के सहयोग से केवल उगे।
- **प्रचालन जोत**—ऐसी कुल भूमि, जिस पर एक ही प्रबन्ध के अन्तर्गत खेती की जाती है।
- **दाना**—बीज का भीतरी भाग, जहाँ भ्रूण हो, जैसे–मूँगफली जो प्रोटीन एवं तत्वों में प्रचुर होते हैं।



- **इष्टतम निर्गत**—उत्पादन की वह मात्रा, जिस पर औसत लागत न्यूनतम होती है।
- **कार्बनिक खाद**—जन्तुओं एवं वनस्पतियों से प्राप्त पदार्थों द्वारा तैयार की गई खादें जैसे–गोबर की खाद, कम्पोस्ट
- **जैव पदार्थ**—कार्बन का रासायनिक यौगिक, जो पौधों और जीवों के अवशेषों से मिलकर बने।
- **तिलहनी फसलें**—फसलें, जो तेल का प्रमुख स्रोत हों जैसे तिल, सरसों मूँगफली, सूरजमुखी आदि।



- **कार्बनिक मृदा**—एक ऐसी मिट्टी जिसमें पूरे सोलम में कार्बनिक पदार्थ का प्रतिशत 20% से अधिक हो।
- **पेलीनोलॉजी**—पौधे के परागकणों का अध्ययन।
- **पम्पास**—घासीयमृदा का एक प्रकार, दक्षिण अफ्रीका में पाया जाना, विशेष रूप से उरुग्वे एवं अर्जेन्टीना में, वृक्ष बहुत कम पाना, लम्बी घासें।
- **परजीवी**—एक ऐसा जीव, जो जीवित जीवों से अपना आहार ग्रहण करता है, जैसे–खटमल, अमखेल।
- **कण घनत्व**—मृदा कणों का औसत घनत्व, जिसमें तरल स्थान सम्मिलित नहीं है और ग्राम प्रति घन सेंटीमीटर में आमतौर पर व्यय करना। कभी–कभी वास्तविक 'घनत्व' या 'ग्रेन डेन्सिटी' भी कहना।
- **रोग जनक**—जो जीव रोग उत्पन्न करता हो।
- **अन्तः श्रवण**—भूमि द्वारा जल का नीचे की ओर गति करना, जो संतृप्त या लगभग संतृप्त मृदा में हाइड्रोलिक ग्रेडिएन्ट एक अथवा कम के अधीन हो।
- **पेट्रोफाइट**—चट्टानों पर उगने की क्षमता रखने वाला पौधा।
- **कीटनाशी**—एक रसायन, जो कीटों को मारे।
- **प्रकाश–संश्लेषण**—पौधों द्वारा प्रकाश की उपस्थिति में पर्णहरिम के माध्यम से भोजन बनाने की एक क्रिया, जिसके अंग जल, प्रकाश से ऊर्जा एवं पर्णहरिम हैं।
- **स्थानबद्ध कृषि**—एक प्रकार की खेती, विश्व में सर्वाधिक प्रचलित।
- **बहुतत्वीय उर्वरक**—एक उर्वरक, जिसमें एक से अधिक मुख्य पादक तत्व हों, पर्याप्त– बहुतत्व पदार्थ एवं जटिल उर्वरक।
- **तालाबीय खरपतवार**—जो पौधे, मुख्यतया से शांत जल में छोटे एवं हरे उगें, दो प्रकार की पत्तियों जल पर तैरने वाली और जल में नीचे की।
- **प्राथमिक जड़**—जड़ जो सीधी मूलांकुर से निकले।
- **प्राथमिक पत्ती**—पौधे की ठीक सत्य पत्ती।

- **कीचड़ जुताई**—इसका अर्थ मृदा की जुताई, खड़े पानी या नम मृदा में करना व धान में अपनाना, ताकि मृदा के कण सुधर जाएँ और जीवांश पदार्थ मिल जाए।
- **शुद्ध बीज**—किसी स्पीशीजों का बीज जो भेजने वाले द्वारा अंकित हो या शुद्धता परीक्षण में खरा उतरे।
- **शुद्ध जीवांश खेती**—ऐसी खेती, जो जीवांश खादों एवं जैविक कीट नियंत्रण विधियों पर पूर्णतया से आधारित हो, और अकार्बनिक उर्वरकों एवं कीटनाशियों दोनों का प्रयोग न हो।
- **त्वरित मृदा जाँच**—दी गई मृदा के ऐसे सरल एवं तीव्र रसायन परीक्षण, जो पौधे के लिए तत्वों की अनुमानित उपलब्धता बताएँ।
- **रबी फसलें**—वे फसलें, जिन्हें जाड़ों (नवम्बर—मार्च) में पैदा किया जाता है, जिनकी बुवाई आमतौर पर अक्टूबर—नवम्बर में तथा कटाई मार्च—अप्रैल में हो।
- **मूलांकुर**—बीज में, भ्रूण का अण्डद्वार की ओर वाला नुकीला एक सिर मूलांकुर कहलाता है, अर्थात भ्रूण की प्रारम्भ जड़ जो नई पौध की प्राथमिक जड़ बनाती है।
- **इन्द्रधनुषी क्रान्ति**—देश में इस नई मिलेनियम में कृषि क्षेत्र में आई अलग—अलग क्रान्तियों जैसे— हरित, नीली, पीली, श्वेत आदि की अपेक्षा, सतरंगी अर्थात् साथ—साथ सभी को लेकर चलने वाली क्रान्ति को इन्द्रधनुषी क्रान्ति कहते हैं।
- **वर्षा**—किसी क्षेत्र या देश के ऊपर गिरने वाली पानी की कुल मात्रा समुद्रतटीय क्षेत्रों में अधिक वर्षा एवं शुष्क क्षेत्रों में कम वर्षा का होना, वर्षा की मापन मिलीमीटर/वर्ष में रेनगेज द्वारा।
- **पेड़ी फसल**—फसल की खेती, कटाई के बाद पुनः वृद्धि यद्यपि दाने के लिए आवश्य नहीं जैसे गन्ना तथा चारे की फसलें आदि।
- **रावे**—रावे प्रोग्राम कृषि क्षेत्रों हेतु जिले की समस्याओं और फसल प्रदर्शन के जागरूकता का।
- **री—एफोरेस्टेशन**—उस भूमि पर वृक्षों का पुनः लगाना जहाँ पूर्व में एक बार वन उगा हो।
- **दियारा खेती**—नदियों के किनारे वाली भूमियों में बाढ़ के बाद फसलों की खेती करना, इन्हें ढैर नदियारी, कटोरानुमा खेती भी कहते हैं, जो विहार एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश में की जाती है।
- **लाल क्रान्ति**—वैज्ञानिकों ने मांस उत्पादन अथवा टमाटर उत्पादन में हुई वृद्धि को 'लाल क्रान्ति' कहा है।



- **पंजीकृत बीज**—ऐसे बीज जिनमें संतोषजनक आनुवंशिक पहचान तथा विशुद्धता बनी रहे जो बीज प्रमाणीकरण ऐजेन्सी द्वारा प्रमाणित हों।
- **अवशिष्ट प्रभाव (उर्वरक)**—एक या अधिक शस्यन मौसम के बाद भूमि में बचे हुए उर्वरक की मात्रा जो फॉस्फेटिक उर्वरकों के लिए मुख्यतया सत्य है।
- **गोल क्रान्ति**—आलू के अधिक उत्पादन को 'गोल क्रान्ति' कहा जाता है।
- **कतार फसल**—फसल जिसकी बुवाई कतारों या कतार अनुपत में करना जैसे अरहर + मूंग को 1 : 4 में।
- **लवणीय मृदाएँ—एक भूमि जिसकी ई.सी. संतृप्त निष्कर्ष पर 4** मिली म्होज/ सेमी का 25ºc से अधिक हो, विनिमय सोडियम प्रतिशत 15 से कम और PH 8.5 से कम हो।
- **लवणीय क्षारीय मृदाएँ**—25ºc ताप पर किसी मृदा की ई. सी. 4 मिली म्होज/सेमी से अधिक हो और विनिमेय सोडियम भी 15% से अधिक पाया जाए और pH भी 85 से अधिक हो।
- **लवणीय जल**—जिस जल में कुल विलेय लवणों की साधारण मात्राएँ विद्यमान हों।
- **लवणता**—किसी जल में लवणों सामान्यतया सोडियम क्लोराइड का पूर्ण सांद्रण।
- **लवणीकरण**—मृदा में घुलनशील लवणों के एकत्रित होने की प्रक्रिया।
- **लवण**— एक क्षार एवं एक अम्ल के बीच अभिक्रिया से प्राप्त उत्पाद।
- **संतृप्त निष्कर्ष**—एक भूमि से निष्कर्षित घोल जो उसकी संतृप्त प्रतिशतता पर हो।
- **सवाना**—एक प्रकार का शुष्क निचला मैदान कुछ ऊँचाई की घास कहीं—कहीं पैचेज में हो, जो रेगिस्तान एवं वर्षा बनों के मध्य हो। अफ्रीका का 2/5 भाग, भारत का बड़ा क्षेत्र, दक्षिणी अमेरिका एवं आस्ट्रेलिया में सवाना है।
- **बीज**—बीज, एक निषेचित/परिपक्व बीजाणु, आवरणयुक्त भ्रूण संचित भोज्य एवं बीज आवरण से सुरक्षित, जो जीवित हो एवं अंकुरण क्षमता वाला हो कहलाता है।
- **बीज अधिनियम**—बीज अधिनियम—भारतीय बीज अधिनियम 1966 को सम्बोधित करता है ताकि बीज की गुणवत्ता को बिक्री हेतु नियमित किया जा सके।
- **बीज पंखा**—एक यंत्र जो भारी वजन पदार्थ के पृथक करने हेतु प्रयोग हो जेसे—चारा/भूसा/घासों को भारी बीजों से।
- **बीज जनित**—बीज द्वारा ले जाया गया।
- **बीज प्रमाणीकरण**—बीज प्रमाणीकरण एक वैधानिक स्वीकृति तरीका है जो बीज गुणांक एवं उत्पादन की गुणवत्ता नियंत्रण के लिए होता है।
- **बीज कवच**—एक बीज का सबसे बाहरी घेरा।
- **बीज संक्रामक दोष मुक्त**—फंगस—बीजाणुओं उन्मूलन जो बीज कवच में अथवा अधिक गहराई पर ऊतकों में स्थापित हो चुके हों।
- **बीज संक्रमण मुक्त**—बीज के सतही पैदा जीवों को नष्ट करना, जो बीज की सतह को खराब कर चुके हैं, लेकिन बीज अन्दर सुरक्षित है।
- **पौध**—एक भ्रूण या छोटा पौधा जबसे वह बीज से उगता है तब से वह स्वयं भोजन निर्माण न करे, तब तक की अवधि—पौध होती है, जिसमें एपीकोटाइल 1 या 2 बीजपत्र, हाइपोकोटाइल एवं जड़ होती है।
- **बीज सुषुप्तावस्था—एक बीज की आराम अवधि की अवस्था** जिसमें वह अंकुरित नहीं होता।

- **बीज जनक**—किसी संकर बीज खेत में एक विभेद जिससे बीज लिया जाए।
- **बीज सुरक्षा**—भूमि में जीवाणुओं से बीज एवं नई पौध को बचाना जिनके कारण अंकुरण से पूर्व बीज खराब हो जाते हैं।
- **बीज तकनीकी**—बीज उत्पादन, बीज प्रोसेसिंग, बीज भण्डारण बीज परीक्षण एवं प्रमाणीकरण, बीज मार्केटिंग एवं वितरण और इनसे सम्बन्धित मदों पर अनुसंधान।
- **बीज परीक्षण**—बीज की गुणवत्ता जानने के लिए, बीज की शुद्धता नमी अंश एवं अंकुरण प्रतिशत आदि का परीक्षण।
- **मृदा उर्वरता**—पौधों के समुचित विकास के लिए भूमि द्वारा पौधों के खाद्य तत्वों की पर्याप्त एवं संतुलित मात्रा में प्रदान करने की स्वाभाविक क्षमता।
- **मृदा pH**—एक मृदा की हाईड्रोजन–आयन की सक्रियता के व्युत्क्रम के लघुगुणक को मृदा पी–एच कहते हैं।
- **मृदा उत्पादकता**—मृदा की फसल पैदा करने की योग्यता जिसके लिए भूमि उर्वर होना जरूरी है जैसे कपास की काली मृदाएँ जो मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र में हैं।
- **मृदा परीक्षण**—मृदा का रसायन परीक्षण जो तीव्र एवं कम खर्च तथा समय में, प्रचलित विधि की तुलना में, किया जा सके, जिसमें दोनों ही त्वरित विश्लेषण–खेत एवं मृदा में पाए जाते हैं।
- **सीधे उर्वरक**—ऐसे उर्वरक केवल एक ही पादप तत्व रखते हैं जैसे–अमो. नाइट्रेट, यूरिया, सुपर फॉस्फेट, म्यूरेट ऑफ पोटाश आदि।
- **जीवन निर्वाह कृषि**—खेत की वह व्यवस्था, जिसमें लोग मुख्यरूप से अपने स्वयं के लिए फसल उत्पादन करें न कि फालतू बाजार में बेचने के लिए।
- **शर्करा फसलें**—जो फसलें अपने तनों या जड़ों में शर्करा का संग्रह कर लें जो सुखाने एवं संसाधन क्रिया पर खाने योग्य चीनी प्रदान करें जैसे–गन्ना, चुकन्दर।
- **दलदल**—नमभूमि का एक प्रकार जहाँ पानी भरा रहे एवं जल स्तर ऊँचा हो, पौधे हमेशा पानी में उगते हैं।
- **टैगमेन**—बीज में बीजावरण के अन्दर वाली पर्त सफेद तथा बारीक झिल्ली जैसी।
- **टेन्सियो मीटर**—यह मृदा नमी तनाव को मापने का यंत्र होता है।
- **सीढ़ीदार खेती**—खेती की एक विधि जिसे पहाड़ी क्षेत्रों में अधिक ढालू भूमियों पर ढलान को सीढ़ियों में बदलकर अधिकांशतः उत्तराखण्ड, असम, हिमालय के पहाड़ी ढ़ालों पर खेती करना।
- **बीज चोल**—बीजावरण की बाहरी वाली मोटी पर्त एवं भूरे रंग की को बीज चोल कहते हैं।
- **टिलर**—भूमि की जुताई का यंत्र।
- **गैर तकनीकी मजदूर**—वह मजदूर जो किसी कार्य में दक्ष न हो।
- **अदक्ष मजदूर**—वे साधारण मजदूर जो किसी फार्म पर सिंचाई देने, उर्वरक बखेरने निकाई करने, मेंड बनाने आदि के कार्यों में प्रयुक्त होते हैं।
- **यूरिया**—एक अकेला कार्बनिक उर्वरक जिसमें 46% नत्रजन एवं 0.2 – 0.5% बायूरेट होता है।
- **वेल्ड**—एक खुला शुष्क घास क्षेत्र जो दक्षिण अफ्रीका के उच्च पठारीय भागों में पाया जाता है।
- **केंचुआ खाद**—**केंचुओं** की मदद से जीवांश पदार्थो/फसल अवशेषों, पशुओं के मल मूत्र, सीवेज तथा घर की रसोई के व्यर्थ के पदार्थो को सड़ी एवं उर्वर खाद मे बदलना।
- **केंचुआ पालन**—भूमि में केंचुओं को पालना ताकि वर्मी कम्पोस्ट तैयार की जा सके और भूमि उर्वर बनें।
- **जीवित बीज**—सामान्य दशा में ऐसे बीज अथवा परागण जो जमने की क्षमता रखते हों।
- **ओज**—यह बीज के सभी योग कारकों का जोड़ है जो खेत में शीघ्र एवं एकसार आधार प्रदान करते हैं।
- **ग्राम्य सर्वेक्षण**—गाँवों से सम्बन्धित बातों का पता लगाना।
- **ग्राम्य विकास अधिकारी**—ग्राम्य स्तर पर कृषि का एक अधिकारी (पूर्व नाम VLW - ग्रामस्तरीय कार्यकर्त्ता)।
- **मजदूरी**—श्रम का वह मूल्य जो श्रमिकों को कार्य करने के बदले प्राप्त होता है।
- **गाँव**—ग्रामीण क्षेत्र में बसे (मानव) प्रखण्ड जहाँ के निवासियों में समानता, भाईचारा सामुदायिकता, शान्ति एवं प्रदूषण रहित वातावरण है।
- **बंजर भूमि**—कृषि अयोग्य भूमि एवं न ही उसका उपयोग वनस्पति उत्पन्न करने के लिए हो।
- **जल चक्र**—एक प्रक्रिया जिससे जल समुद्र को छोड़ता है और उसी को लौटाकर दे देता है।
- **जलमग्न**—भूमि की वह अवस्था जिसमें पानी भरा हो, जो पौधों एवं लाभदायक भूमि के सूक्ष्म पौधे के लिए हानिकारक हो।
- **जल प्रदूषण**—अशुद्धियों का अथवा अनैच्छिक पदार्थो का पानी में संग्रह जो जल धारा एवं नदियों के जल को प्रदूषित करें। अधिक जल प्रदूषण से मछलियाँ मर जाती हैं।
- **जल विभव**—शुद्ध जल का जल विभव शून्य होता है। यदि जल में कोई घोलक मिलादें, तब वह शून्य से कम हो जाता है।
- **भूमि जल स्तर**—भूमिगत पानी की ऊपरी सतह, वह बिन्दु पथ भूमि जल में, जिस पर हाइड्रोलिक दबाव वातावरणीय दबाव के बराबर हो।
- **खरपतवार**—पौधे की वे प्रजातियाँ जो बगैर इच्छा के उगे अथवा उपयोगी न हों, अधिकतर प्रचुर एवं दीर्घस्थायी कृषि कार्यो में इनसे बाधा पड़े, श्रम लागत बढ़ाएँ और फसल उपज घटाएँ।
- **खरपतवार उन्मूलन**—किसी क्षेत्र से सभी जीवित पौधों या पौधों के भागों जिसमें खरपतवारों के बीज भी सम्मिलित हैं को पूर्णरूप से हटाना।
- **नमभूमि खेती पद्धति**—धान मुर्गी एवं मत्स्य पालन खेती पद्धति में धान लेने की कला अर्थात प्रचलित 'धानधान कपास/मक्का/चना फसल पद्धति में मुर्गी एवं मत्स्य पालन को मिलाकर खेती करना जैसे–ओडिशा में।
- **जेरिक**—पौधों को पनपने के लिए उपलब्ध नमी की अल्प मात्रा।
- **जायद फसलें**—वे फसलें जो ग्रीष्म काल में पैदा की जाती हैं जिनकी सामान्यतः बुवाई मार्च/अप्रैल में और कटाई जून–जुलाई में हो।
- **जिंक**—पौधे का एक आवश्यक एवं सूक्ष्म तत्व जो प्रोटीन एवं न्यूक्लिक अम्ल के संश्लेषण के लिए महत्वपूर्ण है।

15. उत्तर प्रदेश : एक दृष्टि में

- प्रदेश का पूर्व नाम —**संयुक्त प्रान्त (यूनाइटेड प्रॉविन्स)**
- राज्य की स्थापना —**1 नवम्बर, 1956**

> **YUKTI ज्ञान**—*भारत सरकार अधिनियम, 1935 में उत्तर प्रदेश का नाम 'यूनाइटेड प्रोविंस था'। उत्तर प्रदेश के रूप में इसका नामकरण 24 जनवरी, 1950 को किया गया था। राज्य की इस पहचान और स्वाभिमान के लिए इस तिथि को उत्तर प्रदेश दिवस के रूप में मनाने का फैसला उत्तर प्रदेश सरकार ने मई 2017 में लिया है।*

- सीमावर्ती राज्य एवं देश —**उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखण्ड और नेपाल**
- राजधानी —**लखनऊ**
- स्थिति —**भारत के उत्तर में 23° – 52' उत्तरी अक्षांश से 30° – 28' उत्तरी अक्षांश तथा 77° – 3' पूर्वी देशान्तर से 84° – 39' पूर्वी देशान्तर तक**
- आकार —**लम्बवत्**
- क्षेत्रफल —**2,40,928 वर्ग किमी**
- पूर्व से पश्चिम की लम्बाई —**650 किमी**
- दक्षिण से उत्तर की चौड़ाई —**240 किमी**
- उच्च न्यायालय —**इलाहाबाद (खण्डपीठ—लखनऊ)**
- भाषा —**हिन्दी (द्वितीय राजभाषा उर्दू)**
- विधानमण्डल —**द्विसदनात्मक**
- विधानसभा सदस्यों की संख्या —**403 + 1 (एंग्लो इंडियन) = 404**
- विधान परिषद सदस्यों की संख्या —**99 + 1 (एंग्लो इंडियन) = 100**
- लोकसभा सदस्यों की संख्या —**80**
- राज्यसभा सदस्यों की संख्या —**31**
- राजकीय चिन्ह —**मछली**
- राजकीय पुष्प —**पलाश**
- राजकीय वृक्ष —**अशोक**
- राजकीय पक्षी —**सारस अथवा क्रौंच**
- राजकीय पशु —**बारहसिंगा**
- राजकीय खेल —**हॉकी**
- प्रथम मुख्यमंत्री —**गोविन्द बल्लभ पंत**
- प्रथम राज्यपाल —**सरोजिनी नायडू**

मण्डल – 18

- आगरा, इलाहाबाद, बरेली, फैजाबाद, गोरखपुर, झाँसी, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी, मुरादाबाद, कानपुर, आजमगढ़, सहारनपुर, मिर्जापुर, बस्ती, चित्रकूटधाम, श्रीदेवीपाटन व अलीगढ़।

नगर निगम – 16

- कानपुर, लखनऊ, आगरा, वाराणसी, इलाहाबाद, मेरठ, गाजियाबाद, बरेली, गोरखपुर, झाँसी, फिरोजाबाद, अलीगढ़, मुरादाबाद, सहारनपुर, मथुरा, अयोध्या।

जिले – 75

जिला	मुख्यालय	जिला	मुख्यालय
आगरा	आगरा	मेरठ	मेरठ
अलीगढ़	अलीगढ़	मिर्जापुर	मिर्जापुर
इलाहाबाद	इलाहाबाद	संत रविदास नगर	भदोही
आजमगढ़	आजमगढ़	मुरादाबाद	मुरादाबाद
बहराइच	बहराइच	मुजफ्फरनगर	मुजफ्फरनगर
बलिया	बलिया	पीलीभीत	पीलीभीत
बांदा	बांदा	प्रतापगढ़	प्रतापगढ़
बाराबंकी	बाराबंकी	रायबरेली	रायबरेली
बरेली	बरेली	रामपुर	रामपुर
बिजनौर	बिजनौर	चित्रकूट	चित्रकूट
बदायूँ	बदायूँ	शाहजहाँपुर	शाहजहाँपुर
बुलंदशहर	बुलंदशहर	सीतापुर	सीतापुर
देवरिया	देवरिया	सुल्तानपुर	सुल्तानपुर
कुशीनगर	पडरौना	उन्नाव	उन्नाव
एटा	एटा	सिद्धार्थनगर	नवगढ़
इटावा	इटावा	फिरोजाबाद	फिरोजाबाद
फैजाबाद	फैजाबाद	सोनभद्र	राबर्ट्सगंज
अम्बेडकर नगर	अकबरपुर	महाराजगंज	महाराजगंज
फर्रुखाबाद	फतेहगढ़	हाथरस	हाथरस
फतेहपुर	फतेहपुर	मऊ	मऊ
गाजीपुर	गाजीपुर	कौशाम्बी	मंझनपुर
गाजियाबाद	गाजियाबाद	सहारनपुर	सहारनपुर
गोंडा	गोंडा	गौतमबुद्ध नगर	नोएडा
गोरखपुर	गोरखपुर	अमरोहा	अमरोहा
हमीरपुर	हमीरपुर	चंदौली	चंदौली
हरदोई	हरदोई	बलरामपुर	बलरामपुर
जालौन	उरई	श्रावस्ती	श्रावस्ती
झांसी	झांसी	कन्नौज	कन्नौज
कानपुर (देहात)	अकबरपुर	औरैया	औरैया
लखीमपुर खीरी	खीरी	संत कबीर नगर	खलीलाबाद
ललितपुर	ललितपुर	कासगंज	कासगंज

जिला	मुख्यालय	जिला	मुख्यालय
लखनऊ	लखनऊ	अमेठी	गौरीगंज
मैनपुरी	मैनपुरी	शामली	शामली
महोबा	महोबा	हापुड़	हापुड़
मथुरा	मथुरा	संभल	संभल

उपनाम वाले शहर

उपनाम	शहर
संगम नगरी, कुम्भनगरी	इलाहाबाद
गोरख धाम	गोरखपुर
भारत का मानचेस्टर	कानपुर
रामजन्मभूमि	अयोध्या
कैंची नगर	मेरठ
इत्रनगरी	कन्नौज
नवाबों का शहर	लखनऊ, रामपुर
ताजनगरी, पेठानगरी	आगरा
सुहाग नगरी, चूड़ी नगरी	फिरोजाबाद
कृष्ण नगरी	मथुरा
ताला नगरी	अलीगढ़
बागों का नगर	लखनऊ
पीतल नगरी, बर्तनों का शहर	मुरादाबाद
विश्वनाथ नगरी, घाटों का नगर	वाराणसी
आमों का नगर	मलीहाबाद (लखनऊ)
सुरमा नगरी	बरेली

उत्तर प्रदेश जनसंख्या

- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश की जनसंख्या है **—19,98,12,341 व्यक्ति**
- 2011 के अनुसार राज्य में पुरुष व महिलाओं की संख्या है **—क्रमशः 10,44,80,510 व 9,53,31,831**
- उत्तर प्रदेश की दशकीय (2001-11) जनसंख्या वृद्धि दर है **—20.2%**
- 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में जनसंख्या का घनत्व क्या है? **—829 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी**
- उत्तर प्रदेश में प्रति 1000 पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या क्या है? **—912 महिलाएं प्रति हजार पुरुष**
- 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश की साक्षरता का प्रतिशत क्या है? **—67.7%**
- उत्तर प्रदेश में पुरुष व महिलाओं की साक्षरता प्रतिशत है **—क्रमशः 77.3% व 57.2%**
- 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत है **—22.3%**
- 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले कितने नगर हैं? **—7**
- जनगणना 2011 के अनुसार सर्वाधिक साक्षरता वाला जिला है **—गौतमबुद्ध नगर**
- 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक अनुसूचित जाति जनसंख्या वाला जिला है **—सीतापुर**

> YUKTI ***ज्ञान***—*जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है। देश की कुल जनसंख्या का 16.51% है।*

- जनगणना 2011 के अनुसार सबसे कम जनसंख्या वाला जिला है—**महोबा**
- 2011 के अनुसार उत्तर प्रदेश में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत है **—77.7%**

भौगोलिक विशेषताएँ

- **प्रमुख नदियाँ**—गंगा, यमुना, रामगंगा, राप्ती (अचिरावती), गोमती, घाघरा (सरयू), बेतवा और केन
- **मौसम**

ग्रीष्म	वर्षा	शीत
मार्च से जून तक	मध्य जून से सितम्बर तक	अक्टूबर से फरवरी तक

- **प्रमुख फसलें**—धान, गेहूँ, जौ ज्वार, बाजरा, मक्का, उर्द, मूँग, अरहर, चना, गन्ना आदि।
- **प्रमुख फल**—आम, अमरूद।
- **प्रमुख खनिज**—चूना, पत्थर, डोलोमाइट, सिलिका सैण्ड, पाइरोफिलाइट, डायस्पोर, बॉक्साइट तथा राक फास्फेट।
- **प्रमुख उद्योग**—सीमेण्ट, वनस्पति, तेल, सूती कपड़ा, सूची धागा, चूड़ी व काँच उद्योग, चीनी, जूट एवं कालीन।
- **प्रमुख हस्तशिल्प**—चिकन का काम, जरी का काम, लकड़ी के खिलौने व फर्नीचर, मिट्टी के खिलौने, कालीन, सिल्क तथा पीतल का काम।
- **प्रमुख पर्यटन एवं ऐतिहासिक स्थल**—पिपरहवा, कौशाम्बी, श्रावती, सारनाथ (वाराणसी), कुशीनगर, चित्रकूट, लखनऊ, आगरा, झाँसी, मेरठ आदि।
- **प्रमुख धार्मिक तीर्थस्थल**—काशी, प्रयाग, अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य, शक्तिपीठ, विन्ध्यवासिनी देवी मंदिर, देवीपाटन, देवाशरीफ, हस्तिनापुर, चित्रकूट, शाहजहाँपुर, हनुमतधाम आदि।
- **प्रमुख लोकगीत**—बिरहा, चैती, कजरी, फाग, रसिया, आल्हा, पूरन भगत, भर्तृहरि।
- **प्रमुख लोकनृत्य**—चरकुला, करमा, पंडव, पाइडण्डा, चारू, धोबिया, राई और शैरा आदि।

जनसंख्या (2011 की जनगणना के अनुसार)

• सकल जनसंख्या	199,812,341
• जनसंख्या का घनत्व	829 प्रति वर्ग किमी.
महिलाएँ	95,331,831
पुरुष	104,480,510
• स्त्री–पुरुष अनुपात	912 : 1000
ग्रामीण	15.53 करोड़
नगरीय	4.45 करोड़
• दशकीय वृद्धि	20.23 प्रतिशत

प्रशासनिक इकाइयाँ

- तहसील 350
- नगर एवं नगर समूह 915
- सामुदायिक विकास खण्ड 821
- वर्तमान में 821 विकासखण्ड संचालित हैं। तथा 30 विकास खण्ड नये घोषित किये गये हैं।
- न्याय पंचायतें 8,135
- ग्राम पंचायत 59,019
- आबाद ग्राम 97,814
- कुल ग्राम 106,774
- नगर पंचायत 423
- नगर निगम 16
- नगर पालिका परिषद 193

साक्षरता

- सकल 67.7%
- पुरुष 77.3%
- स्त्री 57.2%
- ग्रामीण 65.5%
- नगरीय 75.1%

कर्मकार (कुल जनसंख्या का प्रतिशत)

- कुल मुख्य कर्मकार 22.34%
- कृषक 7.80%
- घरेलू उद्योग में लगे कर्मकार 1.21%

राज्य आय (2015-16)

- कुल आय (संशोधित त्वरित अनुमान प्रचलित भावों पर) – 9,91,836.44 करोड़ रुपये
- प्रति व्यक्ति आय (संशोधित त्वरित अनुमान प्रचति भावों पर) –46,299 रुपये
- औद्योगिक स्रोतानुसार राज्य का आय का प्रतिशत अंश (प्रचलित भावों पर)
- प्राथमिक खण्ड 2015 - 16 27.6%
- माध्यमिक खण्ड 2016 - 16 23.7%
- तृतीयक खण्ड 2015 - 16 48.7%

वानिकी

- **वनों के प्रकार**—तराई के नम क्षेत्र वाले वन, विन्ध्य के शुष्क जलवायु के वन, बीहड़ व भाभर वन सामाजिक तथा पंचायती वन
- वन्य जीव बिहार 24
- राष्ट्रीय उद्यान 1
- प्राणि उद्यान 2
- प्रमुख वन्य जीव : बाघ, जंगली हाथी, गैंडा, बारहसिंगा, हिरन, सुइस (डाल्फिन), घड़ियाल, अजगर एवं 650 प्रजातियों के पक्षी।
- कुल वृक्षावरण एवं वनावरण 21,833 वर्ग किमी.

कृषि (2014-15)

- शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल 16,598 हजार हेक्टेयर
- कुल बोया गया क्षेत्रफल 26,147 हजार हेक्टेयर

उत्पादन (हजार मी. टन) (2014-15)

- खाद्यान्न 38,927
- दालें 1,184
- तिलहल 671
- गन्ना 1,45,831
- आलू 12,916

2017-18 बजट में राज्य सरकार द्वारा की गई महत्वपूर्ण घोषणाएँ

किसानों और गाँवों के लिए

- लघु एवं सीमान्त किसानों के फसली ऋण अदायगी के लिए 36,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- ग्रामीण क्षेत्रों में बीहड़, बंजर एवं जल भराव वाले क्षेत्रों को सुधारने तथा कृषि मजदूरों को आवंटित भूमि का उपचार एवं आजीविका उपलब्ध कराने के लिए 'पं. दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि' के लिए 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- फसलों की उपज बढ़ाने हेतु वर्मी कम्पोस्ट की उपलब्धता बढ़ाये जाने की योजना के लिए 19 करोड़ 56 लाख रुपये की व्यवस्था।
- अतिदोहित, क्रिटिकल तथा सेमी क्रिटिकल विकास खण्डों में सिंचाई हेतु 'स्प्रिंकलर' के लिए 10 करोड़ 41 लाख रुपये की व्यवस्था।
- वैकल्पिक ऊर्जा प्रबन्धन के अन्तर्गत सोलर फोटोवोल्टेइक इर्रीगेशन पम्प की स्थापना योजना हेतु 125 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- गन्ना किसानों की उपज को बाजार तक सुगमता से पहुँचाने के लिए सम्पर्क मार्गों के निर्माण हेतु 200 करोड़ रुपये तथा अनुरक्षण के लिए 250 रुपये की व्यवस्था।
- कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, फैजाबाद, मेरठ, बांदा एवं इलाहाबाद में फसलों पर अनुसंधान हेतु सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- प्रदेश की बंद सहकारी चीनी मिल पिपराईच के स्थान पर 3 हजार 500 'टन ऑफ केन पर डे' (टीसीडी) क्षमता की नयी चीनी मिल, जिसे 5 हजार टीसीडी तक विस्तारित किया जा सकेगा एवं को–जनरेशन प्लाण्ट की स्थापना हेतु 273 करोड़ 75 लाख रुपये की व्यवस्था।
- प्रदेश की बन्द सहकारी चीनी मिल मुंडेरवा के स्थान पर 5 हजार (टीसीडी) क्षमता की नयी चीनी मिल, जिसे 7 हजार 500 टीसीडी तक विस्तारित किया जा सकेगा एवं को–जनरेशन प्लाण्ट की स्थापना हेतु 270 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- निर्माणाधीन सहकारी चीनी मिल सठियाँव को इस वर्ष पूर्ण किये जाने हेतु 33 करोड़ 33 लाख रुपये की व्यवस्था।
- सहकारी चीनी मिल रमाला की पेराई क्षमता 2 हजार 750 (टीसीडी) को बढ़ाकर 5 हजार टीसीडी किये जाने हेतु 84 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था।

- लघु एवं सीमांत किसानों की आय बढ़ाने हेतु संकर शाकभाजी उत्पादन एवं प्रबन्धन के लिए 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था।

अवस्थापना विकास

- प्रदेश में मेट्रो रेल परियोजनाओं हेतु 288 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था।
- मार्गों के चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण हेतु 598 करोड़ 65 लाख रुपये की व्यवस्था।
- ग्रामों को पक्के सम्पर्क मार्गों से जोड़ने तथा लघु सेतुओं हेतु 451 करोड़ 58 लाख रुपये की व्यवस्था।
- जिला मुख्यालयों को 4 लेन मार्गों से जोड़ने हेतु 71 करोड़ 21 लाख रुपये की व्यवस्था।
- सड़कों के अनुरक्षण एवं गड्ढामुक्त किये जाने हेतु 3 हजार 972 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- 'उत्तर प्रदेश राज्य सड़क विकास निगम' की स्थापना हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- पूर्वांचल की विशेष योजना हेतु 300 करोड़ रुपये तथा बुन्देलखण्ड की विशेष योजनाओं हेतु 200 करोड़ रुपये की नई योजनाएँ प्रस्तावित हैं।
- पं. दीनदयाल उपाधय नगर विकास योजना हेतु 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- 'मुख्यमंत्री' नगरीय अल्प विकसित व मलिन बस्ती विकास योजना' हेतु 385 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- 'प्रधानमंत्री नगरीय अल्प विकसित व मलिन बस्ती विकास योजना' हेतु 385 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत सबके लिए आवास (शहरी मिशन) हेतु 3,000 करोड़ रुपये के कार्य प्रस्तावित हैं।
- दीनदयाल अन्त्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन हेतु 218 करोड़ 75 लाख रुपये की व्यवस्था।
- पं. दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना हेतु 30 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था।
- चिह्नित स्थलों पर हवाई पट्टियों के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण तथा भूमि अर्जन हेतु 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- 'कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना' के अन्तर्गत कांजी हाउस/पशु शेल्टर होम्स की स्थापना हेतु 40 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- 'केन्द्रीय मार्ग निधि योजना' के अन्तर्गत मार्गों के निर्माण, चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण हेतु 8 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- नेपाल की सीमा से जुड़े प्रदेश के 07 जनपदों में निर्मित किए जाने वाले मार्गों हेतु 251 करोड़ 67 लाख रुपये की व्यवस्था।
- विश्व बैंक की सहायता से प्रस्तावित 'उत्तर प्रदेश कोर नेटवर्क परियोजना' के अन्तर्गत मार्ग निर्माण कार्यों हेतु 253 करोड़ रुपये तथा एशियन डेवलमेण्ट बैंक की सहायता से मार्ग निर्माण हेतु 202 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- प्रदेश के विभिन्न श्रेणी के मार्गों पर सेतुओं, रेल उपरिगामी तथा अधोगामी सेतुओं के निर्माण हेतु 185 करोड़ 69 लाख रुपये की व्यवस्था।

उद्योग एवं रोजगार

- 'औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति, 2017' के क्रियान्वयन हेतु 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन हेतु ''विशेष निवेश बोर्ड'' की स्थापना हेतु 5 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- लखनऊ में इन्क्यूबेटर्स की स्थापना हेतु 5 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- ''विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना'' हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था।

छात्र-छात्राओं के लिए

- बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के निःशुल्क स्कूल बैग आवंटन हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- बेसिक शिक्षा परिषद् के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को एक जोड़ी जूता, दो जोड़ी मोजा तथा एक स्वेटर उपलब्ध कराये जाने हेतु 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- बेसिक शिक्षा परिषद् के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क यूनीफॉर्म एवं किताबें उपलब्ध कराये जाने हेतु 123 करोड़ 96 लाख रुपये की व्यवस्था।
- सभी लड़कियों को 'अहिल्याबाई निःशुल्क शिक्षा योजना' के तहत ग्रेजुएट स्तर तक निःशुल्क शिक्षा हेतु 21 करोड़ 12 लाख रुपये की व्यवस्था।

दुर्बल वर्ग के लिए

- 'मुख्यमंत्री' किसान एवं सर्वहित बीमा योजना' के अन्तर्गत 692 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- 'आम आदमी बीमा योजना' हेतु 85 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- एस. सी., एस. टी., ओ. बी. सी. तथा अल्पसंख्यक समुदाय के निर्धन अभिभावकों की पुत्रियों के सामूहिक विवाह के लिए 250 करोड़ रुपये की व्यवस्था।

हमारी सांस्कृतिक विरासत

- 'स्वदेश दर्शन योजना' के तहत अयोध्या, वाराणसी एवं मथुरा में रामायण सर्किट, बौद्ध सर्किट एवं कृष्ण सर्किट की योजनाओं के लिए 1,240 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- 'प्रासाद योजना' के तहत अयोध्या, वाराणसी एवं मथुरा शहरों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु 800 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- वाराणसी में सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु हेलीकॉप्टर सेवा के संचालन के लिए 25 करोड़ रुपये। गोरखपुर स्थित रामगढ़ ताल में वॉटर स्पोर्ट्स के विकास हेतु 25 करोड़ रुपये। विन्ध्याचल के पर्यटन विकास हेतु 10 करोड़ रुपये। मथुरा में नगला-चन्द्रभान के निर्माण पर्यटन विकास हेतु 5 करोड़ रुपये तथा रामायण कॉन्क्लेव के आयोजन हेतु 3 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- गाजियाबाद में कैलाश मानसरोवर भवन के निर्माण हेतु 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- इलाहाबाद के अर्द्धकुम्भ मेला की तैयारी हेतु 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था।

कृषि

- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु 450 करोड़ रुपये की व्यवस्था।

- खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 567 लाख एवं तिलहन उत्पादन का लक्ष्य 11 लाख मीट्रिक टन रखा गया है।
- 56 लाख कुन्तल बीज वितरण का लक्ष्य, जिसमें खरीफ की फसलों हेतु 11 लाख कुन्तल एवं रबी की फसलों हेतु 45 लाख कुन्तल का वितरण किये जाने का लक्ष्य है।
- 'राष्ट्रीय कृषि विकास योजना' के तहत मृदा में जीवांश कार्बन बढ़ाने हेतु वर्मी कम्पोस्ट यूनिट की स्थापना के लिए 19 करोड़ 56 लाख रुपये की व्यवस्था। इसके अलावा मृदा सर्वेक्षण एवं परीक्षण कार्यक्रम हेतु 261 करोड़ 66 लाख रुपये की व्यवस्था।
- 88 लाख 82 हजार मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य।
- 'सब–मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन' के तहत लघु एवं सीमान्त कृषकों को किराये एवं अनुदान पर कृषि यंत्र क्रय हेतु 300 कस्टम हायरिंग केन्द्र तथा 582 फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है।
- 'राष्ट्रीय कृषि विकास योजना' के तहत में 968 करोड़ 57 लाख रुपये का बजट प्रावधान।
- 'नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर योजना' के तहत परम्परागत कृषि विकास योजना द्वारा जैविक खेती का कार्यक्रम बुन्देलखण्ड के सभी जनपदों सहित 30 जनदों में क्रियान्वित करने का प्रस्ताव।

कानून व्यवस्था

- पुलिस कर्मियों के आवास के लिए प्रथम चरण में 800 आरक्षियों, मुख्य आरक्षियों, उपनिरीक्षकों एवं निरीक्षकों के लिए श्रेणी–ए एवं बी के 800 यूनिट्स के निर्माण का लक्ष्य।
- इस वर्ष लगभग 33 हजार 200 पुलिसकर्मियों, जिनमें 30 हजार पुलिस कॉंस्टेबल और 3 हजार 200 सब–इंस्पेक्टर की भर्ती की जायेगी। आगामी पाँच वर्षों के अन्दर 1,50,000 पुलिसकर्मियों की भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान

- कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, फैजाबाद, मेरठ, बांदा एवं इलाहाबाद में फसलों पर अनुसंधान हेतु सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- भारत सरकार के सहयोग से 20 जनपदों में 20 नये कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना प्रस्तावित है।

ग्राम्य विकास

- आवास विहीन एवं कच्चे आवासों में निवास करने वाले परिवारों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने हेतु 'प्रधानमंत्री आवास योजना' (ग्रामीण)' हेतु 4 हजार 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अर्बन मिशन योजना' हेतु 213 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- बुन्देलखण्ड, पूर्वांचल एवं विन्ध्य क्षेत्र में सतही जल आधारित ग्रामीण पेयजल योजना हेतु 2 हजार 800 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम हेतु 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- 'विधायक निधि' के योजना के क्रियान्वयन के लिए 762 करोड़ रुपये की व्यवस्था।

पशुपालन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य

- पीसीडीएफ के अन्तर्गत प्रदेश में 10 डेयरी प्लाण्टों की स्थापना तथा 04 डेयरी प्लाण्टों के सुदृढ़ीकरण एवं अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं हेतु 134 करोड़ 10 लाख रुपये की व्यवस्था।
- कानपुर में निर्माणाधीन नवीन ग्रीन फील्ड मिल्क पाउडर प्लाण्ट को पूरा करने के लिए 35 करोड़ 70 लाख रुपये की व्यवस्था
- दुग्ध संघों को सुदृढ़ तथा पुनर्जीवित किए जाने के लिए 57 करोड़ 25 लाख रुपये की व्यवस्था।
- गौशालाओं में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए गौ सेवा आयोग को अनुदान हेतु 15 करोड़ 16 लाख रुपये की व्यवस्था।
- सक्रिय मत्स्य पालकों के आवास विहीन 666 परिवारों को एक लाख 20 हजार रुपये प्रति आवास की दर से निःशुल्क आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

पंचायती राज

- 'स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना' के अन्तर्गत स्वच्छ शौचालयों के निर्माण के लिए 3 हजार 255 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- 'मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन योजना' के लिए 15 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- प्रदेश सरकार द्वारा भारत सरकार के साथ 24 × 7 पॉवर फॉर ऑल हेतु 14 अप्रैल, 2017 को अनुबन्ध हस्ताक्षरित।
- अक्टूबर, 2018 से 24 घण्टे तथा प्रत्येक प्रदेशवासी को वर्ष 2019 तक विद्युत की सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य।
- प्रदेश सरकार द्वारा जल्दी ही नई 'सौर ऊर्जा नीति' लायी जाएगी, जिसमें निजी क्षेत्र का निवेश आमंत्रित किया जाएगा। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक मार्ग प्रकाश की सुविधा हेतु सोलर स्ट्रीट लाइट संयंत्रों की स्थापना के लिए 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- "आगरा पेय जलापूर्ति परियोजना" के अन्तर्गत 130 किमी. लम्बाई पाइप लाइन द्वारा 150 क्यूसेक कच्चा जल लाये जाने हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- प्रदेश के 61 शहरों में "अटल मिशन फॉर रीज्यूवनेशेन एण्ड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (अमृत)" योजना हेतु 2000 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- "स्मार्ट सिटी मिशन" कार्यक्रम हेतु 1 हजार 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था। स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत् प्रदेश के 13 नगरों में आर्थिक विकास और बुनियादी ढाँचा, ई–गवर्नेन्स एण्ड सिटीजन सर्विसेज, वेस्ट मैनेजमेण्ट, वॉटर मैनेजमेण्ट तथा अर्बन मोबिलिटी द्वारा जीवन स्तर को बेहतर बनाये जाने का लक्ष्य।
- "स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) योजना" हेतु 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- शहरों में बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं विकास हेतु 85 करोड़ 74 लाख रुपये की व्यवस्था।
- "राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण"–"नमामि गंगे" के अन्तर्गत 240 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- गंगा, यमुना तथा गोमती के तटों पर स्थित नगरों में नदी प्रदूषण मुक्ति हेतु 15 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- प्रदेश की झीलों तथा तालों के संरक्षण हेतु "झील संरक्षण योजना" हेतु 70 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- "डी. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम नगरीय सौर पुंज योजना" हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था।

- "प्रधानमंत्री आवास योजना–सबके लिये आवास (शहरी) मिशन योजना" के लिये 3,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- "मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना" हेतु 385 करोड़ रुपये की व्यवस्था।

सिंचाई

- "राजकीय नलकूप निर्माण परियोजना" के अन्तर्गत बुन्देलखण्ड क्षेत्र में 110 राजकीय नलकूपों का निर्माण आगामी 2 वर्षों में कराया जायेगा।
- बाढ़ नियंत्रण तथा जल निकासी कार्यों हेतु 647 करोड़ 30 लाख रुपये की व्यवस्था।
- "केन बेतवा नदी जोड़ो परियोजना" पर काम प्राथमिकता से शुरू किया जायेगा।
- ''प्रधानमंत्री कृषि योजना'' के अन्तर्गत "पर ड्राप मोर क्रॉप योजना" हेतु 112 करोड़ 67 लाख रुपये की व्यवस्था।

हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग

- हथकरघा वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में 2.5 हजार रोजगार सृजन का लक्ष्य।

चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं शिक्षा

- प्रदेश में 100 शैय्यायुक्त चिकित्सालयों की स्थापना हेतु 85 करोड़ 50 लाख रुपये की व्यवस्था।
- बरेली, मुरादाबाद तथा देवीपाटन (गोण्डा) में 33 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से 300 शैय्या वाले संयुक्त चिकित्सालय खोले जायेंगे।
- ग्रामीण क्षेत्रों में 50 शैय्यायुक्त चिकित्सालयों की स्थापना हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- शहरी क्षेत्रों में 50 शैय्यायुक्त चिकित्सालयों की स्थापना हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधायें सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण हेतु क्रमशः 49 करोड़ 75 लाख एवं 85 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनरों की असाध्य बीमारी के उपचार हेतु कैशलेस चिकित्सा सुविधा हेतु 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- जिला संयुक्त चिकित्सालयों में विशिष्ट चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु 125 करोड़ रुपये प्रस्तावित।
- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ परिसर के विस्तार हेतु 19 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- 'सर्व शिक्षा अभियान' हेतु 19 हजार 444 करोड़ 35 लाख रुपये की व्यवस्था।
- मध्याह्न भोजन कार्यक्रम हेतु 2 हजार 54 करोड़ 74 लाख रुपये की व्यवस्था।
- "राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान" हेतु 551 करोड़ 93 लाख रुपये की व्यवस्था।
- राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में "राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान" के अन्तर्गत आधारभूत सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु 191 करोड़ 27 लाख रुपये की व्यवस्था।
- 166 पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल विद्यालयों के संचालन हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- प्रदेश के सभी कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में मुफ्त वाई–फाई सुविधा हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- राजकीय महाविद्यालयों के निर्माणाधीन भवनों को पूर्ण किये जाने हेतु 15 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- जननायक चन्द्रशेखर राज्य विश्वविद्यालय, बलिया हेतु 5 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- अल्पसंख्यक समुदाय की छात्राओं के शैक्षिक एवं आर्थिक विकास के लिये अल्पसंख्यक सघन आबादी वाले क्षेत्रों की महिला छात्रावास हेतु 18 करोड़ 41 लाख रुपये की व्यवस्था।
- 'मल्टीसेक्टोरल डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेण्ट प्लान' के अन्तर्गत 340 करोड़ 90 लाख रुपये की व्यवस्था।

राजस्व

- प्रदेश में आपदा राहत के लिये "राज्य आपदा मोचक निधि" में 744 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- "तालाब विकास प्राधिकरण" के गठन हेतु 50 लाख रुपये की व्यवस्था।

पिछड़ा वर्ग कल्याण

- पिछड़े वर्ग के गरीब छात्र–छात्राओं के छात्रावास हेतु 52 करोड़ 66 लाख रुपये की व्यवस्था।
- पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक एवं युवतियों को 'ओ' लेवल कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु 11 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- पिछड़े वर्ग के छात्र–छात्राओं की फीस प्रतिपूर्ति हेतु 551 करोड़ 28 लाख रुपये की व्यवस्था।

दिव्यांग कल्याण

- "सुगम्य भारत अभियान योजना" के अन्तर्गत सरकारी कार्यालयों एवं जन उपयोगी भवनों को चिह्नित कर दिव्यांगजन हेतु बाधारहित बनाये जाने के लिये 60 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- दिव्यांग पेंशन की राशि 300 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिमाह करने हेतु 559 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालयों के निर्माण कार्यों हेतु 18 करोड़ 40 लाख रुपये की व्यवस्था।

न्याय

- उच्च न्यायालय, लखनऊ बेंच, लखनऊ के नवीन भवन में अतिरिक्त कार्यों हेतु 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- नवसृजित जनपदों एवं सृजित न्यायालयों में भवन निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- अधीनस्थ न्यायालयों में सोलर पॉवर सिस्टम की स्थापना के लिये 20 करोड़, सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण के लिये 20 करोड़, सी.सी.टी.वी. कैमरों के लिए 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- अधीनस्थ न्यायालयों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु स्वतंत्र फीडर की स्थापना के लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- मध्यस्थों को मानदेय भुगतान हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था।

उत्तर प्रदेश बजट 2018-19

वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए उत्तर प्रदेश का बजट, प्रदेश के वित्तमंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने 16 फरवरी, 2018 को विधानसभा में प्रस्तुत किया। 2018-19 के लिए प्रस्तुत बजट का आकार ₹ 4,28,384.52 करोड़ है, जो 2017-18 के बजट की तुलना में 11.4 प्रतिशत अधिक है।

बजट (2018-19) का हिसाब किताब एक दृष्टि में (करोड़ रुपये)	
(i) 2018-19 के दौरान कुल प्रस्तावित व्यय	4,28,384.52
(ii) समेकित निधि में कुल अनुमानित प्राप्तियाँ	4,20,899.46
(iii) समेकित निधि में घाटा (i-ii)	7,485.06
(iv) लोक लेखा से शुद्ध प्राप्तियाँ	8,100.00
(v) 2018-19 में समस्त लेन–देन आधिक्य (iv-iii)	+614.94
(vi) 2018-19 में प्रारम्भिक अवशेष	+669.29
(vii) 2018-19 में अन्तिम शेष (v + vi)	+1,284.23

वित्तीय वर्ष 2018–19 के लिए बजट अनुमान

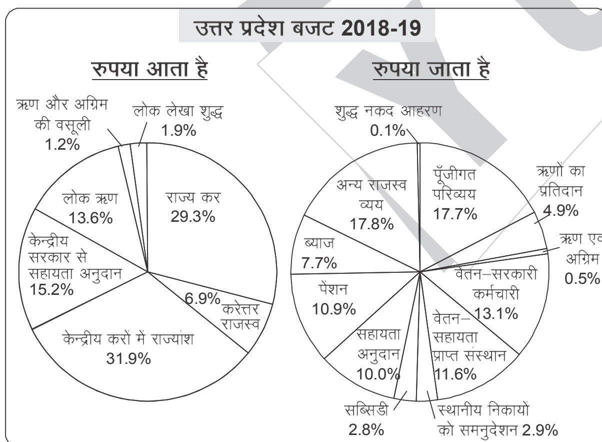
- प्रस्तुत बजट का आकार 4,28,384.52 करोड़ रुपये है, जो वर्ष 2017-18 के बजट के सापेक्ष 11.4 प्रतिशत अधिक है।
- बजट में 14,341.89 करोड़ रुपये की नई योजनाएँ सम्मिलित की गई हैं।

प्राप्तियाँ

- वर्ष 2018-19 में 4,20,899.46 करोड़ रुपये की कुल प्राप्तियाँ अनुमानित हैं।
- कुल प्राप्तियों में 3,48,619.37 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियाँ तथा 72,280.09 करोड़ रुपये की पूंजीगत प्राप्तियाँ शामिल हैं।
- राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का अंश 2,56,248.40 करोड़ रुपये है, जिसमें से स्वयं का कर राजस्व 1,22,700 करोड़ रुपये तथा केन्द्रीय करों में राज्य का अंश 1,33,548.40 करोड़ रुपये सम्मिलित है।

व्यय

- कुल व्यय 4,28,384.52 करोड़ रुपये अनुमानित है।
- कुल व्यय में 3,21,520.27 करोड़ रुपये राजस्व लेखे का व्यय तथा 1,06,864.25 करोड़ रुपये पूंजी लेखे का व्यय है।



राजस्व बचत

- वर्ष 2018-19 में 27,099.10 करोड़ रुपये की राजस्व बचत अनुमानित है।

राजकोषीय घाटा

- वित्तीय वर्ष 2018-19 में 44,053.32 करोड़ रुपये का राजकोषीय घाटा अनुमानित है, जो वर्ष 2018-19 के लिए अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 2.96 प्रतिशत है।
- **समेकित निधि**–समेकित निधि की प्राप्तियों से कुल व्यय घटाने के पश्चात् 7,485.06 करोड़ रुपये का घाटा अनुमानित है।
- राज्य की ऋणग्रस्तता सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 29.8 प्रतिशत अनुमानित है।
- **लोक लेखा**–लोक लेखे से 8,100 करोड़ रुपये की शुद्ध प्राप्तियाँ अनुमानित हैं।
- **समस्त लेन–देन का शुद्ध परिणाम**–वर्ष 2018-19 में समस्त लेन–देन का शुद्ध परिणाम 614.94 करोड़ रुपये अनुमानित है।
- **अंतिम शेष**–वर्ष 2018-19 में प्रारम्भिक शेष 669.29 करोड़ रुपये को हिसाब में लेते हुए अंतिम शेष 1,284.23 करोड़ रुपये होना अनुमानित है।

राज्य सरकार द्वारा की गई महत्वपूर्ण घोषणाएँ

- 24 जनवरी, 2018 को पहली बार 'उत्तर प्रदेश दिवस' धूम–धाम से मनाया गया तथा प्रत्येक वर्ष 24 जनवरी को 'उत्तर प्रदेश दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया।
- **इंटीग्रेटेड ग्रिवांस रिड्रेसल सिस्टम'** पर अब आम जनता जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ–साथ जनपद तहसील, ब्लॉक व थाना स्तरीय अधिकारियों के पास शिकायत सीधे ऑनलाइन दर्ज करा सकेगी।
- उत्तर प्रदेश पूरे भारत में जीएसटी (GST) व्यवस्था के अंतर्गत **सर्वाधिक राजस्व वृद्धि वाला राज्य** बन रहा है।
- पंजीकृत व्यापारियों के लिए **जोखिम जीवन व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना** लागू की गई है।
- वर्ष 2022 तक प्रदेश के किसानों की कृषि आमदनी को दोगुना करना।
- किसान उदय के अंतर्गत 'किसान ऊर्जा दक्ष कृषि पंप आवंटन योजना' का शुभारंभ किया गया।
- ग्रामीण क्षेत्रों में बीहड़, बंजर एवं जलभराव वाले क्षेत्रों को सुधारने, भूमि का उपचार आदि कराने हेतु 'पं. दीन दयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना' प्रारम्भ की गई है।
- कृषकों के हित में 'मुख्यमंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना' के अंतर्गत बीमा का आवरण मृत्यु की स्थिति में अधिकतम 5 लाख रुपये निर्धारित है, जिसका प्रीमियम राज्य सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है।
- बनटांगिया, मुसहर तथा थारू जनजाति आदि वर्गों के बाहुल्य वाले गांवों, जिनका अभी तक सर्वांगीण विकास नहीं हो पाया है, में अवस्थापना एवं लाभार्थीपरक कल्याणकारी योजनाओं के लाभ हेतु **'मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना'** लागू की जा रही है।
- मनरेगा के अंतर्गत ग्राम पंचायतों की आय वृद्धि तथा क्षमता निर्माण हेतु **'मुख्यमंत्री सामुदायिक वानिकी योजना'** लागू की जा रही है।
- कृषकों की भूमि पर फलदार वृक्षों का रोपण कर फलोद्यान के विकास हेतु मुख्यमंत्री फलोद्यान योजना लागू की गई है।
- 250 करोड़ रुपये से स्टार्ट–अप फंड की शुरुआत की गई है।
- नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा यमुना एक्सप्रेस–वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्रों को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग जोन घोषित किया गया है।
- वाराणसी में वैदिक साइंस सेंटर की स्थापना की जा रही है।
- जनपद गौतमबुद्ध नगर के जेवर में अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की स्थापना कराई जा रही है।

कानून व्यवस्था

- राज्य में कानून का राज स्थापित करने, शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा संगठित अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु 'उत्तर प्रदेश कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम (यूपीकोका)' विधेयक विधानसभा में पारित कराया गया है।

विभिन्न मदों/योजनाओं के लिए बजटीय प्रावधान

मद/योजना	प्रावधान (₹ करोड़)
प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)	11,500
प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)	2,217
राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन	1,040
श्यामा प्रसाद रुर्बन मिशन	214
मुख्यमंत्री आवास योजना	200
स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)	5,000
औद्योगिक निवेश नीति (2012)	600
नई औद्योगिक नीति	500
पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे	1,000
लखनऊ एक्सप्रेस–वे	500
एक जनपद एक उत्पाद योजना	250
आम आदमी बीमा योजना	10
प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना	130.60
आपदा प्रबन्धन	777
सड़क निर्माण	11,343
मार्गों का अनुरक्षण	3,324
कुम्भ मेला 2019	1,500
स्मार्ट सिटी मिशन	1,500
सर्व शिक्षा अभियान	18,167
मध्याह्न भोजन योजना	2,048
माध्यमिक शिक्षा अभियान	480
उच्चतर शिक्षा अभियान	167
अहिल्याबाई नि:शुल्क शिक्षा योजना	21
महिला एवं बाल कल्याण	8,815

नगर विकास

- स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अंतर्गत **नगरीय क्षेत्रों को 2 अक्टूबर, 2018 तक** खुले में शौच से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- अटल मिशन फॉर रिजूवनेशन (अमृत) योजना के अंतर्गत प्रदेश के **60 शहर आच्छादित** किए गए हैं।
- मथुरा–वृंदावन तथा अयोध्या–फैजाबाद को नगर निगम बनाया गया।

मेट्रो रेल परियोजनाएँ

- लखनऊ मेट्रो का व्यावसायिक संचालन प्रारम्भ हो चुका है। मेरठ एवं आगरा, वाराणसी, इलाहाबाद, गोरखपुर एवं झाँसी में भी मैट्रो चलाने की योजना पर काम चल रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन

- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष में 7 फरवरी, 2018 तक 31 लाख से अधिक शौचालयों का निर्माण किया जा चुका है।
- शौचालय निर्माण में उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।
- ऊर्जा–वर्ष 2017-18 में माह दिसम्बर, 2017 तक 50 हजार 668 नगरों को विद्युतीकृत किया गया है, जो गत वर्ष की तुलना में दोगुना से भी अधिक है।
- भारत सरकार की **'सौभाग्य योजना'** के अंतर्गत राज्य में लगभग 1.5 करोड़ घरों को मार्च, 2019 तक विद्युत संयोजन दिए जाने का लक्ष्य है।

नई खनन नीति

- अवैध खनन परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण करते हुए खनन प्रक्रिया में सरलीकरण पारदर्शिता एवं राजस्व वृद्धि हेतु **उत्तर प्रदेश खनन नीति, 2017** लागू की गई है।

वन

- इको टूरिज्म की दृष्टि से 38 स्थान चिह्नित किए गए हैं।
- प्रदेश में वनाच्छादन में वृद्धि हेतु बड़े पैमाने पर 6 करोड़ 14 लाख वृक्षारोपण किया गया। इस वर्ष 9 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य रखा गया है।
- **पशुपालन**–लघु एवं सीमांत कृषकों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए संचालित पं. दीनदयाल उपाध्याय लघु डेयरी योजना हेतु लगभग 75 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

ग्राम्य विकास

- **प्रधानमंत्री आवास योजना** ग्रामीण के लिए वर्ष 2018-2019 के बजट में योजना हेतु 11 हजार 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन** के अंतर्गत लगभग 1 हजार 40 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **श्यामा प्रसाद रुर्बन मिशन** हेतु लगभग 214 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वर्ष 2018-19 में **राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम** हेतु 1 हजार 500 करोड़ रुपये और **राज्य ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम** हेतु 120 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मुख्यमंत्री आवास योजना हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **पंचायतीराज**–स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना हेतु वर्ष 2018-2019 में 5 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन योजना** में उत्कृष्ट ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित करने हेतु 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **लघु सिंचाई**–नि:शुल्क बोरिंग योजना हेतु 36 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **औद्योगिक विकास**–औद्योगिक निवेश नीति–2012 हेतु 600 करोड़ रुपये तथा नई औद्योगिक नीति हेतु 500 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **बुंदेलखंड एक्सप्रेस**–वे परियोजना के प्रारम्भिक कार्यों हेतु वर्ष 2018-2019 के बजट में 650 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **पूर्वांचल एक्सप्रेस**–वे के निर्माण हेतु 1 हजार करोड़ रुपये तथा **आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस**–वे के निर्माण हेतु 500 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम**–एक जनपद, एक उत्पाद योजना को क्रियान्वित किए जाने हेतु 250 करोड़ रुपये की व्यवस्था कराया जाना प्रस्तावित है।

- **मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना** हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था कराया जाना प्रस्तावित है।
- **हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग**–उत्तर प्रदेश हैंडलूम, पॉवरलूम, सिल्क टैक्सटाइल्स एंड गारमेंटिंग नीति–2017 हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पॉवरलूम बुनकरों को रियायती दरों पर बिजली उपलब्ध कराए जाने हेतु 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **खादी एवं ग्रामोद्योग**–खादी एवं ग्रामोद्योग विकास तथा सतत स्वरोजगार प्रोत्साहन नीति के क्रियान्वयन हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पं. दीन दयाल ग्रामोद्योग रोजगार योजना के क्रियान्वयन हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पं. दीन दयाल उपाध्याय खादी विपणन विकास सहायता योजना हेतु 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **आई.टी. एवं इलेक्ट्रॉनिक्स**–स्टार्ट–अप फंड की स्थापना की जा रही है, जिसके लिए 250 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य**–प्रथम बार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 595 दंत शल्यकों के पद सृजित किए गए हैं।
- **प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना** के लिए 291 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था कर दी गई है।
- **चिकित्सा शिक्षा**–प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना फेज–3 के अंतर्गत 4 मेडिकल कालेजों यथा–झाँसी, गोरखपुर, इलाहाबाद तथा मेरठ में उच्चीकृत सुपर स्पेशियलिटी विभाग बनाए जा रहे हैं तथा 2 मेडिकल कॉलेजों कानपुर एवं आगरा में सुपर स्पेशियलिटी विभाग बनाए जाने हेतु कुल 126 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।
- प्रदेश के पांच जनपदों फैजाबाद, बस्ती, बहराइच, फिरोजाबाद एवं शाहजहाँपुर के जिला चिकित्सालयों को उच्चीकृत कर राजकीय मेडिकल कालेज के रूप में वित्तीय वर्ष 2018-19 में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है, जिसके लिए 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।
- भारत सरकार की सौभाग्य योजना प्रदेश में क्रियान्वित की जा रही है, जिसके अंतर्गत लगभग डेढ़ करोड़ परिवारों को मार्च, 2019 तक विद्युत संयोजन दिए जाने का लक्ष्य है।
- **नगर विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन**–कुंभ मेला 2019 हेतु बजट में 1 हजार 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- लखनऊ, कानपुर, आगरा, वाराणसी, इलाहाबाद, अलीगढ़, झाँसी मुरादाबाद, बरेली तथा सहारनपुर हेतु स्मार्ट सिटी मिशन योजना के अंतर्गत 1 हजार 650 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रत्येक जनपद में एक नगर पंचायत को विकसित किए जाने के उद्देश्य से **पं. दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना** के लिए 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **कान्हा गौ–शाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना** हेतु बजट में 98 करोड़ 50 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **बेसिक शिक्षा**–सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत 18 हजार 167 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मध्याह्न भोजन योजना हेतु 2 हजार 48 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **माध्यमिक शिक्षा**–प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा के स्तर को सुधारने हेतु माध्यामिक शिक्षा अभियान हेतु 480 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **अहिल्याबाई निःशुल्क शिक्षा योजना** हेतु 21 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **उच्च शिक्षा**–राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान हेतु 167 करोड़ रुपये एवं मॉडल महाविद्यालयों की स्थापना हेतु 37 करोड़ रुपये की व्यवस्था की जा रही है।
- **प्राविधिक शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा**–रूस योजना के अंतर्गत जनपद गोंडा एवं बस्ती में 2 इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना की जा रही है, जिसके लिए 14 करोड़ 52 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **महिला एवं बाल कल्याण**–महिला एवं बाल कल्याण के विभिन्न कार्यक्रमों हेतु लगभग 8 हजार 815 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **किशोरी बालिका सशक्तीकरण योजना** सबला हेतु लगभग 351 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- शबरी संकल्प योजना हेतु 524 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **निराश्रित महिला पेंशन योजना** के अंतर्गत निराश्रित विधवाओं के भरण–पोषण अनुदान हेतु 1 हजार 263 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- गरीबी रेखा से नीचे जीवन–यापन करने वाले सभी वर्गों के परिवारों की पुत्रियों की शादी हेतु मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रारम्भ की गई है, जिसके लिए 250 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी वर्गों के पात्र वृद्धजनों को वृद्धावस्था एवं किसान पेंशन योजना के अंतर्गत 2 हजार 560 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **पिछड़ा वर्ग कल्याण**–पिछड़ा वर्ग कल्याण की योजनाओं हेतु 1 हजार 705 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पिछड़े वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था की जा रही है।
- **अल्पसंख्यक कल्याण**–प्रदेश में अल्पसंख्यकों के विकास एवं कल्याण की योजनाओं के लिए 2 हजार 757 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अरबी–फारसी मदरसों के आधुनिकीकरण की योजना हेतु 404 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।
- स्थायी मान्यता प्राप्त आलिया स्तर के 246 अरबी–फारसी मदरसों को अनुदान हेतु 215 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- इस वर्ष **24 नई स्थायी लोक अदालतों** के गठन के साथ उत्तर प्रदेश, देश का ऐसा पहला राज्य हो गया है, जहाँ पर समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों में स्थायी लोक अदालतें गठित हो गई हैं।
- इलाहाबाद में 395 करोड़ रुपये की लागत से न्याय ग्राम टाउनशिप का निर्माण प्रारम्भ किया गया है।
- वृंदावन एवं बरसाना तीर्थ स्थलों की पौराणिक एवं पर्यटन की महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए जनपद मथुरा की पूर्ववर्ती नगर पालिका परिषद्, वृंदावन एवं नगर पंचायत बरसाना के अधिसूचित क्षेत्र को पवित्र तीर्थ स्थल घोषित किया गया है।
- राज्य में पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने के लिए नई पर्यटन नीति 2018 प्रख्यापित की गई है। इस नीति में रामायण परिपथ, ब्रज कृष्ण परिपथ, बौद्ध परिपथ, आध्यात्मिक परिपथ, सूफी परिपथ, बुंदेलखंड परिपथ एवं जैन परिपथ को परिकल्पित करते हुए आकर्षक अनुदान प्रदान किए गए हैं।
- ब्रज परिक्षेत्र में तीर्थ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ब्रज तीर्थ विकास परिषद् की स्थापना की गई है।
- **संस्कृति**–वाराणसी में स्व. श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के पैतृक आवास को स्मृति संग्रहालय के रूप में विकसित किया गया है।

16. परीक्षा की दृष्टि से 340+ महत्वपूर्ण सम्भावित प्रश्न

16.1 ग्रामीण विकास कार्यक्रम

1. ग्रामीण विकास हेतु केन्द्र से आवंटित की जाने वाली धनराशि सीधे ग्राम प्रधानों के नाम से संचालित खातों में हस्तान्तरित किए जाने की व्यवस्था सर्वप्रथम किस कार्यक्रम में की गई?

(a) जवाहर रोजगार योजना
(b) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम
(c) राष्ट्रीय सामाजिक सहायता योजना
(d) मनरेगा

उत्तर—(a)

2. पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम बना—

(a) 1950 में (b) 1976 में
(c) 1986 में (d) अभी नहीं बना

उत्तर—(c)

3. गाँवों में जल प्रदूषण का कौन-सा स्रोत नहीं है?

(a) भूमि कटाव से
(b) लाउडस्पीकर के द्वारा ध्वनि
(c) पशुओं के जलाशयों में नहाने से
(d) मानव अवशिष्ट एवं वहित मल द्वारा

उत्तर—(b)

4. भूमि प्रदूषण उत्पन्न होता है—

(a) फसलों में रासायनिक दवाओं के अनुचित प्रयोग एवं इनके अपघटित अवशेषों से
(b) उद्योग-धन्धों के ठोस तथा जलीय उपद्रव्यों के भूमि में निकासी से
(c) कूड़ा-करकट, गंदगी, मलमूत्र के अनियंत्रित विसर्जन
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(d)

5. राष्ट्रीय एकता समिति का गठन हुआ था—

(a) 1967 को (b) 1977 को
(c) 1987 को (d) 1997 को

उत्तर—(a)

6. निम्नलिखित में से कौन-सा कार्यक्रम भारत में हरित क्रान्ति कार्यक्रम का आधार बना?

(a) सघन कृषि जनपद कार्यक्रम
(b) सघन कृषि क्षेत्र कार्यक्रम
(c) सीमान्त कृषक एवं भूमिहीन कृषि श्रमिक कार्यक्रम
(d) a तथा b दोनों

उत्तर—(d)

7. निम्नलिखित में से कौन-सा 'हरित क्रान्ति' का घटक नहीं है?

(a) अधिक उपज देने वाली प्रजातियों के बीजों का प्रयोग
(b) उन्नत सिंचाई
(c) रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(d)

8. निम्नलिखित में से ऐसा कौन-सा कार्यक्रम है जिसके पाँच अन्य संघटक कार्यक्रम थे?

(a) जवाहर रोजगार योजना
(b) जवाहर ग्राम समृद्धि योजना
(c) स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना
(d) एकीकृत ग्राम्य विकास कार्यक्रम

उत्तर—(d)

9. भारत में भूदान आन्दोनल किसके द्वारा प्रारम्भ किया गया?

(a) सन्त विनोबा भावे (b) जयप्रकाश नारायण
(c) महात्मा गाँधी (d) श्रीमन्नारायण

उत्तर—(a)

10. गाँवों में रसोईघरों में प्रयुक्त परम्परागत चूल्हे में ईंधन से उत्पन्न ऊष्मा का........(लगभग) भाग बेकार चला जाता है।

(a) 70% (b) 10%
(c) 30% (d) 90%

उत्तर—(a)

11. गाँवों में वायु की दुर्गन्ध को समाप्त करने लिए दिशा जंगल (मानव, मल यानी विष्ठा त्यागने हेतु .....चाहिए।

(a) गाँव से दूर जाना
(b) महात्मा गाँधी के अनुसार पाखाना फिरने के लिए गड्ढा खोदना चाहिए और बाद में उसे ढक देना चाहिए।
(c) उपर्युक्त दोनों से
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

12. गाँवों के कुओं का पानी मनुष्यों के क्रियाकलापों से ही दूषित होता है, अतः रोकने का उपाय करना चाहिए।

(a) कुओं में यदा-कदा लाल दवा (पोटैशियम परमैंगनेट) का प्रयोग
(b) कुओं में गन्दी बाल्टी न डालें
(c) गाँवा के पनघट के चारों तरफ गन्दा नहीं हो
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(d)

13. निम्नलिखित में से कौन-सा कार्यक्रम पहली पंचवर्षीय योजना में प्रारम्भ किया गया?
(a) अधिक अन्न उपजाओ (b) सामुदायिक विकास कार्यक्रम
(c) राष्ट्रीय प्रसार सेवा कार्यक्रम (d) उपर्युक्त सभी
उत्तर—(d)

14. स्वास्थ्य निर्देशन सेवाओं का उद्देश्य है—
(a) उचितभाव विकास (b) अच्छी आदत विकास
(c) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

15. स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने की विधि है—
(a) स्वास्थ्य सप्ताह (b) क्रमबद्धता
(c) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

16. जल, वायु एवं भूमि प्रदूषण की समस्या .... पर्यावरण की है।
(a) आन्तरिक (b) बाह्य
(c) बाह्य एवं आन्तरिक दोनों (d) इनमे से कोई नहीं
उत्तर—(b)

17. 'निर्मल ग्राम योजना' का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है?
(a) विवाद रहित ग्राम से
(b) स्वच्छ पेय जलापूर्ति से
(c) मलमूत्र, ठोस एवं अर्द्ध ठोस कचरे के स्वच्छ निस्तारण से
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(c)

18. नेशनल फूड फॉर वर्क प्रोग्राम (NFWP) की शुरुआत कब से की गई?
(a) 14 नवम्बर, 2001 (b) 14 नवम्बर, 2002
(c) 14 नवम्बर, 2003 (d) 14 नवम्बर, 2004
उत्तर—(d)

19. जिला ग्राम्य विकास अधिकरण का कार्य है—
(a) ग्रामीण विकास के लिए योजनाएँ बनाना
(b) शासन से प्राप्त अनुदान का ग्राम पंचायतों को आवंटन
(c) विकास परियोजनाओं का अनुमोदन
(d) उपर्युक्त सभी
उत्तर—(d)

20. देश में ग्रामीण विकास हेतु 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' (PMGSY) कब शुरू की गई?
(a) मई 1999 (b) मई 1995
(c) दिसम्बर 2000 (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

21. वायु प्रदूषण से मानव को बीमारी पैदा होती है—
(a) दमा (b) तपेदिक (टी.बी.)
(c) मलेरिया (d) दमा एवं क्षय/तपेदिक रोग दोनों ही
उत्तर—(d)

22. भारत सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेय जल आपूर्ति में तेजी लाने के लिए 'राजीव गाँधी राष्ट्रीय पेयजल मिशन' कार्यक्रम शुरू किया गया—
(a) 1991 (b) 1993
(c) 1999 (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

23. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना–2005 में कौन-से कार्यक्रम का विलय कर दिया गया है?
(a) काम के बदले अनाज योजना
(b) सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना
(c) उपर्युक्त दोनों
(d) उपर्युक्त कोई नहीं
उत्तर—(c)

24. ग्रामीण पर्यावरण की सुरक्षा किसकी रोकथाम द्वारा की जा सकती है?
(a) वायु प्रदूषण की रोकथाम करके
(b) जल प्रदूषण की रोकथाम करके
(c) मृदा प्रदूषण की रोकथाम करके
(d) उपर्युक्त सभी
उत्तर—(d)

25. ग्रामीण पर्यावरण में वायु प्रदूषण होता है—
(a) घरेलू चूल्हों तथा धूम्रपान द्वारा उत्पादित धुएँ से
(b) परिवहन–मोटर गाड़ियों से उत्पन्न धुएँ से
(c) उद्योग–धन्धे एवं भट्टों की चिमनियों से निकलने वाले धुएँ एवं गैसीय पदार्थों से
(d) उपर्युक्त सभी
उत्तर—(d)

26. धात्री माता के 850 मिली दूध से कितने मिग्रा. कैल्सियम की प्राप्ति होती है—
(a) 290 मिग्रा. (b) 390 मिग्रा.
(c) 490 मिग्रा. (d) 590 मिग्रा.
उत्तर—(a)

27. ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की दृष्टि से खेती के बाद कौन-सा महत्वपूर्ण कुटीर उद्योग-धन्धा है?
(a) हथकरघा (b) मुर्गीपालन
(c) पशुपालन (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

28. ग्रामीण क्षेत्रों में बुनकरों की बेहतरी के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी योजना सरकार द्वारा चालू की गई है?
(a) हथकरघा विकास केन्द्र योजना (b) हैंक यार्न प्राइस सब्सिडी योजना
(c) थ्रिफ्ट फंड योजना (d) उपर्युक्त सभी
उत्तर—(d)

29. भारत में जनपद के राजस्व संग्रहण का सर्वोच्च अधिकारी होता है—
(a) जिलाधिकारी (b) कोषाधिकारी
(c) जिला राजस्व अधिकारी
(d) अतिरिक्त जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व
उत्तर—(a)

30. भारत के किस कार्यक्रम को विश्व बैंक ने विश्व का सबसे बड़ा सार्वजनिक कार्य योजना माना है?
(a) काम के बदले अनाज योजना (b) मनरेगा
(c) राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (d) जवाहर रोजगार योजना
उत्तर—(b)

31. सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम निम्नलिखित में से किस राज्य में नहीं चलाया गया?

(a) उत्तर प्रदेश (b) जम्मू–मश्मीर
(c) बिहार (d) पंजाब
उत्तर–(d)

32. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम निम्नलिखित में से किसके जरिए समावेशी विकास सुनिश्चित करता है?
(a) सामाजिक सुरक्षा प्रदान करके
(b) आजीविका सुरक्षा प्रदान करके
(c) लोकतान्त्रिक अधिकारिता पर अपने प्रभाव के जरिए
(d) उपर्युक्त सभी
उत्तर–(d)

33. सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के किस जनपद समूह में नहीं चलाया गया?
(a) एटा, मैनपुरी, आगरा (b) मिर्जापुर, सोनभद्र, इलाहाबाद
(c) झाँसी, जालौन, हमीरपुर (d) बहराइच, श्राबस्ती, बलरामपुर
उत्तर–(a)

34. योजना आयोग ने निम्नलिखित में से किसे विकासात्मक आयोजन की आधारभूत इकाई माना है।
(a) जिला (b) तहसील
(c) विकासखण्ड (d) न्याय पंचायत
उत्तर–(c)

35. सीमान्त कृषक किसे कहा जाता है?
(a) जिसके पास 1 हेक्टेयर से कम भूमि हो
(b) जिसके पास 1 हेक्टेयर से अधिक, किन्तु 2 हेक्टेयर से कम भूमि हो
(c) जिसके पास 2 हेक्टेयर से अधिक, किन्तु 5 हेक्टेयर से कम भूमि हो।
(d) जिसके पास 5 हेक्टेयर से अधिक, किन्तु 10 हेक्टेयर से कम भूमि हो
उत्तर–(a)

36. निम्नलिखित में से कौन-सा ग्राम्य विकास का एक कार्यक्रम नहीं है?
(a) सामुदायिक विकास कार्यक्रम (b) दस लाख कुआँ योजना
(c) इंदिरा आवास योजना (d) सार्वजनिक वितरण प्रणाली
उत्तर–(d)

37. बीस सूत्रीय कार्यक्रम किस प्रधानमंत्री के कार्यकाल में प्रारम्भ किया गया?
(a) लाल बहादुर शास्त्री (b) राजीव गाँधी
(c) मोरारजी देसाई (d) इंदिरागाँधी
उत्तर–(d)

38. श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा प्रारम्भ किए गए 20 सूत्रीय कार्यक्रम में निम्नलिखित में से कौन-सा सूत्र शामिल नहीं था?
(a) गरीबी हटाओ (b) लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण
(c) सबके लिए स्वास्थ्य (d) पर्यावरण संरक्षण
उत्तर–(b)

39. चकबन्दी का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है?
(a) ऊसर सुधार योजना से (b) अधिक अन्न उपजाओं कार्यक्रम से
(c) भूमि सुधार कार्यक्रम से (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर–(c)

40. निम्नलिखित में से कौन-सा भूमि सुधार का कार्यक्रम है?
(a) मध्यस्थों का उन्मूलन (b) काश्तकारी सुधार
(c) खेती योग्य भूमि की सीमाबन्दी (d) उपर्युक्त सभी
उत्तर–(d)

41. भारत में भूमि सुधार के किस कार्यक्रम को सर्वाधिक सफल कहा जा सकता है?
(a) चकबन्दी (b) भूमिहीनों को भूमि का वितरण
(c) मध्यस्थों (जमींदारों) का उन्मूलन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर–(c)

42. मरुस्थल विकास कार्यक्रम निम्नलिखित में से किस राज्य में नहीं चलाया गया?
(a) जम्मू एवं कश्मीर (b) हिमाचल प्रदेश
(c) राजस्थान (d) उत्तर प्रदेश
उत्तर–(d)

43. एकीकृत जल संभर प्रबन्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत कौन-कौन से कार्यक्रमों को मिला दिया गया है?
(a) सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम
(b) मरुस्थल विकास कार्यक्रम
(c) एकीकृत बंजर भूमि विकास कार्यक्रम
(d) उपर्युक्त सभी
उत्तर–(d)

16.2 राजस्व लेखपाल एवं भू-मापन विधियाँ

44. जरीब सर्वेक्षण में क्षेत्र को किस ज्यामितीय आकृति में बाँटकर नापना आसान होता है?
(a) वृत्त (b) वर्ग
(c) आयत (d) त्रिभुज
उत्तर–(d)

45. एक हेक्टेयर का मान निम्नलिखित में से कितना है?
(a) 1,000 वर्गमीटर (b) 5,000 वर्गमीटर
(c) 10,000 वर्गमीटर (d) 15,000 वर्गमीटर
उत्तर–(c)

46. एक एकड़ में कितना बीघा (कच्चा) रकवा होता है?
(a) 5 बीघा (b) 7 बीघा
(c) 10 बीघा (d) 12 बीघा
उत्तर–(a)

47. भूमि सुधारों से सम्बन्धित विषयों का उल्लेख भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची की किस सूची में है।
(a) राज्य सूची (b) संघ सूची
(c) समवर्ती सूची (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर–(a)

48. भारतीय संविधान अनुच्छेद 31B निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है?
(a) मौलिक अधिकारों से सम्बन्धित अनुच्छेद 31A के अन्तर्गत कतिपय अधिनियमों को विधिमान्य किए जाने से सम्बन्धित
(b) भूमि सुधारों से सम्बन्धित राज्य सरकारों द्वारा पारित कानूनों को न्यायालयों द्वारा अवैध घोषित होने से बचाने से सम्बन्धित
(c) अधिकतम जोत सीमा निर्धारण से सम्बन्धित कानूनों को न्यायालयों द्वारा अवैध घोषित होने से बचाने से सम्बन्धित
(d) उपर्युक्त सभी
उत्तर–(d)

49. निम्नलिखित में से किसे चकबन्दी के अधीन नहीं लिया जा सकता?
(a) स्थायी चरागाह (b) बाग
(c) श्मशान/कब्रिस्तान (d) ये सभी
उत्तर—(d)

50. भारत में सम्पत्ति का अधिकार है एक—
(a) मौलिक अधिकार (b) सामाजिक अधिकार
(c) आर्थिक अधिकार (d) विधिक अधिकार
उत्तर—(d)

51. भूमि सुधार कार्यक्रम को सर्वाधिक सफलता किस राज्य में मिली है?
(a) प. बंगाल (b) उत्तर प्रदेश
(c) तमिलनाडु (d) पंजाब
उत्तर—(a)

52. डम्पी लेवल यन्त्र में समतलन स्क्रू की संख्या होती—
(a) 6 (b) 3 या 5
(c) 4 (d) 5
उत्तर—(b)

53. निम्नलिखित में से कौन-सा चकबन्दी का उद्देश्य नहीं है?
(a) कृषि जोतों का अपखण्डन रोकना
(b) जोतों का उपविभाजन रोकना
(c) बड़े पैमाने की कार्पोरेट खेती को बढ़ावा देना
(d) कृषकों को अलग-अलग खेतों को एक स्थान पर एकत्रित करना
उत्तर—(c)

54. ज्ञात उच्चता का सापेक्षत: स्थिर बिन्दु कहलाता है—
(a) घटाया हुआ तल (b) डेटम बिन्दु
(c) बैंच मार्क (d) निर्देश बिन्दु
उत्तर—(c)

55. भू-धारण प्रणाली की रैयतवाड़ी व्यवस्था की शुरुआत भारत में किसने की थी?
(a) टामस मुनरो (b) विलियम बेंटिंक
(c) लॉर्ड कार्नवालिस (d) लॉर्ड चेम्सफोड
उत्तर—(a)

56. निम्नलिखित में से किसने ग्रामीण सामाजिक विकास में सर्वाधिक योगदान दिया है?
(a) भूमिहीन श्रमिकों को वेशी भूमि के पट्टे देना
(b) समाज के कमजोर वर्गों के पाल्यों को छात्रवृत्ति प्रदान करने
(c) संविधान के 73वें संशोधन से पंचायती राज संस्थाओं में एक-तिहाई स्थानों का महिलाओं के लिए आरक्षण
(d) राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम का क्रियान्वयन
उत्तर—(c)

57. निम्नलिखित में कौन सी भू-क्षेत्रफल मापन की अन्तर्राष्ट्रीय स्तरीय इकाई है?
(a) बीघा (b) हेक्टेयर
(c) एकड़ (d) किला
उत्तर—(b)

58. भारत में पारम्परिक तौर पर भू-क्षेत्रफल के मापन हेतु निम्नलिखित में से किसका प्रयोग किया जाता था?
(a) जरीब (b) चतक
(c) अंकनम (d) ये सभी
उत्तर—(a)

59. जमींदारी प्रथा का प्रारम्भ किसने किया था?
(a) लॉर्ड मिन्टो (b) कार्नवालिस
(c) जॉनशोर (d) विलियम बेंटिंक
उत्तर—(b)

60. पारम्परिक मापन इकाई चेन निम्नलिखित में से किसके बराबर होती है?
(a) 66 फुट (b) 22 गज
(c) 100 कड़ियाँ (d) ये सभी
उत्तर—(d)

61. निम्नलिखित में से कौन-सा भूमि सुधार भारत में सबसे पहले प्रारम्भ किया गया?
(a) चकबन्दी
(b) वेशी भूमि का भूमिहीनों में वितरण
(c) जमींदारी उन्मूलन
(d) कृषि जोत की अधिकतम सीमा का निर्धारण
उत्तर—(c)

62. निम्नलिखित में से कौन-सी लम्बाई के मापन हेतु प्रयुक्त नहीं की जाती?
(a) रूड (b) करम
(c) जरीब (d) पोल
उत्तर—(a)

63. भूमि सुधारों से सम्बन्धित विषयों का उल्लेख भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची की किस सूची में है?
(a) राज्य सूची (b) संघ सूची
(c) समवर्ती सूची (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

64. निम्नलिखित में से कौन-सा चकबन्दी का उद्देश्य नहीं है?
(a) कृषकों के अलग-अलग खेतों का एक स्थान पर एकत्रित करना
(b) जोतों का उपविभाजन रोकना
(c) कृषि जेतों का उपखण्डन रोकना
(d) बड़े पैमाने की कॉर्पोरेट खेती को बढ़ावा देना
उत्तर—(d)

65. निम्नलिखित में किस चेन की लम्बाई 66 फीट होती है?
(a) इंजीनियर चेन (b) रेवेन्यू चेन
(c) गन्टर चेन (d) मीटर चेन
उत्तर—(c)

66. निम्नलिखित में से कौन-से संविधान संशोधन से भारत में भूमि सुधारों का मार्ग प्रशस्त हुआ?
(a) संविधान (पहला संशोधन) अधिनियम, 1951
(b) संविधान (चौथा संशोधन) अधिनियम, 1955
(c) संविधान (सत्तरहवाँ संशोधन) अधिनियम 1964
(d) संविधान (चवालीसवाँ संशोधन) अधिनियम, 1978
उत्तर—(a)

67. निम्नलिखित में से कौन-सा भूमि सुधार है?
I. मध्यस्थों का उन्मूलन
II. काश्तकारी सुधार

III. भू-जोत की अधिकतम सीमा का निर्धारण
IV. भूमिहीनों को कृषि योग्य भूमि का वितरण
V. चकबन्दी

(a) केवल I, II, III सही हैं (b) केवल II, III, IV सही हैं
(c) केवल I, III, V सही हैं (d) उपर्युक्त सभी सही हैं

उत्तर—(d)

68. एक बिस्वा कितने के बराबर होता है?
(a) 20 बिस्वान्सी (b) 10 बिस्वान्सी
(c) 5 बिस्वान्सी (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

69. पटल सर्वेक्षण को सर्वाधिक प्रभावित करता है, प्लेन टेबल का—
(a) दिक् स्थापन (b) समतलन
(c) संकेन्द्रण (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

70. दिक्स्थापन की कौन-सी विधि शुद्ध और बाहरी प्रभावों से मुक्त विधि है?
(a) पश्चावलोकन विधि (b) द्रोणी कम्पास विधि
(c) दोनों विधि (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

71. निम्नलिखित में से कौन-सा भूमि सुधार से सम्बन्धित है?
(a) भूदान आन्दोलन (b) चिपको आन्दोलन
(c) (a) तथा (b) दोनों (d) न (a) और न (b)

उत्तर—(a)

72. निम्नलिखित में से कौन-सी योजना सबसे बाद में (हाल ही में) प्रारम्भ की गई है?
(a) सांसद आदर्श ग्राम योजना (b) जवाहर रोजगार योजना
(c) लघु कृषक विकास योजना (d) निर्मल ग्राम योजना

उत्तर—(a)

73. भूदान आन्दोलन के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?
(a) यह एक सरकारी आन्दोलन था जिसमें सरकार ने बड़े किसानों से उनके द्वारा खेती न की जा रही, भूमि को अधिगृहित करके उसे भूमिहीनों में वितरित कर दिया।
(b) यह आन्दोलन सर्वप्रथम तेलंगाना के पोचमपल्ली गाँव से सन् 1951 में प्रारम्भ हुआ।
(c) यह आन्दोलन सर्वोदयी नेता सन्त विनोबा भावे द्वारा प्रारम्भ किया गया।
(d) यह एक स्वैच्छिक आन्दोलन था जिमसें लोगों ने स्वेच्छा से वेशी भूमि भूमिहीनों को दान कर दी।

उत्तर—(a)

74. एयर, मापन की एक इकाई है। इसे किसके मापन हेतु प्रयुक्त किया जाता है?
(a) लम्बाई (b) आयतन
(c) क्षेत्रफल (d) घनत्व

उत्तर—(c)

75. निम्नलिखित में से कौन-सा एक एकड़ के बराबर है?
(a) 4840 वर्गगज (b) 0.4048 हेक्टेयर
(c) 100 बिस्वा (d) ये सभी

उत्तर—(d)

76. किस व्यवस्था में भूमि पर ग्राम समुदाय का संयुक्त स्वामित्व होता था?
(a) जमींदारी (b) महालवाड़ी व्यवस्था
(c) काश्तकारी व्यवस्था (d) रैयतवाड़ी

उत्तर—(b)

77. दाएं विचलन कोण से सीधे चढ़ा जा सकता है उपकरण को सेट करके—
(a) पिछले स्टेशन या शून्य पर (b) पिछले स्टेशन या 90° पर
(c) पिछले स्टेशन या 180° पर (d) पिछले स्टेशन या 270° पर

उत्तर—(a)

78. ग्रामीण अवस्थापना (Rural Infrastructure) विकास कोष का वित्तीयन किया जा रहा है—
(a) ग्रामीण विकास मन्त्रालय द्वारा (b) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा
(c) नाबार्ड द्वारा
(d) कुछ चुने हुए राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा

उत्तर—(c)

79. ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर वर्गों विशेषकर महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने की पहली कड़ी है—
(a) मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम (b) स्वास्थ्य मिशन
(c) आशा (d) बाल विकास कार्यक्रम

उत्तर—(c)

80. आशा निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है
(a) चिकित्सक (b) चिकित्सा प्रभारी
(c) स्वास्थ्य अधिकारी (d) सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता

उत्तर—(d)

81. अगम्य बिन्दुओं में प्लेन टेबल पर प्लॉट करने के लिए किया जाता है—
(a) विकिरण (b) ट्राउसिंग
(c) प्रतिच्छेदन (d) ये सभी

उत्तर—(c)

82. लेवल यन्त्र से स्टाफ पठनांक पढ़ना चाहिए—
(a) ऊपर से नीचे की ओर (b) नीचे से ऊपर की ओर
(c) ऊपर या नीचे (d) स्टाफ अंशांकित नहीं होते

उत्तर—(a)

83. पंजाब, हिमाचल प्रदेश तथा हरियाणा में निम्नलिखित में से किस इकाई का प्रयोग भू-क्षेत्रफल के मापन हेतु किया जाता है?
(a) धुर (b) लेचा
(c) गुन्ठा (d) मुरब्बा

उत्तर—(d)

84. निम्नलिखित में से कौन-सी भू-क्षेत्रफल मापन की इकाई नहीं है?
(a) करम (b) एकड़
(c) कैनाल (d) अंकनम

उत्तर—(a)

85. एक शाहजहाँनी ज़रीब की लम्बाई कितनी होती है?
(a) 132 फुट (b) 220 फुट
(c) 165 फुट (d) 1780 फुट

उत्तर—(c)

86. एक गंटारी जरीब की लम्बाई कितनी होती है?
(a) 165 फुट (b) 148 फुट

(c) 132 फुट (d) 192 फुट

उत्तर—(c)

87. लम्बाई मापने की परम्परागत इकाई है—

(a) मील (b) फर्लांग

(c) गज (d) ये सभी

उत्तर—(d)

88. 'क्रॉप एग्रीकल्चर प्रोड्यूज लोन स्कीम' (APL) प्रारम्भ की गई है—

(a) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा (b) यूनियन बैंक द्वारा

(c) कॉरपोरेशन बैंक द्वारा (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

89. वास्तविक याम्योत्तर तथा चुम्बकीय याम्योत्तर के बीच क्षैतिज कोण कहलाता है—

(a) नमन कोण (b) चुम्बकीय मान

(c) दिक्मान (d) संसृति

उत्तर—(b)

90. जब सुई उत्तर दिशा को इंगित करे तो प्रिज्म के अन्तर्गत पठन होना चाहिए—

(a) शून्य (b) 10°

(c) 30° (d) 60°

उत्तर—(a)

91. भारतीय ग्रामीण समाज को बाँटा जा सकता है, मुख्यतः—

(a) जमींदार वर्ग एवं काश्तकार वर्ग

(b) जनजातीय समाज और जमींदार वर्ग

(c) जनजातीय समाज और कृषक समाज

(d) उच्चजाति एवं निम्नजाति समूह

उत्तर—(c)

92. विभिन्न परिस्थितियों में नाप लेने में सबसे कम त्रुटि होती है—

(a) परीक्षित चेन से (b) इस्पात फीता से

(c) इनवार फीता से (d) पहाड़ी क्षेत्र के मापन में

उत्तर—(c)

93. छोटे खसकों का मापन होता है—

(a) इस्पात टेप से (b) इनवार फीता से

(c) धातु के टेप से (d) साधारण चेन से

उत्तर—(d)

94. सर टॉमस मुनरो किस भू-राजस्व बंदोबस्त से सम्बद्ध थे?

(a) रैयतवाड़ी बंदोबस्त (b) महालवाड़ी बंदोबस्त

(c) स्थायी बंदोबस्त (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(a)

95. प्लेन टेबल स्टेशन के बिन्दुओं की स्थिति का निर्धारण करता है—

(a) ट्राउसिंग विधि से (b) अन्तर्छेदन विधि से

(c) दोनों से (d) प्रतिच्छेदन से

उत्तर—(c)

96. भूमि सुधार हेतु कानून बनाने की शक्ति किसके पास है?

(a) राज्य सरकार (b) केन्द्र सरकार

(c) पंचायती राज संस्थाएँ (d) (a) तथा (b) दोनों

उत्तर—(a)

97. ग्रामीण जीवन एवं ग्रामीण समस्याओं का अध्ययन किया जाता है—

(a) औद्योगिक समाजशास्त्र (b) नगरीय समाजशास्त्र

(c) ग्रामीण समाजशास्त्र (d) अपराधशास्त्र

उत्तर—(c)

98. ग्रामीण समाज में उत्पादन एवं उपभोग के बीच—

(a) अन्योन्यता बनी रहती है (b) असंतुलन बना रहता है

(c) सन्तुलन बना रहता है (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

99. खतौनी में लेखपाल परिवर्तन करता है—

(a) लाल रोशनाई से (b) हरी रोशनाई से

(c) नीली रोशनाई से (d) काली रोशनाई से

उत्तर—(a)

100. लेखपाल के कागजात पर हस्ताक्षर होते हैं—

(a) जिलाधिकारी (b) राजस्व अधिकारी के

(c) ब्लॉक प्रमुख के (d) बैक के महाप्रबन्धक के

उत्तर—(b)

101. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तीव्रता से हो रहे परिवर्तनों का सबसे प्रमुख कारण है—

(a) ग्रामीण जनता में जागरूकता आना

(b) सरकार द्वारा नियोजित योजनायें

(c) ग्रामीण जनता में बचत की प्रवृत्ति में बढ़ोत्तरी

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(b)

102. चुम्बकीय सुई में होना चाहिए—

(a) गुरुत्व केन्द्र पिवेट पर ही (b) ऋजुता और सममितता

(c) गुरुत्व केन्द्र पिवेट पर ही (d) ये सभी

उत्तर—(b)

103. एक कम्पास सर्वेक्षण में दृष्टि रेखा कम्पास के केन्द्र से नहीं गुजरती है, वह किस प्रकार की त्रुटि है?

(a) प्राकृतिक (b) यान्त्रिक

(c) वैयक्तिक (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b)

104. भूमि के विक्रय के समय मुद्रांक शुल्क लगाया जाता है—

(a) भूमि के आकार के आधार पर (b) भूमि की कीमत के आधार पर

(c) भूमि की किस्म के आधार पर (d) उपर्युक्त सभी के आधार पर

उत्तर—(d)

105. नक्शा सम्बद्ध क्षेत्र का होता है—

(a) क्षैतिज प्रक्षेप (b) ऊर्ध्व प्रक्षेप

(c) दोनों (a) व (b) (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

106. भू-मापन में जरीब लाइन के आरम्भ तथा समाप्त होने के स्थान क्या कहलाते है?

(a) स्टॉक (b) बिन्दु

(c) मुकाम (d) टार्गेट

उत्तर—(c)

107. गाँव के नक्शे में लेखपाल दर्शाता है—

(a) मोटी काली रेखा से (b) लाल स्याही से

(c) पेंसिल की बिन्दुदार रेखा द्वारा (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

108. जोतबही में पृष्ठों की संख्या होती है—

(a) 4 (b) 8

(c) 16 (d) 20

उत्तर—(c)

109. भूदान आन्दोलन कार्यक्रम आचार्य विनोबा भावे द्वारा सर्वप्रथम किस प्रदेश से आरम्भ किया गया था?

(a) आन्ध्र प्रदेश (b) गुजरात

(c) बिहार (d) उत्तर प्रदेश

उत्तर—(a)

110. सर्वेक्षण में एक दुरुस्त त्रिभुज के कोणों को छोटा नहीं होना चाहिए—

(a) 30° से (b) 45° से

(c) 60° से (d) 35° से

उत्तर—(a)

111. लेखपाल खसरा तैयार करके अगले वर्ष जमा कर देता है—

(a) गाँव प्रधान के पास (b) रजिस्ट्रार कानूनगो के पास

(c) तहसीलदार के पास (d) जिला कृषि अधिकारी के पास

उत्तर—(b)

112. दो बिन्दु समस्या विधि से प्लेन टेबल का अनुस्थापन—

(a) बिलकुल सही नहीं होता (b) बिलकुल सही होता है

(c) बिलकुल गलत होता है (d) ये सभी

उत्तर—(a)

113. एक सर्वेक्षण रेखा तथा उत्तर दिशा के बीच छोटा क्षैतिज कोण कहलाता है—

(a) नत कोण (b) दिक्मान

(c) नमनकोण (d) अजीनुथ

उत्तर—(d)

114. धरातल पर मापी गयी क्षैतिज दूरियाँ, कोणों एवं ऊँचाइयों को मानचित्र पर प्रदर्शित करने की कला को क्या कहते हैं?

(a) मानचित्र कला (b) मानचित्रांकन

(c) सर्वेक्षण कला (d) धरातल प्रदर्शन कला

उत्तर—(c)

115. एक चुम्बकीय सुई के उत्तर तथा दक्षिण सिरे पर पढ़े गए पठनांक का अन्तर 180° आता है। इसका अर्थ है कि—

(a) सुई टेढ़ी है (b) सुई सीधी है

(c) सुई पिवेट केन्द्र पर नहीं है (d) पिवेट का सिरा तिरछा नहीं है

उत्तर—(b)

116. जमाबन्दी की तैयारी की जाती है—

(a) दो प्रतियों में (b) चार प्रतियों में

(c) आठ प्रतियों में (d) छः प्रतियों में

उत्तर—(a)

117. भूमि की पैमाइश (नाप) का कार्य कौन-सा विभाग करता है?

(a) भू-प्रबन्ध विभाग (b) चिकित्सा विभाग

(c) राजस्व विभाग (d) शिक्षा विभाग

उत्तर—(c)

118. सर्वेक्षण के लगभग मध्य से गुजरने वाली सबसे अधिक लम्बी रेखा को कहते हैं—

(a) सर्वे रेखा (b) प्रमाण रेखा

(c) आधार रेखा (d) योजक रेखा

उत्तर—(c)

119. छोटे खसके की लम्बाई निम्नांकित से कम होती है—

(a) 10 मीटर (b) 12 मीटर

(c) 16 मीटर (d) 20 मीटर

उत्तर—(c)

120. 1 गीगा बाइट में कितने बाइट होते हैं?

(a) 1010 (b) 1036

(c) 1024 (d) 1056

उत्तर—(c)

121. पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध में सुई का उत्तरी सिरा झुका होता है—

(a) ऊपर की ओर (b) क्षैतिज रहता है

(c) नीचे की ओर (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

122. भूमि का उपयोग करने के एवज में किसानों से वसूल किया जाने वाला टैक्स कौन-सा है?

(a) लगान (b) विक्रयकर

(c) आयकर (d) उपकर

उत्तर—(a)

123. सीधा या सामान्य वर्नियर का n भाग बराबर होता है, मुख्य पैमान के—

(a) n भाग के (b) $n + 1$ भाग के

(c) $n - 1$ भाग के (d) $n(n - 1)$ भाग के

उत्तर—(c)

124. दूरी नापने में व्यवहृत होता है—

(a) पेडोमीटर (b) ओडोमीटर

(c) स्वीडोमीटर (d) ये सभी

उत्तर—(d)

125. सर्वे कार्य में समकोण बनाने वाला भी लम्ब खसका डालने में सहायक यन्त्र है—

(a) क्रॉस स्टाफ (b) प्रकाशीय गुनिया

(c) प्रिज्य स्क्वायर (d) ये सभी

उत्तर—(d)

16.3 ग्रामीण समाज एवं विकास

126. भारतीय समाज को माना जाता है—

(a) जनजातीय समाज (b) औद्योगिक समाज

(c) कृषक समाज (d) ये सभी

उत्तर—(c)

127. किसने कहा है कि 'समाज एक अधिजैविक व्यवस्था है'?

(a) मैकाइवर और पेज (b) क्रिंग्सले डेविस

(c) ऑगबर्न (d) हरबर्ट स्पेन्सर

उत्तर—(d)

128. जनजातीय समाज के लोग होते हैं—

(a) धार्मिक (b) वस्तु-पूजा में विश्वास करने वाले

(c) टोटमवाद से प्रेरित (d) उपर्युक्त सभी को मानने वाले

उत्तर–(d)

129. निम्नलिखित में से कौन-से सूचकांक सामाजिक विकास को इंगित करते हैं?

(a) मानव विकास सूचकांक (b) मानव निर्धनता सूचकांक

(c) लिंक सम्बद्ध विकास सूचकांक (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर–(d)

130. गाँवों में मृत पशुओं द्वारा प्रदूषण होता है, अतः रोकथाम हेतु करना चाहिए–

(a) चमड़ा उतारकर मृत पशु को गड्ढे में दबाना

(b) चमड़ा उतार कर पशु को गाँव से काफी दूर निश्चित स्थान पर डालकर

(c) प्राकृतिक सफाईकर्मी (गिद्ध, चील, कौए, गीदड़) के द्वारा स्वतः ही

(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर–(d)

131. देश में 'सार्वजनिक वितरण प्रणाली' (Goverment Distribution System) से उपभोक्ताओं को मिलता है–

(a) लेवी की चीनी

(b) मिट्टी का तेल

(c) खाद्यान्न गेहूँ, चावल तथा खाद्य तेल

(d) उपर्युक्त सभी पदार्थ

उत्तर–(d)

132. भारतीय ग्रामीण समाज में दूल्हा (Groom) की उम्र शादी के समय के वैध रूप से होनी चाहिए–

(a) 21 वर्ष से कम हो (b) ऐसा कोई नियम नहीं

(c) कम-से-कम 21 वर्ष (d) कम-से-कम 25 वर्ष

उत्तर–(c)

133. अगस्त कॉम्टे के अनुसार समाज आधुनिक जटिल स्वरूप तक पहुँचने से पहले इनमें से किन विकास चरणों से गुजर चुका है?

(a) धार्मिक (b) तात्विक

(c) सकारात्मक (d) ये सभी से

उत्तर–(d)

134. हर्बर्ट स्पेन्सर ने सामाजिक विकास के मार्ग में प्रयुक्त इनमें से किन अवस्थाओं का वर्णन किया है?

(a) आदिम अवस्था (b) सैनिक अवस्था

(c) औद्योगिक अवस्था (d) ये सभी

उत्तर–(d)

135. भूमण्डल पर कितने प्रकार के समाज पाए जाते हैं?

(a) एक (b) दो

(c) तीन (d) चार

उत्तर–(c)

136. ग्रामीण क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति के पास कृषि भूमि बहुत कम है, जो है उसकी सुरक्षा हेतु क्या उपाय किया गया है?

(a) ग्राम सभा को विशेष अधिकार देना

(b) सार्वजनिक उपयोग पर रोक लगाना

(c) गैरअनुसूचित को हस्तान्तरण जिलाधिकारी की आज्ञा से ही होगा

(d) रजिस्ट्रार को पंजीकरण के पूर्व विशेष ध्यान रखना

उत्तर–(c)

137. भारत सरकार द्वारा भारतीय खाद्य निगम (FCI-Food Corporation of India) एक सार्वजनिक उपक्रम की स्थापना (विश्व बैंक की सलाह पर कब हुई थी?

(a) 1950 (b) 1952

(c) 1955 (d) 1965

उत्तर–(d)

138. इनमें से कौन-सी कृषक समाज की इकाई है?

(a) भू-स्वामी (b) पर्यवेक्षी कृषक

(c) काश्तकार (d) ये सभी

उत्तर–(d)

139. कृषि एवं पशुपालन के अतिरिक्त कृषक समाज के लोग इनमें से कौन-सी आर्थिक क्रियाएँ करते हैं?

(a) शिल्पकारी (b) लोहार कार्य

(c) मिट्टी के बर्तन बनाने का कार्य (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर–(d)

140. ग्रामीण आर्थिक संरचना का सीधा सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है?

(a) कृषक (b) कृषि योजना

(c) कृषि श्रमिक (d) कृषि अर्थशास्त्र

उत्तर–(d)

141. कृषि कार्यों के लिए ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराने का कार्य निम्नलिखित में से कौन करता है?

(a) जमींदार (b) पुरोहित

(c) ग्रामीण महाजन (d) श्रमिक

उत्तर–(c)

142. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन का क्या उद्देश्य है?

(a) खाद्यान्नों का निर्माण करना

(b) खाद्यान्नों का निःशुल्क वितरण करना

(c) खाद्यान्नों का संग्रहण करना

(d) खाद्यान्नों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना

उत्तर–(d)

143. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना किस पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत प्रारम्भ हुई थी?

(a) आठवीं पंचवर्षीय योजना (b) नौवीं पंचवर्षीय योजना

(c) दसवीं पंचवर्षीय योजना (d) ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना

उत्तर–(d)

144. ग्रामीण समाज की मूलभूत इकाई (Basic Unit of Society) है–

(a) परिवार (b) गाँव

(c) शहर (d) देश

उत्तर–(a)

145. मानव समाज एवं पशु समाज के मध्य श्रेणी इनमें से कौन-सी है?

(a) जैविकीय श्रेणी (b) सामाजिक सांस्कृतिक श्रेणी

(c) उपर्युक्त दोनों (d) दोनों में से कोई नहीं

उत्तर–(c)

146. ग्रामीण अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है–

(a) नौकरी (b) मजदूरी

(c) गाँव में दुकान खोलकर दुकानदारी

(d) कृषि उत्पादन हेतु भूमि का उपयोग कर फसलें उगाना एवं पशुपालन

उत्तर—(d)

147. ग्राम भू-प्रबन्ध समिति का अध्यक्ष होता है—

(a) ग्राम प्रधान (b) लेखपाल
(c) नायब तहसीलदार (d) कानून गो

उत्तर—(a)

148. ग्रामीण क्षेत्रों में धर्म सम्बन्धी कार्य कौन करता है?

(a) पुरोहित (b) वैश्य
(c) शिक्षक (d) ये सभी

उत्तर—(a)

149. 'सामाजिक इंजीनियरिंग' शब्दों का प्रयोग किस सन्दर्भ में किया जाता है?

(a) जाति व्यवस्था की समाप्ति (b) साम्प्रदायिक सौहार्द
(c) वर्ग संघर्ष का एक स्वरूप
(d) लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली में पारस्परिक विपरीत विचारधारा एवं निष्ठा वाले वर्गों (जातियों) का एक साथ मिलकर चुनाव लड़ना

उत्तर—(d)

150. निम्नलिखित में से कौन-सा सामाजिक विकास का एक उपयुक्त सूचक नहीं है?

(a) निर्धनता के विरुद्ध संघर्ष (b) प्रच्छन्न बेराजगारी में कमी
(c) सामाजिक समरसता (d) समाज में उचित स्थान

उत्तर—(b)

151. 'मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।' यह कथन है—

(a) रूसो का (b) हरबर्ट-स्पेन्सर का
(c) मैकाइवर व पेज का (d) अरस्तू का

उत्तर—(d)

152. भारतीय ग्रामीण समाज के आर्थिक ढाँचे का वास्तविक विश्लेषण किसने प्रस्तुत किया है?

(a) श्रीनिवास (b) सी. सी. टेलर
(c) मेवोवोई (d) जी. आर. मदान

उत्तर—(c)

153. 'पहली बार कृषि संगणना' (First Agricultural Census) कराई गई—

(a) 1949 में (b) 1970 में
(c) 1980 में (d) 1990 में

उत्तर—(b)

154. अधिक उपज देने वाली किस्मों के कार्यक्रम (High Yielding Varieties– HYV Programme) से कृषि क्षेत्र में 'हरित क्रान्ति की शुरुआत हुई—

(a) 1966 में (b) 1970 में
(c) 1980 में (d) 1987 में

उत्तर—(a)

155. निम्न में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

(a) ऑपरेशन बर्गा : पश्चिम बंगाल
(b) जमींदारी प्रथा : बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश
(c) महालवाड़ी प्रथा : अवध (d) रैयतवारी प्रथा : कर्नाटक

उत्तर—(d)

156. जमींदारी प्रथा का प्रारम्भ किसने किया था?

(a) कार्नवालिस (b) जॉन शोर
(c) लार्ड मिन्टो (d) विलियम बेंटिंक

उत्तर—(a)

157. वसंत ऋतु की फसलों की बुवाई की जाती है—

(a) जून-जुलाई (b) मध्य फरवरी से मध्य मार्च
(c) अप्रैल-मई (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b)

158. ग्रीष्म ऋतु की फसलों की अवधि होती है—

(a) अप्रैल से जून तक (b) जुलाई से अक्टूबर
(c) नवम्बर-अप्रैल (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

159. सामंत शब्द निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है?

(a) श्रमिक (b) जमींदार
(c) कारीगर (d) पुरोहित

उत्तर—(b)

160. निम्नलिखित में से ग्रामीण कारीगर की श्रेणी में कौन आता है?

(a) लोहार (b) कुम्हार
(c) जुलाहा (d) ये सभी

उत्तर—(d)

161. निम्नलिखित में से कौन कीटनाशी नहीं है?

(a) रोगोर (b) मोटासिस्टॉक्स
(c) फ्यूराडॉन (d) 2, 4-डी

उत्तर—(d)

162. निम्नलिखित में से कौन खरपतबारनाशी है?

(a) जिन्क फॉस्फाइड (b) मैलाथियान
(c) सेन्कौर (d) सैलफॉस

उत्तर—(c)

163. निम्नलिखित में कौन कीटनाशी पर फसलों में प्रयोग हेतु प्रतिबन्ध (बैन) है?

(a) डाइमेक्रॉन (b) क्लोरपायरीफॉस
(c) बी. एच. सी. (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

164. फसलों की जड़ों में पाए जाने वाले सूत्रकृमि (नेमेटोड) को रोका जा सकता है—

(a) फसल में गेंदा की सहखेती से (b) फसल चक्र बदलकर
(c) दोनों (a) व (b) के प्रयोग से (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

165. ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रारम्भ की गई सामूहिक जीवन बीमा योजना के तहत पॉलिसीधारकों को ₹ 5000 का जीवन सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जाता है। बीमा चाहने वाले व्यक्तियों को इसके लिए अधिकतम कितने रुपये वार्षिक प्रीमियम चुकाना पड़ता है?

(a) ₹ 70 (b) ₹ 350
(c) ₹ 170 (d) कुछ भी नहीं

उत्तर—(a)

166. 'नाबार्ड' (NABARD) क्या है?

(a) गरीबी निवारण कार्यक्रम (b) सामाजिक सुरक्षा योजना
(c) बैंक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(c)

167. जुलाई 2001 में प्रारम्भ की गई कृषि श्रमिक सामाजिक सुरक्षा योजना (KSSSY) का कार्यान्वयन निम्नलिखित में से किसके माध्यम से किया जा रहा है?

(a) नेशनल इंश्योरेन्स कम्पनी (b) ग्रामीण विकास एजेन्सी
(c) लाइफ इंश्योरेन्स कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया
(d) नाबार्ड

उत्तर—(c)

168. 'कुटीर ज्योति योजना' से निम्नलिखित में से कौन-सा कार्यक्रम सम्बन्धित है?

(a) ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों को विद्युत उपलब्ध कराना
(b) ग्रामीण बेरोजगार युवकों को रोजगार दिलाना
(c) ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देना
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(a)

169. भारत में बहुफसल कार्यक्रम कब शुरू किया गया था?

(a) वर्ष 1967-68 (b) वर्ष 1977-78
(c) वर्ष 1987-88 (d) वर्ष 1997-98

उत्तर—(a)

170. कृषि सेवा केन्द्र नामक योजना किस पंचवर्षीय योजना के कार्यकाल में प्रारम्भ हुई थी?

(a) प्रथम (b) द्वितीय
(c) तृतीय (d) चतुर्थ

उत्तर—(d)

171. 'ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुख-सुविधाएँ प्रदान करना' (PURA) योजना किसके द्वारा प्रतिपादित है?

(a) डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम (b) अटल बिहारी वाजपेयी
(c) जय प्रकाश नारायण (d) डॉ. मनमोहन सिंह

उत्तर—(a)

172. भूदान और ग्रामदान आन्दोलन किसके द्वारा चलाया गयरा था?

(a) विनोबा भावे (b) स्वामी विवेकानन्द
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) महात्मा गाँधी

उत्तर—(a)

173. हरित क्रान्ति को अमली जामा पहनाने का श्रेय निम्नलिखित में से किस कृषि वैज्ञानिक को दिया जाता है?

(a) डॉ. ए. आर. देसाई (b) डॉ. मार्शल
(c) डॉ. नॉरमन बोरलॉग (d) डॉ. ऑगबर्न

उत्तर—(c)

174. ग्रामीण क्षेत्रों में राज्य सरकार ने खेतिहर मजदूर एवं भूमिहीनों के सहायतार्थ ऊसर भूमि सुधार के लिए, ऊसर प्रभावित जनपदों में .... का कार्यान्वयन किया गया है?

(a) सामूहिक बीमा योजना (b) 10 लाख नलकूप योजना
(c) हथकरघा विकास केन्द्र योजना (d) भूमि सेना योजना

उत्तर—(d)

175. जिला ग्राम विकास अभिकरण का अध्यक्ष निम्नलिखित में से कौन होता है?

(a) मुख्य विकास अधिकारी (b) जिला परिषद् का अध्यक्ष
(c) जिलाधिकारी (d) जिले का प्रभारी मन्त्री

उत्तर—(c)

176. भारत में कृषि सम्बन्धी तनाव के कारण ...... स्वरूप नामक रिपोर्ट कब प्रकाशित की गई थी?

(a) वर्ष 1959 (b) वर्ष 1969
(c) वर्ष 1979 (d) वर्ष 1989

उत्तर—(c)

177. निम्नलिखित में से कौन कृषि-निवेश (Agricultural Inputs) में नहीं आता?

(a) तकनीकी ज्ञान (b) खाद (उर्वरक)
(c) सिंचाई जल (d) बीज

उत्तर—(a)

178. 'महाल' शब्द का अर्थ है—

(a) गाँव (b) कस्बा
(c) नगर (d) जिला

उत्तर—(a)

179. भारत में महालवाड़ी व्यवस्था कब प्रारम्भ हुई थी?

(a) वर्ष 1823 (b) वर्ष 1833
(c) वर्ष 1843 (d) वर्ष 1853

उत्तर—(b)

180. निम्न में से कौन-सा कथन जमींदारी प्रथा के बारे में सही नहीं है?

(a) इसे बंगाल में लागू किया गया था
(b) इसमें जमींदार को भूमि का स्वामी बना दिया गया था
(c) स्वतन्त्रता के पूर्व यह प्रथा भारत के 19% क्षेत्रफल पर लागू थी।
(d) इसमें जमींदार कुल कर का 80% अंग्रेजों को देता था और 20% अपने पास रख लेता था

उत्तर—(d)

181. महालवाड़ी प्रथा को किसने शुरू किया था?

(a) आगरा एवं अवध (b) बंगाल एवं बिहार
(c) पंजाब एवं हरियाणा (d) महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर

उत्तर—(a)

182. जमींदारी उन्मूलन कार्यक्रम की शुरुआत किस राज्य में से हुई थी?

(a) उत्तर प्रदेश (b) बंगाल
(c) महाराष्ट्र (d) बिहार

उत्तर—(a)

183. ऑपरेशन बर्गा का सम्बन्ध किससे है?

(a) जमींदारों के संरक्षण से (b) बँटाईदारों के संरक्षण से
(c) उपर्युक्त दोनों से (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(b)

184. निम्न में से कौन-सा भूमि सुधार के अन्तर्गत नहीं आता है?

(a) ड्रिप सिंचाई (b) सहकारी खेती
(c) काश्तकारी सुधार (d) चकबन्दी

उत्तर—(a)

185. अन्त्योदय कार्यक्रम का उद्देश्य क्या था?

(a) शहरी गरीबी दूर करना (b) अल्पसंख्यकों को उन्नत करना
(c) अनुसूचित जातियों के स्तर में सुधार करना

(d) गरीबों में सबसे अधिक गरीबों की मदद करना

उत्तर–(c)

186. प्राय: गाँवों में किसान कृषि रसायनों का उपयोग पशुओं के शरीर से जुएँ आदि परजीवियों को नष्ट करने हेतु करते हैं, जो–

(a) सर्वथा हानिकारक तथा गलत है

(b) यह हानिकारक नहीं है

(c) इससे परजीवी नष्ट हो जाते हैं जो सही है

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(a)

187. पीली क्रान्ति सम्बन्धित है–

(a) तिलहनों की उत्पादकता में वृद्धि से

(b) पशुपालन से

(c) दुग्ध उत्पादन से (d) उपर्युक्त सभी से

उत्तर–(a)

188. अनवरत योजना (Rolling Plan) किस अवधि के लिए बनाई गई थी?

(a) वर्ष 1971 से 1978 (b) वर्ष 1978 से 1983

(c) वर्ष 1980 से 1985 (d) वर्ष 1992 से 1999

उत्तर–(b)

189. सूची–I व सूची–II का सुमेल कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–

सूची–I	सूची–II
(a) एक्वाकल्चर	1. रेशम
(b) फ्लोरीकल्चर	2. अंगूर
(c) सेरीकल्चर	3. पुष्प
(d) विटीकल्चर	4. मत्स्य

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	4	3	2	1
(b)	4	3	1	2
(c)	3	4	2	1
(d)	3	4	1	2

उत्तर–(b)

190. ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि रसायनों द्वारा उत्पन्न प्रदूषण की रोकथाम की जा सकती है–

(a) कृषि रसायनों की उचित मात्रा एवं उसके प्रयोग हेतु विशेषज्ञ की सलाह पर

(b) मिट्टी अथवा फसल कीट–रोग का परीक्षण करवाकर

(c) वातावरण की परिस्थियों जैसे– वर्षाकाल, हवा की गति आदि) के अनुकूल होने पर

(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर–(d)

191. भारत के राष्ट्रीय किसान आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?

(a) भारतीनाथ (b) स्वामीनाथन

(c) हरिओम पँवार (d) सुबोध राय

उत्तर–(b)

192. प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन भारत में किस क्रान्ति के जन्मदाता के रूप में जाने जाते हैं?

(a) नीली क्रान्ति (b) श्वेत क्रान्ति

(c) हरित क्रान्ति (d) पीली क्रान्ति

उत्तर–(c)

193. भारत में कितने प्रतिशत कृषि वर्षा पर निर्भर है?

(a) 25% (b) 35%

(c) 45% (d) 55%

उत्तर–(b)

194. निम्नलिखित में से कौन-सा उद्योग कृषित पर निर्भर नहीं है?

(a) शिक्षा (b) बागान उद्योग

(c) चीनी उद्योग (d) सूती उद्योग

उत्तर–(a)

195. राष्ट्रीय बागवानी मिशन कब प्रारम्भ हुआ था?

(a) वर्ष 2002 (b) वर्ष 2003

(c) वर्ष 2004 (d) वर्ष 2006

उत्तर–(c)

196. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना कब प्रारम्भ हुई?

(a) 16 अगस्त, 2007 (b) 16 सितम्बर, 2007

(c) 26 नवम्बर, 2007 (d) 26 दिसम्बर, 2007

उत्तर–(c)

197. भारत के किस राज्य में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अभी स्थापित नहीं किए गए हैं?

(a) नगालैण्ड (b) बिहार तथा राजस्थान

(c) अरुणाचल प्रदेश (d) सिक्किम तथा गोवा

उत्तर–(d)

198. ऐसा कौन-सा गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया था जिसमें बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका थी?

(a) आई. आर. डी. पी. (b) जवाहर रोजगार योजना

(c) रोजगार बीमा योजना (d) न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम

उत्तर–(a)

199. किस वृक्ष (पेड़) को आजकल कृषि में उसकी महत्ता को देखते हुए 'अद्भुत वृक्ष' (Wonder Tree) या 21वीं सदी का पेड़ कहा जाने लगा है, जिसका अमेरिकी पेटेन्ट रद्द किया गया?

(a) नीम (b) बेल

(c) आम (d) पपीता

उत्तर–(a)

200. 'औषधीय फसलों/पौधों में कौन-सा नहीं आता?

(a) धान (b) मुश्कदाना (कस्तूरी भिण्डी)

(c) नीम (d) तुलसी

उत्तर–(a)

201. ग्रामीण विद्युतीकरण निगम की स्थापना कब की गई थी?

(a) वर्ष 1989 में (b) वर्ष 1969 में

(c) वर्ष 1979 में (d) वर्ष 1959 में

उत्तर–(b)

202. भारत में झूम खेती के अन्तर्गत भूमि का सबसे बड़ा प्रतिशत किस राज्य में है?

(a) मध्य प्रदेश (b) त्रिपुरा

(c) मिजोरम (d) नगालैण्ड

उत्तर–(d)

203. सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना (SGRY) का शुभारम्भ प्रधानमन्त्री द्वारा कब किया गया था?

(a) 15 अगस्त, 2000 (b) 15 जनवरी, 2001
(c) 25 सितम्बर, 2001 (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

204. कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण का स्थापना वर्ष है—

(a) 1986 (b) 1980
(c) 1984 (d) 1989

उत्तर—(a)

205. ग्रामीण इलाकों में सबसे बड़ी समस्या निम्नलिखित में से किसकी है, जो गाँवों के विकास के लिए अत्यन्त महत्व की समझी जाती है?

(a) गरीबी (b) स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव
(c) प्राथमिक शिक्षा का अभाव (d) सिंचाई की कमी

उत्तर—(c)

16.4 ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ

206. ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं में खुरपका-मुँहपका रोग फैलता है, जिसके लक्षण हैं—

(a) खुर तथा मुँह में छाले/घावों का होना
(b) पशु का खाना-पीना, चलना आदि का कठिन होना
(c) पशु का निरन्तर दुर्बल होते जाना
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(d)

207. गाँवों में पशुओं की बीमारी वाले कौन-से संक्रामक रोग हैं?

(a) टी. बी. (b) पोंकनी
(c) स्वाइन फीवर (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(a)

208. केन्द्र सरकार की बहु-प्रत्याशित 'उज्ज्वला योजना' की टैगलाइन है—

(a) स्वच्छ ईंधन, बेहतर जीवन (b) स्वच्छ ईंधन, स्वच्छ जीवन
(c) स्वच्छ ईंधन, स्वस्थ भारत (d) स्वस्थ ईंधन, स्वच्छ भारत

उत्तर—(a)

209. राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (NRDWP) के अन्तर्गत, 2022 तक देश में हर ग्रामीण व्यक्ति को उनके घरेलू परिसरों में या उनके घरों से क्षैतिज या ऊर्ध्वाधर दिशा में 50 मीटर की दूरी से कम पर कितने लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पेयजल उपलब्ध होना चाहिए।

(a) 80 (b) 70
(c) 60 (d) 100

उत्तर—(b)

210. 'पशु बीमा योजना' कबसे चालू हुई?

(a) 1974 (b) 1980
(c) 1990 (d) 1995

उत्तर—(a)

211. भारत में स्वास्थ्य अनुसन्धान की स्थापना कब हुई?

(a) वर्ष 2003 में (b) वर्ष 2005 में
(c) वर्ष 2007 में (d) वर्ष 2009 में

उत्तर—(c)

212. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (NMHP) कब प्रारम्भ किया गया?

(a) वर्ष 1982 में (b) वर्ष 1992 में
(c) वर्ष 1995 में (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

213. भारत में राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम सम्बन्धित है—

(a) जन चेतना अभियान से (b) स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम से
(c) मुँह और दाँत की बीमारी से (d) उपर्युक्त सभी से

उत्तर—(c)

214. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय द्वारा प्रारम्भ 'खसरा-रूबेला (एमआर) टीकाकरण अभियान' का सम्बन्ध किस आयु वर्ग से है?

(a) 9 माह से 15 वर्ष (b) 6 माह से 10 वर्ष
(c) 5 माह से 13 वर्ष (b) 6 माह से 12 वर्ष

उत्तर—(a)

215. 'आशा' का सम्बन्ध किस विभाग से है?

(a) आँगनवाड़ी (b) सामाजिक न्याय
(c) प्रारम्भिक शिक्षा (d) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

उत्तर—(d)

216. निर्मल भारत अभियान का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है?

(a) गाँवों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था से
(b) बालिकाओं के कल्याण एवं उनकी सुरक्षा से
(c) गाँवों में स्वच्छ शौचालयों एवं स्वच्छ वातावरण के विकास से
(d) उपर्युक्त सभी से

उत्तर—(c)

16.5 कृषि

217. कृषि कार्य में लगे ट्रैक्टर की आवाज किस स्तर से अधिक नहीं होनी चाहिए?

(a) 90db (b) 100 db
(c) 121 db (d) 120 db

उत्तर—(a)

218. उत्तर प्रदेश की प्रमुख व्यावसायिक फसल क्या है?

(a) गेहूँ (b) गन्ना
(c) मक्का (d) चावल

उत्तर—(b)

219. उत्तर प्रदेश के किन जिलों में पटसन की खेती की जाती है?

(a) देवरिया और गोरखपुर (b) सहारनपुर और हरदोई
(c) मथुरा और अलीगढ़ (d) इलाहाबाद और फतेहपुर

उत्तर—(a)

220. ब्रिटिश शासन के दौरान उत्तर प्रदेश में भूमि पंजीकरण किस अधिकारी द्वारा किया जाता था?

(a) राज्यपाल (b) लेखपाल
(c) लिपिक (d) काजी

उत्तर—(b)

221. उत्तर प्रदेश में प्रमुख फसल है—

(a) गन्ना (b) गेहूँ
(c) धान (d) मक्का

उत्तर—(b)

222. उत्तर प्रदेश के भाँवर क्षेत्र में किस प्रकार की मृदा पायी जाती है?
(a) दलदली (b) भूर
(c) महीन जलोढ़ (d) कंकरीली पथरीली
उत्तर—(d)

223. देश के कृषि क्षेत्र में आज हमारी श्रम शक्ति का लगभग कितना हिस्सा आजीविका प्राप्त कर रहा है?
(a) 56 प्रतिशत (b) 70 प्रतिशत
(c) 80 प्रतिशत (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

224. कृषि श्रम उत्पादकता सर्वाधिक है—
(a) पूर्वी उत्तर प्रदेश में (b) पश्चिमी उत्तर प्रदेश में
(c) मध्य उत्तर प्रदेश में (d) बुन्देलखण्ड में
उत्तर—(b)

225. निम्नलिखित में से किस फसल के उत्पादन में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर नहीं है?
(a) चावल (b) दूध
(c) आँवला (d) गेहूँ
उत्तर—(a)

226. उ.प्र. में ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले कृषकों में जमा/बचत की प्रवृत्ति जाग्रत करने के उद्देश्य से सहकारी समिति स्तर पर .... खोलने का कार्यक्रम चलाया गया है—
(a) स्टेट बैंक (b) मिनी बैंक
(c) ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की है (d) इनमें से काई नहीं
उत्तर—(b)

227. उत्तर प्रदेश में निम्नलिखित में से किसके उत्पाद के लिए कृषि निर्यात क्षेत्र को अधिसूचित किया है?
(a) आलू (b) आम
(c) बासमती चावल (d) ये सभी
उत्तर—(d)

228. भारतीय सागभाजी शोध संस्थान स्थित है—
(a) मऊ (b) जबलपुर
(c) वाराणसी (d) मुम्बई
उत्तर—(c)

229. उत्तर प्रदेश के कतिपय क्षेत्रों में भूमिहीन श्रमिकों को उन्हीं परिवारों के खेतों पर श्रम करना पड़ता है, जहाँ उनके माता-पिता करते थे, यह प्रथा क्यों जारी है?
(a) जजमानी प्रथा के अधीन
(b) निजी जोत पर निर्भरता अलाभकारी है
(c) फसल तैयार होने पर खाद्यान्न मिलता है
(d) ग्रामीण—मजदूर आर्थिक समस्या से पीड़ित हैं
उत्तर—(a)

230. उ.प्र. में सिंचाई का सबसे सस्ता एवं मुख्य साधन क्या है?
(a) ट्यूबवेल (b) पम्पिंग
(c) रहट (d) नहर
उत्तर—(d)

231. गेहूँ में प्रोटीन का प्रतिशत कितना होता है?
(a) 12% (b) 30%
(c) 25% (d) 45%
उत्तर—(a)

232. उत्तर प्रदेश चकबन्दी अधिनियम कब पारित किया गया?
(a) 1951 में (b) 1952 में
(c) 1953 में (d) 1954 में
उत्तर—(c)

233. उत्तर प्रदेश में दुफसली सिंचित कृषि जोत की अधिकतम सीमा कितनी है?
(a) 5.00 हेक्येयर (b) 6.00 हेक्येयर
(c) 7.30 हेक्येयर (d) 8.00 हेक्येयर
उत्तर—(a)

234. स्तरीकरण को कायम रखने के लिए उत्तर प्रदेश में जमींदारी उन्मूलन अधिनियम कब लागू किया गया?
(a) सन् 1951 (b) सन् 1953
(c) सन् 1957 (d) सन् 1959
उत्तर—(a)

235. निम्नलिखित में से कौन-सा अम्लीय धरती पर सफलता से उगाया जा सकता है?
(a) तरबूज (b) फली
(c) खीरा (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(a)

236. उत्तर प्रदेश की नई कृषि नीति में निर्धारित विकास दर है—
(a) 5.1% (b) 3.8%
(c) 4.5% (d) 2.9%
उत्तर—(a)

237. भू-कृषि का रिकॉर्ड कौन-सा है?
(a) पंचनामा (b) गिरदावरी
(c) जमाबन्दी (d) खतौनी
उत्तर—(b)

238. एक बिस्वा का एक बीघा से क्या अनुपात है?
(a) एक—बीसवाँ (b) एक—चौथाई
(c) एक—दसवाँ (d) आधा
उत्तर—(a)

239. 1 एकड़ कितने वर्ग गज के बराबर होता है?
(a) 4,840 (b) 2,025
(c) 4,425 (d) 3,025
उत्तर—(a)

240. भारत के ग्रामीण अंचलों में सहकारित विभाग के संगठन का मुख्य दृष्टिकोण है—
(a) कृषकों को सस्ते ऋण की सुविधा उपलब्ध कराना
(b) ग्रामीण एवं शहरी जनता के निर्बल और निर्धन वर्ग को समृद्धिशाली बनाकर उनके स्तर को ऊँचा उठाना
(c) उपर्युक्त दोनों (a एवं b) के उद्देश्य हेतु
(d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

241. उत्तर प्रदेश में विधानमण्डल क्षेत्र विकास निधि (विधायक निधि) का परिचालन किस विभाग द्वारा किया जाता है?

(a) ग्राम्य विकास विभाग (b) पंचायती राज विभाग
(c) समाज कल्याण विभाग (b) कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग
उत्तर—(a)

242. प्रदेश में कृषि नीति को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान करने हेतु 'प्रयोगशाला से खेतों तक' कार्यक्रम किस कृषि संस्थान की देन है?
(a) पन्तनगर विश्वविद्यालय
(b) चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय
(c) राजा बलवन्त सिंह कृषि कॉलेज (d) नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय
उत्तर—(a)

243. उत्तर प्रदेश में 'भाभर' की तंग पट्टी कहाँ पाई जाती है?
(a) मैदानी क्षेत्र में (b) कंकरीले क्षेत्र में
(c) तराई क्षेत्र में (d) गंगा–यमुना के क्षेत्र में
उत्तर—(c)

244. सर टॉमस मुनरो किस भू-राजस्व बन्दोबस्त से सम्बद्ध थे?
(a) स्थायी बन्दोबस्त (b) महालवाड़ी बन्दोबस्त
(c) रैयतवाड़ी बन्दोबस्त (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

245. विशिष्ट कृषि में किसान अपने जोत से अपनी कुल आय का कम-से-कम कितना प्रतिशत प्राप्त करता है?
(a) 35 (b) 45
(c) 60 (d) 50
उत्तर—(d)

246. पूँजीवादी खेती किन देशों में प्रचलित है?
(a) रोमानिया एवं पोलैण्ड (b) ब्रिटेन एवं सं.रा. अमेरिका
(c) यूक्रेन एवं आर्मीनिया (d) ये सभी
उत्तर—(b)

247. बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किस प्रकार की खेती की जाती है?
(a) दियारा खेती (b) तर खेती
(c) तैरती खेती (d) आर्द्र खेती
उत्तर—(a)

248. कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की स्थापना हुई
(a) 1965 में (b) 1975 में
(c) 1980 में (d) 1991 में
उत्तर—(a)

249. कौन-सी कृषि पद्धति 21वीं सदी की कृषि हेतु आवश्यक मानी जा रही है?
(a) बहुप्रकार खेती पद्धति (b) यन्त्रीकरण कृषि पद्धति
(c) पारिस्थितिकीय कृषि पद्धति (d) सरकारी कृषि पद्धति
उत्तर—(c)

250. एफ.सी.आई. के खाद्यान्नों की आर्थिक लागत और निर्गमन मूल्य के बीच अन्तर की प्रतिपूर्ति सरकार द्वारा कैसे की जाती है?
(a) खाद्य ऋण द्वारा (b) खाद्य अनुदान द्वारा
(c) बजटीय सहायता द्वारा (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b)

251. परमाकल्चर किसका पर्याय है?
(a) पारिस्थितिकी कृषि (b) सिंचित कृषि
(c) व्यापारिक कृषि (d) ले कृषि
उत्तर—(a)

252. भारत में सामान्यत: खेती की कौन-सी पद्धति अपनाई जाती है?
(a) विशिष्ट खेती (b) शुष्क खेती
(c) मिश्रित खेती (d) रैचिंग खेती
उत्तर—(a)

253. ड्रिप सिंचाई पद्धति का जन्म स्थान कहाँ माना जाता है?
(a) इंग्लैण्ड (b) इजराइल
(c) जर्मनी (d) चीन
उत्तर—(b)

254. भूरी क्रान्ति सम्बन्धित है
(a) दूध से (b) मत्स्य से
(c) उर्वरक से (d) अण्डे से
उत्तर—(c)

255. सामूहिक कृषि का प्रचलन सर्वप्रथम किस देश में शुरू किया गया था?
(a) चीन (b) भारत
(c) पूर्वी सोवियत संघ (d) क्यूबा
उत्तर—(c)

256. धूसर क्रान्ति का सम्बन्ध किस क्षेत्र से है?
(a) सेब उत्पादन (b) अण्डा उत्पादन
(c) उर्वरक उत्पादन (d) शलजम उत्पादन
उत्तर—(c)

257. समोच्च कृषि किन क्षेत्रों में अपनाई जाती है?
(a) बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में (b) मृदा विकारीय क्षेत्र में
(c) क्षारीय मृदा क्षेत्र में (d) अपरदन प्रभावित पहाड़ी क्षेत्र
उत्तर—(d)

258. उस क्रान्ति को कौन-सी संज्ञा प्रदान की गई है जिसके अन्तर्गत कृषि क्षेत्र के सभी अवयवों की समन्वित विकास की अवधारणा समाहित है?
(a) खाद्यान्न शृंखला उत्पादन (b) समन्वित क्रान्ति
(c) इन्द्र धनुषी क्रान्ति (d) राउण्ड क्रान्ति
उत्तर—(c)

259. संसार में किस फसल का उत्पादन तथा क्षेत्रफल सर्वाधिक है?
(a) गेहूँ (b) धान
(c) आलू (d) मक्का
उत्तर—(b)

16.6 योजनाएँ

260. रक्षा अधिग्रहण परिषद् की अध्यक्षता करता है—
(a) रक्षा राज्यमन्त्री (b) केन्द्रीय रक्षामन्त्री
(c) प्रधानमन्त्री (d) उपर्युक्त सभी
उत्तर—(b)

261. प्रधानमन्त्री कौशल विकास योजना के तहत देश का प्रथम प्रधानमन्त्री कौशल केन्द्र कहाँ स्थापित किया गया?
(a) वड़ोदरा (b) चण्डीगढ़
(c) इलाहाबाद (d) नई दिल्ली
उत्तर—(d)

262. 'तेजस्विनी सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण योजना' हेतु वित्त पोषण करने वाली अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान है?

(a) विश्व बैंक (b) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(c) एशियाई विकास बैंक (d) ब्रिक्स बैंक
उत्तर—(a)

263. सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना (SGRY) में 'ई.ए.एस.' (Employment Assuireance Scheme) एवं 'जे.जी.एस.वाई' (जवाहर ग्रामीण समृद्धि योजना) दोनों को कब मिलाया गया था?
(a) 25 सितम्बर, 2001 (b) 25 सितम्बर, 2002
(c) 25 सितम्बर, 2003 (d) 25 सितम्बर, 2004
उत्तर—(a)

264. कॉमर्शियल बैंक एवं क्षेत्रीय ग्रामीण किसानों के लिए 'क्रेडिट कार्ड योजना' किस वर्ष से शुरू की गई?
(a) 1990 में (b) 1995 में
(c) 1998 में (d) 2000 में
उत्तर—(c)

265. अम्बेडकर विशेष रोजगार योजना (AVRY) के अन्तर्गत सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों के लिये उपलब्ध इकाई लागत प्रतिशतता एवं अधिकतम आर्थिक सहायता (सब्सिडी) धनराशि क्या है?
(a) 25%, ₹ 10,000 (b) 33%, ₹ 7,500
(c) 25%, ₹ 7,500 (d) 33%, ₹ 10,000
उत्तर—(c)

266. 'तिरुवन्नामलाई गिरिवलं परियोजना' का सम्बन्ध किस राज्य से है?
(a) केरल (b) कर्नाटक
(c) आन्ध्र प्रदेश (d) तमिलनाडु
उत्तर—(d)

267. वह प्रसिद्ध दार्शनिक स्थल जिसे शहरी विकास मन्त्रालय ने 'हृदय योजना' के तहत विकसित करने की सहमति जारी की?
(a) वाराणसी (b) द्वारका
(c) बोधगया (d) अमृतसर
उत्तर—(b)

268. ट्रेल सिंचाई परियोजना का सम्बन्ध किस राज्य से है?
(a) कर्नाटक (b) जम्मू-कश्मीर
(c) हिमाचल (d) राजस्थान
उत्तर—(b)

269. केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना 'ऊर्जा गंगा' है—
(a) गंगा नदी सफाई परियोजना
(b) पेट्रोकेमिकल पाइप लाइन परियोजना
(c) नदी जल पाइप लाइन परियोजना
(d) गैस पाइप लाइन परियोजना
उत्तर—(d)

270. देश का प्रथम राज्य, जहाँ केरोसिन योजना में प्रत्यक्ष लाभ हस्तान्तरण योजना को शामिल किया गया है?
(a) उड़ीसा (b) बिहार
(c) झारखण्ड (d) कर्नाटक
उत्तर—(c)

271. ग्रामीण डाक बीमा योजना लागू हुई—
(a) 1995 में (b) 1985 में
(c) 1970 में (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

272. प्रत्येक दस गाँवों के समूह के लिए युवा विकास केन्द्र स्थापित करने की योजना लागू की गई—
(a) 1994-95 (b) 1984-85
(c) 1975-76 (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

273. 'समर्थ योजना' में प्रोत्साहित किया जाता है—
(a) विधवा, तलाकशुदा, उपेक्षित महिलाओं को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए
(b) उपर्युक्त वर्ग की महिलाओं से कोई लेना-देना नहीं
(c) खाती-पीती तन्दुरुस्त महिलाओं को तकनीकी शिक्षा हेतु
(d) बच्चों को तकनीकी शिक्षा हेतु
उत्तर—(a)

274. भारत में योजना आयोग (Planning Commission) का गठन किस वर्ष किया गया था, जिसमें ये 4 कार्य-योजना निर्माण, संसाधन की व्यवस्था, योजना कार्यान्वयन एवं योजना समीक्षा तय किए गए?
(a) 1948 (b) 1950
(c) 1952 (d) 1954
उत्तर—(b)

275. निम्नलिखित में से कौन योजना आयोग तथा राज्य सरकारों के बीच समन्वयकर्त्ता का कार्य करता है?
(a) राष्ट्रीय विकास परिषद् (b) वित्त आयोग
(c) राष्ट्रीय एकीकरण परिषद् (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

276. केन्द्रीय ऊर्जा मन्त्रालय द्वारा प्रारम्भ 'प्रधानमन्त्री सहज बिजली हर घर योजना' के तहत प्रारम्भ वेब पोर्टल का नाम है?
(a) सौभाग्य (b) सिद्धि
(c) समृद्धि (d) सम्पन्नता
उत्तर—(a)

277. केन्द्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी 'प्रधानमन्त्री जन धन योजना' का नारा है—
(a) एक खाता – सम्पूर्ण सुरक्षा (b) मेरा देश – मेरा खाता
(c) एक परिवार – एक खाता (d) मेरा खाता – भाग्य विधाता
उत्तर—(d)

278. 'ट्रायसिम' योजना का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे था?
(a) रोजगार सृजन (b) निर्धनता निवारण
(c) प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (d) आदिवासी कल्याण
उत्तर—(b)

279. निम्नलिखित में से कौन-सी योजना महिला सशक्तीकरण से जुड़ी है?
(a) SABLA (b) SITRA
(c) DWCRA (d) TRDP
उत्तर—(a)

280. निम्नलिखित में से कौन-सा राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम का लक्ष्य है?
(a) सन् 2022 तक 90% ग्रामीण आबादी को स्वच्छ जल प्रदान करना
(b) सन् 2017 तक 50 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को पाइप लाइन पेयजल योजना के अन्तर्गत लाभ

(c) सन् 2022 तक 90% ग्रामीण आबादी आबादी को स्वच्छ जल प्रदान करना
(d) सन् 2022 तक प्रत्येक ग्रामीण व्यक्ति को उसके घर तक या घर से अधिकतम 50 मीटर की दूरी तक 70 लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन उपलब्ध कराना।

उत्तर–(a)

281. अम्बेडकर विशेष रोजगार योजना के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?
(a) लाभार्थी ग्रामीण क्षेत्र का निवासी हो
(b) ऐसे लाभार्थी को प्राथमिकता दी जाती है, जो स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना/आजीविका मिशन/अन्य योजना/अन्य विभागों से प्रशिक्षण प्राप्त हों
(c) योजना के अन्तर्गत चयनित कार्यकलाप की इकाई लागत ₹ 50,000 से कम नहीं होनी चाहिए।
(d) योजनान्तर्गत न्यूनतम 22 प्रतिशत लाभार्थी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के हों

उत्तर–(a)

282. केन्द्रीय परियोजना ''चमन/CHAMAN'' का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किस क्षेत्र से है?
(a) कृषि (b) सामाजिक सुरक्षा
(c) सड़क सुरक्षा (d) शैक्षणिक व्यवस्था

उत्तर–(a)

283. 'अन्नपूर्णा स्कीम' किस वर्ग की सहायतार्थ लागू की गई है?
(a) अनपढ़ बच्चों के उद्धार के लिए जिनकी आयु 14 वर्ष से कम है।
(b) पेंशन प्राप्त वृद्धावस्था नागरिकों के लिए
(c) वृद्ध नागरिकों के लिए जो वृद्धावस्था पेंशन के योग्य हैं, किन्तु उन्हें कोई आय प्राप्त नहीं होती
(d) किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए

उत्तर–(c)

284. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन किस कार्यक्रम का नया स्वरूप है?
(a) स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना
(b) मनरेगा
(c) एकीकृत ग्राम्य विकास कार्यक्रम
(d) किसी का भी नहीं

उत्तर–(a)

285. प्रधानमन्त्री ग्राम सड़क योजना किस प्रधानमन्त्री के जन्मदिन पर प्रारम्भ की गई थी?
(a) अटल बिहारी बाजपेयी (b) इन्दिरा गाँधी
(c) राजीव गाँधी (d) जवाहरलाल नेहरू

उत्तर–(a)

286. प्रधानमन्त्री ग्राम सड़क योजना के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?
(a) नक्सल प्रभावित जनपदों में 250 से अधिक जनसंख्या वाली सभी बसावटों को सर्व ॠतु मार्गों से जोड़ने की अनुमन्यता प्रदान की गई है।
(b) यह योजना अभी भी शत–प्रतिशत केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित है।
(c) इस योजना के अन्तर्गत अब केवल बनी हुई सड़कों का उच्चीकरण ही किया जाएगा।
(d) वर्ष 2013-14 से यह योजना पीएमजीएसवाई–2 के नाम से क्रियान्वित की जा रही है।

उत्तर–(b)

287. 'इन्दिरा आवास योजना' (IAY) गाँवों में रहने वाले गरीबों को आवास सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जवाहर रोजगार योजना से अलग कर एक स्वतंत्र योजना के रूप में लागू की गई–
(a) 1 जनवरी, 1996 (b) 1 जनवरी, 1997
(c) 1 जनवरी, 1998 (d) 1 जनवरी, 1999

उत्तर–(a)

288. ग्रामीण क्षेत्र में किसानों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए उ.प्र. सरकार ने कौन-से कदम उठाए हैं?
(a) खलिहान दुर्घटना बीमा (b) फसल बीमा योजना
(c) किसान क्रैडिट कार्ड (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर–(d)

289. उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में नई राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना किस वर्ष से लागू की है?
(a) 1985-86 (b) 1998-99
(c) 1997-98 (d) 1999-2000

उत्तर–(d)

290. उ.प्र. में मत्स्यजीवी सहकारी समितियों की स्थापना का उद्देश्य रखा गया–
(a) सभी समुदाय के व्यक्तियों को मत्स्य पालन हेतु
(b) मछुआ समुदाय के व्यक्तियों को सहकारिता से सम्बद्ध करने हेतु
(c) ऐसा कुछ नहीं (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(b)

291. उ.प्र. सहकारी संस्थान सेवा मण्डल का गठन किस वर्ष में हुआ, ताकि सहकारी संस्थाओं को अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने हेतु व्यावसायिक प्रबन्ध सुलभ हो सकें?
(a) मार्च 1970 (b) मार्च 1972
(c) मार्च 1982 (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(b)

292. निम्नलिखित में से कौन-सी योजना 2011 से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के रूप में चलाई जा रही है?
(a) मनरेगा
(b) जवाहर रोजगार योजना
(c) स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना
(d) जवाहर ग्राम समृद्धि योजना

उत्तर–(c)

293. निम्नलिखित में से कौन-सी योजना 'स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना' (SSSY) का अंग बन गई है?
(a) IRDP (b) TRYSEM
(c) DWCRA (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर–(c)

294. मनरेगा के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौन-सा विभाग क्रियाशील है?
(a) ग्राम्य विकास विभाग
(b) भूमि विकास एवं जल संसाधन विभाग
(c) बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग

(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(d)

295. ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर के लिए महत्वपूर्ण सामाजिक तथा आर्थिक आधारभूत अधोरचना के लिए निम्न तत्वों की पहचान की गई है—

I. स्वास्थ्य II. प्रारम्भिक शिक्षा

III. स्वच्छ पेयजल IV. आवास

V. सड़कें VI. स्वच्छता

उपर्युक्त के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?

(a) I, II, III, IV, V (b) II, III, IV, V, VI

(c) I, II IV, V, VI (d) III, IV, V, VI

उत्तर—(a)

296. उ.प्र. में अनुसूचित जातियों के लिए 'स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान' के अन्तर्गत अंश क्रय हेतु ब्याज रहित ऋण एवं अनुदान का प्रावधान कितने प्रतिशत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों हेतु रखा गया है?

(a) निर्बल वर्ग (30%) में आने वाले लगभग 50% अनुसूचित एवं जनजाति के लोगों हेतु

(b) निर्बल वर्ग (30%) में आने वाले सभी लोगों हेतु

(c) (a) और (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर—(a)

297. लोहिया ग्रामीण आवास योजना किस राज्य की योजना है?

(a) पं. बंगाल (b) बिहार

(c) त्रिपुरा (d) उत्तर प्रदेश

उत्तर—(d)

298. एम.जी.एन.आर.ई.जी.ए (MGNREGA) के अन्तर्गत सामग्री संघटक के मामले में, केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा किए गए निधिकरण का अनुपात.......होता है।

(a) 75 : 25 (b) 50 : 50

(c) 25 : 75 (d) 100 : 0

उत्तर—(a)

299. मध्याह्न भोजन कार्यक्रम (Mid-day Meal Programme) के अन्तर्गत मध्याह्न भोजन के पकाने, परोसने व उपभोग करने में स्वच्छता का ध्यान रखने के लिए जाँच-पड़ताल कितनी आवृत्ति पर करनी चाहिए?

(a) त्रैमासिक (b) दैनिक

(c) साप्ताहिक (d) पाक्षिक

उत्तर—(b)

300. अम्बेडकर विशेष रोजगार योजना (AVRY) के अन्तर्गत, परियोजना की इकाई लागत ...... से कम नहीं होनी चाहिए।

(a) ₹ 60,000 (b) ₹ 75,000

(c) ₹ 1,00,000 (d) ₹ 50,000

उत्तर—(d)

301. इंदिरा आवास योजना (IAY), जो एक केन्द्र समर्थित योजना है, का राज्य सरकार के साथ लागत सहभाजन अनुपात क्या है?

(a) 80 : 20 (b) 75 : 25

(c) 66 : 34 (d) 90 : 10

उत्तर—(b)

302. इन्दिरा आवास योजना निम्नलिखित में से किस योजना की उपयोजना के रूप में प्रारम्भ की गई थी?

(a) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (b) मनरेगा

(c) जवाहर रोजगार योजना

(d) ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारण्टी कार्यक्रम

उत्तर—(d)

303. इन्दिरा आवास योजना के बारे में दिए गए कथनों पर विचार करके नीचे दिए गए कूटों में से सही विकल्प चुनिए—

I. 1 अप्रैल, 1996 से यह एक स्वतंत्र योजना के रूप में कार्यान्वित की जा रही है,

II. यह योजना जवाहर रोजगार योजना का एक घटक थी।

III. इस योजना में कम से कम 60 प्रतिशत लाभार्थी अनुसूचित जाति/जनजाति के होने चाहिए।

(a) केवल कथन I सही है। (b) केवल कथन I और II सही है

(c) कथन I, II, III तीनों सही है (d) केवल कथन II और III सही है

उत्तर—(c)

304. निम्नलिखित में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

(a) इन्दिरा आवास योजना–1 अप्रैल, 1996

(b) राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन–1 अप्रैल, 2013

(c) स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना 25 दिसम्बर, 2000

(d) मनरेगा–2 फरवरी, 2006

उत्तर—(c)

305. ग्रामीण क्षेत्रों में आधारित अधोरचना विकास में निम्नलिखित में से किस कार्यक्रम का योगदान रहा है?

(a) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (b) जवाहर रोजगार योजना

(c) मनरेगा (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(d)

306. जिला स्तर पर मनरेगा का परिचालन किस इकाई द्वारा किया जाता है?

(a) जिला पंचायत (b) मुख्य विकास अधिकारी

(c) जिला ग्राम्य विकास अभिकरण (d) पारियोजना निदेशक, मनरेगा

उत्तर—(c)

307. निम्नलिखित कथनों पर विचार करके उत्तर का सही विकल्प चुनिए—

कथन I– इंदिरा आवास योजना के अन्तर्गत इंदिरा आवास महिला के नाम अथवा पति/पत्नी के संयुक्त नाम से आवंटित किया जाता है।

कथन II– लोहिया ग्रामीण आवास योजनान्तर्गत आवास का आवंटन लाभार्थी परिवार की महिला के नाम से किया जाता है।

(a) केवल कथन I सही है (b) केवल कथन II सही है

(c) कथन I एवं II दोनों ही सही है (d) कथन I एवं II दोनों ही गलत है

उत्तर—(c)

308. लोहिया ग्रामीण आवास योजना के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

(a) वर्ष 2014-15 से मनरेगा से 90 दिन सीमा तक कन्वर्जेन्स की व्यवस्था की गयी थी

(b) आवासों का आवंटन लाभार्थी परिवार की महिला सदस्य के नाम होगा

(c) प्रत्येक आवास पर सोलर लाइट लगाई जाएगी

(d) प्रति आवास न्यूनतम आच्छादन क्षेत्रफल 50 वर्गमीटर है।

उत्तर—(d)

309. निम्नलिखित में कौन-सा कथन 'स्वजल धारा' योजना के लिए सत्य है?

(a) यह राज्य सरकार के स्वामित्व में है
(b) यह केन्द्र सरकार के स्वामित्व में है
(c) यह राज्य सरकार एवं स्थानीय निकायों के स्वामित्व में है
(d) यह केन्द्र सरकार एवं स्थानीय समुदाय के स्वामित्व में है।
उत्तर—(d)

310. प्रधानमन्त्री ग्रामोदय योजना में सम्मिलित नहीं है
(a) बेसिक शिक्षा (b) पोषाहार, पेयजल तथा स्वास्थ्य
(c) ग्रामीण सड़कें तथा आवास (d) लघु उद्योग
उत्तर—(d)

311. केन्द्र सरकार द्वारा 'कृषि मजदूर सामाजिक सुरक्षा योजना' की शुरुआत की गई थी
(a) 1 अप्रैल, 2001 को (b) 1 मई, 2002 को
(c) 1 जुलाई, 2001 को (d) 1 मार्च, 2002 को
उत्तर—(c)

312. केन्द्रीय आलू अनुसन्धान संस्थान कहाँ स्थित है?
(a) ऊना (b) सोलन
(c) कुफरी (d) धर्मशाला
उत्तर—(c)

16.7 विविध

313. जिस प्रकार भारत सरकार गुणवत्ता का चिन्ह आई.एस.आई. (ISI) प्रदान करती है वैसी क्वालिटी मार्किंग का चिह्न प्रदेश में क्या है?
(a) क्यू (Q) (b) यू (U)
(c) कोई चिन्ह्न नहीं (d) यू.पी. (U.P)
उत्तर—(c)

314. उत्तर प्रदेश राज्य के वित्तीय स्वास्थ्य की देख-रेख तथा सरकारी लेन-देनों में पारदर्शिता लाने के लिए कौन-सी वेबसाइट तैयार की गई है?
(a) एन. आई. सी. (b) अर्थशास्त्र
(c) कोशवानी (d) सृष्टि
उत्तर—(c)

315. लाल मिट्टियाँ पायी जाती हैं—
(a) आगरा-मथुरा में (b) एटा-मैनपुरी में
(c) सीतापुर-बाराबंकी में (d) मिर्जापुर-झाँसी में
उत्तर—(d)

316. उत्तर प्रदेश में पंचायत राज्य अधिनियम कब बनाया गया?
(a) सन् 1945 (b) सन् 1946
(c) सन् 1949 (d) सन् 1948
उत्तर—(d)

318. उ.प्र. की लगभग कितने प्रतिशत जनसंख्या मूलत: ग्रामीण अंचलों में निवास करती है?
(a) 77-72% (b) 50-32%
(c) 90-46% (d) 30-33%
उत्तर—(a)

319. उत्तर प्रदेश की पंचायती राज संस्थाओं में कितने प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं?
(a) 25% (b) $33\frac{1}{3}\%$
(c) 50% (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(b)

320. ग्राम कचहरी का कार्यकाल कितने वर्ष का है?
(a) 12 वर्ष (b) 10 वर्ष
(c) 6 वर्ष (d) 5 वर्ष
उत्तर—(d)

321. जिलापरिषद् का प्रधान कौन होता है?
(a) सरपंच (b) मुखिया
(c) अध्यक्ष (d) मेयर
उत्तर—(c)

322. ग्राम कचहरी का प्रधान कौन होता है?
(a) पंचायत सेवक (b) पंच
(c) मुखिया (d) सरपंच
उत्तर—(d)

323. निम्नलिखित में से किस राज्य में पंचायती राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित नहीं किए गए हैं?
(a) बिहार (b) उत्तर प्रदेश
(c) मध्य प्रदेश (d) हिमाचल प्रदेश
उत्तर—(b)

324. ग्राम पंचायत का कार्यकाल कितने वर्ष का है?
(a) 2 वर्ष (b) 4 वर्ष
(c) 3 वर्ष (d) 5 वर्ष
उत्तर—(d)

325. उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक की स्थापना कब की गई थी?
(a) 1949 (b) 1950
(c) 1959 (d) 1999
उत्तर—(c)

326. निम्नलिखित में से कौन-सी उत्तर प्रदेश की सबसे प्रमुख सामाजिक समस्या है?
(a) क्षेत्रीयतावाद (b) जातीय उन्माद
(c) वर्ग संघर्ष (d) साम्प्रदायिक तनाव
उत्तर—(d)

327. उ.प्र. में सहकारी समितियों/संस्थानों द्वारा सहकारी कृषि निवेश आपूर्ति एवं वितरण योजना में खेती से जुड़े किसानों को दिया जाता है—
(a) प्रमाणित बीज (b) रासायनिक उर्वरक
(c) अल्पकालीन ऋण (d) उपर्युक्त सभी
उत्तर—(d)

328. उ.प्र. में उर्वरक आपूर्ति हेतु अनुदान किस प्रकार के उर्वरकों पर दिया गया/जाता है?
(a) नत्रजनधारी उर्वरकों पर
(b) केवल फॉस्फेटिक
(c) पोटैशिक एवं फॉस्फेटिक दोनों प्रकार के उर्वरकों पर
(d) केवल पोटेशिक
उत्तर—(c)

329. पंचायत समिति का मुख्यालय कहाँ होता है?
(a) गाँव (b) प्रखंड
(c) अनुमंडल (d) कहीं नहीं
उत्तर—(b)

330. पंचायती संस्थाओं के कर्त्तव्यों की सूची संविधान की किस अनुसूची में दी गई है?

(a) 11वीं (b) 12वीं
(c) 13वीं (d) 10वीं

उत्तर—(a)

331. प्रदेश की कृषि संस्थानों ने उन्नत बीजों को तैयार किया है, अन्य प्रदेशों से भी बीजों के मूल आते हैं, बीज निगम किसानों को बोने के लिए कौन-से बीज जारी करता है?

(a) मूल बीज (b) प्रजनक बीज
(c) प्रमाणीकृत बीज (d) स्थानीय लोगों से खरीदे गए बीज

उत्तर—(c)

332. ग्राम पंचायत के मुखिया का निर्वाचन.........के सदस्यों के द्वारा होता है—

(a) ग्राम सभा (b) प्रखंड विकास पदाधिकारी
(c) अध्यक्ष (d) प्रमुख

उत्तर—(a)

333. उ.प्र. की समस्त आबादी में कितने प्रतिशत लोग निर्बल वर्ग में आते हैं?

(a) लगभग 10% (b) लगभग 50%
(c) लगभग 30% (d) लगभग 80%

उत्तर—(c)

334. उत्तर प्रदेश में एक वर्ष में न्यूनतम कितनी ग्राम सभा की बैठक (मीटिंग) होनी चाहिए?

(a) 3 (b) 4
(c) 6 (d) 2

उत्तर—(d)

335. निम्नलिखित में से कौन-सा एक उत्तर प्रदेश राज्य के अधीनस्थ/न्यायिक सेवा के रूप में कार्य करता है?

(a) चन्दौली जिला न्यायालय (b) पीलीभीत जिला न्यायालय
(c) बाँदा जिला न्यायालय (d) इटावा जिला न्यायालय

उत्तर—(d)

336. यदि पंचायत भंग होती है, तो किस अवधि के अंदर चुनाव होंगे?

(a) 3 माह (b) 1 माह
(c) 6 माह (d) 1 वर्ष

उत्तर—(c)

337. उत्तर प्रदेश में भू-क्षेत्रफल मापन की सबसे छोटी इकाई कौन-सी है?

(a) एकड़ (b) बीघा
(c) बिस्वा (d) विस्वान्सी

उत्तर—(d)

338. इस प्रदेश में प्रचलित धरातल की माप में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) 20 कचवांसी = 1 बिस्वांसी (b) 20 विस्वांसी = 1 बिस्वा
(c) 20 विस्वा = 1 बीघा (d) 1 बीघा = 55 × 55 वर्गगज

उत्तर—(a)

339. क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का भारत के राज्यों में कौन-सा स्थान है?

(a) चौथा (b) पाँचवाँ
(c) दूसरा (d) तीसरा

उत्तर—(a)

340. उत्तर प्रदेश में पर्यावरण एवं प्राकृतिक वन सम्पदा के निर्मम दोहन को रोकने एवं प्राकृतिक सन्तुलन को बनाये रखने हेतु जन-चेतना का .... आन्दोलन प्रतीक है।

(a) जनसंख्या रोको (b) एपीको
(c) चिपको (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

341. राष्ट्रीय विकास परिषद (NDC–National Development Council) योजना प्रक्रिया से जुड़े एक निकाय हेतु स्थापना केन्द्र सरकार द्वारा कब की गई थी?

(a) 1952 (b) 1954
(c) 1955 (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

342. उत्तर प्रदेश का कौन-सा उद्योग हस्तकला उद्योग संवर्ग में आता है?

(a) आगरा का मार्बल उद्योग (b) मिर्जापुर भदोही का कालीन उद्योग
(c) जरदोजी (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(d)

343. उत्तर प्रदेश में कुम्भ मेले का आयोजन किन दो जगहों पर किया जाता है?

(a) प्रयाग-वाराणसी (b) वाराणसी-हरिद्वार
(c) हरिद्वार-विठूर (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(d)

344. .... सुल्तानपुर ने सामाजिक वानिकी योजना की कुशल कार्यप्रणाली के लए केन्द्रीकृत डाटाबेस की समस्या का समाधान करने की पहल की है।

(a) राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन
(b) राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (नेशनल इन्फोर्मेटिक्स सेंटर– NIC)
(c) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
(d) जिला उद्योग केन्द्र

उत्तर—(b)

345. तहसील स्तर पर सरकारी निकायों को क्या कहा जाता है?

(a) नगरपालिका (b) ग्राम सभा
(c) ग्राम पंचायत (d) पंचायत समिति

उत्तर—(d)

346. 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर कौन-सा है?

(a) कानपुर (b) लखनऊ
(c) आगरा (d) बरेली

उत्तर—(a)

347. एक ग्राम पंचायत में महिलाओं के लिए कितने प्रतिशत पद आरक्षित होने चाहिए?

(a) 20% (b) 50%
(c) 10% (d) 33%

उत्तर—(d)

348. विजन 2020 प्रपत्र तैयार किया गया था

(a) वित्त मन्त्रालय द्वारा
(b) नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनोमिक रिसर्च द्वारा
(c) नीति आयोग द्वारा (d) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा

उत्तर—(c)

17. साल्वड पेपर्स

17.1 उत्तर प्रदेश राजस्व लेखपाल भर्ती परीक्षा 13.9.2015 (सुबह की पाली)

1. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों के निर्माण के लिए नवम्बर, 2014 में उत्तर प्रदेश सरकार ने ₹............ करोड़ का प्रावधान किया।

(a) 556 (b) 685
(c) 123 (d) 315

उत्तर—(b)

2. भारत की जनगणना 2011 के अनुसार, उत्तर प्रदेश का प्रति वर्ग किलोमीटर जनसंख्या घनत्व क्या है ?

(a) 829 (b) 920
(c) 620 (d) 720

उत्तर—(a)

3. राष्ट्रीय ग्रामीण पेय जल कार्यक्रम (NRDWP) के अन्तर्गत, 2022 तक देश में हर ग्रामीण व्यक्ति को उनके घरेलू परिसरों में या उनके घरों से क्षैतिज या ऊर्ध्वाधर दिशा में 50 मीटर की दूरी से कम पर कितने लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पेय जल उपलब्ध होना चाहिए ?

(a) 80 (b) 100
(c) 60 (d) 70

उत्तर—(d)

4. उत्तर प्रदेश में 75 जिलों सहित कितने प्रमुख मण्डल हैं ?

(a) 27 (b) 32
(c) 23 (d) 18

उत्तर—(d)

YUKTI ज्ञान—*उत्तर प्रदेश में मण्डल इस प्रकार हैं—आगरा, अलीगढ़, आजमगढ़, इलाहाबाद, बरेली, बस्ती, फैजाबाद, गोरखपुर, झाँसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद, सहारनपुर, श्रीदेवी पाटन, मिर्जापुर, चित्रकूट धाम, वाराणसी।*

5. सामाजिक वानिकी कार्यक्रम का उद्देश्य निम्नलिखित सभी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण है सिवाय

(a) फसल के लिए अनुपयुक्त सार्वजनिक भूमि पर
(b) नगरीय औद्योगिक सम्पदाओं में
(c) सड़कों एवं रेल पटरियों के साथ–साथ
(d) निम्नीकृत वन आरक्षित क्षेत्रों में

उत्तर—(d)

6. उत्तर प्रदेश में किस वर्ष में एम. जी. एन. आर. ई. जी.ए. (MGNREGA) प्रारम्भ किया गया ?

(a) 2007 (b) 2008
(c) 2005 (d) 2006

उत्तर—(d)

YUKTI ज्ञान—*उत्तर प्रदेश में 2 फरवरी, 2006 से MGNREGA प्रारम्भ किया।*

7. क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का भारत के राज्यों में कौन–सा स्थान है ?

(a) चौथा (b) पाँचवाँ
(c) दूसरा (d) तीसरा

उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का वर्तमान में चौथा स्थान है। प्रथम पर राजस्थान, द्वितीय पर मध्य प्रदेश तथा तृतीय पर महाराष्ट्र है।*

8. नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002) में ग्रामीण क्षेत्रों में बी.पी.एल. (BPL) के लिए निश्चित की गई वार्षिक पारिवारिक आय का स्तर क्या है ?

(a) ₹ 25,000 (b) ₹ 28,000
(c) ₹ 20,000 (d) ₹ 18,000

उत्तर—(c)

9. उत्तर प्रदेश में प्रमुख रेल इंजन संयंत्र कहाँ पर स्थित है ?

(a) अलीगढ़ क्षेत्र (b) फतेहपुर क्षेत्र
(c) मुगलसराय क्षेत्र (d) कानपुर क्षेत्र

उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*उत्तर प्रदेश में प्रमुख रेल इंजन संयंत्र मुगलसराय (वाराणसी) क्षेत्र में स्थित है।*

10. उत्तर प्रदेश राजमार्ग भू–नियंत्रण अधिनियम किस वर्ष में पारित किया गया था ?

(a) 1952 (b) 1956
(c) 1945 (d) 1947

उत्तर—(c)

11. आम्बेडकर विशेष रोजगार योजना (AVRY) के अन्तर्गत सामान्य श्रेणी लाभार्थियों के लिए उपलब्ध इकाई लागत प्रतिशतता एवं अधिकतम आर्थिक सहायता (सब्सिडी) धनराशि क्या है ?

(a) 25% ₹ 7,500 (b) 33% ₹ 7,500
(c) 25% ₹ 10,000 (d) 33% ₹ 10,000

उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*आम्बेडकर विशेष रोजगार योजना (AVRY) के अन्तर्गत सामान्य श्रेणी लाभार्थियों के लिये उपलब्ध इकाई प्रतिशतता एवं अधिकतम आर्थिक सहायता (सब्सिडी) धनराशि 25% 7,500/- है और 33% 10,000/- अनुसूचित जाति/जनजाति के लिये है।*

12. मध्याह्न भोजन कार्यक्रम (Mid-day Meal Programme) के अन्तर्गत मध्याह्न भोजन के पकाने, परोसने व उपभोग करने में स्वच्छता का ध्यान रखने के लिए जाँच–पड़ताल कितनी आवृत्ति पर करनी चाहिए ?

(a) दैनिक (b) त्रैमासिक
(c) साप्ताहिक (d) पाक्षिक

उत्तर—(a)

13. उत्तर प्रदेश राज्य के वित्तीय स्वास्थ्य की देख-रेख तथा सरकारी लेन-देनों में पारदर्शिता लाने के लिए कौन-सी वेबसाइट तैयार की गई है ?

(a) एन. आई. सी. (b) अर्थशास्त्र
(c) कोशवानी (d) सृष्टि

उत्तर—(c)

14. मध्य भारत में एक बीघा कितने हेक्टेयर के बराबर होता है ?

(a) 0.2529 हेक्टेयर (b) 0.4425 हेक्टेयर
(c) 0.2025 हेक्टेयर (d) 0.3058 हेक्टेयर

उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*मध्य भारत में एक बीघा 2529.3 मी² के बराबर माना गया है। अतः एक हेक्टेयर में यह मान 0.2529 के बराबर होगा।*

15. कौन-से शास्त्रीय नृत्य रूप का उत्तर प्रदेश में उद्भव हुआ ?

(a) कुचीपुड़ी (b) घूमर
(c) कथक (d) भरतनाट्यम

उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*कथक का उद्भव उत्तर प्रदेश में, कुचीपुड़ी का आन्ध्र प्रदेश में, घूमर का राजस्थान में और भरतनाट्यम का तमिलनाडु में हुआ।*

16. जमाबन्दी से क्या तात्पर्य है ?

(a) कृषि प्रलेख
(b) मैपिंग शीट
(c) भू-अधिकारों के प्रलेख
(d) पटवारी के नक्शे की कपड़े की कॉपी

उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*जमाबन्दी ब्रिटिश काल में भू अधिकारों के प्रलेख होते हैं।*

17. एस.जी.एस.वाई (SGSY) का पूर्ण रूप है।

(a) स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना
(b) स्वर्णजयंती ग्राम सड़क योजना
(c) स्वर्णजयंती ग्राम सुरक्षा योजना
(d) स्वर्णजयंती ग्रामीण सेवा योजना

उत्तर—(a)

18. किस मण्डल को विश्व के उत्कृष्ट कालीन उद्योगों का केन्द्र माना जाता है ?

(a) अलीगढ़ (b) आजमगढ़
(c) मिर्जापुर (d) देवीपटन

उत्तर—(c)

19. उत्तर प्रदेश में लिंगानुपात वर्ष 2001 में 898 से वर्ष 2011 में ...... तक पहुँचा है।

(a) 925 (b) 930
(c) 912 (d) 922

उत्तर—(c)

20. उत्तर प्रदेश में किस प्रकार की मिलें सबसे अधिक संख्या में हैं ?

(a) चावल (b) इस्पात बेलनी
(c) कपड़ा (d) चीनी

उत्तर—(d)

21. बी.पी.एल. सूचियों से छूटे हुए बी.पी.एल. परिवारों को लाभ पहुँचाने के लिए कौन-सी योजना प्रारम्भ की गई ?

(a) समाजवादी पेंशन स्कीम
(b) मुख्यमंत्री महामाया गरीब आर्थिक मदद योजना
(c) समाजवादी आवास योजना
(d) प्रधानमंत्री रोजगार योजना

उत्तर—(a)

22. निम्नलिखित में से कौन-सा एक उत्तर प्रदेश राज्य के अधीनस्थ न्यायिक सेवा के रूप में कार्य करता है ?

(a) चन्दौली जिला न्यायालय (b) पीलीभीत जिला न्यायालय
(c) बाँदा जिला न्यायालय (d) इटावा जिला न्यायालय

उत्तर—(d)

YUKTI ज्ञान—*उत्तर प्रदेश राज्य के अधीनस्थ जिला न्यायिक सेवा के रूप में कार्यरत इटावा जिला न्यायालय है। इसके अतिरिक्त कानपुर देहात जिला न्यायालय है।*

23. ब्रिटिश शासन के दौरान उत्तर प्रदेश में भूमि पंजीकरण किस अधिकारी द्वारा किया जाता था ?

(a) राज्यपाल (b) लिपिक
(c) लेखपाल (d) काजी

उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*ब्रिटिश शासन के दौरान उत्तर प्रदेश में भूमि पंजीकरण लेखपाल अथवा पटवारी (पूर्वनाम) द्वारा किया जाता था, जो सही है।*
नोट—आयोग ने उत्तर (d) काजी को माना है।

24. राज्यसभा में कितनी सीटें उत्तर प्रदेश में हैं ?

(a) 62 (b) 29
(c) 40 (d) 31

उत्तर—(d)

YUKTI ज्ञान—*उत्तर प्रदेश राज्यसभा और लोकसभा की सीटों की संख्या के बारे में देश में प्रथम स्थान पर है। यहाँ राज्यसभा की 31 और लोकसभा की 80 सीटें हैं।*

17.2 उत्तर प्रदेश राजस्व लेखपाल भर्ती परीक्षा 13.9.2015 (शाम की पाली)

1. कौन-सी उपभाषा राज्य के पश्चिमी भागों-रोहिलखण्ड और उपरि-दोआब, में बोली जाती है ?

(a) बुन्देलखण्डी (b) खड़ी बोली
(c) अवधी (d) ब्रज भाषा

उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थित रामपुर, बरेली, पीलीभीत आदि जिलों को रुहेलखण्ड कहा जाता है। यहाँ खड़ी बोली, बोली जाती है। बुन्देलखण्डी झाँसी, ललितपुर, जालौन आदि जिलों में बोली जाती है तथा अवधी लखनऊ, फैजाबाद, प्रतापगढ़ आदि जिलों में बोली जाती है।*

2. तहसील स्तर पर सरकारी निकायों को क्या कहा जाता है ?

(a) पंचायत समिति (b) ग्राम सभा
(c) ग्राम पंचायत (d) नगरपालिका

उत्तर—(a)

3. 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर कौन-सा है ?

(a) कानपुर (b) लखनऊ
(c) अलीगढ़ (d) बरेली

उत्तर—(a)

4. हाल ही में केन्द्र सरकार को प्रस्तुत की गई सी. रंगराजन की रिपोर्ट के अनुसार, कोई व्यक्ति जो ग्रामीण क्षेत्रों में ₹ .... से अधिक खर्च करता है, उसे गरीब नहीं समझा जाएगा।

(a) 32 (b) 43
(c) 50 (d) 26
उत्तर–(a)

YUKTI ज्ञान–*रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की रिपोर्ट के अनुसार कोई भी व्यक्ति 32 रुपये से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों तथा 47 रुपये से अधिक शहरी क्षेत्रों में प्रतिदिन खर्च करता है, गरीब नहीं समझा जाएगा।*

5. उत्तर प्रदेश के निम्नलिखित शहरों में से किससे पीतल उत्पादों का अधिकतम निर्यात किया जाता है ?
(a) मुरादाबाद (b) वाराणसी
(c) कानपुर (d) लखनऊ
उत्तर–(a)

6. उत्तर प्रदेश कितने जिलों में विभाजित है ?
(a) 75 (b) 85
(c) 95 (d) 65
उत्तर–(a)

7. आम्बेडकर विशेष रोजगार योजना (AVRY) के अन्तर्गत, परियोजना की इकाई लागत ················ से कम नहीं होनी चाहिए।
(a) ₹ 60,000 (b) ₹ 75,000
(c) ₹ 1,00,000 (d) ₹ 50,000
उत्तर–(d)

8. ············, सुल्तानपुर ने सामाजिक वानिकी योजना की कुशल कार्यप्रणाली के लिए केन्द्रीकृत डाटाबेस की समस्या का समाधान करने की पहल की है।
(a) राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन
(b) जिला उद्योग केन्द्र
(c) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
(d) राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (नेशनल इन्फोर्मैटिक्स सेण्टर - NIC)
उत्तर–(d)

YUKTI ज्ञान–*सुल्तानपुर में सामाजिकी वानिकी योजना की कुशल कार्यप्रणाली के लिये केन्द्रीकृत डाटाबेस की समस्या का समाधान करने की शुरुआत की है।*

9. उत्तर-मध्य रेलवे का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
(a) झाँसी (b) इलाहाबाद
(c) गाजियाबाद (d) आगरा
उत्तर–(b)

YUKTI ज्ञान–*उत्तर मध्य रेलवे का मुख्यालय सूबेदार गंज (इलाहाबाद) है।*

10. भारत में स्थित किस शहर को विश्व का सबसे पुराना शहर माना जाता है ?
(a) कुशीनगर (b) वाराणसी
(c) आगरा (d) सारनाथ
उत्तर–(b)

YUKTI ज्ञान–*वाराणसी विश्व का सबसे पुराना शहर है (लगभग 5000 वर्ष)। इसको भारत की अध्यायत्मिक राजधानी भी कहा जाता है। यहाँ के घाट तथा विश्वनाथ का मंदिर प्रसिद्ध है।*

11. चमड़े की वस्तुओं के लिए प्रसिद्ध जिले ············ हैं।
(a) आगरा और कानपुर (b) सोनभद्र और इलाहाबाद
(c) जौनपुर और रामनगर (d) मुरादाबाद और लखनऊ
उत्तर–(a)

12. इंदिरा आवास योजना (IAY), जो एक केन्द्र समर्थित योजना है, का राज्य सरकार के साथ लागत सहभाजन अनुपात क्या है ?
(a) 80 : 20 (b) 75 : 25
(c) 66 : 34 (d) 90 : 10
उत्तर–(b)

13. भू-कृषि का रिकॉर्ड कौन-सा है ?
(a) गिरदावरी (b) पंचनामा
(c) जमाबन्दी (d) खतौनी
उत्तर–(a)

YUKTI ज्ञान–*भू–कृषि का रिकॉर्ड **गिरदावरी** कहलाता है। यह एक प्रकार का फसल सर्वे है जो साल में दो बार होता है। **जमाबन्दी**–किसान की समस्त कृषि भूमि का विवरण एक ही रजिस्टर में होता है। **खतौनी**–एक किसान के पास कुल कितनी भूमि है इसका इन्द्राज खतौनी में होता है।*

14. एक बिस्वा का एक बीघा से क्या अनुपात है ?
(a) आधा (b) एक–चौथाई
(c) एक–दसवाँ (d) एक–बीसवाँ
उत्तर–(d)

YUKTI ज्ञान–*एक बिस्वा एक बीघा का बीसवाँ भाग होता है। यह भूमि माप या खेत माप की इकाई है।*

15. 1 एकड़ कितने वर्ग गज के बराबर होता है ?
(a) 4840 (b) 2025
(c) 4425 (d) 3025
उत्तर–(a)

16. एन.आर.ई.जी.पी. (NREGP) का पूर्ण रूप क्या है ?
(a) राष्ट्रीय ग्रामीण उद्यमिता गारन्टी कार्यक्रम
(b) राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा गारण्टी कार्यक्रम
(c) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी कार्यक्रम
(d) राष्ट्रीय क्षेत्रीय रोजगार गारण्टी कार्यक्रम
उत्तर–(c)

17. जिला अस्पतालों के लिए भारतीय लोक स्वास्थ्य मानकों के अनुसार, 10 लाख जनसंख्या वाले प्रत्येक जिले में कम-से-कम कितने बिस्तर होने चाहिए ?
(a) 195 (b) 300
(c) 350 (d) 50
उत्तर–(b)

18. घरेलू व्यक्तिगत सौर जल हीटर के लिए आर्थिक सहायता योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राज्य में क्या प्रोत्साहन दिया जाता है ?
(a) कर रियायत (b) बट्टा
(c) कर मुक्ति (d) छूट
उत्तर–(b)

YUKTI ज्ञान–*घरेलू व्यक्तिगत सौर जल हीटर के लिये आर्थिक सहायता योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राज्य में बट्टा या कर छूट दी जाती है।*

19. उत्तर प्रदेश की एक प्रमुख व्यावसायिक फसल क्या है ?
(a) गेहूँ (b) गन्ना
(c) मक्का (d) चावल
उत्तर–(b)

20. एक ग्राम में ग्राम के वार्डों से चुने हुए कितने सदस्य होते हैं, जिन्हें 'पंच' कहा जाता है ?
(a) 5 से 20 (b) 7 से 17
(c) 10 से 20 (d) 5 से 9
उत्तर–(b)

YUKTI **ज्ञान**—*एक ग्राम पंचायत में ग्राम के वार्डों से चुने हुये 7 से 17 सदस्य होते हैं, जिन्हें पंच कहते हैं। प्रत्येक गाँव में कई वार्ड होते हैं। इन वार्डों में पंच चुने जाते हैं।*

21. उत्तर प्रदेश के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति ……… करता है।
(a) प्रधानमंत्री
(b) भारत का राष्ट्रपति
(c) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(d) राज्यपाल
उत्तर—(b)

YUKTI **ज्ञान**—*उत्तर प्रदेश के उच्च न्यायालय के प्रमुख न्यायाधीश की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की सलाह से करते हैं।*

22. उत्तर प्रदेश में एक वर्ष में न्यूनतम कितनी ग्राम सभा की बैठक (मीटिंग) होनी चाहिए ?
(a) 3 (b) 4
(c) 6 (d) 2
उत्तर—(d)

YUKTI **ज्ञान**—*उत्तर प्रदेश में एक वर्ष में न्यूनतम 2 ग्राम सभा की बैठक होनी चाहिये। पंचायतीराज Act भाग (2) के सेक्शन 6 (3) में दिया है।*

23. एक व्यक्ति के लिए पंचायत का सदस्य बनने की न्यूनतम आयु सीमा कितनी है ?
(a) 21 वर्ष (b) 25 वर्ष
(c) 35 वर्ष (d) 18 वर्ष
उत्तर—(a)

YUKTI **ज्ञान**—*एक व्यक्ति के लिये पंचायत का सदस्य बनने की न्यूनतम आयु 21 वर्ष है। जबकि मत देने की आयु 18 वर्ष है।*

24. मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत, विद्यालय स्तर पर बच्चों के न्यूनभार की प्रतिशतता का आकलन किस आवृत्ति पर किया जाना चाहिए ?
(a) अर्धवार्षिक (b) त्रैमासिक
(c) वार्षिक (d) मासिक
उत्तर—(a)

25. एम. जी. एन. आर. ई. जी. ए. (MGNREGA) के अन्तर्गत सामग्री संघटक के मामले में, केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा किए गए निधिकरण का अनुपात ……… होता है।
(a) 100 : 0 (b) 50 : 50
(c) 25 : 75 (d) 75 : 25
उत्तर—(d)

YUKTI **ज्ञान**—*'मनरेगा' महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना है। इसे 25 अगस्त 2005 को लाया गया था। इसमें केन्द्र सरकार और राज्य सरकार का योगदान 75 : 25 है।*

17.3 उ. प्र. चकबन्दी लेखपाल भर्ती परीक्षा 8.11.2015 (सुबह की पाली)

1. ''और सभी कुछ प्रतीक्षा कर सकता है किन्तु कृषि नहीं।'' यह उद्गार किसका है ?
(a) पं. जवाहर लाल नेहरू (b) जगजीवन राम
(c) सिंकन्दर बख्त (d) लाल बहादुर शास्त्री
उत्तर—(a)

YUKTI **ज्ञान**—*ये शब्द पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने 1947 ई. में कहे थे। उन्होंने यह शब्द बंगाल में पड़े अकाल 1942-43 के सन्दर्भ में कहे थे।*

2. भारत में रजत क्रांति (Silver Revolution) किससे सम्बन्धित है ?
(a) चाँदी का उत्खनन (b) अण्डा और चिकन का उत्पादन
(c) कपास का उत्पादन (d) स्वच्छ पेय जल का बोतलीकरण
उत्तर—(b)

3. केसर के लिए पौधे का कौन-सा भाग उपयोग में लाया जाता है ?
(a) पत्ती (b) पुखुड़ी
(c) बाहादल (d) वर्तिकाग्र
उत्तर—(d)

YUKTI **ज्ञान**—*केसर के फूल के अंदर पायी जाने वाली लम्बी पतली धागेनुमा संरचना को केसर कहते हैं। यह **वर्तिकाग्र (Stigma)** में पायी जाती है। केसर का रंग लाल या भगवा होता है। केसर की खेती सबसे पहले ग्रीस/यूनान में शुरू की गई।*

4. 'महाजनी प्रथा' का सर्वप्रथम उल्लेख निम्नलिखित में से किस प्राचीन ग्रंथ में हुआ है ?
(a) शतपथब्राह्मण (b) उपनिषद
(c) रामायण (d) महाभारत
उत्तर—(a)

YUKTI **ज्ञान**—*महाजनी प्रथा का सबसे पहले उल्लेख शतपथ ब्राह्मण में मिलता है। यह स्वयं ऋषि याज्ञवल्क्य जी ने लिखा था।*

5. 'ललित' किसकी एक उत्तम किस्म है ?
(a) आम (b) संतरा
(c) पपीता (d) अमरूद
उत्तर—(d)

YUKTI **ज्ञान**—*'ललित' अमरूद की उत्तम प्रजाति है, जिसकी उत्पादकता अधिक है। इसका रंग लाल आभायुक्त केसरिया पीला होता है। जो मिठास से परिपूर्ण होता है।*

6. कृषि कार्य में लगे ट्रैक्टर की आवाज किस स्तर से अधिक नहीं होनी चाहिए ?
(a) 90 db (b) 100 db
(c) 120 db (d) 150 db
उत्तर—(a)

YUKTI **ज्ञान**—*पर्यावरण प्रदूषण की दृष्टि से कृषि कार्य में लगे ट्रैक्टर की आवाज 90 db से अधिक नहीं होने चाहिए।*

7. सेंट्रिफ्युगल पम्प का पानी निकालने के लिए कब प्रयोग किया जाता है ?
(a) जब पानी का सोत और विकास दोनों ज्यादा हों
(b) जब पानी का निकास ज्यादा और सोत मंद हो
(c) जब पानी का सोत और निकास दोनों मंद हो
(d) जब पानी का निकास मंद और सोत ज्यादा हो
उत्तर—(d)

8. धान में भूसी का प्रतिशत अनुमानत: कितना होता है ?
(a) 10% (b) 15%
(c) 20% (d) 35%
उत्तर—(c)

YUKTI **ज्ञान**—*भूसी का एक उच्च कौलोरी मान है इसलिये अक्षय ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।*

9. चावल के उन्नत बीज के प्रति हेक्टेयर बीजारोपण दर होती है ?

(a) 10 किग्रा. (b) 15 किग्रा.
(c) 25 किग्रा. (d) 30 किग्रा.
उत्तर—(b)

10. निम्नलिखित में से कौन-सा अम्लीय धरती पर सफलता से उगाया जा सकता है?
(a) खीरा (b) फली
(c) तरबूज (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*अम्लीय मिट्टी वह होती है जिसका pH मान 7 से कम हो। इस प्रकार की मिट्टी में तरबूज, फल, सब्जी खूब उगाए जाते हैं।*

11. 'पूसा रसराज' किसकी उन्नत किस्म है?
(a) टमाटर (b) तरबूज
(c) खरबूजा (d) खीरा
उत्तर—(c)

12. उत्तर भारत में गेहूँ की फसल की हेर-फेर किससे की जाती है?
(a) धान (b) कपास
(c) ईख (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(a)

13. एक हॉर्सपावर बराबर होता है?
(a) 700 वॉट (b) 746 वॉट
(c) 750 वॉट (d) 800 वॉट
उत्तर—(b)

14. 'कूड़े से हरित ऊर्जा' निर्माण में कौन-कौन-से राज्य अग्रणी हैं?
(a) उत्तर प्रदेश और पंजाब (b) महाराष्ट्र और पंजाब
(c) झारखण्ड और उत्तराखण्ड (d) गुजरात और मध्य प्रदेश
उत्तर—(b)

15. वैज्ञानिक अनुमान से इस ग्रह पर कितने वृक्ष हैं ?
(a) 422 बिलियन (b) 3 ट्रिलियन
(c) 400 बिलियन (d) कोई अनुमान उपलब्ध नहीं है
उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*येल विश्वविद्यालय के क्राउथर और उनके सहयोगियों द्वारा बनाई गई सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार पृथ्वी पर लगभग 3 ट्रिलियन वृक्ष पाए जाते हैं। हर व्यक्ति पर 420 पेड़ पड़ते हैं।*

16. कितने प्रतिशत ग्रामीण परिवार की रसोई में परम्परागत लकड़ी, गोबर आदि से खाना बनाया जाता है ?
(a) 71% (b) 75%
(c) 80% (d) 85%
उत्तर—(d)

17. केवल कितने प्रतिशत ग्रामीण परिवार की रसोई में मिट्टी के तेल से खाना बनाया जाता है ?
(a) 1% (b) 4%
(c) 7% (d) 13%
उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*NSSO (National Sample Survey Organization) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार 1% ग्रामीण परिवार की रसोई में मिट्टी के तेल से खाना बनाया जाता है।*

18. 'जाबो, ग्रामीण खेती करने का तरीका, कहाँ विद्यमान है?
(a) उत्तराखण्ड (b) नगालैण्ड
(c) हिमाचल प्रदेश (d) मिजोरम
उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*नगालैण्ड की अगांगी जनजाति द्वारा जाबो ग्रामीण खेती की जाती है। इसमें चावल की खेती की जाती है।*

19. 'किसान चैनल' का प्रधानमंत्री द्वारा कब उद्घाटन किया गया ?
(a) अभी चालू नहीं हुआ (b) 1 मई, 2015
(c) 26 मई, 2015 (d) 15 अगस्त, 2015
उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*डी. डी. किसान चैनल को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 26 मई, 2015 को शुरू किया।*

20. निम्नलिखित में से कौन-से दो जुताई के प्राथमिक उपकरण हैं ?
(a) मोल्डबोर्ड हल और डिस्क हैरो
(b) डिस्क हल और डिस्क हैरो
(c) डिस्क हैरो और कल्टीवेटर
(d) मोल्डबोर्ड हल और मृदा-खुदाल (सबसॉइलर)
उत्तर—(d)

21. सिंचाई में जल-प्रयोग की कुशल मितव्ययिता के अनुसार कौन-सी प्रणाली श्रेयस्कर है ?
(a) स्प्रिंकलर प्रणाली (b) ड्रिप प्रणाली
(c) फरो प्रणाली (d) चेक बेसिन प्रणाली
उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*सिंचाई में जल प्रयोग की कुशल मितव्ययी ड्रिप सिंचाई प्रणाली है। इस विधि के प्रयोग से पानी की बचत होती है। इससे पानी सीधे जड़ों तक पहुँचता है।*

22. मिट्टी का कटाव सर्वाधिक किस प्रकार की मिट्टी में होता है?
(a) बलुई मिट्टी (b) सिल्टी मिट्टी
(c) मटियार मिट्टी (d) उपर्युक्त सभी
उत्तर—(a)

23. भारत में कुल सिंचित क्षेत्र है?
(a) 45% (b) 50%
(c) 55% (d) 60%
उत्तर—(c)

24. इस प्रदेश में प्रचलित धरातल की माप में से कौन-सा सही नहीं है ?
(a) 20 कचवांसी = 1 बिस्वांसी (b) 20 बिस्वांसी =10 बिस्वा
(c) 20 बिस्वा = 1 बीघा (d) 1 बीघा = 55 × 55 वर्ग गज
उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—
20 कचवांसी = 1 बिस्वांसी
20 बिस्वांसी = 1 बिस्वा
20 बिस्वा = 1 बीघा
1 बीघा = 55 × 55 वर्ग गज

25. वार्षिक क्रम और वर्षांतर फसल उगाने की व्यवस्था को क्या कहते हैं?
(a) फसल-रोपण सूचकांक (b) फसल-रोपण प्रभाव
(c) फसल-रोपण विधि (d) फसल-रोपण अनुक्रम
उत्तर—(d)

26. प्रति वर्ष भारत में कितना कृषि का कूड़ा और खरपतवार निकलता है?
(a) 250 मिलियन टन (b) 300 मिलियन टन
(c) 350 मिलियन टन (d) 400 मिलियन टन
उत्तर—(c)

27. भारत में ग्राम पंचायत की कुल संख्या है ?
(a) 2,12,585 (b) 2,39,582
(c) 2,40,202 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(c)

28. भारत में कुल वन क्षेत्र हैं—
(a) 7,69,538 वर्ग किमी. (b) 7,68,538 वर्ग किमी.
(c) 6,66,538 वर्ग किमी. (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(a)

29. कुल खेती क्षेत्र से तात्पर्य है—
(a) वर्ष में सकल खेती करने योग्य क्षेत्र
(b) वर्ष में शुद्ध खेती किया गया क्षेत्र
(c) वर्ष में शुद्ध खेती किया गया क्षेत्र + वह क्षेत्र जिसमें एक बार से अधिक खेती की गई हो
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(c)

YUKTI **ज्ञान**—*कुल खेती का अर्थ है वर्ष में शुद्ध खेती किया गया क्षेत्र और वह क्षेत्र जिसमें एक बार से अधिक खेती की गई है। भारत में कुल भू–क्षेत्र 329 मिलियन हेक्टेयर है।*

30. निम्नलिखित में से कौन–सी रूट क्रॉप नहीं है ?
(a) आलू (b) चुकन्दर
(c) शकरकंद (d) ईख
उत्तर—(d)

YUKTI **ज्ञान**—*इसमें ईख (गन्ना) रूट क्राप नहीं है। रूट क्राप (जड़ युक्त) ऐसे पेड़ पौधे जिनका तना व जड़ों को खाने में इस्तेमाल किया जाता है। जैसे– आलू, चुकन्दर, शकरकंद आदि।*

31. गेहूँ में प्रोटीन का प्रतिशत कितना होता है ?
(a) 12% (b) 30%
(c) 45% (d) 25%
उत्तर—(a)

32. परिक्षेत्रीय मृदा को और क्या कहते हैं ?
(a) ट्रांसपोर्टेड मृदा (b) ड्रिफ्ट मृदा
(c) अल्यूवियल मृदा (d) उपर्युक्त सभी
उत्तर—(d)

YUKTI **ज्ञान**—*परिक्षेत्रीय मृदा उसे कहते हैं जहाँ पर वहाँ के वातावरण के अनुसार प्रभाव पड़ता अर्थात् क्षेत्रीय मानसून या क्षेत्रीय जलवायु का प्रभाव पड़ता है।*

33. N.P.K. के किस आनुपातिक प्रयोग की संस्तुति की गई है ?
(a) 6 : 3 : 1 (b) 4 : 2 : 1
(c) 4 : 3 : 1 (d) 4 : 2 : 2
उत्तर—(d)

YUKTI **ज्ञान**—*N.P.K. = 4 : 2 : 2 की आनुपातिक संस्तुति की गई है। नाइट्रोजन (N), फॉस्फोरस (P), तथा पोटेशियम (K) जमीन की उर्वरता बढ़ाने के लिये दिया जाता है।*

34. 'पूसा रुबी' किसकी उन्नत किस्म है ?
(a) बैगन (b) टमाटर
(c) फूलगोभी (d) बंदगोभी
उत्तर—(b)

YUKTI **ज्ञान**—*'पूसा रुबी' टमाटर की उन्नत किस्म है जिसे भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, दिल्ली द्वारा विकसित किया गया है। यह जल्दी पकने वाली टमाटर की प्रजाति है।*

35. एक थ्रेसर द्वारा दानों का अधिक नुकसान होता है, यदि
(a) इसकी गति अधिक हो
(b) इसकी गति मंद हो
(c) पकी फसल को थ्रेसर में डालने में कमी हो
(d) दाना निकालने की गति अधिक हो
उत्तर—(a)

36. दीमक को नष्ट करने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त रसायन है—
(a) रोगॉर (b) मोनोक्रोटोफस
(c) एण्डोसल्फान (d) क्लोरपाइरीफस
उत्तर—(b)

37. इनमें से कौन ग्रामीण विकास का वर्तमान कबीना (कैबिनेट) मंत्री है ?
(a) राधामोहन सिंह (b) चौधरी बीरेन्द्र सिंह
(c) राजीव प्रताप रुड़ी (d) जयंत सिन्हा
उत्तर—(d)

38. फसल कटाई परीक्षण (क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेण्ट) किसलिए किए जाते हैं?
(a) यह प्रदर्शित करने के लिए कि फसल की कटाई कितनी कुशलता से की जाती है।
(b) उपज का अनुमान लगाने के लिए
(c) फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(b)

39. आँवले का सर्वाधिक उत्पादन कहाँ होता है ?
(a) फतेहपुर (b) बाराबंकी
(c) मिर्जापुर (d) प्रतापगढ़
उत्तर—(d)

40. 'खसरा' और 'खतौनी' कौन तैयार करता है ?
(a) तहसीलदार
(b) उपविभागीय मजिस्ट्रेट (एस. डी. एम.)
(c) कानूनगो/लेखपाल (d) पटवारी
उत्तर—(d)

YUKTI **ज्ञान**—*खसरा और खतौनी पटवारी तैयार करता है। खेतों या कृषि भूमि के वैधानिक दस्तावेज होते हैं, जो भूमि और फसल विवरण के लिये रखा जाता है।*

17.4 उ. प्र. चकबन्दी लेखपाल भर्ती परीक्षा 8.11.2015 (शाम की पाली)

1. स्वदेशी हल है ?
(a) जुताई का एक द्वितीयक उपकरण
(b) नम धरती का एक कुदाल
(c) एक बहु–उद्देशीय उपकरण
(d) जुताई का एक प्राथमिक उपकरण
उत्तर—(d)

2. ईख की 'अदसाली' किस्म की फसल–अवधि क्या है ?
(a) 14 माह (b) 18 माह
(c) 22 माह (d) 8 माह
उत्तर—(b)

3. भारत में लगभग 90 प्रतिशत सिंचाई–क्षेत्र किसके अन्तर्गत है ?
(a) बॉर्डर प्रणाली (b) चेक बेसिन
(c) स्प्रिंक्लर (d) सतही सिंचाई
उत्तर—(d)

4. निम्नलिखित में से कौन–सा वृक्षीय सब्जी है ?
(a) बसेला (b) मेथी (फेनुग्रीक)
(c) करी–पत्ता (d) भारतीय पालक
उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*करी पत्ता वृक्षीय सब्जी है। करी पत्ता को मीठी नीम भी कहते हैं। इसका इस्तेमाल मसाले के रूप में किया जाता है। यह मधुमेह रोग के लिए लाभदायक है।*

5. तेज हवा की गति कितनी होती है ?
(a) 20 मील प्रति घण्टा (b) 30 मील प्रति घण्टा
(c) 40 मील प्रति घण्टा (d) 15 मील प्रति घण्टा
उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*ब्यूफोर्ट पैमाने के अनुसार तेज हवा की गति 22-27 समुद्री मील या 25-30 मील/घण्टा या 41-50 किलोमीटर/प्रति घण्टे है।*

6. भारत में कुल कितने गाँव हैं ?
(a) 597464 (b) 577698
(c) 640930 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*जनगणना 2011 के अनुसार भारत में कुल 6,40,930 (6,38,596) गाँव हैं। जिनमें से 5,93,731 गाँव बसे हुए हैं।*

7. भारत में कितने प्रतिशत ग्रामीण घरों को बिजली सुलभ है ?
(a) 52% (b) 60%
(c) 56% (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*56% ग्रामीण घरों में व 93% शहरी घरों में बिजली सुलभ है।*

8. भारत में मिट्टी के तेल का खुदरा बाजार मूल्य है—
(a) ₹ 25 प्रति लीटर (b) ₹ 28.50 प्रति लीटर
(c) ₹ 26 प्रति लीटर (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*मिट्टी के तेल का खुदरा मूल्य ₹ 28.50 प्रति लीटर है। जबकि सरकार इसे ₹ 12 रुपये प्रति लीटर PDS के माध्यम से उपलब्ध कराती है।*

9. जनगणना, 2011 के अनुसार ग्रामीण भारत की आबादी है ?
(a) 83.3 करोड़ (b) 73.3 करोड़
(c) 37.3 करोड़ (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*2011 की जनगणना के अनुसार भारत की ग्रामीण जनसंख्या 83.3 करोड़ अर्थात् 68.84% है। जबकि शहरी जनसंख्या 37.7 करोड़ अर्थात् 31.16% है।*

10. बहु प्रचलित सिंचाई का स्रोत है—
(a) ट्यूब वेल (b) तालाब
(c) कुआँ (d) नहर
उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*भारत में बहुप्रचलित सिंचाई स्रोत ट्यूबवेल 45% है। कुआं से सिंचाई 19%, नहर से सिंचाई 26% एवं तालाब से सिंचाई 3% है। अन्य स्रोतों से 7% सिंचाई होती है।*

11. ग्रामीण भारत में प्रत्येक वर्ष कितने प्रतिशत टी. वी. सेटों की ब्रिकी होती है।
(a) 40% (b) 50%
(c) 44% (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(c)

12. 'हरित क्रांति' का लाभकारी वरदान किन विशेष फसलों के लिए है ?
(a) दलहन और तिलहन (b) जूट और कपास
(c) गेहूँ और चावल (d) गन्ना और चाय
उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*भारत में हरित क्रांति **गेहूँ और चावल** जैसी फसलों के लिए वरदान साबित हुई है। हरित क्रांति के जनक एम. एस. स्वामीनाथन थे।*

13. ग्रामीण भारत में सर्प की कौन-सी प्रजाति अधिक संकटापन्न है।
(a) कॉमन क्रेट (b) किंग कोबरा
(c) स्केल्ड वाइपर (d) रसेल वाइपर
उत्तर—(d)

14. 'अधिया' और 'बटाई' शब्दों का प्रयोग किस अभिप्राय से किया जाता है ?
(a) ग्रामीण ऋण (b) फसल की साझेदारी
(c) कृषिकार्य बैठक (d) (b) और (c) दोनों
उत्तर—(d)

YUKTI ज्ञान—*फसल की साझेदारी अर्थात् फसल को आपस में बांटना अधिया है जबकि बंटाई में खेत को ठेके पर दिया जाता है या कृषि कार्य के ठेके का समझौता होता है।*

15. 'शिराजी' और 'बसरा' किसकी उत्तम प्रजातियाँ हैं ?
(a) कबूतर (b) ऊँट
(c) कछुआ (d) घोड़ा
उत्तर—(a)

16. भारत में सर्वाधिक और सबसे महत्वपूर्ण मिट्टी-समूह कौन-सा है ?
(a) जलोढ़ मिट्टी (b) लाल मिट्टी
(c) लैटेराइट मिट्टी (d) काली मिट्टी
उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*जलोढ़ मिट्टी नदियों द्वारा लाई गई है। यह दो प्रकार की होती है। बांगर (पुरानी जलोढ़) और खादर (नई जलोढ़) जलोढ़ मिट्टी भारत में 22% क्षेत्र पर पाई जाती है।*

17. आँधी में हवा की गति कितनी होती है ?
(a) 70 मील प्रति घण्टा (b) 80 मील प्रति घण्टा
(c) 80 मील प्रति घण्टा से अधिक (d) 60 मील प्रति घण्टा
उत्तर—(c)

18. भारत में ग्राम पंचायतों की संख्या है ?
(a) गैर-आबादी वाले गाँवों से अधिक
(b) गैर-आबादी वाले गाँवों से कम
(c) गैर-आबादी वाले गाँवों के बराबर
(d) आबादी वाले गाँवों के बराबर
उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*भारत में ग्राम पंचायतों की संख्या गैर आबादी वाले गांव से अधिक है। भारत में लगभग 2,50,000 ग्राम पंचायतें हैं।*

19. 'गूटी' का प्रयोग आमतौर पर किसके संवर्धन के लिए किया जाता है ?
(a) लीची (b) अनन्नास
(c) आम (d) पपीता
उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*'गूटी' का प्रयोग लीची के संवर्द्धन के लिये किया जाता है। इसको लीची को बोने के लिये किया जाता है।*

20. केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान कहाँ स्थित है ?
(a) फैजाबाद (b) शिमला
(c) शिमोगा (d) लखनऊ
उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला हिमाचल प्रदेश में है। इसकी स्थापना 1945 में हुई थी।*

21. उत्तर प्रदेश का मलीहाबाद किसलिए प्रसिद्ध है ?
(a) दशहरी आम (b) पीला खरबूजा
(c) मलीहाबादी बिरियानी (d) सूती चिकन
उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*उत्तर प्रदेश का मलिहाबादी दशहरी आम अपने स्वाद के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इसके अलावा आम की अन्य किस्म चौसा, फाजली, लखनौआ, जौहरी, सफेदा आदि है।*

22. पकते ही हरा टमाटर लाल क्यों हो जाता है ?
(a) पानी के अनुपाती परिवर्तन के कारण
(b) पकते समय तापमान में परिवर्तन के कारण
(c) क्लोरोप्लास्ट के क्रोमोप्लास्ट में बदलने के कारण
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*हरा टमाटर पकते ही लाल क्लोरोप्लास्ट के क्रोमोप्लास्ट में बदलने के कारण लाल होता है। क्रोमोप्लास्ट विशेष रंग के लिये जिम्मेदार होते हैं।*

23. यदि दूध से क्रीम को अलग कर लिया जाए, तो दूध का घनत्व—
(a) बढ़ जाता है (b) वही रहता है
(c) पहले कम होता है, फिर बढ़ जाता है।
(d) कम हो जाता है
उत्तर—(a)

24. 'पीत क्रांति' किससे सम्बन्धित है ?
(a) दुग्ध उत्पादन (b) तिलहन उत्पादन
(c) मछली उत्पादन (d) खाद्यान्न उत्पादन
उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*तिलहन उत्पादन से पीत/पीली क्रांति, दुग्ध उत्पादन से श्वेत क्रान्ति, मछली उत्पादन से नीली क्रान्ति और खाद्यान्न उत्पादन से हरित क्रान्ति सम्बन्धित है।*

25. लहसुन की तीव्र गंध का कारण है ?
(a) क्लोरो यौगिक (b) अम्लीय यौगिक
(c) गंधक यौगिक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*लहसुन, प्याज आदि में तीव्र गंध का कारण उसमें गंधक यौगिक का पाया जाना है।*

26. 'टपका' किस फसल का अंतिम चरण होता है ?
(a) आम (b) अमरूद
(c) अनन्नास (d) नींबू
उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*'टपका' आम की फसल का अंतिम चरण है। जब आम पकने पर टपक जाता है तो उसे टपका कहते हैं।*

27. भारत में आबादी वाले गाँवों की कुल संख्या है—
(a) 6,40,930 (b) 5,77,698
(c) 5,97,464 (d) 6,00,015
उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*भारत में कुल गाँव की संख्या 6,40,930 है। जिसमें से 5,97,464 गाँव आबादी वाले तथा 43,466 गाँव गैर–आबादी वाले हैं।*

28. कच्चे फलों को पकाने के लिए कौन-सी गैस प्रयोग की जाती है ?
(a) ऐसीटिलीन (b) कार्बन डाइऑक्साइड
(c) हाइड्रोजन (d) इथेन
उत्तर—(d)

YUKTI ज्ञान—*कच्चे फलों को पकाने के लिए एथिलीन का प्रयोग किया जाता है। कैल्सियम कार्बाइड भी कुछ देशों में फलों को पकाने के लिये प्रयोग किया जाता है।*

29. भारत के पशु कल्याण बोर्ड का मुख्य कार्यालय कहाँ है ?
(a) सीतापुर (b) जींद
(c) काँगड़ा (d) चेन्नई
उत्तर—(d)

YUKTI ज्ञान—*पशु कल्याण बोर्ड का मुख्यालय मद्रास (चेन्नई) में है। यह 1962 में पशु प्रतिक्रूरता रोकथाम अधिनियम, 1960 के तहत स्थापित किया गया था।*

30. निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रामीण क्षेत्र का जमीनी कर्ता-धर्ता है ?
(a) कानूनगो (b) लेखपाल
(c) पटवारी (d) तहसीलदार
उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*ग्रामीण क्षेत्र की जमीन का कर्ता–धर्ता लेखपाल होता है। लेखपाल का कार्य जमीन की नाप–जोख करना होता है। इनके पास गाँव की जमीन का पूरा लेखा जोखा होता है।*

31. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी उत्तर प्रदेश में बीहड़ों (रैवनी) का निर्माण करती है ?
(a) यमुना (b) गोमती
(c) हिण्डन (d) गंगा
उत्तर—(b)

32. उत्तर प्रदेश में किस प्रकार की मिट्टी अधिकांशत:, पाई जाती है ?
(a) बलुई मिट्टी (b) जलोढ़ मिट्टी
(c) लाल दोमट (d) लाल और काली मिट्टी का मिश्रण
उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*उत्तर प्रदेश के अधिकांश भाग में जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है। यह बहुत ही उपजाऊ मिट्टी होती है। इस मिट्टी का निर्माण गंगा नदी द्वारा बहाकर लाये गए कणों से हुआ है।*

33. उत्तर प्रदेश के किस भू-भाग में वार्षिक वर्षा सर्वाधिक होती है ?
(a) पठारी क्षेत्र (b) तराई का इलाका
(c) अनिश्चित वर्षा (d) मैदानी भू–भाग
उत्तर—(b)

34. उत्तर प्रदेश के किन जिलों में पटसन की खेती की जाती है ?
(a) देवरिया और गोरखपुर (b) सहारनपुर और हरदोई
(c) मथुरा और अलीगढ़ (d) इलाहाबाद और फतेहपुर
उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*जूट/पटसन की खेती उत्तर प्रदेश के देवरिया और गोरखपुर जिलों में की जाती है।*
जूट भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करता है। यह पर्यावरण का मित्र है तथा पारिस्थितिक तंत्र को बनाये रखता है।

35. 'स्वच्छ भारत अभियान' के अंतर्गत वर्ष 2019 तक ग्रामीण भारत में कितने शौचालय बनाने का लक्ष्य है ?
(a) 120 मिलियन (b) 130.40 मिलियन
(c) 150 मिलियन (d) 100 मिलियन
उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 2019 तक ग्रामीण भारत में 120 मिलियन शौचालय बनाने का लक्ष्य है। अब तक 80 मिलियन शौचालय बन चुके हैं।*

36. उत्तर प्रदेश के किस जिले में पुरुषों से महिलाओं का अनुपात सर्वाधिक है?
(a) आजमगढ़ (b) देवरिया
(c) सुल्तानपुर (d) जौनपुर
उत्तर—(d)

YUKTI ज्ञान—*2011 की जनगणना के अनुसार जौनपुर में महिलाओं की संख्या का अनुपात पुरुषों की तुलना में सर्वाधिक है। यहाँ 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 1024 है। इसके बाद आजमगढ़ 1000 : 1019 देवरिया 1000 : 1017 और सुल्तानपुर 1000 : 983 का स्थान है।*

37. ग्रामीण भारत के लिए गरीबी रेखा का आधार निर्धारित किया गया है ?
(a) ₹ 27 प्रति दिन के आय पर (b) ₹ 37 प्रति दिन के आय पर
(c) ₹ 33 प्रति दिन के आय पर (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर—(d)

YUKTI ज्ञान—*सुरेश तेंदुलकर रिपोर्ट के अनुसार भारत में ग्रामीण व्यक्ति के लिए 27/- रुपये प्रतिदिन और शहरी क्षेत्र में आय 33/- रुपये प्रतिदिन बताई है। (2011-12)*

38. संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' सारे विश्व के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में किस दिन मनाया गया ?
(a) 20 जून (b) 21 जून
(c) 25 जून (d) 15 जून
उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*प्रधानमंत्री द्वारा 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ में दिए अपने भाषण में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की अपील की गई थी जिसको UNO ने स्वीकार करते हुए 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया।*

39. विश्व में केला का सर्वाधिक उत्पादक देश है।
(a) थाईलैण्ड (b) बांग्लादेश
(c) भारत (d) श्रीलंका
उत्तर—(c)

40. यदि पंचायत भंग होती है, तो किस अवधि के अन्दर चुनाव होंगे ?
(a) 3 माह (b) 6 माह
(c) 1 माह (d) 1 वर्ष
उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*पंचायतीराज की शुरुआत 2 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौर जिले से शुरू हुई थी।*
73वें संविधान संशोधन से भाग - 9, अनूसूची - 11 अनुच्छेद 243 (क से ण) तक पंचायतीराज का प्रावधान है।

17.5 उत्तराखण्ड पटवारी भर्ती परीक्षा 2016

1. ओलम्पिक 2016 खेलों की शुरुआत ……… दिनांक से होगी।
(a) 5 अगस्त, 2016 (b) 11 अगस्त, 2016
(c) 15 अगस्त, 2016 (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*वर्ष 2016 में ओलम्पिक खेलों की शुरुआत 5 अगस्त, 2016 को रियो डी जनेरो (ब्राजील) में हुई थी।*

2. सही युग्म का चयन कीजिए—
(a) निशानेबाजी —लक्ष्मी रानी माझी
(b) कुश्ती —नरसिंह यादव
(c) एथलीट (पुरुष शॉटपुट) —इन्द्रजीत सिंह
(d) उपरोक्त में से सभी सही हैं।
उत्तर—(d)

3. उत्तराखण्ड प्रदेश में कौन-से फल की पैदावार नहीं होती—
(a) सेब (b) माल्टा
(c) लीची (d) नारियल
उत्तर—(d)

4. 'राधा भट्ट' द्वारा रचित पुस्तक का नाम है—
(a) हिमालय (b) हिमालय के दर्शन
(c) हिमालय की बेटी (d) हिमालय की चोटियाँ
उत्तर—(c)

5. किदम्बी श्रीकान्त का सम्बन्ध किस खेल से है—
(a) बैडमिण्टन (b) क्रिकेट
(c) फुटबाल (d) हॉकी
उत्तर—(a)

6. निम्न में से कौन नन्दा राजरात, यात्रा से सम्बन्धित है—
(a) चौसिंग्या खाडू (b) छंतोली
(c) a और b दोनों (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

7. गलत युग्म का चयन कीजिए—
(a) मेघा आ – कुमाऊँनी फिल्म
(b) जग्वाल – गढ़वाली फिल्म
(c) गोविन्द बल्लभ पन्त – भारत रत्न
(d) मेघदूत – प्रेमचन्द
उत्तर—(d)

8. महात्मा गाँधी ने प्रथम सत्याग्रह अभियान चलाया था—
(a) चम्पारन में (b) मुम्बई में
(b) इलाहाबाद (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

9. सही युग्म का चयन कीजिए—
(a) तिलहरी आभूषण – महिलायें गले में पहनती हैं।
(b) बेडु पाको बारहमासा गीत – मोहन उप्रेती
(c) जागर–गायिका – बसन्ती देवी बिष्ट
(d) उपरोक्त सभी युग्म सत्य हैं।
उत्तर—(d)

10. निम्न में से किसे कम्प्यूटर वायरस द्वारा बदला अथवा संशोधित किया जा सकता है—
(a) ऑपरेटिंग सिस्टम (b) नेटवर्क कनेक्टिविटी की स्पीड
(c) एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (d) उपरोक्त सभी।
उत्तर—(d)

11. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I (मेला)	सूची-II (स्थान)
(A) बिसु मेला	1. टिहरी
(B) सुरखण्डा देवी मेला	2. हरिद्वार
(C) कुम्भ मेला	3. चकराता ब्लॉक दून
(D) सोमनाथ मेला	4. अल्मोड़ा

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	1	3	2	4
(b)	3	4	2	1

(c) 3 1 2 4
(d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

12. निम्न में से कौन-सा/से लोक वाद्य यन्त्र (म्यूजिकल इंस्ट्रूमेण्ट) उत्तराखण्ड से सम्बन्धित है—
(a) ढोल (b) मशकबीन
(c) हुड़का (d) उपरोक्त सभी
उत्तर—(d)

13. 'डोला-पालकी' आन्दोलन सम्बन्धित था—
(a) शिल्पकार (b) चरवाहा
(c) बुनकर (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

14. 'प्रद्युम्नशाह, नरेश ……… के युद्ध में गोरखा के विरुद्ध लड़ते हुए शहीद हुए थे।
(a) श्रीनगर (b) खुडबड़ा
(c) अल्मोड़ा (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b)

15. बैडमिण्टन वर्ल्ड फेडरेशन चैम्पियनशिप से कौन सम्बन्धित है—
(a) चेल लॉग
(b) कैरोलिना मारिन
(c) मोहम्मद अहसान और हेन्द्रा सेतिवान
(d) उपरोक्त सभी
उत्तर—(d)

16. उत्तराखण्ड के प्रथम राज्यपाल थे—
(a) नित्यानन्द स्वामी (b) डॉ. के. के. पॉल
(c) सुरजीत सिंह बरनाला (d) डॉ. अजीज कुरैशी
उत्तर—(c)

17. उत्तराखण्ड विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष थे—
(a) प्रकाश पन्त (b) गोविन्द सिंह कुंजवाल
(c) यशपाल आर्य (d) पं. एन. डी. तिवारी
उत्तर—(a)

18. वर्तमान में 'विनोद राय' है—
(a) बैंक्स बोर्ड ब्यूरो के अध्यक्ष
(b) वित्त आयोग के अध्यक्ष
(c) प. बंगाल के राज्यपाल (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*प्रश्नकाल के दौरान विनोद राय बैंक्स बोर्ड ब्यूरो के अध्यक्ष थे।*

19. निम्न में से किसको दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार 2016 के लिए चुना गया—
(a) फिल्मकार संजय लीला भंसाली (b) अभिनेता मनोज कुमार
(c) अभिनेता गोविन्दा (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

20. वर्ष 2016 में एशिया कप T-20 किसने जीता—
(a) श्रीलंका (b) पाकिस्तान
(c) भारत (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

21. आई. सी. सी. वर्ल्ड T-20, 2016 का प्लेयर ऑफ सीरीज कौन था—
(a) एम. एस. धोनी (b) विराट कोहली
(c) मोहम्मद इकबाल (d) क्रिस गेल
उत्तर—(b)

22. गलत युग्म का चयन कीजिए—
(a) पन्तनगर हवाई अड्डा – नैनीताल
(b) गोचर हवाई अड्डा – उत्तरकाशी
(c) नैनीसैनी हवाई अड्डा – पिथौरागढ़
(d) a और b दोनों गलत युग्म हैं।
उत्तर—(d)

23. लखवाड़ बाँध ……… नदी पर बना है।
(a) भागीरथी नदी (b) यमुना नदी
(c) राम गंगा नदी (d) काली नदी
उत्तर—(b)

24. इण्टरनेट में निम्न में से किसका प्रोटोकाल इंजन के रूप में प्रयोग होता है—
(a) SLIP (b) TCP/IP
(c) PPP (d) HTTP
उत्तर—(b)

25. इण्टरनेट में निम्न में से कौन-सी सुविधाएँ उपलब्ध हैं—
(1) फाइल हस्तान्तरण (2) वर्ड प्रोसेसिंग
(3) इलेक्ट्रॉनिक मेल (4) रिमोट लोगिन
(a) 1, 2, & 4 (b) 1, 3, & 4
(c) 1 & 4 (d) 1, 2 & 3
उत्तर—(b)

26. 'लोक संस्कृति संग्रहालय' ……… में स्थित है।
(a) खुटानी (भीमताल) (b) रानीखेत
(c) काशीपुर (d) चम्पावत
उत्तर—(a)

27. उत्तराखण्ड के ……… में 'वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डिया' स्थित है।
(a) चमोली (b) पिथौरागढ़
(c) देहरादून (d) अल्मोड़ा
उत्तर—(c)

28. सही युग्म का चयन कीजिए—
(a) गंगोत्री नेशनल पार्क – उत्तरकाशी
(b) विनसर वाइल्ड लाइफ सैंचुरी – अल्मोड़ा
(c) सोनानदी वाइल्ड लाइफ सैंचुरी – यू. एस. नगर
(d) a और b दोनों सही युग्म हैं।
उत्तर—(d)

29. यदि पंचायत भंग होती है तो किस अवधि के अन्दर निर्वाचन होंगे—
(a) 6 वर्ष (b) 1 वर्ष
(c) एक माह (d) 6 माह
उत्तर—(d)

30. निम्नलिखित में से किसने 'अयोध्या : 6 दिसम्बर, 1992' नामक पुस्तक लिखी—
(a) पी. वी. नरसिम्हा राव (b) चन्द्रशेखर
(c) राजीव गाँधी (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

31. निम्न में से उत्तराखण्ड के किन जनपदों में राजा जी नेशनल पार्क स्थित है—
(a) देहरादून (b) पौड़ी
(c) हरिद्वार (d) उपरोक्त सभी जनपदों में
उत्तर—(d)

32. इण्टरनेट अथवा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रयोग से किसी व्यक्ति अथवा समूह अथवा संस्था को परेशान करने के लिए एक शब्द है—

(a) साइबर नेट (b) साइबर स्टाकिंग
(c) साइबर स्पेस (d) साइबर पॉलिशिंग
उत्तर—(b)

33. उत्तराखण्ड में हर्बल रिसर्च इंस्ट्टीयूट ……… में स्थित है।
(a) पिथौरागढ़ (b) चम्पावत
(c) गोपेश्वर (चमोली) (d) बागेश्वर
उत्तर—(c)

34. रघुराय निम्नलिखित में से कौन-से एक कर्मक्षेत्र में प्रसिद्ध है—
(a) गणितज्ञ (b) फोटोग्राफी
(c) जल संचयन (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b)

35. ……… फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार 88वें वार्षिक अकादमी पुरस्कार (ऑस्कर पुरस्कार) 2016 में जीता।
(a) आउट स्पॉट (b) लगान
(c) स्पॉट लाइट (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

36. उत्तराखण्ड की पहाड़ियों में 'चाल खाल' का सम्बन्ध निम्न में किससे है—
(a) जल संरक्षण (b) अग्नि संरक्षण
(c) वन संरक्षण (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

37. निम्न में से उत्तराखण्ड अर्थव्यवस्था के लिए आय का मुख्य स्रोत नहीं है—
(a) वन सम्पदा (b) पर्यटन
(c) फिल्म उद्योग (d) खनन
उत्तर—(b)

38. उत्तराखण्ड में निम्न में से किस जनपद की सबसे कम जनसंख्या है—
(a) देहरादून (b) बागेश्वर
(c) हरिद्वार (d) पिथौरागढ़
उत्तर—(b)

39. उत्तराखण्ड में निम्न में से किस जनपद की पुरुष जनसंख्या सबसे अधिक है—
(a) चमोली (b) अल्मोड़ा
(c) देहरादून (d) हरिद्वार
उत्तर—(d)

40. उत्तराखण्ड में लोकसभा क्षेत्र कितने हैं—
(a) 3 (b) 5
(c) 70 (d) 1
उत्तर—(b)

41. ……… RDX का एक अन्य नाम है।
(a) साइक्लोनाइट (b) डेक्सोन
(c) रेक्सोन (d) ट्राईक्लोनाइट
उत्तर—(a)

42. ……… अण्डे देता है और सीधे बच्चे नहीं देता।
(a) कंगारू (b) एकिड्ना
(c) सेही (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b)

43. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं—
1. गरबा — गुजरात
2. मोहिनी अट्टम — उड़ीसा
3. यक्षगान — कर्नाटक
कूट :
(a) केवल 1 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

44. गलत कथन का चयन कीजिए—
(a) अमृता शेरगिल एक कवि है
(b) भीमसेन जोशी एक चित्रकार है
(c) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' एक कवि थे।
(d) a और b दोनों
उत्तर—(d)

45. प्रसिद्ध विरुपाक्ष मन्दिर ……… में स्थित है।
(a) मुम्बई (b) पुरी
(c) हम्पी (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

46. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची – I (महत्वपूर्ण दिवस)	सूची-II (दिनांक)
(A) विश्व पर्यावरण दिवस	1. 7 अप्रैल
(B) विश्व ओजोन दिवस	2. 14 सितम्बर
(C) हिन्दी दिवस	3. 5 जून
(D) विश्व स्वास्थ्य दिवस	4. 16 सितम्बर

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	3	2	1	4
(b)	3	4	2	1
(c)	3	1	2	4

(d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b)

47. भारत के उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करने की शक्ति निहित है—
(a) संसद (b) भारत का राष्ट्रपति
(c) विधि आयोग (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

48. निम्न में से कौन-सी मुद्रा/मुद्राएँ कृत्रिम समझी जाती है/हैं—
(a) SDR (b) GDR
(c) a और b दोनों (d) ADR
उत्तर—(a)

49. निम्नलिखित अंग्रेजों में से कौन था जिसने सर्वप्रथम भगवत् गीता का अंग्रेजी में अनुवाद किया था—
(a) चार्ल्स जोन्स (b) चार्ल्स विल्किन्स
(c) जॉन हेरी (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b)

50. लिंगराज मन्दिर ……… में अवस्थित है।
(a) कोलकाता (b) बीजापुर
(c) भुवनेश्वर (d) इलाहाबाद
उत्तर—(c)

51. धर्मत का युद्ध निम्न में से किसके बीच लड़ा गया—
(a) मौ. गोरी और जयचन्द (b) बाबर और जयचन्द
(c) दुर्रानी और मराठा (d) औरंगजेब और दाराशिकोह
उत्तर—(d)

52. लेजर प्रिण्टर में निम्न में से कौन-सा एक लेजर प्रकार प्रयुक्त होता है—
(a) डॉट लेजर (b) गैस लेजर
(c) लाइन लेजर (d) इमेज लेजर
उत्तर—(b)

53. निम्न में से कौन-सा एक पराबैंगनी किरणों को विच्छेदन कर सकता है—
(a) सोडा काँच (b) पाइरेक्स काँच
(c) a और b दोनों (d) क्रुक्स काँच
उत्तर—(d)

54. निम्नलिखित प्रक्रमों में से किस एक के साथ CYMK सम्बन्धित है—
(a) ई. वी. एम. (b) रेलवे सकेतन
(c) ऑफसेट प्रिंटिंग (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

55. वायुमण्डल में प्रकाश के विसरण का कारण है—
(a) धूल कण (b) कार्बन डाई-ऑक्साइड
(c) नाइट्रोजन (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

56. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची – I (मन्दिर)	सूची-II (स्थान)
(A) चितई मन्दिर	1. देहरादून
(B) टपकेश्वर मन्दिर	2. हरिद्वार
(C) मंसादेवी मन्दिर	3. अल्मोड़ा

कूट :	(A)	(B)	(C)
(a)	1	2	3
(b)	2	3	1
(c)	3	2	1
(d)	3	1	2

उत्तर—(d)

57. उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र में एक नाली भूमि कितने वर्ग मीटर के बराबर होती है—
(a) 100 m^2 (b) 500 m^2
(c) 1000 m^2 (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(d)

58. ……… को उत्तराखण्ड का 'उबलता ताल' कहा जाता है।
(a) सत ताल (b) नैन ताल
(c) बायाँ ताल (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

59. निम्न में से 'पाताल भुवनेश्वर' क्या है—
(a) एक गुफा (b) एक ताल
(c) एक पार्क (d) एक नदी
उत्तर—(a)

60. 'यांगना' किस बुद्ध पिताका से सम्बन्धित है—
(a) सत्ल (b) अभिधम्म
(c) a और b दोनों (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b)

61. कम्प्यूटर में लाईट पैन किस प्रकार की युक्ति होती है—
(a) ऑप्टिकल आउटपुट युक्ति (b) इलेक्ट्रॉनिक निवेश युक्ति
(c) ऑप्टिकल निवेश युक्ति (d) यांत्रिक निवेश युक्ति
उत्तर—(c)

62. 'दायभाग' ग्रन्थ का लेखक कौन था—
(a) माधव (b) जीमूत वाहन
(c) लक्ष्मीधर (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b)

63. 'गदर पार्टी' का संस्थापक कौन था—
(a) लाला हरदयाल (b) लाला ओमदयाल
(c) रायदयाल (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

64. संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद् में निम्नलिखित में से कौन स्थायी सदस्य नहीं है—
(a) ब्रिटेन (b) संयुक्त राज्य अमेरिका
(c) जापान (d) चीन
उत्तर—(c)

65. ……… आस्ट्रेलियाई ओपन पुरुष एकल 2016 का खिताब जीता था।
(a) स्टेन वावरिंका (b) रैफेल नाडाल
(c) नोवाम जोकोविच (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

66. गलत कथन का चयन कीजिए—
(a) गौरी दत्त पाण्डेय को विकास मानव के नाम से भी जाना जाता है।
(b) कर्णावती को नाक कटी रानी के नाम से भी जाना जाता है।
(c) बडीदत्त पाण्डेय को कुमाऊँ केसरी के नाम से भी जाना जाता है।
(d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

67. उत्तराखण्ड का गाँधी के नाम से जाना जाता है—
(a) गुमानी पन्त (b) इन्द्रमणि बडोनी
(c) हेमवती नन्दन बहुगुणा (d) पं. नारायण दत्त
उत्तर—(b)

68. ……… को पिथौरागढ़ स्थापित करने के लिए जाना जाता है—
(a) राजा पिथौरा (b) राजा प्रीतम
(c) राजा पिथौराशाही (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

69. अलकनन्दा और ……… नदी का संगम नन्द प्रयाग में होता है।
(a) भागीरथी नदी (b) मन्दाकिनी नदी
(c) विष्णु गंगा नदी (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(d)

70. ……… के अन्तर्गत सुमन्त विदेश मन्त्री कहलाता था।
(a) अशोका (b) अकबर
(c) शिवाजी (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

71. निम्नांकित द्वीपों में कौन-सा भारत का भाग नहीं है—
(a) मॉरिशस (b) माफिया
(c) माल्टा (d) उपरोक्त सभी
उत्तर—(d)

72. रहस्यमयी झील के रूप में भी जाना जाता है—
(a) नैनीताल (b) सात-ताल
(c) रूप कुण्ड (d) हेम कुण्ड
उत्तर—(c)

73. यूनेस्को द्वारा ……… को सन् 1988 में वैश्विक धरोहर स्थल घोषित किया गया।
(a) नन्दा देवी बायोस्फीयर रिजर्व (b) राजाजी बायोस्फीयर रिजर्व
(c) गोविन्द नेशनल पार्क (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

74. कम्प्यूटर शब्दावली में BCD है—
(a) Binary Coded Digit (b) Bit Coded Decimal
(c) Binary Coded Decimal (d) Bit Coded Digit
उत्तर—(c)

75. सही कथन का चयन कीजिए—
(a) रोहित शर्मा ने लगातार तीसरे वर्ष मारुति सुजुकी ई.एस.पी.एन. क्रिकइन्फो पुरस्कार जीता।

(b) फुटबॉल उत्तराखण्ड का राज्य खेल है।
(c) a और b दोनों सत्य हैं।
(d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

76. बद्रीनाथ धाम के कपाट खोलने की तिथि किस दिन निश्चित की जाती है—
(a) बसंत पंचमी के दिन (b) होली के दिन
(c) शिवरात्रि के दिन (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

77. कुमाँऊ मण्डल के कितने जनपद गढ़वाल मण्डल की सीमा को स्पर्श करते हैं।
(a) 5 जनपद (b) 2 जनपद
(c) 3 जनपद (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(d)

78. सही कथन का चयन कीजिए—
(a) माणा पास चमोली में स्थित है
(b) सेला धुरा (पास) पिथौरागढ़ में स्थित है
(c) a और b दोनों सत्य हैं
(d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

79. बुद्ध के जीवन का सम्बन्ध किस राज्य से था—
(a) दिल्ली (b) कोसल
(c) मगध (d) b और c दोनों
उत्तर—(d)

80. अध्यक्ष सदन के किसी भी सदस्य को बोलने से रोक सकता है और अन्य किसी सदस्य को बोलने दे सकता है। यह घटना कहलाती है—
(a) बैठ जाना (b) मर्यादा
(c) a और b दोनों (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

81. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I (तहसील)	सूची-II (जिला)
(A) सल्ट	1. रुद्रप्रयाग
(B) लैंसडौन	2. ऊधमसिंह नगर
(C) ऊखीमठ	3. अल्मोड़ा
(D) खटीमा	4. पौड़ीगढ़वाल

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	3	4	2	1
(b)	4	3	1	2
(c)	3	4	1	2

(d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

82. सूची - I और सूची - II का मिलान कीजिए—

सूची - I (टाउन)	सूची-II (जिला)
(A) डुण्डा	1. ऊधमसिंह नगर
(B) किच्छा	2. देहरादून
(C) त्यूनी	3. पिथौरागढ़
(D) बेरीनाग	4. उत्तरकाशी

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	4	1	2	3
(b)	1	2	3	4
(c)	3	4	2	1
(D)	2	3	1	4

उत्तर—(a)

83. आन्ध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम निम्न वर्ष में पारित हुआ—
(a) 2011 (b) 2015
(c) 2010 (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(d)

84. निम्न में कौन-सा/से कथन सत्य हैं—
(a) लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम भारत में 2013 में लागू हुआ
(b) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम वर्ष 2013 में पारित हुआ
(c) a और b दोनों सत्य हैं।
(d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

85. भारत में ……… 1 जनवरी, 1994 से लागू हुआ।
(a) राष्ट्रीय आयोग (b) उपभोक्ता आयोग
(c) राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग (d) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग
उत्तर—(d)

86. आत्म नियमन का सिद्धान्त सम्बन्धित है—
(a) राज्य क्षेत्राधिकार से (b) मान्यता से
(c) उत्तराधिकार से (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(c)

87. ……… ने भारतीय संविधान की उद्देशिका (प्रस्तावना) के प्रारूप को बनाया था।
(a) महात्मा गाँधी (b) जवाहर लाल नेहरू
(c) वल्लभभाई पटेल (d) बी. आर. आम्बेडकर
उत्तर—(d)

88. भारतीय मानक समय का निर्धारण किस देशान्तर रेखा से होता है—
(a) 82.5° पूर्व (b) 89.9 पश्चिम
(c) 87.5° पूर्व (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(a)

89. 'पाक जल सन्धि' का सम्बन्ध है—
(a) भारत और पाकिस्तान (b) भारत और बांग्लादेश
(c) भारत और श्रीलंका (d) भारत और नेपाल
उत्तर—(c)

90. एस. टी. पी. विचारधारा में 'एस' का तात्पर्य है—
(a) समाज (b) खण्डीयकरण
(c) सेक्टर (d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(b)

91. कौन-सा ऑपरेशन 'उत्तराखण्ड' से सम्बन्धित है—
(a) ऑपरेशन केदार (b) ऑपरेशन बद्री
(c) ऑपरेशन चोटी (d) ऑपरेशन सूर्य होप
उत्तर—(d)

92. कौन-सा शहर काँच कुटीर उद्योग के लिए प्रसिद्ध है—
(a) हरिद्वार (b) देहरादून
(c) फिरोजाबाद (d) वाराणसी
उत्तर—(c)

93. गलत युग्म का चयन कीजिए—
(a) झूमैलो — उत्तराखण्ड का नृत्य
(b) छोलिया — उत्तराखण्ड का नृत्य
(c) नगाड़ा — गीत
(d) सरला बहन — मिल कैथरीन हैलिमन
उत्तर—(c)

17.6 मध्य प्रदेश पटवारी भर्ती परीक्षा 2008

1. मछली उत्पादन में वृद्धि को क्या कहते हैं ?
(a) हरित क्रान्ति (b) नीली क्रान्ति
(c) श्वेत क्रान्ति (d) भूरी क्रान्ति
उत्तर—(b)

> **YUKTI ज्ञान**—*हरित क्रान्ति का सम्बन्ध गेहूँ व चावल से श्वेत क्रान्ति दुग्ध उत्पादन से तथा भूरी क्रान्ति उर्वरक उत्पादन से सम्बन्धित हैं।*

2. म. प्र. में सर्वाधिक साक्षर जिला कौन-सा है ?
(a) इंदौर (b) जबलपुर
(c) भोपाल (d) नरसिंहपुर
उत्तर—(b)

3. आई. आर. 36 किस फसल की प्रजाति है ?
(a) अरहर (b) गेहूँ
(c) सोयाबीन (d) धान
उत्तर—(b)

4. यूरिया खाद से कौन-सा तत्व प्राप्त होता है ?
(a) फॉस्फोरस (b) नाइट्रोजन
(c) पोटेशियम (d) जिंक
उत्तर—(b)

> **YUKTI ज्ञान**—*यूरिया खाद में सर्वाधिक मात्रा नाइट्रोजन की पायी जाती है जो फसल की वृद्धि के लिए आवश्यक होती है।*

5. एक हेक्टेयर कितने एकड़ के बराबर होता है ?
(a) 1.47 एकड़ (b) 2.47 एकड़
(c) 2.74 एकड़ (d) 2.75 एकड़
उत्तर—(b)

6. म. प्र. में कपिलधारा योजना का क्या ध्येय है ?
(a) नहर निर्माण करना
(b) कृषि भूमि हेतु सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना
(c) दूध उत्पादन करना (d) पशु चारा उत्पादन
उत्तर—(b)

7. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में एक वित्तीय वर्ष में अकुशल मजदूर को कितने दिन के रोजगार की गारंटी है ?
(a) 150 दिन (b) 100 दिन
(c) 110 दिन (d) 90 दिन
उत्तर—(b)

> **YUKTI ज्ञान**—*राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में एक वित्तीय वर्ष में अकुशल मजदूर को 100 दिन का रोजगार देने की गारंटी है।*

8. म. प्र. में वर्षा के अप्रवाहित जल को सिंचाई के लिये रोकने हेतु कौन-सी योजना है?
(a) जीवनधारा योजना (b) बलराम ताल योजना
(c) राजीव गाँधी योजना (d) जलधन योजना
उत्तर—(b)

> **YUKTI ज्ञान**—*म. प्र. में वर्षा के अप्रवाहित जल को सिंचाई के लिए रोकने हेतु बलराम ताल योजना चलाई जा रही है।*

9. डी.ए.पी. का पूरा अर्थ क्या है ?
(a) डाई अमोनियम फॉस्फेट (d) डबल एमीनो फॉस्फेट
(c) डाई एसिडिक प्रॉडक्ट (d) डाइरेक्ट एल्केलाइन पाइरेट
उत्तर—(a)

10. जीरा की खेती के लिए कौन-सा राज्य प्रसिद्ध है ?
(a) उत्तर प्रदेश (b) केरल
(c) गुजरात (d) राजस्थान
उत्तर—(c)

11. कृषि वर्ष की अवधि क्या है ?
(a) 1 अप्रैल से 31 मार्च (b) 1 अक्टूबर से 30 सितम्बर
(c) 1 जुलाई से 30 जून (d) 1 जनवरी से 31 दिसम्बर
उत्तर—(c)

12. भारत में श्वेत क्रान्ति के जनक कौन माने जाते हैं ?
(a) डॉ. स्वामीनाथन (b) डॉ. अब्दुल कलाम
(c) डॉ. बोरलॉग (d) डॉ. कुरियन
उत्तर—(d)

13. सोयाबीन उत्पादन सबसे अधिक किस प्रदेश में होता है ?
(a) महाराष्ट्र (b) राजस्थान
(c) मध्य प्रदेश (d) पंजाब
उत्तर—(c)

14. पी.सी.ओ. का पूरा नाम क्या है ?
(a) परफेक्ट कॉलिंग ऑफिस (b) पब्लिक कोनवरसेशन ऑफिस
(c) पीपुल्स कनवीनियन्स ऑफिस (d) पब्लिक कॉल ऑफिस
उत्तर—(d)

15. सार्वजनिक बैंकों द्वारा करेंट खाते पर दिये जाने वाले ब्याज की दर क्या है ?
(a) 5.0% (b) 3.0%
(c) 4.0% (d) 0.0%
उत्तर—(d)

> **YUKTI ज्ञान**—*सार्वजनिक बैंकों द्वारा करेंट खाते पर कुछ भी ब्याज नहीं दिया जाता है।*

16. म. प्र. में डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान कहाँ स्थित है ?
(a) बालाघाट (b) महू
(c) सागर (d) बुरहानपुर
उत्तर—(b)

> **YUKTI ज्ञान**—*म. प्र. में डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान महू (म. प्र.) में स्थित है। यह भीमराव आम्बेडकर की स्मृति में स्थापित किया गया था।*

17. भारत की किस प्रसिद्ध फिल्म ने ग्रामीण भारत के किसानों की समस्याओं का चित्रण किया ?
(a) जिस देश में गंगा बहती है (b) दो बीघा जमीन
(c) मेरा गाँव मेरा देश (d) गाँव की गोरी
उत्तर—(b)

18. 'कड़कनाथ' किस प्रकार का प्राणी है ?
(a) भैंस (b) मुर्गी
(c) गाय (d) बकरी
उत्तर—(b)

19. किस वृक्ष की पत्तियाँ पशुओं को अधिकतम प्रोटीन प्रदान करती हैं ?
(a) पीपल (b) सूबबूल
(c) नीम (d) बरगद
उत्तर—(b)

20. संविधान के किस संशोधन ने पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा दिया ?

(a) 37वाँ (b) 56वाँ
(c) 42वाँ (d) 73वाँ

उत्तर—(d)

YUKTI ज्ञान—*संविधान के 73वें संशोधन से पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है तथा पंचायती राज व्यवस्था का उल्लेख अनुच्छेद 243 में किया गया है जिसमें 29 विषय रखे गये हैं।*

21. आँवले के फल में कौन-सा विटामिन मुख्यत: पाया जाता है ?

(a) विटामिन A (b) विटामिन B
(c) विटामिन C (d) विटामिन D

उत्तर—(c)

22. म. प्र. में अल्पावधि कृषि फसल ऋण किस दर पर दिया जाना तय हुआ है?

(a) 11% (b) 5%
(c) 8% (d) 9%

उत्तर—(b)

YUKTI ज्ञान—*म. प्र. में अल्प अवधि कृषि फसल ऋण 5% दर पर दिया जाना तय हुआ है।*

23. बीजों की शृंखला में सर्वोच्च आनुवंशिक शुद्धता किसमें होती है ?

(a) प्रजनक बीज (b) प्रमाणित बीज
(c) विश्वसनीय रूप से अंकित बीज (d) आधार बीज

उत्तर—(b)

24. बालिकाओं के शैक्षणिक व आर्थिक स्तर में सुधार हेतु कौन-सी योजना मध्य प्रदेश में है ?

(a) पुत्री कल्याण योजना (b) बालिका सुधार योजना
(c) पुत्री उत्थान योजना (d) लाड़ली लक्ष्मी योजना

उत्तर—(d)

YUKTI ज्ञान—*बालिकाओं के शैक्षणिक व आर्थिक स्तर में सुधार हेतु मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना चलाई जा रही है, जिसमें समय-समय पर लड़कियों को शिक्षा के लिए धनराशि प्रदान की जाती है।*

25. 'जमुनापारी' किस पशु की किस्म है ?

(a) बकरी (b) भेड़
(c) ऊँट (d) गाय

उत्तर—(a)

YUKTI ज्ञान—*जमुनापारी बकरी की प्रजाति है जो सर्वाधिक दूध देती है।*

26. लोकसभा के सदस्य की न्यूनतम आयु क्या होती है ?

(a) 35 वर्ष (b) 25 वर्ष
(c) 20 वर्ष (d) 21 वर्ष

उत्तर—(b)

27. राज्य सभा के पदेन सभापति कौन होते हैं ?

(a) राष्ट्रपति (b) लोकसभा के स्पीकर
(c) उपराष्ट्रपति (d) प्रधानमंत्री

उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है। उसे वेतन राज्यसभा के सभापति के रूप में मिलता है। उपराष्ट्रपति के रूप में कोई वेतन नहीं मिलता है।*

28. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?

(a) महात्मा गाँधी (b) ए. ओ. ह्यूम
(c) डब्ल्यू. सी. बैनर्जी (d) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

उत्तर—(c)

29. बिठूर किस स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी के लिए प्रसिद्ध है ?

(a) रानी लक्ष्मीबाई (b) भगतसिंह
(c) तात्या टोपे (d) नाना साहेब पेशवा

उत्तर—(d)

30. तात्या टोपे को कहाँ फाँसी दी गई थी ?

(a) ग्वालियर (b) जबलपुर
(c) शिवपुरी (d) दतिया

उत्तर—(c)

YUKTI ज्ञान—*तात्या टोपे को झाँसी-शिवपुरी के चौराहे पर 1859 को फाँसी दी गयी थी।*

31. जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड कब हुआ ?

(a) 1919 (b) 1922
(c) 1916 (d) 1929

उत्तर—(a)

32. फ्रंटियर गाँधी के नाम से कौन प्रसिद्ध था ?

(a) लियाकत अली (b) मोहम्म्द अली जिन्ना
(c) खान अब्दुल गफ्फार खाँ (d) शेख अब्दुल्ला

उत्तर—(c)

33. संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी एवं पंथ निरपेक्ष जैसे नये शब्द किस संविधान संशोधन से जुड़े ?

(a) 32वाँ (b) 36वाँ
(c) 41वाँ (d) 42वाँ

उत्तर—(d)

34. गाँधीजी का दांडी सत्याग्रह किस कानून के विरुद्ध था ?

(a) नमक कानून (b) रोलेट एक्ट
(c) शारदा एक्ट (d) भारत सरकार अधिनियम

उत्तर—(a)

35. लोकसभा में अधिकतम कितने सदस्य हो सकते हैं ?

(a) 512 (b) 552
(c) 500 (d) 452

उत्तर—(b)

36. नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में है ?

(a) 43 (b) 44
(c) 42 (d) 45

उत्तर—(b)

37. मध्य प्रदेश में 1857 का स्वतन्त्रता संग्राम कहाँ शुरू हुआ ?

(a) ग्वालियर (b) नीमच
(c) जबलपुर (d) मुरैना

उत्तर—(b)

38. संविधान की किस अनुसूची में भारतीय भाषाओं का उल्लेख है?

(a) दूसरी (b) आठवीं
(c) सातवीं (d) नौवीं

उत्तर—(b)

39. वर्तमान में मध्य प्रदेश की विधानसभा के अध्यक्ष कौन हैं ?

(a) श्रीमती नजमा हेपतुल्ला (b) श्री जी. एम. बालयोगी
(c) श्री सोमनाथ चटर्जी (d) श्री ईश्वर दास रोहाणी

उत्तर—(d)

YUKTI ज्ञान—*प्रश्न काल के दौरान श्री ईश्वर दास रोहाणी मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष थे। वर्तमान में डॉ. सीता सरन शर्मा मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं।*

40. मध्य प्रदेश के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं ?
(a) डॉ. बलराम जाखड़ (b) श्री हजारी लाल रघुवंशी
(c) श्री शिवराज सिंह चौहान (d) भाई महावीर
उत्तर—(a)

YUKTI **ज्ञान**—*प्रश्नकाल के दरम्यान मध्य प्रदेश के राज्यपाल डॉ. बलराम जाखड़ थे। वर्तमान में आनन्दी बेन पटेल राज्य की राज्यपाल हैं।*

41. चन्द्रशेखर आजाद किस जिले में पैदा हुए थे?
(a) खरगौन (b) खण्डवा
(c) झाबुआ (d) इन्दौर
उत्तर—(c)

42. लौह पुरुष किन्हें कहते थे ?
(a) नेताजी सुभाषचन्द्र बोस (b) बाल गंगाधर तिलक
(c) चन्द्रशेखर आजाद (d) सरदार वल्लभभाई पटेल
उत्तर—(d)

43. भारत छोड़ो आन्दोलन किस दिन प्रारम्भ हुआ ?
(a) 9 सितम्बर, 1941 (b) 9 सितम्बर, 1942
(c) 9 अगस्त, 1943 (d) 9 अगस्त, 1942
उत्तर—(d)

YUKTI **ज्ञान**—*भारत छोड़ो आन्दोलन की महात्मा गाँधी द्वारा 8 अगस्त, 1942 को घोषणा की गयी थी। इस आन्दोलन में महात्मा गाँधी द्वारा 'करो या मरो' का नारा दिया गया था।*

44. 'स्वराज हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, किसने कहा था ?
(a) महात्मा गाँधी (b) बाल गंगाधर तिलक
(c) सुभाषचन्द्र बोस (d) गोपाल कृष्ण गोखले
उत्तर—(b)

YUKTI **ज्ञान**—*स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है। यह नारा गरम दल के नेता बाल गंगाधर तिलक द्वारा दिया गया था।*

45. महात्मा गाँधी का जन्म किस वर्ष में हुआ था ?
(a) 1878 (b) 1896
(c) 1869 (d) 1968
उत्तर—(c)

YUKTI **ज्ञान**—*महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को पोरबन्दर गुजरात में हुआ था।*

46. भारत का राष्ट्रगीत किसने लिखा था ?
(a) रबीन्द्रनाथ टैगोर (b) महात्मा गाँधी
(c) बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय (d) सरोजिनी नायडू
उत्तर—(c)

47. संविधान में नागरिकों के मूल अधिकार कितने हैं ?
(a) 6 (b) 5
(c) 7 (d) 11
उत्तर—(a)

48. 'रामकृष्ण मिशन' किसने स्थापित किया ?
(a) स्वामी दयानंद (b) स्वामी विवेकानंद
(c) राजा राममोहन राय (d) स्वामी रामकृष्ण परमहंस
उत्तर—(b)

49. सुभाषचन्द्र बोस द्वारा गठित सेना का क्या नाम था ?
(a) स्वतन्त्र हिन्द फौज (b) भारतीय आजादी फौज
(c) आजाद हिंद फौज (d) भारत राष्ट्रीय फौज
उत्तर—(c)

50. भारत के संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे ?
(a) सरदार वल्लभभाई पटेल (b) पं. जवाहरलाल नेहरू
(c) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (d) डॉ. भीमराव आम्बेडकर
उत्तर—(d)

YUKTI **ज्ञान**—*भारत में संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आम्बेडकर को चुना गया था। इस समिति में सदस्यों की संख्या 70 थी। डॉ. भीमराव आम्बेडकर को संविधान का पितामह कहा जाता है।*

51. राई स्वांग लोकनृत्य किस क्षेत्र में प्रसिद्ध है ?
(a) मालवा (b) बुंदेलखण्ड
(c) निमाड़ (d) झाबुआ
उत्तर—(b)

52. उस्ताद अलाउद्दीन खान किस स्थान से सम्बद्ध थे ?
(a) देवास (b) बुरहानपुर
(c) ग्वालियर (d) मैहर
उत्तर—(d)

YUKTI **ज्ञान**—*उस्ताद अलाउद्दीन खाँ का सम्बन्ध मैहर (सतना) से है। यह सरोद वादक थे।*

53. मुश्ताक अली किस खेल से सम्बद्ध थे ?
(a) फुटबॉल (b) टेनिस
(c) हॉकी (d) क्रिकेट
उत्तर—(d)

YUKTI **ज्ञान**—*मुश्ताक अली का सम्बन्ध क्रिकेट से है। यह इन्दौर के थे।*

54. खैर वृक्ष से क्या निकाला जाता है ?
(a) तेल (b) गोंद
(c) लाख (d) कत्था
उत्तर—(d)

55. सारनी ताप विद्युत गृह किस जिले में है ?
(a) शहडोल (b) बैतूल
(c) रीवा (d) सीधी
उत्तर—(b)

56. गोटमार का खेल कहाँ प्रचलित है ?
(a) रीवा (b) भिण्ड
(c) छिन्दवाड़ा (d) धार
उत्तर—(c)

57. मध्य प्रदेश में जैव मण्डलीय आरक्षित क्षेत्र कहाँ है ?
(a) बांधवगढ़ (b) शिवपुरी
(c) पचमढ़ी (d) छतरपुर
उत्तर—(c)

58. श्वेत संगमरमर के पहाड़ कहाँ स्थित हैं ?
(a) भेड़ाघाट (जबलपुर) (b) सतना
(c) छिंदवाड़ा (d) दमोह
उत्तर—(a)

59. उज्जैन का प्राचीन नाम क्या था ?
(a) त्रिपुरी (b) इन्द्रपुर
(c) पद्मावती (d) अवन्तिका
उत्तर—(d)

60. मध्य प्रदेश में किस स्थान की साड़ियाँ प्रसिद्ध हैं ?
(a) दतिया (b) सतना
(c) चन्देरी (d) भोपाल
उत्तर—(c)

61. मध्य प्रदेश में हीरे किस जिले में मिलते हैं ?
(a) सिवनी (b) होशंगाबाद
(c) गुना (d) पन्ना
उत्तर—(d)

62. मध्य प्रदेश की सीमाएँ किस राज्य से नहीं मिलतीं ?
(a) उत्तर प्रदेश (b) गुजरात
(c) उड़ीसा (d) महाराष्ट्र
उत्तर—(c)

YUKTI ***ज्ञान***—*मध्य प्रदेश की सीमा 5 राज्यों को छूती है जो निम्न हैं—1. उत्तर प्रदेश, 2. छत्तीसगढ़, 3. महाराष्ट्र, 4. गुजरात और 5. राजस्थान।*

63. काली सिंध नदी के किनारे कौन-सा नगर बसा है ?
(a) कटनी (b) सोनकच्छ
(c) उज्जैन (d) बीना
उत्तर—(d)

64. किस रेलगाड़ी को आई.एस.ओ. 9001 गुणवत्ता प्रमाणीकरण मिला है ?
(a) भोपाल एक्सप्रेस (b) मालवा एक्सप्रेस
(c) बीना पैसेन्जर (d) अमरकंटक एक्सप्रेस
उत्तर—(a)

YUKTI ***ज्ञान***—*भोपाल एक्सप्रेस को ISO-9001 गुणवत्ता प्रमाणीकरण मिला है।*

65. भारिया जनजाति मुख्यत: किस जिले में पायी जाती है ?
(a) धार जिला (b) छिंदवाड़ा जिला
(c) रायसेन जिला (d) राजगढ़ जिला
उत्तर—(b)

YUKTI ***ज्ञान***—*भारिया जनजाति मुख्यत: छिंदवाड़ा जिले के पातालकोट में पायी जाती है।*

66. मध्य प्रदेश का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय कौन-सा है ?
(a) विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
(b) डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
(c) देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
(d) रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
उत्तर—(b)

67. मेजर ध्यानचंद किससे जुड़े थे ?
(a) फुटबॉल (b) हॉकी
(c) संगीत (d) राजनीति
उत्तर—(b)

68. कान्हा राष्ट्रीय उद्यान किस जिले में है ?
(a) शिवपुरी (b) शहडोल
(c) मण्डला (d) पन्ना
उत्तर—(c)

YUKTI ***ज्ञान***—*कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मण्डला में है। यह मध्य प्रदेश का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान है।*

69. मध्य प्रदेश में वर्तमान में कितने जिले हैं ?
(a) 45 (b) 49
(c) 48 (d) 46
उत्तर—(c)

YUKTI ***ज्ञान***—*प्रश्न काल के दरम्यान मध्य प्रदेश में 48 जिले थे। वर्तमान में 51 जिले हैं। तीन नये जिले हैं—(1) सिंगरौली (2) अलीराजपुर (3) आगर।*

70. वर्ष 2002 - 2007 तक कौन-सी पंचवर्षीय योजना चली ?
(a) बारहवीं (b) नौवीं
(c) ग्यारहवीं (d) दसवीं
उत्तर—(c)

YUKTI ***ज्ञान***—*2002-2007 वर्ष में 11वीं पंचवर्षीय योजना लागू थी जिसके उपाध्यक्ष मौरिल सिंह अटुसुवासिमा थे।*

71. नर्मदा नदी का स्रोत कहाँ है ?
(a) चचाई (b) अमरकंटक
(c) ओंकारेश्वर (d) महेश्वर
उत्तर—(b)

72. मध्य प्रदेश में कंदरिया महादेव मन्दिर कहाँ है ?
(a) रीवा (b) जबलपुर
(c) उज्जैन (d) खजुराहो
उत्तर—(d)

YUKTI ***ज्ञान***—*मध्य प्रदेश में कंदरिया महादेव का मन्दिर खजुराहो में स्थित है। यहाँ पर मंदिर का निर्माण चंदेल शासकों ने 950-1050 A.D. में करवाया था। यहाँ पर हिन्दू और जैन धर्म के मन्दिर स्थित हैं।*

73. मध्य प्रदेश में ताँबा किस जिले में मिलता है ?
(a) बैतूल (b) बालाघाट
(c) कटनी (d) सिवनी
उत्तर—(b)

74. भगवान आदिनाथ की 72 फीट की प्रतिमा मध्य प्रदेश में कहाँ है ?
(a) बावनगजा (बड़वानी) (b) खजुराहो
(c) उदयगिरि (d) ओरछा
उत्तर—(a)

75. मध्य प्रदेश का गठन किस दिन हुआ था ?
(a) 1 नवम्बर, 1956 (b) 1 अक्टूबर, 1956
(c) 1 नवम्बर, 1958 (d) 1 जनवरी, 1956
उत्तर—(a)

YUKTI ***ज्ञान***—*1 नवम्बर, 1956 को मध्य प्रदेश का पुनर्गठन फजल अली आयोग की सिफारिश पर हुआ। स्थापना के समय 43 जिले थे। वर्तमान में 51 जिले हो गये हैं।*